

REMARK & SHEET
PUBLISHED BY AUTHORITY

ਜਂ. 41] No. 41] नई बिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 11, 1997/आस्विन 19, 1919

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19, 1919

इस भाग को भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकालन के लाप में रचा जा सके

Separate faging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

बारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आवेश सीर अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

गह महालय

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

का .ग्रा. 2540 --- विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) थ्रिधिनियम, 1954 (1954 का 44) की **घारा** 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजधानी राप्दीग एतदशारा केन्द्रीय सरकार, के भूमि एवं भवन विभाग, निष्कान्त सरकार सम्पत्ति सैंज में सहायक बन्दोबस्त ग्रधिकारी श्री प्यारेलाल स्प्रयं के दायित्वों के ग्रीतरिक्त क्षतिपृति पूल के भाग के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली निष्कांन शहरी एवं ग्रामीण सम्पत्तियों स्थित अधिग्रहि । ग्रीर निपटान के संबंध के प्रबन्ध नया के द्वारा अथवा उसके उजीत, ग्रजितियम उक्त मीपे गए गार्यी के निष्पादन ग्र{बकारी को प्रवन्धं श्रिधिकारी के रूप में नियक्त करती स प्रवन्ध उद्देश्य 食り

[मं. 1(3)/97-बन्दोवस्त(क)] स्रजीत मिह, ग्रवर मधिब MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 17th September, 1997

S.O. 2540.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (I) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Pyare Lal, Assistant Settlement Officer in the Land and Building Department, Evacuee Property Cell, Government of the National Capital Territory of Delhi as Managing Officer in addition to his own duties, for the purpose of performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, in respect of management and disposal of acquired evacuee urban and rural properties and lands situated in the National Capital Territory of Delhi forming apart of the Compensation Pool.

[No. 1(3)/97-Settlement (A)] SURJIT SINGH, Under Secy. नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

का.म्रा. .-- 2541 निष्कांत सम्पत्ति प्रबन्ध स्रधिन नियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उप-धारां (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरक**ःर,** एतदद्वारा राष्ट्रीय रजवानी क्षेत्र, दिल्ली के भूगि एवं भवन विभाग, निष्कांत सम्पत्ति सैल, में सहायक बन्दोबस्त ग्रधिकारी, श्री प्यारेलाल के दायित्वों के क्रितिरिक्त, स्ययं धधीन महायक ग्रधिनियम के द्वारा प्रथवा उसके म्राभिरक्षक को सींपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से, तत्काल प्रभाव से निष्कांत संपत्ति के सहायक म्राभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

> [सं. 1(3)/97-बंदोबस्त (ख)] मुरजीत सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 17th September, 1997

S.O. 2541.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act. 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri Pyace Lal, Assistant Settlement Officer in the Land and Building Department, Evacuce Property Cell, Government of National Capital Territory of Delhi as Assistant Custodian of Lyacuee Property, in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to such Assistant Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

> [No. 1(3)/97-Settlement (B)] SURJIT SINGH, Under Secv.

वित्त मंद्रालय

(राजस्व विभाग)

नर्ड दिल्ली, 25 श्रवतुबर, 1996 (भायकर)

का॰ शा॰ 2542. - - ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (iv) ग्रारा प्रदत्त मित्रयों का प्रयोग करते हुए केन्बीय सरकार एतब्हारा "सर्व सेवा संघ, सेवाग्राम, महाराष्ट्र"को कर-निधरिण वर्ष 1996-1997 से 1998-99 तक के लिए निम्निखित शर्तों के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ग्राधिसम्बन करली है, ग्रथति

- (j-) कर-निर्धारती इसरी श्राय का इस्तेमाल अववा इसवी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका रंचयन गर्णतया तथा अनन्यतया उन उर्षेणी के लिए करेगा. जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (jj) वर-निधीरती उपर-उल्लिखित कर-निधीरण वर्षौ से अगत पर्ववर्ती वर्षी की किसी भी अवधि के धौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिविष्ट किसी एक भ्रथवा एक से भ्रधिक वंग श्रथवा तरीकों से अन्त तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, परीचर धादि के रूप में प्राप्त

त्या रख-रखाव में स्वेंच्धक अंशदान से) भिन्त का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगाः

(iii) यह प्रधिक्चना किसी ऐसी बास के स्वक में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से लाभ तथा अभिलाभ के स्टप में हो तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर नि**धाँक्ति**। के उद्देश्यों की प्राप्ति के निए नहीं हो तथा एसे कारोबार के संबंध अलग से लेखा-प्रितकाएं नहीं रखी जाती हों।

[प्राधिभवना सं० 10216/पा० सं० 197/136/96-प्रायकर निव-II

एच० के० चौधरी, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) New Delhi, the 25th October, 1996 (INCOME TAX)

S.O. 2542.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sarva Seva Sangh, Sevagram, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :--

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the ob-jects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and cains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business INotification No. 10216/F. No. 197/136/96-IT-A-IJ H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 नवम्भर, 1996 (भ्रायकर)

का०ग्रा० 2543.--श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) नी धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त पानितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार हतद्वारा "एवसपोर्ट प्रोयोगन कार्जसिल पॉर हत्वीत्रापटस, नई दिल्ली" को कर-निधरिणवर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्ती के श्रधीन रहते 📭 उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ग्राधिस्चित करती है, ग्रथति :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी भाग का इस्तेमाल श्रवता गुसवी श्राय का गुस्तेमाल करने के लिए गुसका संचयन पूर्णतया तथा भनस्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्वापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निघारण वर्षे से रंगत पर्ववर्ती वर्षी की किसी भी भवधि के बीरान

- धारा (11) को उपधारा (5) में जिल्लेंबिंग्ट किसो एक श्रयंवा एक संश्रीधिक हैं। प्रयंवा तरावों से लिन्न तराकों सं श्रवों निधि (रेवर-जवाहरात फर्नोचर श्रादि के की में श्राप्त तथा रख-रखाव में स्रैच्छिक अश्रयान सं लिन्न) की नियेश नहीं करेगा श्रयंवा उसे जमा नहीं करवा सक्तगा;
- (iii) यह प्रधियूचना किसी ऐसी ग्राय के संबंध में लागू नद्दा होगा, जा कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा ग्राभलाभ के कर में हो जब तक कि, ऐसा कारोबार उक्त क द-निशीरता क उद्देश्यां वं। प्राप्त के लिए प्राप्तांगक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रालग से लेखा-पुस्तिकाए नहीं रखी जाती हों।

[भविसूचना सं० 10219/पा० सं०197/135/96-आ०का० मि०-1]

एच०के० चाधरी, ध्रत्ररसाचब

New Delhi, the 5th November, 1996 (INCOME TAX)

S.O. 2543.—In excresse of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Export Promotion Council for Handicrafts, New Dellii" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10219/F. No. 197/135/96-ITA-1] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विल्ली, 15 नधम्बर, 1996

(भ्रायकर)

का॰ आ॰ 2544. --- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) श्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग कर हुए के जीय सरकार प्रतद्वारा "द महाराष्ट्र स्टंटका असिल पार चाइत्ड बेलपेयर मुख्यही" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए निम्न-सिलिल एती के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिमृचित करती है, अभित् :--

(i) कर-निर्धारती इसकी श्राय का इस्तमाल श्रववा इसकी श्राय का इस्तमाल करने के लिए इसका अंचयन पूर्णतया तथा श्रनस्तया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना वी गई है.

- (ii) कर-निधारिका उपर इत्लिखित कर-निधरिण वर्षों से सगत पूर्ववर्षा वर्षों मी किसी भी अविधि के दीरान धारा 1:1 की उपधारा (5) में विनिदिष्ट किसी एक अधवा एक स अधिक उंग अधवा तपायों से भिन्न तर्शयों से इसवी निधि (जैवर-जवाहिरात, पर्नोचर आदि) के सप में प्राप्त तथा रख-रखाब में व्यैच्छिक अपदान ो लिन्त) का निवेश नहीं करेगा, अधवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिर्चना किसी ऐसी आय के सबध में जागू नहीं होगा जोकि कागोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कागोबार उनते कर-निधारितों के उर्हेण्यों भी प्राप्त के लिए प्रात्मिक नहीं हो तथा ऐस कारोबार के सबंध में अलग में लेखा-पुरितवाएं नहीं रखी जाती हों।

[ब्रिधिमूचना सं० 10225/फार्न्स्ट 197/38/96-श्रायनर स्टि०1] ध्चल्व० अधिरो, श्रवर मस्वि

New Delhi, the 1:th November, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2544.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Maharashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessed will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 1!;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and supported books of accounts are maintained in respect of such business. [Notification No. 10225/F. No. 197/38/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996 (भ्रायकर)

का०श्रा० 2545 — आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय माका एतद्वारा "वि महाराष्ट्र स्टेट काऊंसिल फॉर चाईल्ड वेल-फेयर, मुस्वई" को कर-जियरिण वर्ष 1990-91 से 1992

93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के ग्रधीन रहते हुए उक्त उप-षंड के प्रयोजनार्थ श्रधमूचित करती है, श्रर्थात् :---

- (i) कर निर्धारिती इसकी थ्राय का इस्तेमाल अथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतथा तथा अनन्यतया उन उद्देण्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना को गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उत्पर जिल्लिखत कर निर्धारण वर्षों सें संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिधिष्ट किसी एक अथवा एक से आधक हंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरास, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंग-दान से भिन्न) का निवेश नेहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (ंंंं) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखीं जाती हों।

[ग्रिधिसूचना सं० 10226/फा॰सं० 197/38/96-ग्रा.क.नि.-]] एच०के० चीधरी, श्रवर सचिव

> New Delhi, the 15th November, 1996 (INCOME TAX)

S.O. 2545.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Maharashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assesse will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10226/F. No. 197/38/96-ITA-1] H. K. CHOUDHARY, Under Secv. नई दिल्ली, 15 नवस्वर, 1996

(अ।वकर)

को०ग्रा० 2546. - ग्रायक्षर श्रांत्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रथाग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि महाराष्ट्र रटेट ठाऊसिल फार चाईल्ड बेलफीयर, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 में 1995-96 तक के लिए निम्हालिखित गती के ग्रधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोगनार्थ अधिसूचित वार्ता है, ग्रथांत्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसको अ।य का इस्तेमाल अवजा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संख्यन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देग्यों के लिए करगा, जिनके लिए इसका स्थापना की गई है:
- (ii) कर विशंदिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 का उपधारा (5) में विनिद्धिट किमी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीवर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) कर निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा पुस्तिकाए नहीं रखी जाती हों।

[श्रिधिसूचन। सं० 10227/फा०सं० 197/38/96-अा.क.नि-1] एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th November, 1996

(INCOME TAX)

- S.O. 2546.—In exercise of the popwers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Mahatashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10227|F. No. 197|38|96-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996

(भ्रायकर)

का० श्रा० 2547. -- श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "साईट सेंबरस-रॉय कामनवैन्य सोगाइटी फॉर हि क्लाईण्ड, मुस्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखिन शतों के श्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिध्मूचिन करती है, श्रथीत --

- (i) कर-निर्धारितीः इसकी ग्राय का अस्तेमाल ग्रथवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देण्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रवधि के दौरान धारा 11 की उनधारा (5) में विनिद्धित किसी एक श्रयना एक से श्रधिक ढोंग श्रयना नरीकों से भिन्न नरीकों से इसकी निधि (जेनर-जन्नाहिएत, फर्नीचर ग्रादि के रूप में प्राप्त नवा रख-रखान में स्वैच्छिक अंशवान से भिन्न) का निर्धेण नहीं करेगा सथना उसे जमा नहीं करना सकेगा.
- (iii) यह ग्रधिसूचना किसी ऐसी ग्रांच के संबंध में लागू नहीं हागी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा ग्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देण्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[ग्रधिसूचना संब 10239/फाव्मंव 197/156/95-ग्रा.क.नि.]] एस व्केव चौत्ररी, ग्रवर मनिय

New Delhi, the 5th December, 1996

(INCOME TAX)

- S.O. 2547.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sight Savers—Royal Commonwealth Society for the Blind, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 16239/F. No. 197/156/95-ITA-II] H. K. CHOUDHARY, Under Secv.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996

(भ्रायकर)

का०ग्रा० 2548.—श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ना), के उपखंड (iv) द्वारा प्रदम्म मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय रारकार एसद्वारा "दि एसोसिएमन ऑफ दि फिजीकली हैन्डीकैंट्ड, बंगलीर" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित गतौं के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, श्रथीत् :---

- (i) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल ग्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है:
- (ii) अर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 की उपकार। (5) में विनिर्धिष्ट किसी एक अथवा एक में अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों में इसकी निर्धा (जैवर

जवाहिरात, फर्नीकर ग्रादि में रूप में प्राप्त तथा रख-रखनव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहा होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रिभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाए नहीं रखी जाती हों।

[भिधि० स० 10240/फा०सं० 197/142/96—भा.क.नि. [] एच०के० चौधरी, भ्रयर सांचय

New Dtlhi, the 5th December, 1996 (INCOME TAX)

S.O. 2548.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifics "The Association of the Physically Handicapped, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are main than in any one or more of the forms or

[Notifiaction No. 10240/F. No. 197/142/96-TTA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996 (भ्रायकर)

भारतं 2549: — ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवस्त गर्वितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतंब्हारा "रामाहुल्णा भारदा मिंगन दक्षिणेश्वर, कलकता" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए

निम्नलिखित मतों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रधोजनार्थ अधिसूचित करती है, अधीत्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी भाय का इस्तेमाल भववा इसकी भाय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनत्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी भविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक भववा एक से प्रधिक ढंग प्रथम तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निर्ध (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर ग्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्विच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा भ्रयमा महीं करवा सकेगा:
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रिभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देण्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[भ्रधि०सं० 10241/फा॰सं० 197/70/96-आर.स.नि.-I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिष

New Delhi, the 5th December, 1996. (INCOME TAX)

- S.O. 2549.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ramakrishna Sarada Mission, Dakshioeswar, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to

the attainment of the objectives of the assessee and reparate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10241|F. No. 197|70|96-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

(भ्रायकर)

का०भा०2550:—-म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नेशनल हुमैंन राइट्स कमीशन, नई दिल्ली को कर निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्निलिखित शर्ती के श्रधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ श्रधिस्चित करती है, श्रधीत्:—-

- (i) कर निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा श्रनन्यनया उन उद्देण्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उहिलखित कर निर्धारण वर्षों में संगृत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रवधि के बौरान धार! 11 की उपधारा (5) में विनिर्विष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग श्रथवा तरीकों से भिन्न सरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर श्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निष्ठेश नहीं करेगा श्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा:
- (iii) यह प्रशिसूचना किसी ऐसी प्राय के संबंध में आगू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ, तथा प्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐता कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में प्राप्त में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[प्रिधि० सं० 10255/फा०सं० 197/84/95-श्रःयकर नि.-]] एच०के० चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2550.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Human Rights Commission, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994 95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely 1—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10255/F. No. 197/84/95-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विल्ली, 3 जनवरी, 1997

(आयकर)

का०आ०2551:—अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्द्रारा "थी भारत स्काऊटस और गाईड्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के जिए निम्नलिखित गती के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसुचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आम का इस्तेमाल अथवा इसकी आम का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देण्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षी से संगत पूर्वचर्ती वर्षी की किसी को अन्योग के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिविष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निर्ध (जेवर-जवाहरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंग्रदान से भिन्न) का निवेण नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह आंध्रसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लाग नही होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिताभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखीं जाती हो

[अधिसृचना सं. 10256/फा०ने० 197/137/96-अध्यकर नि.I] एच०के० चौधरी, अबर सचिव

> New Delhi, the 3rd January, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2551.—In exercise of the powers confirred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bharat Scouts and Guides, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992 93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10256/F. No. 197/137/96-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

(आयकर)

का० आ० 2552: — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा गदत्त शक्तिशों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "गुरूदेव सिद्ध पीठ, गणेशपुरी, महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्निलिखन शतीं के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिमूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल प्रथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यलया उन उद्देण्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के जीरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिद्दिट किसी एक अथवा एक से अधिक हंग अथवा तरीकों से किस तरीकों से इसकी निर्धि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाब में स्वैक्टिक अंगदान से भिन्न) का निर्धेश नहीं करेगा अथवा उसे कमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिमूचना किसी ऐसी आय के संबंध में आग नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिताभ के रूप में हो जब तभ कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिकों के उद्देश्यों के लिए प्राप्तीयक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखापुस्तिकार्ण नहीं रखी जाती हों।

[ऑब्ब्रूबन सं० 10257/फा॰मं० 197/133/96-अब पर नि.-1] एक्टर्यंग्रेड काउरी, अक्टर**संबर**

New Delhi, the 3rd January, 1997 (INCOME TAX)

- S.O. 2552.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gurudev Siddha Peeth, Ganeshpuri, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11:
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No 10257/F. No. 197/133/96-JTA-J] H. K. CHOUDHARY, Under Secv.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1997

(भ्रायकर)

का. आ. 2553 :--आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा "श्री गजानन महाराज संस्थान, शीगोन" को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 सक के लिए निम्नलिखित णतों के श्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधमूचित करती है, श्रर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल अथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती अपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिग्ट किसी एक अथवा एक से अधिन ढंग अथवा नरीकों से भिन्न नरीकों से इसकी निर्धा (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेग नहीं करेगा अथवा उने जना नहीं परवा सकेगा;
- (iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लाग नहीं होगी। जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ नय। प्रभिलाभ के रूप में ही जब तक कि

ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में शलग से लेखा-पुस्तिक।एं नहीं रखी जाती हों।

[म्रिधिसूचना सं. 10261/फा. सं. 197/125/94-म्रायकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, ग्रवर सचित

New Delhi, the 16th January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2553.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Gajanan Maharaj Sansthan, SHEGAON" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account; are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10261/F. No. 197/125/94-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

मई विल्ली, 12 फरवरी, 1997 (ग्रायकर)

का. आ. 2554 :—-आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज, नई दिल्ली" को कर निर्धारण घर्ष 1993-94 में 1995-96 तक के लिए निम्नलिखिल शतौं के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ष्रधिसूचित करती है, अर्थात् :——

- (i) कर निर्धारिती इसकी द्याय का इस्तेमाल अथवा इसकी अ।य का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण धर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में दिनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक क्षेत्र फथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी

निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंधदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा श्रयवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार मे प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[प्रधिसूचना सं. 10273/फा. सं. 197/2/97-धा.क.नि.-1]

एच. के. भाधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 12th February, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2554.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian National Trust for Art and Cultural Heritage, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relev int to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No 10273/F. No. 197/2/97-ITA-II] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विरुली, 14 फरवरी, 1997

(भायकर)

का. आ. 2555 :— आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखड (iv) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए; केन्द्रीय सरकार एनदृद्धारा "श्री रामचन्द्र मिणन, णात-जहांपुर (उत्तर प्रदेश)" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शरती के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ग्रिधस्चित करती है, श्रर्थान् :—

(i) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेनान पणना इसकी श्राय का इस्तेमाल करने हेत् इसक। संचयन पूर्णतया तथा अनम्यतया उन उद्देश्यों के लिए कर्नेगा, जिनके निग् इसकी स्थापना की गई है ;

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनि-र्दिष्ट किसी एक श्रथवा एक से श्रधिक ढंग श्रथवा तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैष्ठिक अंगदान से भिन्न) का निवेण नहीं करेगा श्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी प्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाग तथा श्रीभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देष्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[मिधिसूचना सं. 10276 / फा. सं. 197/6/97— भा. क. नि.-1]

एच. के. चौधरी, धवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2555.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Ramachandra Mission, Shahjahanpur, (U.P.)" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewcllery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and senarate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10276/F. No. 197/6/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

म**ई वि**ल्ली, 11 मार्च, 1997 (आयकर)

का. आ. 2556:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त गांक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा "राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउन्हेंशन, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शतीं के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षी से संगत पूर्ववर्ती वर्षी की किसी भी अविध के दौरान धारा 11की उपधारा (5) में विनिष्टिंद किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निध्ि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंग्रदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाम सथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-प्रिंतकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10285/फा .सं. 197/24/95–आयकर नि .-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2556.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Raja Rammohan Roy Library Foundation, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form off jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 and;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessed and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

> [Notification No. 10285/F. No. 197/24/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मार्फ, 1997

आयकर

अधिनियम, 2557 ---- आयकर आ. का. 1961 (1961 का 43) की बारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते "इंडिया इन्टरनेशनज केन्द्रीय सरकार ्नदद्वारा सेन्टर, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्षे 1997-98 1999-2000 लक के लिए निम्नलिखित शती के रहते हुए उक्त उपखंड हे प्रयोजनार्थ करती है, अर्थात् :--

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्वजरीं वर्षों की किसी भी अविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिधिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंगे अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेयर-जवाहिरात, फनीं बर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैिच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जगा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो गंग कारीबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निर्धारिती के उद्देष्यों की प्राप्त के लिए प्रास्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10288 / फा. सं. 197/131/96—आवजर नि.-1]

एक के चौधरी, अवर मचिय

New Delhi, the 13th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2557.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India International Centre, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years

- 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its fundation (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10288/F. No. 197/131/96-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Sccy.

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1987

अयमर

का. आ. 2558 .—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शांकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सेन्टर फार एडवांस स्टेटिजिक स्टडीज (सी. ए. एस. एस.), पुणे" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्निलिखित शर्ती के अयोग रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोग नार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वयौ से संगत पूर्ववर्ती वयौ की किसी भी अवधि के धौरान धारा 11की उपधारा (5) में विनि-दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीको संभिन्न तरीकों से इसकी (निधि जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आधि के रूप प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगवान से (মক্ষ) का निवेश नहीं धरेगा अथवाउसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिमूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उपत-कर-निर्धारिती के उद्देष्यों का प्राप्ति के लिए प्राद्धींगक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अनग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों

[अधिभूचना सं. 10289 / फा. सं. 197/10/97—आयकर नि.-1] एच. के. चौधरी, अधर स**णि**व

New Delhi, the 13th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2558.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Advanced Strategic Studies (CASS). Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10289/F. No. 197/10/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997 (ष्ट: २,६२)

का. था. 2559.—शायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) धारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "महाराष्ट्र स्टेट यूमेंस काऊंसिल, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शतीं के श्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधसूचित करती है, श्रथित् :---

- (i) कर-निर्धारिती इसकी म्राय का इस्लेमाल भथवा इसकी म्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिराल, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगवान से भिन्न) का निवेग नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह भिधसूचना किसी ऐसी भ्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ सथा भिभलाभ के रूप में हो जबतक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देषयों

की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकांए नहीं रखी जाती हों।

[ग्रधिसूचना सं. 10290 (फा. सं. 197/8/97-भायकर नि.—I]

एच. के. चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2559—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Women's Council, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and guins of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10290/F. No. 197/8/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नर्ष दिल्ली, 17 मार्च, 1997 (ग्रायकर)

का. आ. 2560.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "िकरोजशा गोवरेज फाउ॰डेशन, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शतों के प्रध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, प्रथांत:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रमन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिधिष्ट किसी एक श्रणवा एक से श्रधिक वंग श्रथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेयर-जवाहिरात, फर्नीचर श्रादि के कृष

में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक श्रंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा ग्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा:

(iii) यह श्रधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देग्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;

एच. के. चौधरी, श्रवर संचिव

New Delhi, the 17th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2560.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pirojsha Godrej Foundation, Mumbal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-1999 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10291/F. No. 197/18/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Sccy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(भायकर)

का. श्रा. 2561 .— श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खड़ं (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा "बोम्बे ह्यूमनीटेरियन लीग, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शतौं के प्रध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिध्सूचित करती है, प्रथित् :—

 (i) कर निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्सेमाल अथवा इसकी ग्राय का इस्सेमाल करने के लिए इसका संवयम पूर्णतया तथा ग्रक्त्यतया उन्ने उद्दे⊭यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई हैं;

- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से प्रधिक दंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ग्रंगदान से भिन्न) का निवेग नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रिभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारो-बार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[म्रिधिसूचना सं. 10306 / फा. सं. 197/151/94-ग्रायकर नि.-I)]

एभ. क. चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME TAX)

- S. O. 2561.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bombay Humanitarian League, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10306/F. No. 197/151/94-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(भायकर)

का. थ्रा. 2562.— आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतबुद्वारा "कस्तुरका गांधी नेशनल

मैमोरियल द्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.)"को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित मती के अध्यक्षीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी स्राय का इस्तेमाल अथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से सिक्ष तरीकों से इसकी निर्धि (जेंबर-अवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाब में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह श्रिधमूचना किसी ऐसी ग्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रिभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देष्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रान्य से लेखा पुस्तिकां नहीं रखी जाती हों।

[भिधिसूचना सं. 10307/फा. सं. 197/12/97-श्रायकर नि.-[] एच. के. चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME FAX)

S.O. 2562.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Indore, (M.P.)" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-clause (5) of Section 11);
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10307/F. No. 197/12/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997 (ग्रायकर)

का. म्रा. 2563.—मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन, चेक्कर्ष" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखिन गतौं के ग्रव्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधसूचित करती है, ग्रथित :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्तेमाल श्रयवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा ग्रनत्यत्तया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिद्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जयाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त रखा रखाव में स्वैच्छिक अंधादान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह श्रधिसूचना किसी ऐसी प्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से श्राप्त लाभ तथा श्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[ग्राधिसूचना सं. 10308/फा. सं. 197/15/97-न्नायकर नि.-[] एथ. के. चीधरी, अवर सचिव

> New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME TAX)

- S.O. 2563.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Medical Research Foundation, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant

to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and rains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

> [Notification No. 10308/17, No. 197/15/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 म^{न्}र्चे, 1997 (ग्रायकर)

का. ग्रा. 2564.—श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते द्वुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा " दि. सी. पी. रामास्त्रामी घ्रय्यर फाउंडे गन, चेन्नई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखिन गर्नों के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ग्रिधमूचित करती है, ग्रर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी प्राय का इस्तेमाल अथवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतथा तथा ग्रन्तयतथा उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों में इसकी निर्धि (जेंबर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक धंगदान से भिन्न) का निवेण नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा
- (3) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी प्राप्त के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा प्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारो-बार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[म्रधिस्चना सं. 10309 /फा. सं. 197/23/94-ग्र. क. नि.-]] एम. के. जीधरी, श्रमर सचिव

> New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2564.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The C. P. Ramaswami Alyar Foundation, Channai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10309/F. No. 197/23/94-ITA-1] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

> नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997 (ग्रायकर)

का०न्रा० 2565.—ग्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "सर्वेन्ट्म ऑफ इण्डिया सोसाइटी, पुणे" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के जिए निम्न-लिखित शतौं के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधमूचित करती है, श्रभीत् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल धथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निधरिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से श्रधिक ढंग श्रयवा तरीकों के से भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नोचर अ।दि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान सें भिन्न) का निजेग नहीं वरेग। अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह श्रधिसूचन। किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अमिलाभ के रूप में हों जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देण्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10310/फा०मं० 197/16/97-म्रा०कर्शन०-1] एच०के० चौधरी, श्रवर मणिव New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Servants of India Society, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10310/F. No. 197/16/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नर्ष्ट दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(भ्रायकर)

ृका०थ्या० 2566.—ग्रायकर ग्रिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, "स्थामी शुकदेवानन्व न्यास, ऋषिकेण" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्न-लिखित गतों के श्रधीन रहते हुए उक्प उपखंड के प्रयोजनार्थ प्रिस्त्वित करती है, श्रर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी म्राय का इस्तेमाल म्रथवा इसकी म्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतथा तथा म्रान्यतया उन उद्देग्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उिल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रवधि के बौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक उंग श्रथवा नरीकों से क्षिन्न तरीकों से इसकी निश्चि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर श्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में स्वैच्छिक अंगवान से किस्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह श्रिधिभूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रशिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की

प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारो-बार के संबंध में भ्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[मधिसूचनासं० 10311/फा०सं० 197/153/95-प्रा०क०नि०-I एच० के० चौधरी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME TAX)

- S.O. 2566.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swami Shukdevenand Trust, Rishikesh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely:—
 - the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
 - (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and guins of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10311/F. No. 197/153/95-ITA-1] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(भ्रायकर)

का ब्या व 2567.— यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त सितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 'स्वामी शुक्रदेवानन्द न्यास, ऋषिकेस" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1993-94 तक के लिए निम्न-लिखित सतों के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधमुख्यित करती है, श्रर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्तेमाल ग्रथवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा ग्रनन्यतया उन उद्देग्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 की धारा (5) में विनिर्विष्ट किसी एक ध्रयवा एक से घिषक ढंग प्रथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर ग्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह श्रधिसूचना किसो ऐसी श्राय के संबंध में लाग नहीं होगी, जी कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलक्ष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारीबार उक्त कर-निधारिती के को प्राप्ति के लिए प्रासमिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिम्चना मं 10312/फा ०मं० 197/153/95-आ०फ०नि-I] ए०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2567.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swami Shukdovanand Trust, Rishikesh" for the purto the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1993-94 subject to the following c aditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects

for which it is established;

- (li) the assessee will not involt or deposit its funds voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business [Notification No. 10312/F. No. 197/153/95-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

(श्रायकर)

का०भा० 2568 :---भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा "दिल्ली कांऊसिल फार चाइल्ड वेलफेयर, दिल्ली'' को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शतों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, प्रथित्:---

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतय। तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई
- (ii) कर-निर्धारितो ऊपर-उल्लिखिस कर-निर्धारण वर्षो में संगत पूर्ववर्ती अपी की किसी भी प्रविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनि-दिप्ट किसी एक प्रथवा एक से प्रधिक ढंग प्रयवा तरीकों में भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-ज∂हिरात, फर्नीचर भ्रादि के रूप में प्राप्त तथा यख-रखाव में स्वैच्छिक

रें भिन्न) क। निवेश नहीं करेगा प्रथमा उर्गे जमा सही करवा सकेगा:

THE TOTAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

(iii) यह अधिसूचन। किसी ऐसी ब्राय के संबंध मे लागु नहीं होगों जो कि कारोजार से प्राप्त लाम तथा स्रभिजान के रूप में हो जब तक कि ऐस; क।रोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासिंगक नहीं हो तथा ऐसे कारो बार के संबंध में प्रजंग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखो जाती हों।

[प्रधिसूचना सं० 10331/फा०मं० 197/11/97-प्रायकर नि०-]) एच०के० चौधरी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1997

(INCOME TAX)

SO, 2568.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Delhi Council for Child Welfare. Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, numely :-

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10331/F. No. 197/11/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिस्सी, 31 मार्च, 1997

(स्रायकर)

का॰ ग्रा॰ 2569: -- श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) क्षारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रामकृष्ण सत्यानन्य माश्रम, जीरकपुर वेस्ट बंगाल" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित मर्नो के प्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोज-नार्थ ग्रधिसूचित करती है, ग्रर्थात्:---

> (i) कर-निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्तेमाल ग्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णत्य। तथा धनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी भ्रवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से श्रधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात फर्नीचर, आदि के खा में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा महीं करवा सकेगा:
- (iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी ग्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा ग्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[भिधिसूचना सं॰ 10332/फा०सं० 197/25/97-श्रायकर नि०-]] एच०के० चौधरी, श्रवर सचिव

> New Delhi, the 31st March, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2569.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Ramkrishna Satyananda Ashram, Jirakpur, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the oblectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10332/F. No. 197/25/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

> मई दिल्ली, 31 मार्च, 1997 (ग्रायकर)

का आ. 2570. - आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिये निम्नलिखित शर्ती

के श्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रधिसूचित करती है, श्रर्थात् :---

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उत्पर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रविधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक प्रथवा एक से अधिक ढंग प्रथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि(जैवर जवाहिरात, फर्नीचर प्रादि के रूप में प्राप्त सथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ग्रंणदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा ग्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेग;
- (iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा प्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[ब्रिधिसूचा सं. 10334/फा.सं. 197/ 28/97-श्रायकर नि.-1] एच.के. चौधरी, अबर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2570.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Ratan Tata Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for accounts are mantained in respect of such busines. for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10334/F. No. 197/28/97-TTA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विस्ली, 9 प्राप्तल, 1997

(भ्रायकर)

का. फ्रां. 2571. — फ्रांयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इन्दिरा गांधी नेशनल सेन्टर फार श्रार्टस, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के श्रध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के श्रयोजनार्थ स्राध्मित्ति करती है, स्र्यात्:--

- (i) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर प्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रीभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उनत कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकार्ये नहीं रखी जाती हों।

[म्रधिसूचना सं. 10337/फा.सं. 197/39/97— ग्रायकर नि.—[]

एच.के. चौधरी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 9th April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2571.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indira Gandhi National Centre for Arts, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assersee and separate books of accounts are maintained in respect of such business [Notification No. 10337/F. No. 197/39/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विल्ली, 23 धप्रैल, 1997

(भ्रायकर)

का. श्रा. 2572.—श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "साध सम्प्रवाय समरक्षती सभा, चेन्नई" को कर-निर्धारण वर्ष 1995—96 से 1997—98 तक के लिये निम्नलिखित गर्तों के ग्रध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ ग्रधिसूचित करती है, ग्रथीत्:——

- (i) कर-निर्धारिती इसकी घाय का इस्तेमाल घरवा इसकी धाय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी धविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक भयवा एक से मधिक छंग भ्रयवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेधर-जवाहिरात, फर्नीचर भादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैष्ठिक भंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा भयवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह श्रधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा-पुस्तिकायें नहीं रखी जाती हों।

[घ्रधिसूचना सं. 10338/फा.सं.197/20/97-ग्रायकर नि.--[]

एच.के. चौधरी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2572.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sath Sampradaya Samrakshani Sabha, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10338/F. No. 197/20/97-1TA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई विरुली, 23 मधील, 1997

(ग्रायकर)

का. आ. 2573. -- आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) वारा शदर प्रक्तियों का श्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रवृद्धारा "ज्ञान प्रवोधिनी सम्बोधन संस्थान, पुषे" को कर निर्धारण यम 1997-98 से 1999-2000 तक के निर्धानमिलिखत सर्पों के श्रध्यधीन रहते हुए उपन उपखंड के श्रयोजनायं श्रीधन्चित करती है, श्रयोत :--

- (i) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिखे उसका मंज्यन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उर्वेश्यों के लिखे करेगा, जिनके लिखे इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निधारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रविध के बौरान धारा 11 की उपधारा (5) में चिनिदिष्ट किसी एक प्रथवा एक से प्रधिक हंग प्रथवा तरीकों से अन्त तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, पर्नीचर प्रादि के इस में प्राप्त तथा रख-रखाव में रविष्यक अंगदान से भिन्त) । निवंश नहीं करेगा, प्रथ्वा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह प्रधिरूचना किसी ऐसी ग्राय के संबंध में लाग नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा ग्राभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उयत कर निधारिती के उद्देग्यों की प्राप्त के लिये प्रारंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के सबंध में ग्रला से लेखा-पुस्तिकायें नहीं रखी जाती हों।

[प्रधिसचना सं. 10339/पा. सं. 197/29/97-प्रायकर नि.-I] ्एच.के. चीधरी, प्रवरसचिव New Delhi, the 33rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2573.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Inana Probodhini Samshodhan Sanstha, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-1998 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely:—

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invist or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.
 [Notification No. 10339/F. No. 197/29/97-ITA-1]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 ग्रंगेल, 1997

(श्रायकर)

का. था. 2574.-- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त प्राप्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसक्द्रारा "श्री अरिबन्तों सोसायटी, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित भलों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिस्चित करती है, अर्थात् :--

- (i) कर-निर्धारिती एसकी श्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देण्यों के लिके करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पृथंवर्ती वर्षों की किसी भी अविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिद्धिट किसी एक प्रथवा एक से अधिक हंग प्रथवा तथीं से भिन्न तरीकों से इसकी निर्धि (जैवर-जवाहिरात, पत्नींचर प्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगवान से भिन्न) का निर्वेण नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधित्वना किसी ऐसी भाय के संबंध में लाग् नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभों के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार जबत कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिये शार्तीक नहीं हो तथा ऐसे

कारोबार के संबंधमें श्रालग से लेखा-पृश्तियाएं नहीं रखी जाती हों।

> [ब्रधिस्चनाः सं. 10340/पा.सं. 197/44/97-श्रा.क. नि.-1] एच.के थाँधरीः ग्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2574.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Aurobindo Society, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business. [Notification No. 10340/F. No. 197/44/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 ग्राप्रैल, 1997

(भ्रायकर)

का. था. 2575. -- आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवस्त शिवतयों प्का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत्रवशारा "दक्षिणं एवर रामकृष्ण संघ आखपीट दिखणे स्वर, कलकता" वो कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिये निम्नलिखित शतौं के श्रधीन रहते हुए, उकत उपखंड के प्रयोजमार्थ श्रिधस्चित करती है, स्वर्षत्:--

- (i) कर-निर्धारिती १सकी श्राय का १स्तेमाल श्रथवा १सकी श्राय का १स्तेमाल करने के लिये १सका संचयन पूर्णतया तथा श्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिए १सकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिकी उपर-जिल्लाखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी श्रविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिधिट किसी एक श्रविमा एक से श्रिथिक तंग श्रव्या तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, पत्नीचर श्रादि के रूप में श्राप्त तथा रख-रखाय में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निर्वेश नहीं करेगा श्रयवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iji) यह अधिस्चना किनी ऐसी आय के संबंध में लाग नहीं होशी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के कारोबार हो जब तब कि ऐसा कारोबार उकत कर-निधारिती के उर्धशों की प्राप्त के लिये पासींगक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लिखान प्रितकाएं नहीं रखी जाती हां।

[प्रधिसूचना सं. 10341/फा.सं. 197/38/97-थायकर नि.-I] एन.के. चौधरी सबर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1907

(INCOME TAX)

S.O. 2575.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Dakshineswar Ramkrishna Sangha Adyapeath, Dakshineswar, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely —

- ti) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.
 [Notification No. 10341/F. No. 197/38/97-ITA-I]
 H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई **रि**ल्ली, 23 अप्रैल, 1997 (ग्रायकर)

का .श्रा . 2576.—श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवत शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "कृष्णामूर्ति फाउंडेशन इंडिया, चेन्नई" इंडिया को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिय निम्नलिखित शर्तों के श्रध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रिधसुचित करती है, श्रर्थात् :---

- (i) कर-निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्तेमाल ग्रथवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा ग्रमन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में

विनिर्दिष्ट किसी एक भ्रथमा एक से प्रधिक ढंग श्रथमा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर स्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक श्रशमान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा श्रथमा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी श्राय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रिभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में श्रलग से लेखा-प्रस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[भ्राधिसूचना सं. 10342/फा.सं. 197/35/97-आयकर नि.-I)] एच.के. चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2576.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Krishnamurti Foundation India, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assesser will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

Notification No. 10342/F. No. 197/35/97-ITA-ll H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 श्रप्नेल, 1997

(ग्रायकर)

का. आ. 2577—मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ज्ञान प्रबोधिनी (जेपी), पुणे" को कर निर्धारण वर्ष 1997—98 से 1999—2000 तक के लिये निम्नलिखित शक्ती के श्रधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ श्रधिसुचित करती है, श्रथांत :—

(1) कर-निर्धारिती इसकी श्राय का इस्तेमाल श्रयवा इसकी श्राय का इस्तेमाल करने के लिये हैं सका संचयन पूर्णतया तथा भनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है।

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविध के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिधिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आबि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक श्रंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा श्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह श्रधिसूचना किसी ऐसी ग्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रक्षिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिय प्रासंगिक नहीं हो तथा तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकार्ये नहीं रखी जाती हों।

[श्रिधसूचना सं. 10343/फा.सं. 197/31/97-ग्रा.क.नि.-I)] एच. के. चौधरी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2577.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Inana Prabodhini (IP), Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10343/F. No. 197/31/97-ITA-I] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई चिल्ली, 3 अक्तूबर 1997

(भ्रायकर)

का. श्रा. 2578:—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "श्री सुन्दरवरदाराजा पैरुमल टैम्पल" उत्तरामारूर, जिला चेंगलपुट, तमिलनाडु को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ पूरे तमिलनाडु राज्य में एक प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

यह श्रिधसूचना श्री सुन्दरवरदाराजा पेरुमल टेम्पल के 6860,100/- रु० (श्रुड्सठ लाख साठ हजार एक सौ रुपये माल) तक के मरम्मत/पुनरद्वार कार्य के लिए ही यैध ही होगी।

[म्रिधिसूचना सं. 10431/फा.मं. 176/31/97-प्रायकर नि.-]]

एच के, चौधरी, श्रवर सचिव

New Delhi, the 3rd October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2578.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specified "Sri Sundaravaraduraja Perumal Temple", Uttaramerur, Chengalput District, Tamil Nadu to be a place of public worship of reknown throughout the State of Tamil Nadu for the purpose of the said Section.

This notification will be valid only for the repair/renovation work of Sri Sundaravaradaraja Perumal Temple to the extent of Rs. 68,60,100 (Rupees sixty eight lakks sixty thousand one hundred only).

[Notification No. 10431/F, No. 176/31/97-ITA-1] H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

ग्रायकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय कलकत्ता, 15 जुलाई, 1997 (ग्रायकर)

का. श्रा. 2579.— सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए श्राय कर नियम के नियम 6 के श्रिधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संस्थान" के संवर्ग के श्रिधीन श्रनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन श्रनुसंधान कार्यों के लिए श्रलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह श्रपने वैज्ञानिक श्रनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक श्रनुसंधान विभाग, श्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अन्तूबर तक लेखा-परीक्षित धार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च

किया गया संबंधित छूट के कारे में लेखा-परीक्षित प्राय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तृत करेगा।

(iv) यदि (i) य। (ii) या (iii) निर्धारित प्राधि-कारी अर्थात् स्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेण नहीं होता है तो जारी अनुसंधान किया कलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाला जाएंगः।

संगठत कः। नःमः मेठ मःदी लाल साराभाई मेडिकल रिमर्च फाउण्डेणन, ट्रस्टभी, एस. टॉम्पीटल एलीमङ्गीज, स्रहमदाबाद-380006

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की श्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबर्ग के लिए लागु नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अः यकर आयुक्त अधिकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेताधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम में आयकर अहानिदेशका (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में अधिकर अहानिदेशका (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में अधिकर करें, अनुमोदन को अवधि बढ़ाते के मंबंध में किए आवेदन पत्न की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस अधिदन पत्न की छः प्रतियां अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान लिभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात आयकर महानिदेशक (छट), कलकता, को देगा।

[सं. 1726/एफ. सं. म. नि./झा. क. (छूट)/जी-60/35(I)ii] मुकेश कुमार, श्रपर निदेशक श्रायकर (छूट)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF INCOMETAX (EXEMPTION)

Calcutta, the 15th July, 1997

(INCOME-TAX)

S.O. 2579—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Fechnology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.

(iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Seth Vadilal Sarabhai Medical Research Foundation Trust, V. S. Hospital Ellisbridge, Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1726/F. No. DG/IT(E)/G-60/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR. Addl. Director of Income-tax

कलकत्ता, 21 जुलाई, 1997

भ्रायकर

का.श्रा. 2580.—सर्वसाधारण को एनद्हारा मूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए ग्रायकर नियम के नियम 6 के ग्रधीन विहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संध" के संबर्ग के ग्रधीन ग्रनमीदिन किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भ्रलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ji) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वर्शिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिय, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोक, नर्ष विल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अन्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महीनिवेशक (छूट), (ख) गांचिय वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आधकर आधुक्त/आधकर निदंशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आधकर अधिनियम, 1961 की धार! 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुन करेगा।
- (iv) जनसाधारण में रिसर्च का प्रचार का साक्ष्य प्रख्वारों, पश्चिकाओं प्रादि, विशेषकर स्कृलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों के माध्यम द्वारा किया जाएगा।

(v) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् श्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेण नहीं होता है सो जारी अनुसंधान क्रियाकलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाल। जाएगा।

संगठन का नाम: सेन्टर फोर स्टडी ऑफ मैन एण्ड इनजैरो-भेट, सी.के.-II, साल्ट लेक, कलकला-700091

यह अधिसूचन। दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. अपर्युक्त गर्त (i) "संघ" जैसा संबर्ग के लिए लाग नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव विया जाता है कि वे अनुमोदम की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के साध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में आवैदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवैदन पत्र की छि: प्रतियों अनुमोदन की प्रस्तुत करना है। उस आवैदन पत्र की छ: प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के मचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित आधिकारी अर्थात् आपकर महानिदेशक (छट), कलकता को देग: ।

[मं.: 1727 /एक.मं. म.नि./श्रा.क. (छूट) डब्ब्य् वी.-26/कल./35(1)-ii]

मुकेश कुमार, श्रपर निदेशक भ्राप्तकर (छूट)

Calcutta, the 21st July, 1997

INCOME-TAX

- S.O. 2580.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—
 - The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
 - (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
 - (ili) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
 - (iv) The public dissemination of Research shall be evidenced through newspapers, journals etc. to the reading public particularly students in schools and colleges.

(v) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF ORGANISATION

Ct. 6 1 m Study of Man and Environment, CK-11. Salt Lake, Calcuta-760091.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-5 9%

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organitions categorised as associations.

> (2) The organisation is advised to apply in triplicate and will in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions), having inviscinting over the creanisation tions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta.

[No. 1727/F. No. DG/IT(E)/WB-26/Cal/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addi. Director of Income-tax (Exemptions)

21 जुलाई, 1997 कलफसा,

श्रीयकर

का.बा. 2581 -- सर्वेसाधारण को एतक्यारा स्वित किया जाता है कि निम्निखित संगटन का बायकर ब्रिविनयम, 1961 भी धारा 35 की उपवारा (1) के लंग्ड (ii) के लिए श्राय-कर नियम के नियम 8 के श्रधीन विहित प्रीधिकारी धारा निम्नासिखत मती पर "संस्थान" के संबर्ग के अधीन अन-मोदित किया गया है:--

- (i) संगटन अन्दंशन कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैशानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रस्वेक विसीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मचित्र, वैश्वानिक व श्रीवीगिक अन्संधान विभाग, श्रीबोमियों भवन, यु बेहुरोली रोष्ट, नई दिल्ली-110016 की भैजना, और
- (iii) यह प्रश्वेक वर्ष के 31 अवनुबर तक लेखा परीक्षित बापिक लेखा की प्रति (क) ग्रायकर महानिदेशक (घट), (ख) सचित्र, वैज्ञानिक तथा अधिगिक अन्नधान विभाग और (ग) श्रायुकर श्राह्यत/श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके केवाधिकार में उक्त संगरन परता है और स्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी मई रिसप किया गरा संबंधित घट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को की प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात आयकर महानिदेशक (छट) के समक्ष पेण नहीं होता है तो जारी अनुसंधान कियांकलाप के वारे में प्रतिकल निष्कर्प निकाला जाएगा।

र्गरन का नाम : बड़ीदा सिटीजन कीसिल अब्ब म्युजियम, साएजी बाग, बडौदा-390018 ।

यह अधिस्चना दिनांक 1-7-97 से 31-3-98 तक वी प्रविध के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1 उप¥्रत गर्स (४) ''संघ'' ईसा संवर्ग के लिए

2 सगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुकोदन मी अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आवनत/आयकर निदेशक (घट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पक्षता है के माध्यम मे द्रायकर महानिदेशक (छुट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में श्रावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए श्रावेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है : उस आवेदन पव की छः इतियां अन्मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक श्रन्संधान विकास के पास भेजना है और वैधानिक एवं औषोगिक अनुसंधान विभाग के समिव के पास जमा करते नी तिर्थिनी सूचना निधारित प्राधिकारी अर्थात् प्रायकर महानिदेशक (सूट), कलकत्ता, जो देगा।

सि. 1728-एप. स. म.नि./ब्रा.क. (छट)/जी-37/कल./35(i) (ii)}

मुकेश कुमार, अपर निदेशक प्रायकर (छुट)

Calcutta, the 21st July, 1997

INCOME-TAX

- S.O. 2581.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—
 - (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
 - (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Sccretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
 - (iii) It shall submit to the (2) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax/Director of Incometux (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 Income-Tax Act, 1961.
 - (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Baroda Citizens Council, Above Health Museum, Sayaii Baug, Baroda-390018.

This Notification is effective for the period from 1-7-97 to 31-3-98.

2419 GI/97--4

- Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1728/F. No. DG/ITE/G-37/Cal[35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 30 जुलाई, 1997

श्रोयकर

का था. 2582.—सर्वनाधारण को एतुक्तारा स्चित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को धायकर अधिनियम, 186! की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी क्षारा निम्नलिखित शहीं पर "संस्थान" के संवर्ग के धधीन अनुषोकत किया गया है:

- (i) संगटन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग केला बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुष्ठान संबंधी कार्यों का एक वाषिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष ने लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचित्र वैज्ञानिक व अधिशिषक यन्हेंदान विश्राग, प्रौद्योगिकी कवन" न्य मेह्रोली शेड, नर्ड दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 धक्छवर, तक लेखा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिदेणक (खूड), (ब) सच्चि वैनातिक तथ औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर धायुक्त/प्रायकर निदेणक (हुट) जिनके अवाधिकार में उक्त संगटन प्रवृत्त है और भायकर प्रवित्यम, 1961 की धारा 35(i) में वी गई रिसकें किया कलाप संबंधित छूट के बारे में निष्ठा-पर्शक्षति भाय-ध्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निश्वारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेणक (धूद) के नमक पेण नहीं होता है तो जारी श्रनुसंधान त्रियाकलाप के बारे में प्रतिकृत निकास जिल्हा

संगटन का नाम: वीन दयाल रिसर्च इंस्टीच्यट, 7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, रानी झांशी मार्ग, नई विल्ली-110055

यह प्रतिस्चना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक ही ग्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्वंदत गर्त (i) "संव" वीसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संग्रहस यो सुद्धाव दिया जाता है कि वह अनुमेदेन को अविद बढ़ाने के लिए ब्रायकर बायुक्त/ब्रायकर निदेशक (घूट) जिनके छवा छिकार में संग्रहन पढ़ता है के माध्यम से ब्रायकर महानिदेशक (घूट), कलकता को तीन प्रतियां में ब्रायकर महानिदेशक (घूट), कलकता को तीन प्रतियां में ब्रायकर कर, अनुमोदन की छवधि बढ़ाने के सर्वध में किए, अवदन पक्ष को बिकास को प्रस्तुत करना है: उस प्रायदन पत्र दाः प्रतियां प्रमुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए ही दा सच्चिव वैज्ञानिक एवं अधिभिक ब्रमुखंदान विभाग के पास भेजना है बीर वैज्ञानिक एवं अधिभिक ब्रमुखंदान विभाग के सच्चिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी श्रवित् श्रायकण महानिदेशक (घुट), कलकता, को देगा।

[सं. 1729/एम.कं मानि./आ.क (एट)/एन.को.125/35 (1)/ii)]

भकेण धूमार, अपर निदेशक आयकर (घट)

Calcutta, the 30th July, 1997 INCOME-TAX

S.O. 2582.—It is hereby not fied for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act. 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Deen Daval Research Institute. 78. Swami Romtirth Nagar. Rani Jhansi Marg, New Delhi-110055.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000,

- Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations
 - (2) The organisation is advised to apply in trinicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Fremations). Calculta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Fremations) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension

of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1729/F. No. DG/IT(E)/ND-123/35(1)(ii)]
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax
(Exemptions)

कलकता, 31 जुलाई, 1997

आ**धक**र

कारुआर 2583.—सर्वेताधारण को एतद्कारः पूल्लि किया जाता है कि निम्निलिखत संगठन को आयकर शिव-निथम, 1961 को धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्निलिखत शती पर 'संब' के अधीन कि अधीन अनुमोदिन किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसम्रान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने बैज्ञानिक अनुसंधान समधी कार्यों का एक बाषिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सन्विय, बैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन'' त्यू मेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अन्तूबर तथ लेखापरीक्षीत वाषिक लेखा की प्रति (क) आयकर
 महानिदेणक (छूट), (ख) स्विब, ैक्शानिक तथा
 औद्धोगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर
 आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके केदाधिकार में उक्त संगठन क्याता है और आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35(1) में वी गई
 रिसर्च कियाकलाप संबंधित छूट के बारें में लेखापरीक्षीत आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राध-कारी अर्थात् आयक्षर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है हो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निसंधर्य निकाला जाएगा।

संगठन का नामः

फिजीकल रिसर्च लेशेटोरी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009 ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अर्थाध के लिए प्रभावी हैं।

- हिष्पणी: 1. उपर्भुक्त गर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
 - संगठन को सुक्ताव विधा जाता है कि वे अनु-भोदन की अवधि बढ़ाने के लिए बायकर

अप्रक्त/अध्यक्तर निर्देशक (छूट) जिनक क्षेत्रा-धिकार में स्रोठन पड़ता है क साध्यक्त से आपकर महानिदेशक (छूट), कलकता क तील प्रतियों में आपेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आदेदनपत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आदे-दन पत्र छः प्रतियों अनुनोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा साँचव, वैज्ञानिक एवं आधीरिक अनुसंधान धिभाग के पान भेजना है और वैज्ञानिक एवं आधीरिक अनुसंधाम विभाग के सचिव के पास जमा करन की विश्व को सूचना निर्धारित प्राधिकारी अथित् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता, को देगा।

[संख्या: 1730 /एफ संमानि/आंक (छूट)/जी.27/कलः/ 35(1)ii]

्मुकेश कुमार, अपर निदेशक, आयकर (छूंट)

Calcutta, the 31st July, 1997

INCOME-TAX

S.O. 2583.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuiness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Physical Research Laboratory, Navrangoura. Ahmedabad-380009.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

- Notes--(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1730/F. No. DG/IT(E)/G-27/Cal/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकमा, 31 ज्लाई, 1997

आयकर

का०आ० 2554 — सर्वसाधारण को एतदबारा सूचित किया जाता है कि निम्निलिखन सगठन को आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी बारा निम्निलिखत शतौं पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुभोदित किया गया है:——

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वाधिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रस्पेकः वर्ष के 31 अक्यूबर तक लेखा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव बैक्शानिक तथा औद्योगिक अनुसंघान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-स्वय हिसाब की भी प्रस्तुन करेगा।
 - (iv) मधि (1) या (2) या (3) निर्धारित प्राधि-कारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेण नहीं होता है हो जारी अनुसंधान किया कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: फिजीकल रिमर्च लडोटोरी, नभरंगपुरा, अक्रमदाबाद-380009 ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अर्वाध के लिए प्रभावी है।

दिज्यणी: 1. उपर्यक्त शर्त (1) "संच" जैसा संवर्ध के जिल् लागू नहीं होगा। 2. संगठन को मञ्जाब दिया जामा है कि वे अन्-मोधन की अवधि बढ़ाने के तिए आयकर आयुक्त/आयका (नियंगक (छाट) जिँमके केला-धिकार में संगठन पड़ता है जे माध्यम से आयकर महानिदेशक (छुट), हलकना को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अञ्जोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए अधिदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुन करना है । उस आवे-दन पन्न छः प्रतियों अनुमोदन को अर्वाध बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञालिक एवं औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग के पान भेजना है और वैज्ञानिक एवं ओद्योगिक अनुसंधान विभाग के साचित्र के पास जमा करन की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महर्गनदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा ।

[संख्या : 1731 ऐफ.स.म.सि./आ.क. (छूट)/जी. 27/कल/ 35(1)(2)] मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 31st July, 1997

INCOME-TAX

S.O. 2584.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the cutegory "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Physicat Research Laboratory, Navrangpura, Ahmedabad-380009

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Dire, or General of Income-tax (Exemptions), Calcutt florough the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be en directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta,

[No. 1731/F. No. DG/IT(E)/G-27/Cal/35(1)(ii)]
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax
(Exemptions)

कलकत्ता, 31 जलाई, 1997

ग्रायकर

का॰ ग्रा॰ 2585.—सर्वसाधारण को एतद्हारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 35 की उपधार। (1) के खण्ड (ii) के लिए श्रायकर नियम के नियम 6 के श्रधीन विहित श्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "सघ" के संवर्ग के श्रधीन श्रनुमोदित किया गया है:——

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिब, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन'' न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 प्रक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) ग्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैशानिक तथा औद्योगिक श्रनुसंधान विभाग और (ग) श्रायकर श्रायक्त/ श्रायकर तिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त मंगठन पड़ता है और श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संविधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षिण श्राय-क्यय हिसाब को भी प्रस्तुस करेगा।
- (iv) यदि (1) या (2) या (3) निर्धारित प्राधि-कारी श्रर्थात् श्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेण नहीं होता है तो जारी श्रनुसंधान कियाकलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम : गुजरात मेथोड़ीस्ट चर्च कार्डीओपोरासीक एण्ड भास्कुलर ,रिमर्च सोसाइटी, मिशन रोड, नडीयाड-387001 ।

यह मधिसूत्रनाः दिनांक 1:4-96 से 31-3-98 तक की भविद्या के लिए प्रभावी हैं।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सव" जेमा संवर्ग के लिए लागु सहीं होगर ।

> 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि के ग्रन्-मोदन की सर्वाध बढ़ाने के जिए ऋ। यकर प्रायुक्त/प्रायकार निदशका (छट) जिनके क्षेत्रा-धिकार में संगठन पष्टता है के माध्यम से त्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकना को तीन प्रतियो में श्रावेदन करें, श्रमुमोदन की श्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए श्र(बेदन-पत्न की विभाग को प्रस्तुत करनः है । उस भावेदन पत्न छः प्रतियां श्रन्मोदन की भ्रवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं आंद्योगिक श्रनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं ओद्योगिक स्रनसंधान त्रिभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचन। निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् क्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा ।

[संख्या : 1732/एफ.सं.म.नि./भ्रा.क. (छूट)/जा.-53/35(1) (2)]

मुकेश कुमार, श्रपर निदेशक द्यायकर (छुट)

Calcutta, the 31st July, 1997

INCOME-TAX

S.O. 2585.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Incometax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genumeness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Methodist Church Cardiothoractic and Vascular Research Society, Mission Road, Nadiad-387001.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-98.

- Notes —(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta,

[No. 1732/F. No. DG/II'(E)/G-53/35(1)(ii)]
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax
(Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

श्रायकर

का०ग्रा० 2586:—मर्बसाधारण को एतद्वार! सूचित किया जात। है कि निम्निलिखत संगठन को ग्राप्तकर ग्रिधि-नियम, 1961 की धारा 35 की उपधार। (1) के खण्ड (2) के लिए ग्राथकर नियम के नियम 6 के श्रेशीत बिहित प्राधिकारी द्वारा निम्निलिखत शर्ती पर "संस्थान" के संवर्ग के श्रधीन ग्रन्मोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह भ्रपने वैज्ञानिक श्रनुसंधान संबंधि कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित्र, वैज्ञानिक व औद्योगिक श्रनुसंधान विभाग, ''प्रीद्योगिको भवन'' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 सक्तूबर तक लेखापरीक्षित ार्णिक लेखा की प्रति (क) प्रायक्षर
 महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा
 औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग और (ग) ग्रायकर
 ग्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार
 में उक्त संगठन पड़ता है और भ्रायका घडितियम,
 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च
 किया गया संबंधित छूट के बारे में नेखा-परीक्षित
 ग्राय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्घारित प्राधिकारी प्रथित प्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेण नहीं होता है तो जारी अनुसंधान किया कलाप के बारे में प्रतिकृल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: गुजरात इंस्टीच्यूट ऑफ डेबलपभेस्ट रिसर्च, गोटा-चार रास्ता, गोटा-382481, श्रहमदाबाद। यह ग्रधिसूचना दिलांक 1-4-95 में 31-3-98 तक की

- टिप्पणी: 1- उपयक्त सर्व (1) "संघ" जैसा सं**दर्ग** के निष्लाग् नहीं होता ।
 - 2. मंगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुभोदन की श्रवधि बढाने के लिए श्रायकर ग्रायुक्त/ग्रायकर निदेशक **(छट)** जिनके **क्षे**त्रा-धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से श्रायकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में स्नावेदन करें, मनुमोदन की श्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पद्म की विभाग को प्रस्तृत करना है। उस श्रावेदन पत्न छः प्रतिया अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचित्र वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनसंधान विभाग के पान भेजना है ऑर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक स्रनुसंधान विभाग के समित्र के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात श्रायकर महानिदेशक (छुट), कलकत्ता, देगा ।

[मंत्रपा : 1733/एफ.सं.म.नि०./श्रा.क. (छूट) /जी.-16/कल/ 35(1)(ii)] मुकेश कुमार, श्रपर निदेशक श्रायकर (**छूट**)

Calcutta, the 31st July, 1997

INCOME-TAX

- S.O. 2586.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—
 - (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
 - (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary. Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
 - (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Incometax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a convof its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
 - (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF ORGANISATION

Gujarat Institute of Development Research. Gota Char Rasta, Gota-382481, Ahmedabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

- Votes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Pirector General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1733/F. No. DG/IT(E)/G-16/Cal/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 ज्लाई, 1997

आयकर

का०आ० 2587.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधि-निमम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन धिहित प्राधिकारी वारा निम्नलिखित णतों पर "संस्थान" के सवर्ष के अधीन अनुमोधित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेका वहिमां रखेगा i
- (ii) यह अपने बैशानिक अनुसक्षान संबंधी कार्यों का एक बाधिक विवरण प्रत्येक दिन्हीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, बैशानिक वे औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योमिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परिश्वन वाधिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिरेशक (छूट), (ख) सचिव, बैज्ञानिक तथा औद्योधित अनुस्थान विभाग और (ग) आयकर आयकर आयक्ति (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पडता है और आयकर आधिनिश्वन, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिःर्च किया गया संबंधित पृष्ट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-अयय हिसाब को भी प्रत्सुन करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधि-कारी अर्थात् आधकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष भेग नहीं होता है तो आरी अनुसद्धान किया काम के वारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकामा जाएगा।

संगठन का नाम : सोलर एनओं सोसाइटी ऑफ इंडिया, दरबारी सेट इलॉक, हवीटेट प्लेस, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 । यह अधिसूचना विमान 21-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त भर्त (1) "भंध" जैसा भवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुझाब विया जाता है कि वे अनुन मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा- धिकार में संगठन पड़ना है के माध्यम में आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतिमां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा साँचव बैजानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की मूलना निधीरत प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संख्या : 1734/एफ.स.म.नि./आ.क. (छूट)/एन.की.-139/] 35(1)ii]

(मुकेण कुमार, अपर निदेशक आयकर (ছুट)

Calcutta, the 31st July, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2587.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May, of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on

Name of the Organisation—Solar Energy Society of India, Darbari Soth Block, Harbitat Place, Lodhi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 21-4-95 to 31-3-97...

Notes: (1) Condition (i) above will apply to organisations categorised as associations

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Fxemptions), Calcutta.

[No. 1734/F. No. DG/IT(E)/ND-139/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 6 अगस्त, 1997

आयकर

का०आ०. 2588.—सर्वेसाघारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधि-नियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतौं पर "संस्थान" के संवर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:---

- (i) सगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, धैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वाधिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 35(1) में दी गई रिमची किया-कलाप सब्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधि-कारी अर्थात् आयकार महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसञ्चान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्य निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: भाराती समासकर्ता विद्या निकेतानाम, 12, शंकर कुंज, नीयर हिमालय हौजिंग सोसाइटी, असल्का गोविन्य नगर, घाटकोपर, नम्बई-400084।

यह अधिसूचना दिनांक 1~4-97 में 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त गर्त (1) "संघ" जैसा संबर्ग के लिए লংশু नहीं होगा भंगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अर्वाध बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा- धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), सन्तरता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अर्वाध बढ़ाने के संबंध में किए अविदन-पद की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियां अनुमोदन की अयिध बढ़ाने के लिए सीधा सचिय वैद्यामिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के समि भेजना है ऑर वैद्यानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के समित के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को देगा।

[संक्या : 1735 (एफ.स.म.नि./आ.क. (छूट)/एम.163/35(1) ii]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक भायकर (छूट

Calcutta, the 6th August, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2588.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ili) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Rhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions). (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Exemption and Exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the centilineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Bharati Samskrta Vidva Nikifanam 12. Shenkar Kuni Neor Himalova Housing Society Anglia Govind Nagar, Ghatkopar, Mumbai 400084.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-98.

- Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organization is advised to apply intriplicates and well, in advance for further extension of the outproval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calteutta through the Commissioner of Income-tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1735/F. No. DG/TT(E)/M-163/35(1)(ii)] MUKPSH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 8 ग्रगस्त, 1997

श्राधकर

का०आ० 2589---सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचिन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन श्रनुसंधान कार्यों के लिए श्रलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक धार्षिक धिवरण प्रत्येक विक्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सिषय, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 प्रभस्बर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति
- (क) म्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञा-निक तथा औद्योगिक मनुसंधान विभाग और (ग) श्रायकर भ्रायुक्त/ग्रायकर निदेशक, (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित ग्राय-ध्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थांत ग्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी श्रनुसंघान किया-कलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम

नगरजुना एग्रीकलचरल रिसर्च एण्ड डेबलापमेंट इंस्टीच्यूट (एन० ए० ग्रार० डी० ग्राई०), 28, पी० एण्ड टी० कालोनी, सिमन्दरबाद-500009

यह ग्रधिसूचना दिनांक 2-7-96 से 31-3-98 तक की ग्रविध के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उनर्युक्त गर्त (i) "संय" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा । 2. संगठन को भुझाव दिया जाता है कि बे अनुमोदन की श्रवधि बढ़ाने के लिए श्रायकर श्रायकर श्रवधि बढ़ाने के लिए श्रायकर श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेता- धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से अग्रयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तोन प्रतियों में आबेदन करें, अनुमोदन की भ्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए श्रावेदन पक्ष को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस श्रावेदन पक्ष को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस श्रावेदन पक्ष को लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक श्रमुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक श्रमुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक श्रमुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक श्रमुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी श्रथांत् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संक्या : 1736 (एफ०सं०य०नि०/मा०क० (छूट)/ए०पी०-29/35(1) (ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक द्यायकर (छूट)

Calcutta, the 8th August, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2589.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- ((iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Eexmotions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the O-canisation —Nacarinna Acticultural Research and Development Institute (NARDI), 28, P&T Colony. Secunderahad-500009.

This Notification is effective for the period from 2-7-96 to 31-3-98.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations,

(2) The organistation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the annuously to the Director General of Incomestax Exemptions) Calculta through the Commissioner of Income tax/Director of Income Tax (Exemptions) herizon invisition over the organisation. Six confess of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department

of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1736/F. No. DG/IT(E)/AP-29/35(1)(ii)] MNKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

प्रायकर

कलकता, 18 भगस्त, 1997

का०प्रा०--2590.-सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निस्नलिखित संगठन को फ्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए ग्रायकर नियम के नियस 6 के ग्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निस्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के ग्रधीम अनुमोदित किया गमा है :---

- (i) संगठन धनुसंधान कार्यों के लिए ग्रालग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यो का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, ''प्रोद्योगिकी भवन'' त्यू मेहरोजी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 प्रक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति(क) ग्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग और (ग) ग्रायकर प्रायुक्त/ ग्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगर्टन पड़ता है और ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धौरा 35 (i) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप संग्रंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित ग्राय-अप द्विताव को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) मा (iii) निर्धारित प्राधि-कारी प्रथात् ग्रायकर महानिदेशक (छूट) के समक पेश नहीं होता है तो जारी ग्रमुसंधान किया-कंजाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ण निकाल। जाएगा।

संगठन का नाम

सोसल पोलिसी रिसर्वे इंस्टीच्यूट, 5-ही०, ज्ञालाना इंस्टीच्यूटनल एरीया, जयपुर-302004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 में 31-3-99 तक की अविधि के लिए प्रशाबी है।

दिष्पणी : 1. (अर्थिका णर्त (i) "संबं^ग जैमा संबर्ग के लिए लग्ग नहीं होगा । 2 संगठन को सुझांब दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर ग्रायक्त/प्रायकर निदेशक (छुट) जिनके क्षेत्रा-धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से श्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, प्रनुमोदन की श्रवधि बढाने के संबंध में किए श्रावेदन-पन्न की विभाग को प्रस्तृत करना है। उस आवेदन पञ्च छः प्रतियां श्रनुमोदन की श्रवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं श्रौद्योगिक **श्र**नुसंधान विभाग के पास भेजना है <mark>श्री</mark>र वैज्ञानिक एवं घोषोशिक घनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सुचना निर्धारित प्राधिकारी प्रयति भ्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा। मुकेश कमार, भ्रपर निदेशक भ्रायकर (भ्रूट)

[सं. 1737 एक. सं.म.मि./आ.क.(छूट)/आर.-2/कल/35(1)(1i)] Calcutta, the 18th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2590.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

(i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdict on over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-Tax, Act, 1961.
- (v) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Perscribed Authority i.e. the Director General of Income tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuinhness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation,—Social Policy Research Institute 5-D, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes: (I) Constitute (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the annoval, to the Director General of Income-tax/(Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six conies of the same amplication for extension of approval though he cantidizently to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Proprihed Anthonity in Director General of Industrial All vermations), Calcutta,

No. 1737/F. No. DG (TT(E) 10.2 (CAI /35(1)(ii)) MUKESPI KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 18 ागस्त, 1997

अध्यक्तर

का ० आ ० 2 5 9 1 — सर्व साधारण को एत् व्हारा सूचित किया जाता है कि निम्नितिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहिति प्राधिकारी हारा निम्निलिखित णती पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुभीदित किया गया है :---

- (i) संगठन अभुसंधान कार्यों के लिएअनग लेखा बहियां रखेगा।
- (ij) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वाष्ट्रिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के उन मई तक मांचव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, ''प्रोद्योगिकी भवन'', न्यू महरोली रोड, नई दिल्लो-110016 को भजेग, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अन्तूबर तक लेखा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) अध्यकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आधकर अध्यक्त/आधकर निवेशक (छूट) जिनके केब्रा-धिकार में उकत संगठन पड़ता है और आध-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में वी गई रिसर्च किया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (vi) यदि (i) या (ii) या (iii) निम्नीरित प्राधि-कारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होंता है तो जारी अनुसंधान त्रिया कलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाला जाएगा ।

संगठन का नाम

दि होमियोपैषिक एड्केशन सोसाइटी, नाटककार राम गणेश गधकारी मार्ग, इरला, भीले पील (डब्ल्यू), मुम्बई-400056

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 में 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी हैं।

- टिष्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैमा अंबर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।
 - 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अययकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) िनिके क्षेत्रा-धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयरक

महानिदेशक (छूट), कलकता की तान प्रतिका
में आंवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ात
के संबंध में किए आवेदन पत्र को विभाग को
प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र को छ.
प्रतिकों अनुभादन का अवधि बढ़ात के निर् सोधा मानव वैज्ञातिक एवं आंधानिक अनु-संधान विभाग के पास मेजना है और वैज्ञानिक
एवं आंधानिक अनुसंधान विभाग के सानव के पास जमा करने का तिथि का सूचना प्राथिति (छूट), कलकत्ता, का दंगा।

[संख्या : 1738 एफ०सं०मर्गनः/आ०का० (छूट)/एम०-199/35 (1) (ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आधकर (छूट)

Calcutta, the 18th August, 1997 (INCOME TAX)

S.O. 2591.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Admonty under Kine o of the Income tax Rules, for the purposes of crause (11) of sub-section (1) of Section 30 of the Income tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separte books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Memaum Road, New Department for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation :--

The Homocogathic Education Society, Natakkar Ram Ganesh Gadkari Marg, Irla, Vile Parle (W), Mumbai-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-98.

- Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
 - (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commission of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of

ontific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1738/F, No. DG/IT(E)/M-199/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकता, 19 अगस्त, 1997

आयकर

का०आ०2592.—सर्वसाधारण को एतद्दारा सूचित किया जाता है कि निम्नांलांखत संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन बिहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शहीं पर "संस्थान" के संबर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:——

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग ले**दा** बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वाधिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 भई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- ।(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सिचव वैशानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसास को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधि-कारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान किया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम

मद्रास स्कूल ऑफ एकोनोमिक्स, (बिहाइन्ड गर्वनमेंट डाटा सेन्टर), गांधी मन्दापम रोड, केन्नई-600025

यह अधिभूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 सक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा । 2. संगठन की सुकाय दिया जाता है कि के अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर िदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा
धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम में
आयकर महानिदेशक (छूट), कवाउना को
तीन प्रतियों में अवेदन करें, अपुरोदन की
अवधि बढ़ाने के संबंध में किए अवेदन-पत्न
को विभाग को प्रापुत करना है। उस आवेदन-पत्न
को विभाग को प्रापुत करना है। उस आवेदन-पत्न
को लिए सीधा संगित, वैक्वानिक एवं औद्योगिक
अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैक्वानिक
एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के
पास जमा करने की तिथि को सूचना निर्धारन
प्राधिकारी अयित् आयकर महानिदेशक (छूट),
कलकत्ता को देशा।

[संख्या 1739 (एफ०सं०म०नि०/आ०क० (छूट)/टी० एन० 56/कल०/35 (1) (ii)] मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2592.—It is hereby notified for general information that the organisation menuoned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bnawan', New Mehrauh Road, New Delni-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Madras School of Economics, (Behind Government Data Centre), Gandhi Mandapam Road, Chennai-600025.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies

of the same application for extrusion of approval should be sent directly to the Septetary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority of Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1739/F. No. DG/IT(E), TN-56/CAL/35(1)(ii)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

क्लक्ता, 19 ग्रगस्त, 1997

श्रायकर

का. था. 2593. - - सर्वसाधारण को एतक्शारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कंगटन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिके श्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित शाक्षिकारी शारा निम्नलिखित शतीं पर "कंकान" के संवर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

- (i) संगठन भ्रमुदंधान कार्यों के लिये श्रालग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अन्यंधान बंबंधी कार्यों का एक वाणिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुबंधान विज्ञाग, ''प्रौद्योगिकी भवन'' न्यू मह्योषी योड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 घवतूबर तक लेखा-परीक्षित बाधिक लेखा ने इति (क) ध्रायकर महानिर्धेशक (छूट), (ख) सिंघव वैज्ञानिक तथा बौद्योगिक धनुसंधान विभाग और (स) ध्रायकर चायुक्त/भायकर निर्धेशक (घट) जिनके खेलाधिकार में उकत संगटन प्रता है और ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 घी धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित घृटके खारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् भायकर महानिष्यक (घट) के समक्ष पेस नहीं होता है तो जारी अनुभंधान विधाकलाप के बारे में प्रतिकृत निष्कर्ष निकाला जायेगा ।

संगटन का नाम : इंडियन कोप्पर बबलपमेंट सेंटर 27-बी., कमक स्टीट, कलकता--700016

यह प्रधिक्षना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युषत शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगटन को सुकाल दिया जाता है कि के अनुमोदन की प्रविध बगाने के लिये आयक्त कायक्त की प्रविध कायक्त कि के प्रविध की कि कि माध्यम से प्रावक्त में मंगटन प्रवृता है के माध्यम से प्रावकर महानिवेशक (छट)

कलकत्ता को तीन प्रतियों में श्रापेयन करें
ग्रनुशोदन की भ्रविध बदाने के खंबेंध में
किये भ्रापेदन-पत्त को विभाग यो प्रस्तृत करना है। उस ग्रापेदन-पत्त की हः प्रतिया प्रनुगोदन की भ्रविध बदाने के लिये सीधी सचित्र यैक्षानिक एवं जीबोलिक ग्रनुबंधान विभाग के पास भेजना है और बैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुबंधान विभाग के सच्चित के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारो धर्मात श्रायकर महानिदेशक (धूट), कलकता, को देगा।

[बंख्या :1740/एप.सं.मं.नि./आ.क. (तूट)/डब्ल्यू.बी.19/कला/35(1)(आइटा)ई)] मुकेश अमार, भपर निवंशक आयकर(सूट)

Calcuta, the 19th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2593.—It is hereby nounted for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Ruie 6 of the incometakines, for the purposes of clause (a) of sub-section (1) of Section 55 of the income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall fairnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology shawan New Menraum Road, New Denni-110016 for every limancial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Incomelax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and industrial Research, and (c) Commissioner of Income-lax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemptions was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Indian Copper Development Centre, 27-B, Camac Street, Calcutta-700016.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sem directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1740/F. No. DG/WB-19/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)] MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions) कलकता, 28 धगस्त, 1997

भायकर

कः । ॰ १८ १८ १४ . --- सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जातः है कि निम्नलिखित संगठन को भायकर भिध-नियम, 1961 की धारा 35 की उपघारा (1) के खण्ड (ii) के लिए भायकर नियम के नियम 6 के श्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखिन शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के श्रधीन श्रनुमोदित किया गया है :---

- (i) संगठन अनुसंधान क≀र्यों के लिए, ध्रलग लेखा बहिमां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंघान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अन्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) भायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) भायकर भायकर भायकर भायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और भायकर भिधिनयम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित भाय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ स्मॉल माइन्स, 19, प्रिंस भनवर साह लेन, कलकत्ता-700033।

यह ग्रधिसूचन। दिनांक 29-3-96 से 31-3-98 तक की भविध के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुझाब दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पक्ष की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्न छः प्रतियों अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या: 1741 (एफ.सं.म.नि./म्रा.क. (छूट)/डब्ल्यू.बी.-57/ 35(1)(ii)/90-91]

मुकेश कुमार, प्रवर निदेशक प्रायकर (छूट)

Calcutta, the 28th August, 1997

INCOME TAX

S.O. 2594.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bluawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (a) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Small Mines, 19. Prince Anwar Shah Lane, Calcutta-700033.

This Notification is effective for the period from 29-3-96 to 31-3-98.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application over the organisation. Six copies of the application the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1741/F. No. DG/IT(E)/WB-57|35(1)(ii)|90-91| MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

बित्त मंत्रालय

(प्रार्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1997

का॰ ग्रा॰ 2595 .--- भारतीय रिजर्व बैंक ग्रिधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकारिश पर घोषणा करती है कि उक्त ग्रिधिनियम की धारा 11 की उप-धारा 1 के उपबंध, इस ग्रिधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1999 तक की भवधि के लिए दि छपरा जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि॰, छपरा (बिहार) पर लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 1 (23)/97-एसी] एस०के० ठाकर, भ्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 24th September, 1997

S.O. 2595.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Chapra District Central Co-operative Bank Ltd. Chapra (Bihar) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 1999.

[No. 1(23)|97-AC] S. K. THAKUR, Under Secv.

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1997

का. भा. 2596.— बैंककारी वितियमन मिश्रितियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदल्त मित्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एसद्द्वारा, घोषणा करती है कि उक्स मिश्रित्यम की घारा 13 के प्रावधान, इस मिश्रिस्चना की तारीख से एक वर्ष की भवधि तक के लिए स्टेंट बैंक भाफ बीकानेर एण्ड जयपुर पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 12/8/97-वीझोए (I)] के.के. मंगल, श्रवर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1997

S.O. 2596.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserva Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 13 of the said Act shall not apply for a period of one year from the date of this notification to the State Bank of Bikaner and Jaipur.

[No. 12/8/97-BOA(i)] K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1997

का. भा. 2597.—वैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व वैंक की सिफारिश्य पर, एतदृहारा, घोषणा करती है कि, उक्त अधि- नियम की धारा 15(i) के प्रावधान, इस धिधसूबना की तारीख से पांच वर्षों की धविध तक के लिए स्टेट बैंक श्राफ बीकानेर एण्ड जयपुर पर लाबू नहीं होंगे ।

[सं. 12/8/97-बीघोए (ii)] के.के. मंत्रन, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1997

S.O. 2597.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Rank of India, hereby declares that the provisions of Section 15(1) of the said Act shall not apply for a period of five years from the date of this notification to the State Bank of Bikaner and Jaipan.

[No. 12/8/97-BOA(ii)] K. K. MANGAL, Under Secy.

विज्ञान और श्रीक्रोनिकी मंत्रालय (विज्ञान और श्रीक्रोनिकी विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1997

कार्यार 2598:—श्री चित्रा तिस्ताल आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्सम, प्रधितियम, 1980 (1980 की संर 52) की धारा 6 की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 5 के खण्ड (J) के उपबंधों के अनुसार निम्तिन मिलित तीन संसद सदस्यों का की चित्रा तिक्ताल आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, तिक्यनंतपुर्य के संस्थान निकाय में सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए चयन किया गया है:——

क०सं० संसद सदस्य का नाम जुनाव की तारीख

 प्रो० पी०जे० कुरियम, 30-7-97 संसद सदस्य (सोक समा) ए बी-77, माहजहां रोड, तई विल्मी

श्री बी घार पाटिस, 30-7-97 संसद सदस्य (सोक सधा)
 26, साऊष एकेन्यू, नई दिल्ली

श्री बचालार रिष,
 श्री बचालार रिष,
 श्री बचालार रिष्ट (राज्य सभा)
 बमालार ईस्ट पी ओ
 भ्रेलापुज्जा, केरल
 बिल्मी का पता
 ग्रीडित पंत मार्ग,
 नई दिल्मी

2. प्रत्येक चयनित सदस्य के पद का कार्यकाल उनके चुनाव की तारीख से 5 वर्ष होगा और यह कार्यकाल सदस की उनकी सदस्यता समाप्त हों। पर तृरंत समाप्त हो जाएगा।

4-8-97

3. उपर्युक्त सदस्यों की सदस्यता श्री चिला निरुनाल श्रायुविज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम श्रीधिनियम, 1980 के श्रन्य उपवंधों के श्रधीन होगी।

> [सं० ए I/विविध/022/95-(भाग)] एम०एम०के० सरदानः, संयक्त सचिव

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

(Department of Science & Technology) New Delhi, the 19th September, 1997

S.O. 2598.—In terms of the provisions of Clause (J) of Section 5 read with Sub-Section (2) of Section 6 of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology, Trivandraum Act. 1980 (No. 52 of 1980), the following three Members of Parliament have been elected, to serve as Members on the Institute Body of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology Thiruvanathapuram —

- S. No. Name of Member of Date of Parliament Election
 - (i) Prof. P. J. Kurien 30-7-97 Members of Parliament, (Lok Sabha), AB-77, Shahjahan Road, New Delhi,
 - (ii) Shri B. R. Patil, 30-7-97 Member of Parliament, (Lok Sabha), 26, South Avenue, New Delhi.
 - (iii) Shri Vayalar Ravi,
 Member of Parliament
 (Rajya Sabha),
 Vayalar East P.O. Alappzha.
 Kerala.
 Delhi Address:
 15 Pandit Pant Marg,
 New Delhi.
- 2. The term of office of cach elected Member shall be five years from the date of his election and the same shall come to an end as soon as the ceases to be a Member of the House.
- 3. The membership of the above Members shall be subject to other provisions of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology, Trivandrum Act, 1980.

[No. AI|Misc.]022|95-(Part)] M. M. K. SARDANA, Jt. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंजालय

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.श्रा. 2599.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में बी सी ग्राई एक से बी ई सी एक से इनसीटू प्लांट तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन ग्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड दारा बिछाई जानी चाहिए।

आर ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनु-सूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजिन करना ग्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप ला इन भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजंन श्रधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपयारा द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का अपना श्रामय एनद द्वारा घोषिस किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस
भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप
सक्षम प्राधिकारी, ब्रॉयल एण्ड नेश्वुरल गैस कारपोरेणन
लिमिटेड निर्माण ब्रौर देखभाल प्रभाव, मकरपुरा
रोड, बड़ीदा-9 को इस ब्रधिसूचना की तारीख से
21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

अंगि ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

ग्रनुसूची

डी सी ग्राई एफ से बी ई सी एच इन सीटू प्लांट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

रोज्य : गुजरात	जिला : महेसाना	तालुक: चाणसमा

गांव	सर्वे नं.	हैक्टर	ग्रार	सन्दी ग्रा र
 रांतेज	644/9	0	09	12
	677/1	0	01	0.8
	644/8	0	09	48
	कार्ट ट्रैक	0	04	76

[सं. ऑ.-12016/2/97-भ्रो.एन.जो.डी.-**IV**] एम.मार्टिन, डैस्कं अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2599.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BCIF TO BECH INSITU PLANT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :---

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division. Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from BCIF To BECH INSITU
Plant.

State : Gujarat

District: Mehsana

Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tere	Are	Con- tiare
RANTEJ	644/9	0	09	12
	677/1	0	01	08
	644/8	0	08	48
	Cart track	0	04	76

[No. O-12016/2/97-O.N.G.D.-IV] M. MARTIN, Dask Officer

नई दिल्ली, 8 सिक्तम्बर, 1997

का. थ्रा. 2600.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में जीएनएच थ्रो से जी जीएस III तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन ग्रायस एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेणन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजनों के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रिधिकार अजिन करना आवश्यक है ।

श्रंत: श्रव पंद्रीलियम श्रीर खनिज पाइपला इन भृमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजन, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का 2419 GI/97—6 प्रतिकरते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार ब्रॉजिंग करने का अपना श्राणय एतद्वारा बोपित किया है।

वशर्ते कि उक्त भृमि में हिन्यद काई उप भूमि क नीत पारम नाहन ाफ़(ने प्राधिकारीत अ(य ग कारपोरशन ाल मटेड िमणि र्थार देखभान प्रभागः मकर्यूग रीड, डोप्रदा—9 को इस अधिम्बना की तारीय सं 21 दिनों के भौतर कर सकेगा।

र्थार ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या कियी विधि क्यबसायी की मार्फत ।

ग्रनुसू**ची**

जी.एन.एच.श्रो से जी जी एस []] तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिलाः '	भ ६च	तालुकाः	वागरा
1	2	3	4	5
गंधार	353			-14

[सं. ओ.-12016/3'97-मो.एन.जी.शि॰IV] एम. मार्टिन, शैरक मधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2600. - Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GNHO to GGS III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Cerporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from GNHO to GGS III.

State: Gajarat

District: Bharuch

Taluka: Vagra

Village	Survoy	No.	Hec- tare		Con- tiare
Gandhar	353		0	5() 44
 					

[No. O:-12016/3/97-O.N.G.D.-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2601.-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धावश्यक है कि गुजरात में नोर्थ संथाल ईडीपी से बलोल इन सी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पालईपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लि।मटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भौर भतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रधिकार श्रीजत करना श्रावश्यक है।

ग्रतः ग्रब पेट्रोलियम ग्रौर खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 कीउ पधारा द्वारा प्रदल्त शक्तियों क. प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार म्रजित करने का अपना भाशय एतद्दारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उन्त भूभि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिये श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भ्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्यायह वह च हता है कि उसकी सुन गाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फम ।

श्चन्स्ची

नीर्थ संथाल ईडीपी सेबलोल इन सीट पाईप लाईन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात	जिला व तालुकाः महेमाणा				
ग{व	सर्वे नं .	हैक्टेयर	भ्रार सेंट	ीयर -	
1	2	3	4	5	
देवीनःपुरा	308/2	0	03	42	
	308/1	0	10	78	
	310	0	06	36	
	311/1	0	02	24	
	311/2	0	01	30	
	312	0	11	70	
	कार्ट ट्रैक	0	01	00	
	313	0	18	00	
	319	0	24	88	
	318	0	04	10	
	322	0	01	00	
	323	0	11	60	
	324	0	00	34	
	3 2 5/पी	0	13	40	
	325/2	0	10	0.0	
	325/1	0	10	40	
	3 3 4/1/2/3	0	00	65	
	कार्ट ट्रैक	0	01	15	
	333	0	08	70	
	335	0	06	65	
	36 9	0	18	60	
	368	0	11	40	
	कार्ट द्रैक	0	01	40	
	367	0	19	00	
	365/ पी	0	05	80	
	कार्ट ट्रैक	. 0	02	40	
	385/1/2/3/4		16	00	
	386/पी	0	13	20	
	387/पी	0	22	00	
	कार्ट ट्रैक	0	01	00	
	402	, 0	10	85	
	394	0	0.8	25	
	401	0	0.8	90	
	400	0	15	55	
	399 / - 0-	0	10	00	
	397/पी र्	0	22	75	
	कार्ट ट्रैक	0	01	20	
	434	0	15	57	
Г зі́	433	0 4/07 20	01	82 	

[सं. भ्रो. -12016/4/97-श्रो. एन. जी.डी-4] एम. मार्टिन, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 8th Septem	10 0 1, 1997	
11Whereas it appears to	the Central	Govern
it is necessary in the public	interest that	ior u

S.O. 260 ment that transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM NORTH SANTHAL ETP to BALOL in-SITU

State: Guiarat District & Tluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- lare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Devinapura -	308/2	0	03	42
•	308/1	0	10	78
	310	0	06	36
	311/1	0	02	24
	311/2	0	01	30
	312	0	1 I	70
	Cart track	0	01	00
	313	0	18	00
	319	0	24	88
	318	0	04	10
	322	0	01	00
	323	0	11	60
	324	0	00	34
	325/P	0	13	40
	325/2	0	10	00
	325/1	0	10	40
	334/1/2/3	0	00	65
	Cart track	0	01	15
	333	()	08	70
	335	0	06	65
	369	0	18	60
	368	0	1 I	40
	Cart track	0	01	40
	367	0	19	00
	365/P	O	05	80
	Cart track	0	02	40
	385/1/2/3/4/1	P 0	16	00

1	2	3		4	5
	386/P		0	13	20
	387/ P		0	22	00
	Cart track		0	01	00
	402		0	10	85
	394		Q	08	25
	401		0	08	90
	400		0	15	55
	399		0	10	00
	397/P		0	22	75
	Cart track		0	01	20
	434		0	15	57
	433		0	01	82

[No. O-12016/4/97 ON.G.D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई विल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.ग्रा. 2602----यतः केन्द्रीय सरकार होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरान राज्य में नोर्थ संयाल ई ही पी से बलोल इन सी टु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन ग्रायल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेणन लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिये।

भौर ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाधद अनुसूची में वर्णित भमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करना भावस्यक है।

ग्रत: भ्रब पैंदोलियम और खनिज पाईपलाईन भमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रधिकार ग्राजित करने का प्रापना ग्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भिम के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी , श्रायल एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण ग्रीर देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस ग्रधिसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्यायह वह चाहता है कि उसकी सनबाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मर्फिता

AND AND THE PROPERTY OF THE PR

श्रन्र, वी

नीय मधान इंडी शं विलोल इन सीट् तक पाइप लाइन विछाने के लिए

भाज्य: गुजरात

जिजाव तालुकाः महेसाणा

गांव	सर्वे न	हैक्टर	श्रार	मेन्टीयर
बलोल	3757/1/2	0	46	80
	1662	0	04	44
	1754/1	0	12	56
	1763	0	0.8	0.0
	1764	0	0.9	60
	1667/2	0	10	60
	1668	0	08	35
	1735	0	01	95
	1669	0	07	14
	1734	0	03	2.0
	1670	0	08	40
	1732	0	02	3.4
	1696	0	18	30
	1731	0	11	90
	1700	Ō	0.4	1.1
	1694	0	03	57
	1701	o	2.1	19
	1702	0	0.3	3.1
	1703/1	a	18	50
	कार्ट ट्रैक	0	02	00
	1340/1	0	1.4	34
	1340/2	0	01	7 6
	1342	0	05	40
	1341	0	07	70
	1338	0	16	0.0
	1337	0	08	3 5
	कार्ट द्रीक	0	02	25

[सं. ओ-12016/5/97-ग्रो.एन.जी.डी.IV] एम. सार्टिन, डैस्क ग्रधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2602.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed heretol:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government he-eby declares it's intention to acquire the right of user therin:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pincline under the land to the Competent Anthority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makatpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to Balol in-SITU.

State : Gujarat	District & 3	Faluka	: Mehs	ar a
Village	SurveyNo.	Hee- tare	Are C	en- are
BALOL	1757/1/2	0	46	— 81
	1662	0	()4	44
	1754/1	0	12	56
	1763	0	80	00
	1764	0	09	60
	1667/2	0	10	60
	1668	0	08	35
	1735	0	01	95
	1669	0	07	[4
	1734	0	0.3	20
	1670	0	03	40
	1732	0	02	34
	1696	()	18	30
	1731	()	I 1	90
	1700	0	04	14
	1694	υ	03	57
	1701	0	24	19
	1702	0	0.3	31
	1703/1	0	18	50
	Cart track	0	0.2	00
	1340/1	0	14	34
	1340/2	0	01	76
	1342	0	05	40
	1341	0	07	70
	1338	0	16	00
	1337	0	08	35
	Cart track	0	02	25
		_		

[No. O-12016/5/97-O.N,G.D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. ग्रा. 2603—.यतः केन्द्रीय सरकार को पह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संथाल इडीपी से बलोल इन सीटू तक पैट्रोजयम के परियहन के लिए पाइप लाइन ग्रायल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरंणन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनीं की बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना श्रावश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम श्रीर खिनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रिकार का अर्जन ग्रिधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधिकार श्रीजित करने का श्रीपना श्रीणय एतद्वारा धीयित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हिलबद्ध कोई व्यक्ति उस भिम के नीचे विद्याने के पाइप एण्ड नेच्रस प्राधिकारी सक्षम वेखभाल कारपोरेशन लिमिटेड निमीण ग्रीर बहोदा- 9 रोड. को इस कर सकेगा। 21 दिनों के भीतर

ऐसा श्चाक्षेप करने वाला **म्यक्ति**त विनिर्दिष्टतः यह भी क्या वह' उसकी कि मुनवाई *च्य* क्लिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची नोथं संथाल इटीपी से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला व	तालुकाः महेसाण	ľ
		9 -	

गोव	सर्वे नं.	हैक्टर	श्रार	सेन्टीयर
1	2	ε	4	5
<u></u> डेलोमी	199	0	05	20
	198/1/2	0	09	25
	197/1/2	0	12	20
	196	0	10	40
	195	0	07	20
	194	0	10	20
	191	O	02	16
	193	0	12	76
	192	U	01	38
	188	U	14	20
	185/1/2/7	0	31	00
	183	0	08	10
	183/1/2	0	10	20
	181/1/2	0	15	65
	145/1/2/3	U	23	25
	कार्ट ट्रैक	0	01	40
	175	0	06	00
	163	0	11	10
	164	0	03	80

			~ <u>~ ~ </u>	
1	2	3	-1	5
	166	0	0.0	5.0
	162	Ü	0.1	1.5
	161	U	1.1	65
	160	0	12	60
	159	O	03	50
	1 5 6/1/2	2 0	06	00
	157	U	13	0.0
	158	()	11	20
	कार्ट ट्रैन	0	υ3	0.5
	64	0	0.1	35

[सं. ओ-12016/6/97-ओ. एन. ओ.डी.-1V] एम. माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2603.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (30 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from North Santhal ETP to Balol IN-SITU

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- Are tare		Cen- tiore	
1	2	3	4	5	
DELOLI	199	0	05	20	
	198/1/2	0	09	25	
	197/1/2	0	12	20	
	196	()	10	40	
	195	0	07	20	
	194	O	10	20	
	191	0	02	16	
	193	0	12	76	
	192	0	01	38	

1	<u> </u>	3	4	5
	188	0	14	20
	185/1/2/3	0	31	00
	183	0	08	10
	182/1/2	0	10	20
	181/1/2	0	15	65
	145/1/2/3	0	23	25
	Cart track	O	10	40
	175	0	06	00
	163	0	11	10
	164	0	03	80
	166	0	09	50
	162	0	01	15
	161	0	14	65
	160	0	12	60
	159	0	03	50
	156/1/2	0	06	00
	157	0	13	00
	158	0	11	20
	Cart track	0	03	05
	64	0	01	35

[No. O-12016/6/97-O, N.G. D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का, था. 2604- च्यतः केखीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गजरात राज्य में नोर्य सथाल इटीपी से बलोन इन सीतू तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भ्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिडेड हारा बिछाई जानी चाहिए।

ग्रौर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिठाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाब अनुसूची में विज्ञात भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना ग्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रांर खिनज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए सरकार केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना श्राणय एतद्वारा घोषित किया है।

धणर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उसभूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण श्रार देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस श्रिधमूचना की तारी ख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टनः यहं भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फता।

श्रनुसूची

नोर्थ संचाल इडीपी से बलोल इन सीतुतक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य ; गुजरात

				
गांव	सर्वें नं.	है प टर	श्रारे	सेन्टीयर
मगुना	66	0	01	40
•	65/1	0	11	00
	68/1/2	0	11	20
	72	0	07	50
	73	0	10	00
	81/1/2	0	18	70

[सं. ओ-12016/7/97-म्रो.एन.जी.डी.-IV] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रधिकारी

जिला व तालुकाः महसाणा

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2604.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the gurgose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962-(50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to Balol IN-SITU.

State: Gujrat	District & Taluka : Mehsana				
Village	Survey No.	Hec. tare	Are	Cen tiare	
MAGUNA	66	0	01	 40	
	65/1	0	11	00	
	68/1/2	0	11	20	
	72	0	07	50	
	73		10	00	
	81/1/2	0	18	70	

[No. O- 12016/7/97-O.N.G. D.-IV] M. MARTIN, Desk Officer नई विल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2605.—पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नार्थ संथाल ईटी भी से बालोल इन सीत् तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेणन लिभिटेड बारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाबक अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अभित करना आवस्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खिल्ज पश्चलाईन धूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनयम, 1962क 50 की धारा 3 की उपधारा बारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आशय एनद्द्वारा शोधिन किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितबक्ष कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम शाधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भीक्यन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि वावनायी की मार्फत।

अनुसूची

नोर्थ संथाल ई डी भी से बलोग इन सीन् नक पण्डप साहन बिछाने के लिये।

राज्यः गुजरात जिल्लाः महेसाणा नालुकः छ।णस्मा

गांव	सर्वे नं .	हैक्टेयर आ	र सॅटीः	पर
संदुथला	1 7 0/पी	0	26	30
	169	0	09	60
	168	0	0.9	60
	167	0	21	40
	166/1/2	0	05	30
	172/1	0	21	58
	164	0	0.4	12
	173	0	27	30
	1 7 4/ 9ĩ	0	10	80

[सं. ओ-12016/8/97--ओ.एन.जी.डी.-]V] एम. माटिन, **डै**स्स अधिकारी New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2605.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol INSITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is pecessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Monerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in rerson or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to Balol IN-SITU.

State : Gujarat

District : Mehsans

Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Her- tare	Are	Cen- tiare
SADUTHALA	170/P	0	26	30
	169	0	09	60
	168	0	09	60
	167	0	21	40
	166/1/2	0	05	30
	1 <i>7</i> 2/1	0	21	58
	164	0	04	12
	173	0	27	
	174/P	0	10	80

[No. O-12016/8/97-O.N.G.D.-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, श्रीसम्बर, 1997

का.आ. 2606.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्ष संथाल ईटोपी से बलोल इन सीतु तकपैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन अध्यल एण्ड नेचुरलगैम कारपोरेणन लिमिटेड हारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्याबद अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का आंधकार अजित करना आवण्यक हैं। अतः अब पैट्रोलियम और छनिज पाटपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आणय धनहुद्वारा घोषिन किया है।

यशार्ते कि उकत भूमि में हित्तबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयरा एण्ड नेबुरल गैस कारपंरिणन लिमिटेव निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीनर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टसः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किशी विधिव्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची नार्थं संधात ईटोपी से बलोज इन सीतु तक पाइप लाईन बिछाने के लिये।

राज्यः गुजरात जिलाः व तालुकाः महेसाणा			साणा	
गांव	सर्वे नः.	है _{क्} टेयर	आर	~~~~~ सेंटीयर
गमानपुरा	682	0	01	80
•	68	0	12	10
	653	0	14	10
	654	0	05	10
	650	0	02	0.4
	649	0	14	60
	648	0	0.4	60
	646	0	04	60
	644	0	0.4	80
	643	0	0.7	60
	641/2	0	07	0.0
	639	0	01	35
	638	0	21	25
	622	0	20	20
	621	0	20	6 0
	616	0	11	60

[सं. ओ-12016/9/97--ओ.एस.जी.**डी-[V]** णम्. माटिन, डैस्ट अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2606.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Manerals Pinelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laving the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Construction & Maintenance Division, Makatpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection—shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from North Southal ETP to Bolol In-SITU.

Stato: Gujatat District & Taluka: Mehsona

Villago	Survey No.	Hec- tare	Are.	Con- tiare
GAMANPURA	682	0	01	<u>-</u>
	681	0	12	10
	653	0	14	10
	654	0	05	10
	6 5 0	0	02	04
	649	0	14	6 0
	648	0	0r	60
	646	0	04	60
	644	0	04	80
	643	0	07	60
	641/?	0	07	60
	639	0	01	35
	638	0	21	15
	622	0	20	20
	621	0	20	60
	616	0	11	60

[No. O-12016/9/97-O.N.G.D.-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई विल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का श्रा . 2607.—पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संथाल ईटी पी से ब्झालोल इन सीतृ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन ग्रायल एण्ड नेसुरल गैम कारपोरेणन लिमिटेड हारा खिछाई जानी चाहिए।

श्रीर श्रतः यह प्रसीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में बर्णित भृमि में उपयोग का अधिकार श्रीजत करना श्रावण्यक है। राझ्य : गुजरात

श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाईन (भूसि में उपयोग का श्रधिकार का श्रजंन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिध कारश्रजित करने का श्रपना श्राशय एतद्झारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबझ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन विछाने के लिए ग्राक्षप सक्षम प्राधिकारी, श्रयल एण्ड नेचुरल गैंस कारपेंदेशन लिमिटेड निर्माण श्रौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड, बड़ौदा-9 को इस श्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

धौर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टस: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उस की सुनवाई व्यक्तिगत रूपसे हो या किसी विधिव्यवसायी की मार्फत।

श्रनुसूर्णा नोर्थ संथाल ईटीपी सेबलोल इन सीसु तक पाइप लाईन बिछाने के लिये।

जिला व तालुका: मेहमाणा

गांव	सर्वे नं.	है _{स्} टेयर	धार	सेंटीयर
1	2	3	4	5
मीथा	320	0	23	40
	328	0	01	62
	321	0	17	41
	327/1	0	00	32
	322	0	01	35
	326	0	27	52
	कार्ट ट्रेक	0	01	50
	325/2	0	01	00
	374	0	07	90
	375/4	0	11	0.8
	376	0	01	58
	375/3	0	05	58
	378/पी	0	16	40
	3 7 9/पी	0	13	60
	कार्ट द्रैक	0	01	4 0
	529/2	0	11	40
	529/1	0	10	0.0
	530	0	25	60
	531	U	20	60
	533/2	Ü	05	04
	533/1	0	12	96
	512/2	0	17	60
	511	0	07	00

	2	3	4	5
	510	0	10	20
	497	0	10	00
	496	0	11	45
	492	0	00	15
	494/3	0	13	60
	कार्ट द्रैक	0	01	0 0
	592/2	0	09	00
	592/1	0	04	60
	591	0	15	00
	590	0	22	10
	598	0	10	90
	589/2	0	00	15
	599/1	0	08	60
	599 _/ 1	0	17	20
	कार्ट टैक	0	01	60
	641/1/2	0	09	60
	634	0	18	60
	635	0	01	40
	कार्ट ट्रैक	0	02	10

[सं. म्रो.-12016/10/97-म्रो.एन.जी.डी:.-IV] एम. मार्टिन, **डै**स्क प्रधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2607.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Construction and Meintenance Division, Makagura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to Balol IN-SITU

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Rr (Con- tiare
MITHA	320	0	23	40
MIIIIW	328	0	01	62
	321	ő	17	41
	327/1	ŏ	00	32
	322	Ü	01	35
	326	0	27	52
	Cart track	0	01	50
	325/2	0	01	00
	374	0	07	90
	375/4	0	11	08
	376	0	01	59
	375/3	0	05	58
	378/ P	0	16	40
	379/P	0	13	60
	Cart track	0	01	40
	529/2	0	11	40
	529/1	ŏ	10	00
	530	ŏ	25	60
	531	0	20	60
	533/2	0	05	04
	533/1	0	12	96
	512/2	0	17	60
	511	ő	07	00
	510	ő	10	20
	497	ő	10	00
	496	ő	11	45
	492	ŏ	00	15
	494/3	0	13	60
	Cart track	0	01	00
	592/2	o	09	00
	592/1	0	04	60
	591	0	15	00
	590	ŏ	22	10
	598	0	10	90
	589/2	ŏ	00	13
	599/1	Ŏ	08	60
	599/2	0	17	20
	Cart track	Ő	01	60
	641/1/2	0	09	60
	634	0	18	60
	635	0	01	4(
	Cart track	ő	02](

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. था. 260. --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कोकहित में यह श्रावण्यक है कि मुजरात राज्य में नोर्ग संभाल ईटीपी से बलोल इन हीतु तक पृंट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन श्रायल एण्ड नेश्नुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विदाई जानी चाहिय।

और ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिधाने के प्रयोजन के लिए एतव्याबद्ध ग्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का ग्राधिकार श्रीजत करना आवण्यक है।

ग्रतः ग्रब पंट्रोलियम और खतिज पार्पलाईन (क्सि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रवत्त मित्यों का प्रयोग करते दुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मधिकार मजित करने का भपना माश्य एतद्दारा घोषित किया है।

बणते कि उपत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए प्राक्षप सक्षम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्भाष और देखभाल १भाव, मकरपुरा रोड, बड़ीवा-9 को इस ग्राधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर करसकेगा।

और ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह श्रीकश्न करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधिष्यवसायी की मार्फत।

ग्रन्यू ची

नोर्थ संशास ईटीपी से बलोल र्नसीतृतकपाएप साईन बिसाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला व तासुक: मेहसापा

-4-1-4-1-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-4-		~~~~~~~		
गांव	सर्वं नं.	है <i>क्</i> टेयर	श्रार से	टीयर
खारा	216/1/2/3	9	23	40
	218	0	23	80
	219	0	22	2
	220	0	06	20
	280/1/1 280/1/2 280/1/3 280/1/4 280/1/5 280/1/6	0	50	40
	280	0	08	60

[No. O. 12016/10/97-O.N.GD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

[सं. थो. -12016/11/97-थो. एन. ची. थी. 4] एम. माहिन, बैस्क ग्राधकारी New Delhi, the 5th September, 1997

S.O. 2608.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From North Santhal ETP To
Balol IN-SITU Main

State: Gujarat District & Taluka: Mchsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
K <u>h</u> ara	216/1/2/3	0	23	40
	218	0	23	80
	219	0	22	02
	220	0	06	20
	280/1/1 280/1/2 280/1/3 280/1/4 280/1/5 280/1/6	0	50	40
	280	0	08	60

[No. O-12016/11/97-O.N.G.D.-1V]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2609-यतः केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में लनया ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पैट्रोलियम के परिबह्न के लिये पाइपलाईन श्रायल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतब्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रिधिकार अर्जित करना बावश्यक है। श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रौर खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के ग्रिधकार का ग्रर्जन श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधकार श्रीजत करने का श्रपना श्राशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी ध्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण ध्रौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस घ्रधिसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधिष्यवसायी की मार्फत।

श्रमुसूची लनवाईटीपी व्लान्टसे बलोल इनसीतु तकपाइप लाइन बिछानेकेलिये।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा ताल्क : आणस्मा

गांध	सर्वे नं .	हैक्टयर	भारे	सेंटीयर
1	2	3	4	5
मोटप	256	0	14	0.9
	234	0	05	26
	233/2	0	07	57
	233/3	0	07	5.7
	231	0	11	79
	2 2 9/पी	0	33	29
	कार्ट ट्रैक	0	01	53
	220	0	19	47
	217	0	14	86
	216	0	13	49
	221/2	0	00	40
	213/1	0	00	20
	213/2	0	12	56
	211	0	16	58
	2 1 0/पी	0	00	41
	कार्ट ट्रैक	0	00	46
	209	0	25	03
	208	0	00	20
	176/2	0	16	01
	1 7 8/पी	0	22	92
	1 8 2/पी	0	17	55
	कार्ट ट्रैक	0	03	07
	166	0	02	11
	कार्ट द्रैक	0	01	53

1		2	3	4	5	1	2	3	4	5
						Motap-Contd.	221/2	0	00	40
मोटप~-जारी	150		0	00	96	•	213/1	0	00	20
	151		0	13	90		213/2	0	12	56
	154		0	20	77		211	0	16	58
			0	00	27		210/ P	0	00	41
	153						Cart track	0	00	46
	158		0	12	56		209	0	25	03
	157		0	11	41		208	0	00	20
	124		0	03	45		176/2	0	16	01
	123		0	19	09		178/P	0	22	9
	120		0	16	06		18 2/P	0	17	5:
	कार्ट दैक		0	01	53		Cart track	0	03	0′
	Auc Zai		U	V I	00		166	0	02	1
							Cart track	0	01	5
[सं. ः	षो . – 1 2 0 1	6/18/	97-श्री. ए	र्न. जा. ड	r1 V]		150	0	00	9
		एम.	मार्टिन,	डैस्क मधि	कारी		151	0	13	9
		•	·				154	0	20	7
Nov. I	Delhi, the Si	th Sant	ember	1407			153	0	00	2
	,	_					158	0	12	5
S.O. 2609.—Whent that it is no	rereas it app	pears	to the	Central (Govern-		157	0	11	4
insport of Petro	oleum from	Larwa	ETP to	Balol l	N-SITU		124	0	03	4
Gujarat State	pipeline sho	ould be	laid b	y the O	il and		123	0	19	0

[No. O-12016/18/97-ONG-D-IV] MARTIN. Desk Officer M.

0

16

01

06

53

8 सितम्बर, 1997 मई दिल्ली,

Cart track

120

2610.--यतः केन्द्रीय सरकार का. आर. यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 30 से पादरा इपी एस तक पैटोलियम केपरिवहन केलिये पा**इ**पलाइन म्रांयल एण्ड नेचरल गैम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और प्रत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी ल।इनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद प्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना भावपयक है।

श्रतः श्रब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का प्रजन ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपमा श्रागय एतदक्षारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, प्रायल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेशन लिभिटेड

in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From Lanwa ETP Plant To Balol INSITU (Main)

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chansma

Village	Survey No.	Hec- tare		Cen- tiare
Motap	256	0	14	09
	234	0	05	26
	233/2	0	07	57
	233/3	0	07	57
	231	0	11	79
	229/P	0	33	29
	Cart track	0	01	53
	220	0	19	47
	217	0	14	86
	216	0	13	49

[भाग 11खंड 3 (ii)]		भारत क	ाराजपक्षः ग्रमसू	बर, 11 1997/माश्विन 19,1	919	_		49 09
निर्माण और देख 9 को इस ग्रधिर		मकरपुरा स्थाने से			1	2	3	4	5
कर सकेगा ।	Man orali				डभासा — -जारी	1028	0	03	12
				<u></u>			0	01	30
•	भ्राक्षेप करने	•		विनि- के		1248	0	05	33
र्दिष्टतः यह भीव -			-			1247	0	05	85
कि उसकी सुनवा		ास हाया	ाकसा वि	ध ध्यव-		1245	0	06	50
सायी की मार्फता							0	01	50
						1241	0	11	70
	प्रनुसूची					1244	0	00	10
	_	•				1235	0	10	14
कूपूनं.⊸30		इ .पी. र	ृस. तक	र पाइग		1236	0	08	48
लाइन बिछाने	के लिए ।					1234	0	01	32
राज्य : गुजरात	जिला :	वडोदरा सा	′भ्रकः प	ादरा		1212	0	00	60
va · · · · ·			··			1213	0	0 5	98
गांच	ब्लाक सं.	हे क्टे यर	श्रारे	सेंटीयर		1214	0	05	85
						1180	0	10	01
1	2	3	4	5		1278	0	02	98
						1279	0	04	42
डभासा	854	0	05	5 5		1277	0	13	00
	853	0	19	5 7		1276	0	11	44
	852	0	04	94		1171	0	00	91
	864	0	05	90		1172	0	00	90
	865	0	07	85		1407	0	04	42
	867	0	09	10		1408	0	05	20
	890	0	00	10		1425	0	11	70
	879	0	19	50		1424	0	09	62
	880	0	14	30		1413	0	14	69
	886	0	34	06		1415	0	10	14
	885	0	01	25					
	974	0	05	72	[सं. ओ	-12016/12	97-ओ एन	जी. डी	IV]
	973	0	05	46		एम.	माटिन,	डैस्क	ग्रधिकारी
	972	0	22	22					
	975	0	12	09	New De	elhi, the 5th	September,	1997	
	976	0	07	80	S.O. 2610.—When				
	979	0	19	24	ment that it is nece transport of Petrole	um from W	ell No. 30	to Pa	dara EPS
	980	0	01	82	in Gujarat State pi Natural Gas Corpo	peline should tration Ltd.	i be laid	by the	Oil and
	981	0	12	09					
	कार्टट्रेक	0	01	56	And whereas it a such pipeline it is				
	1003	0	02	60	in the land describe				
	1002	0	12	09	Now therefore, in	n exercise of	the nowe	te com	ferred by
	1011	0	03	90	sub-section (1) of the	e Section 3 of	the Petrole	eum and	l Minerals
	1001	0	08	97	Pipelines (Acquisition 1962 (50 of 1962),	the Central	Governmen	t hereb	y declares
	1019	0	13	39	it's intention to acc				
	कार्टद्रेक	0	01	60	Provided that any				
	1020	0	15	26	object within 21 day laying the pipeline ur	s from the o	date of this	notific	ation, to
	1026	0	04	50	Oil and Natural G	as Corporation	on Ltd. C	onstruct	tion and
		0	01	58	Maintenance Division	, макагрига -	KUHO, VA	uouara-	370009.
	1025	0	03	38	And every person				
	1029	0	06	26	state specifically who or by legal Practiti	erether he wi	innes to be	neard	ш person

THE GAZETTE OF INDIA: OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19, 1919 [PART II—SEC. 3(ii)]

	SCHEDULE				1	2	3	4	5
Pipeline	From Well No. 3	0 To Pa	adara	EPS.	Dabhasa-		0	04	4:
State : Gujara	at District : Vadod	ara Tah	ıka : I	Padara		1277	0	13	00
	·					1276	0	11	44
Village	Block No.	Нес-	Are	Cen-		1171	0	00	91
		tare		tiare					
	2	3	4	5		1172	0	00	90
1 _ _		<u></u>				1407	0	04	42
Dabhasa	854	0	05	55		1408	0	05	20
	853	0	19	57		1425	0	11	70
	852	0	04	94		1424	0	09	62
	864	0	05	90		1413	0	14	69
	865 867	0	07 09	85 10		1415	0	10	14
	890	0	00	10			U	10	17
	879	Ö	19	50	 -				
	880	0	14	30		[No. O-120	16/12/97-0	NG-E)-IV
	886	0	34	06		M. MAI	RTIN, De	sk Of	ffice
	885	0	01	25					
	974	0	05	72		नई दिल्ली, 8 सितम्	TC, 1997		
	973 973	0	05	46 22					
	972 975	0	22 12	22 0 9	का. आ	. 2611.—यतः के	न्द्रीय सरका	र को	यह
	976	0	07	80	त्रतीत होता	है कि सोकहित में यह उ	भावस्यक है	कि गुज	रात
	979	ő	19	24	•	नं. 30 से पादरा	-		
	980	0	01	82	£1	अप्तहन केलिये पाइपलाइक	-		•
	981	0	12	09		ान लिमिटेड द्वारा बि			5
	Cart track	0	01	56	•				
	1003	0	02	60	ਅਹੈਤ ਕਰਮ	ः यह प्रक्षीत होता है कि	. चेकी जावको	in the	कर े
	1002	0	12 03	09		त्र यह प्रकास हासा हासा के लिए एतदपाबद्धः अनु			
	1011 1001	0	08	90 97		कालए एतदगावस्य अनु आधिकार आजिसकरना			1 4
	1019	ő	13	39	उपयाग का	आध्यकार आजत करना	जापश्यक	Вı	
	Cart track	0	01	60					
	1020	0	15	26	अतः अ	व पेट्रोलियम औरख	निज पाइपल	∏ह्न व	भृमि
	1026	0	04	50		र्गाधकार का अर्जन अधिनिय			• •
	Cart track	0	01	58		. 3 की उपधारा 1 द्वार		•	
	1025	0	03	38	,	१ <mark>केन्द्रीय सरकार ने उस</mark> मे			
	1029	0 0	06 03	26 12	•	का अपना आशय ए र			
	1028 Cart track	0	01	30	है।	,	•	•	
	1248	ő	05	33	ζ.				
	1247	ŏ	05	85			>		
	1245	0	06	50		त्र उक्त भूमि में हिसबर 			उस
	Cart track	0	01	50	•	पाइप लाइन विछाने			
	1241	0	11	70		ाल एण्ड ने म ुरल गैस			
	1244	0	00	10		देखभाल प्रभाग, मक			
	1235	0	10 08	14 48		्चना की तारीख से 2	1 दिनों के	भीतर	कर
	1236 1234	0 0	08	32	सकेगा ।				
	1234 1 2 12	0	00	60					
	1212	ő	05	98	और ऐस	ा आक्षीप करने वा <mark>ला</mark> ह	र ज्यक्ति 1	र्वानदिष	टतः
	1214	Ö	05	85	-	करेगा कि भया वह यह			
	1180	0	10	01		ागत रूप सेहोया किसी			
	1278	0	02	98	मार्फतः मार्फतः		-		

अन्मुची

कूप नं. 30 से प(दरा ६.पी.एस. तक पाइप लाइन ब्रिष्टाने के लिए।

राज्य : गुजरात	ज।ल : वडोदरा तालुका : पादरा					
गांव	ब्लांकनं.	हेक्ट यर	आरे	संटीयर		
1	2	3	4	3		
 रन्	630	0	06	76		
		0	01	56		
	748	0	09	10		
	751	0	02	60		
	752	0	05	85		
	753	0	05	07		
	768	0	00	18		
	767	0	07	15		
	766	0	08	85		
	765	0	09	65		
	787	0	04	25		
	788	0	05	85		
	789	0	14	04		
	790	0	0.0	08		
	791	0	16	51		
	कार्टट्रेक	0	06	8 5		

[सं. ओ-12016/13/97-ओ, एन. जी, डी.-IV] एम माटिन, डैम्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2611.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No 30 to Padara E.P.S. in Gujarat State pireline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 30 to Padra EPS

State: Gujarat District: Vadodara Taluka: Padra

Village	Block No.	Hectare	Are	Cen- tiare
Ranu	630	0	06	70
	Cart track	0	01	56
	748	0	09	10
	751	0	02	60
	752	θ	05	8.5
	753	0	05	07
	76 8	0	00	13
	7 67	0	07	1.5
	766	0	08	8.
	765	0	09	6:
	787	0	04	2:
	788	0	05	83
	789	0	14	04
	790	0	00	08
	791	0	16	5.
	Cart track	0	06	8.

[No. O-12016/13/97-ONG. D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2612 :— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 30 से पावरा इ.पी. एस. तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आंयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाद अनुसूची में विणत भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आणय एतंद्द्वारा घोषित किया है।

वशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आंयल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 की इस अधिसूचना की सारीख से 21 बिनों के भीतर कर सकेगा। और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधि-ष्टतः यह भीकथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।

अन्मूची

कूप नं. 30 से पादरा इ. पी. एस. नक पाइय लाइन बिछाने के लिए ।

गांव	सर्वे नं.	हेक्टे यर	आरे	सेंटीयर
———— पादरा	691	0	01	30
	707	0	11	96
	706	0	11	59
	705	0	03	0.0
	704	01	12	0.0
	703	0	06	10
	702	0	09	10
	727/2	0	04	90
	कार्ट ट्रेक	0	01	82
	740	0	12	45
	739	0	09	65
	738	0	13	26
	749	0	0.9	10
	751/2	0	13	0.9
	752/1	0	07	8.0
	753/1	0	05	20
	753	0	0.5	10
	828	30	07	02
	829	0	10	01
	कार्ट द्रेक	0	01	92
	832	0	10	40
	831	0	05	85
	933	0	10	14
	932	Û	0.0	30
	931	0	5 1	14
	953	0	08	82
	955/953/2	9 0	04	64

[सं. ओ.-12016/14/97-ओ एन जी डी -IV] एम. माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delbi, the 8th September, 1997

S.O. 2612.—Whereus it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 30 to Padara EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 30 to Padra EPS

State: Gujarat District: Vadodara Taluka: Padra

Village	Survey No.	Hecatre	Are	Centi- are
Padra	691	0	01	30
	707	0	11	96
	706	0	11	59
	705	0	03	00
	704	01	12	00
	703	0	06	10
	702	0	09	10
	723/2	0	04	90
	Cart track	0	01	82
	740	0	12	45
	739	0	09	
	738	0	13	26
	749	0	09	10
	<i>7</i> 51/2	0	13	09
	752/1	0	07	80
	753/1	0	05	20
	753	0	05	10
	828	30	07	
	829	0	10	01
	Cart track	0	01	92
	832	0	10	40
	831	0	05	85
	933	0	10	14
	932	0	00	30
	931	0	51	34
	953	0	08	82
	955/953/2	0	04	64

[No. O-12016/14/97-ONG. D-IV] M. MARTIN, Desk Officer नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. थ्रा. 2613:— यतः केन्द्रीय सरकार वो यह भ्रतीत होता है कि लोकहित में यह भ्रावश्यक है कि बुजरात राज्य में संथाज इन बीतु से बीस्ट्रीब्यूशन— II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भ्रांयल एण्ड नेश्वरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विस्त्राई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत शोता है कि एसी लाइनों को विद्याने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद अनुसूची में विधान भूमि में उपयोग का अधिकार अकिन वरता आव-स्थक है।

श्रतः श्रव पेरोलियम और बनिष पार्पलार्न भृमि में उपयोग के शिक्षार का श्रवन श्रीधनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा श्रवत पायितयों का श्र्योग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजत करने का श्रपना श्राग्य एतर्हारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितसब को इंध्यक्ति उस भूमि के तीचे पार्पलार्ग बिधाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आंधल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बबौदा—9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनि-विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप सेहो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

श्रनुसूची

संधाल, १न सीतु से डिस्ट्रीब्युशन--II तक पाइप लाइन बिधाने के लिए।

राज्य : गजरात जिलाव तासुका : महेसाणा

-	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~			
गांव 	सर्वे नं.	हे म टेय र आ	रे सेन्टि	यर
		~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~		
नसलपुर	630	0	11	70
	679	0	04	60
	679	0	05	40
	676	0	09	90

[सं. बो-12018/15/97-बो. एन. बी. की. IV] एन. मादिन, शैस्क प्रधिकारी New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2613.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

# SCHEDULE Pipeline from Santhal In-Situ to Distribution-II

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tiare
Kasalpur	680	0	11	70
•	679	0	04	60
	678	0	05	40
	676	0	09	90

[No. O-12016/15/97-ONG. D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का॰ ग्रा॰ 2614:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भ्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बकोल ६न सीतू से बकोल जीजीएस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बॉयल एण्ड नेखुरल गैस कारपोरेमन हारा बिछाई जोनी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लार्गों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) श्री धारा 3 श्री उपधारा 1 द्वारा त्रदत्त शक्तियों का त्रयोग करते हुद केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रिजत करने का श्रपमा शासय एतव्हारा घोषित किया है। वणते कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाएप लाएन विद्याने के लिए आक्षेप सक्षम शाधि-कारी, आँयल एण्ड नेक्रल गैस कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिस्चना की तारीक्ष में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा धाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टसः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मापंता।

अनुसूची बलोल इन सीतु से बलोल जीजीएस-IIII तक पाइप लाइन बिक्षाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला महेसाणा तास्काः चाणस्मा

गांव	सर्वे तं.	हेक्ट <b>यर</b>	प्चन आरे	सेन्टियर
1	2	3	4	5
सरुषना	171	0	17	60
	1 <b>7 2/</b> 2/पी	C	1 5	40
	171/1	0	28	30
	164	0	00	98
	173	0	05	70
	163	0	08	72
	174/07	0	05	c o
	162	0	13	C 5
	157	0	08	84
	150	0	01	2,0
	1 5/1	.0	32	50
	136	0	09	80
	137	0	02	00
	135	0	11	80
	134	0	14	8 0
	I 3·3	0	16	0.0
	132	0	30	20-
	117	0	11	92
	118	0	00	32
	कार्य द्रेक	G	0.2	90
	79	0	05	40
	78/2	0,	10	40
	78/1	0	11	83
	7 5/1	0	02	47
	7 5/2			
	76/2	0	17	80
	7 <b>6</b> / 1	0	12	20
	74/2	0	08	10

[सं. ओ-12016/16/97-ओ . एन. जी. जी.-[V] एम. माहिन, बंस्क ग्रीधकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2614.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

# SCHEDULE

Pipeline Balol In-Situ to Balol GGS: III

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tiare
Saduthala	171	0	17	60
	172/2/P	0	15	40
	1 <b>7</b> 1/1	0	28	30
	164	0	00	96
	173	0	05	70
	163	0	08	72
	1 <b>74/P</b>	0	05	00
	162	0	13	05
	157	0	08	84
	150	0	01	20
	151	0	32	50
	136	0	09	80
	137	0	02	00
	135	0	11	80
	134	0	14	80
	133	0	16	00
	132	0	30	20
	117	0	11	92
	118	0	00	32
	Cørt track	0	02	90
	<i>7</i> 9	0	05	40
	78/2	0	10	40
	78/1	0	11	83
	75/1	0	02	47
	75/2			
	76/2	0	17	80
	76/1	0	12	20
	74/2	0	08	10

[No. O-12016/16/97-ONG-D-IV]
M. MARTIN, Desk Officer

[441, 48 3 (11)]	भारत का राजपन्न : मन्तूबर 11,1897/बाह्यन 19 1919				
नई ध्रिल्ली, 8 सितम्बर, 1997	1	2	3	4	5
ना आ 2615यतः केन्द्रीय सरकार को	यह प्रतीत			·	
होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुज	रात राज्य	608	0	14	20
में बलोज इन मीतु से बलोल जी जीएस III तक		5 2 8/पी	0	21	20
के परिवहन के लिये पाइपलाइन आंग्रल एण्ड ने		616/1	0	0 1	48
कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहि	क्ष ।	616/2			
ओर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी ल	18नों को	527	Ö	08	35
विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबढ़ अनुसूची		529	o	01	• 0
भूमि में उपयोग का अधिकार आजित करना आवा		526	0	12	40
अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन	es for the	कार्ट ट्रेक	0	03	60
जतः अब पद्मालयम् जार खानज पाइपलाइन उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962	•**	5 2 5	0	03	80
की धारा 3 की उपधारा 1 हारा प्रदत्त शांक्तियों		524/1	0	32	00
करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का	अधिका र	507	()	15	00
अजिल करने का अपना आशय एतद्वारा घोषि	त किया	508	0	08	00
है।		509	0	29	20
बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इ	स भमि-	488	0	23	04
के नीचे पाइप लाइन क्षिष्टाने के लिए आक्षेप सक्षम प्र	-,	489/পী	0	02	16
ऑयज एण्ड नेकुरल गैस कारफोरेशन लिमिटेड	(नर्माण	487	0	0 1	80
और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को ६		490	0	13	80
सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर	संकेगा ।	491	0	16	40

[सं० 0-12016/17/97-ओ. एन.जी-डी-IV ] рн० मार्टिन, डैक्क अधिकारी

अनुसूची

यह भी कथन करेगा कि नया यह वह चाहता है कि उसकी

सुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या किसी विधि व्यवसायी की

मार्फत ।

और ऐसा आक्षीप करते बाला हर व्यक्ति विनिष्टिसः

सलोल ६न सीतु से सलोल जीजीएस III तक पाइप लाइ बिटाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिलाः मेहसाणा	तालुकाः चाणस्मा			
गांव	सर्व सं ०	, <del>,</del> , .	आरे	सेन्टी .	
1	2	3	4	5	
<b>म</b> तोडा	कार्ट द्रेक	0	01	00	
	587/1	0	23	20	
	590	0	20	60	
	591	0	09	40	
	592	0	16	00	
	600	0	12	00	
	601	0	12	00	
	602	0	09	80	
	603	0	08	46	
	604	0	13	54	
	605	0	10	00	
	607	0	12	92	

New Delhi, the 5th September, 1997

494

S.O. 2615.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Balol IN-SITU to Balol-GGS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User: in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Balol In-Situ to Balol GGS. III

State : Gujarat

District: Mehsana:

Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Arc	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Hudda	Cart track	0	01	00
	587/1	0	23	20
	590	0	20	60
	591	0	09	40
	592	0	16	00
	600	0	12	00
	601	0	12	00
	602	0	09	80
	603	0	08	46
	604	0	13	54
	605	0	10	00
	607	0	12	92
	608	0	14	20
	528/ <b>P</b>	0	21	20
	$\binom{616/1}{616/2}$	0	01	48
	527	0	08	35
	529	0	01	00
	526	0	12	40
	Cart track	0	03	60
	525	0	03	80
	524/1	0	32	00
	507	0	15	00
	508	0	08	
	509	0	29	
	488	0	23	
	489/P	0	02	
	487	Ō		
	490	ō		
	491	0		
	494	0		

[No. O-12016/17/97-ONG. D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## नई फिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ०2616:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा इ०टी०पी० से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है। अतः अब पेट्रोलियम और खितिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I बारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एत्रवहारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितवक कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बढ़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची लनबा इटीपी प्लान्ट सें बलोल इन-सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : महेसाना	ताः चाणस्मा			
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	भार	सेन्टीयर	
1	2	3	4	5	
ककासना	206	0	07	29	
	204	0	08	83	
	205	0	09	03	
	85	0	19	27	
	84	0	02	88	
	83	0	05	94	
	87	0	17	28	
	88	0	21	44	
	80	0	00	25	
	79	0	09	98	
	78	0	09	98	
	73	0	09	60	
	21	0	09	60	
	35	Ü	21	21	
	34	0	04	70	
	36	0	18	43	
	37	0	15	30	
	38	0	16	89	
	4.1	0	14	59	
	43	0	1.4	59	
	44	0	07	93	
	45	0	06	14	
*	46	0	25		

[सं० ओ-12016/18/97-ओ एन जी-डी-[V] एम० मार्टिन, डैस्क श्रधिकारी New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2616.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Lanwn ETP to Balol IN-SITU in Qujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user thereon;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Naural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Lanwa ETP Plant to Balol In-situ (Main)

State: Gujarat

District: Mehsana

Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Kakasana	206	0	07	29
	204	0	08	83
	205	0	09	03
	85	0	19	27
	84	0	02	88
	83	0	05	94
	87	0	17	28
	88	0	21	44
	80	0	00	25
	79	0	09	98
	78	0	09	98
	73	0	09	60
	21	)	09	60
	35	$\epsilon$	21	21
	34	0	04	70
	36	0	18	43
	37	0	15	30
	38	0	16	89
	41	0	14	59
	43	0	14	59
	44	0	07	
	45	0	06	14
	46	0	25	25

[No. O-12016/18/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

कारुप्रा० 2617: — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक हैं कि गुजरात राज्य में लनवा इटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन से लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रीधिकार श्रांजन करना श्रावण्यक है

श्रतः श्रव पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन श्रिधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रीजत करने का श्रपना श्राणय एतदहारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितयद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा गेड, बड़ौदा-9 को इस ग्रधिसुचना की तारीख सें 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

लनवा इटीपी प्लान्ट से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिलाः महे	साना ता	ता : चाणस्मा		
गोव	सर्वे नंऽ	हेक्टेयर	श्रार	सेन्टीयर	
1	2	3	4	5	
कनोडा	171	0	15	86	
	174	0	25	72	
	कार्ट ट्रेक	0	09	79	
	178	0	00	96	
	208	0	25	75	
	कार्ट ट्रेक	0	0 1	92	
	251	0	14	84	
	249	0	24	59	
	247	0	19	58	
	248	0	00	5 5	
	246	0	15	74	
	276	0	1.0	34	
	कार्ट दैक	0	0.1	15	

1 2	3	4	5	5	SCHEDULE			
277	0	06	68	Pipeline from Lanwa		Balol I	n-situ	
278	0	17	28		(Main)			
283	0	13	44	State: Gujarat	District	: Mehs	ana	
284	0	30	27	_				
290	0	16	12	Taluka : Chanasma				
291	0	22	96					
293	0	0.4	60	Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen-
292	0	10	53			tare		tiare
75	0	12	67	<u></u>	· <del></del>	<del></del>	<del></del>	<del></del>
, उ कार्ट ट्रेक	0	02	30	1	2	3	4	5
•	0	00	58	Varada	171		1.6	07
534				Kanoda	171 174	0	1 <b>5</b> 25	86 72
535	0	18	81		Cart track	0	09	79
536/पी 536	} o	19	96		178	0	00	96
536	ر	1.0	<b>7</b> C		208	o	25	75
538	0	10	76 70		Cart track	0	01	92
539	0	04	72 		251	0	14	84
553	0	16	79		249	0	24	59
5 5 <b>5</b> /पी	0	00	60		247	0	19	58
551	} 0	21	67		248	0	00	55
5 5 1 / 1	ſ	21	0,		246 276	0	15	74
557	0	14	43		Cart track	0	01 01	34 15
661	0	23	30		277	0	06	68
581	0	12	28		278	ŏ	17	28
582	0	03	00		283	0	13	44
580	0	31	06		284	0	30	27
कार्ट ट्रेक	0	02	30		290	0	16	12
	<del></del>				291	0	22	96
[सं० ओ-120	16/20/97-ओ	एन जी-इं	fi-IV]		293	0	04	60
•	एम० मार्टिन				292	0	01	53
		,			75	0	12	67
NT . TS 11 1 2 1 1		1007			Cart track 534	0 0	02 00	30 58
New Delhi, the &	in September,	1997			535	0	81	38 81
S.O. 2617.—Whereas it apprend that it is necessary in transport of Petroleum from	he public inter	est that	for the		536/P }	0	19	96
in Gujarat State pipeline sho	ould be laid				538	0	10	76
Natural Gas Corporation Ltd	α.				539	0	04	72
And whereas it appears th	at for the pu	rpose of	laying		553	0	16	79
such pipeline it is necessary in the land described in the	to require th	e right 🔻	of user		555/P	0	00	60
					551 551/1 }	0	21	67
Now therefore, in exercise sub-section (1) of the Section 3	of the powe of the Petrole	rs confer um and N	rred by Minerals		557	0	14	43
Pipelines (Acquisition of Right	nt of Users in	the lane	d) Act.		661	0	23	30
1962 (50 of 1962), the Centr it's intention to acquire the r	as Government ight of user th	nereby erein ;	acciares		581	0	12	28
,	<u>-</u>	-			582	0	03	00
Provided that any person in					580	0	31	06
object within 21 days from the laying the pipeline under the la Oil and Naural Gas Corpor Maintenance Division, Makarp	ind to the Com	petent Au onstruction	uthority, on and		Cart track	0	02	30

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

[No. O-12016/20/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

	नई दिल्ली, 8 मितम्ब	र, 199	)7		1	2	3	4	5
क[०आ० 2 ह	318:यतः केन्द्रीय	ा सरक	ार को उ	ग्रह प्रतीत		738	0	 13	— <u></u>
	रुहित में यह आवश			~		749	0	08	95
= =		_	-			र क्व कार्ट ट्रेक	0		
•••	तके पहिष्यतिक्ष्म अ		-			752/1		00	65
-	मिटेड द्वारा जिलाई			0		752/1	0	0.4	29
70/71/30/1	ALCO KILL I-OLL	* *****	1 4116.	· '		•	0	09	42
और अतः	यह प्रतीत होता	है कि	ऐसी ल	गड्नों को		753/1	0	05	59
बिष्टाने वे प्रयोग	जन के लिए ए <mark>तद</mark> प	ामकः उ	अनुसूची गॅ	में वर्णित		753	0	05	07
भूमि में उपयोग	ग का अधिकार ३	अजित	करना	अविश्यक		828	0	08	32
है ।						829	0	09	24
				6 74		कार्ट ट्रेफ	0	01	15
	नेट्रोलियम और <b>ख</b> ि					832	0	08	45
	कार का अर्जन आ		•			831	0	06	11
	ं उपधारा $\mathbf{I}$ द्वारा					933	0	09	10
•	य सरकार ने उसरे					932	0	0.0	14
आर्जित करने का	अपना आशय एत	द्शारा '	घाषित 1	क्रमाह्।		931	0	12	49
बामार्ते कि उ	उक्त भूमि में हितबा	a कोई	व्यक्तिः	उस भिम		कार्ट ट्रेक	0	00	10
	लाइन विष्ठाने के 1					953	0	09	10
	ण्ड नेच्रल गैस का					955	0	09	10
	प्रभाग, मकरपुरा					954	0	04	20
	तारीखा से 21 विन					395	0	00	11
आअपूर्या ।। र		1 10 1	1101 111	M IVIII I		394	0	13	34
और ऐसा	आक्षेप करने वाला	हर	व्यक्ति दि	र्गानिदप्ट _{तः}		399	0	10	14
यह भी कथन क	रेगा कि क्या यह ब	क्ष चाह	हता है वि	ठ उसकी		400	0	02	75
सुनवाई व्यक्तिगत	'रूप से हो या वि	उसी वि	धि व्यवस	।ायी की		401	0	04	65
मार्फत ।						402	0	0.0	30
						403	0	07	18
	अनुसूची					404	0	04	85
कूप सं० 18	<ul> <li>से पादरा इपीएस</li> </ul>	सक प	<b>भा</b> द्यलाह्न	र बिछाने		407	0	05	59
	के लिए ।					कार्ट द्रेक	0	00	13
	f	<b>-</b> 77	<del></del>			409/2	0	02	60
राज्य : गुजरात	जिला : वडोधरा	त्र।	<b>लुक्</b> गः पा	ष र.।		408	0	08	45
						380	0	00	12
गांव	सर्वे सं०	हे.	आर.	सेन्टी.		382	0	08	40
						376	0	09	5 <b>5</b>
1	2	3	4	5		375	0	0.5	46
1	<i>L</i>		<del></del>	J		कार्ट ट्रेक	0	0.0	65
पाहरा	691	0	12	74		374	0	14	20
11671	700		00			कार्ट ट्रेक	0	00	19
	707	0	10	15		355	0	0.5	65
	707	0		66		240	0	07	80
	705 706	0	06	95 30		241	0	08	19
	706	0	08	38		कार्ट ट्रेक	0	00	35
	704	0	19	37		242	0	12	19
		0	07	54					
	727/2 ਲਾੜੀ: ਹੈਲਾ	0	01	30		2 4 4/2	0	0.5	20
	कार्द हैंक	0	00	70		[सं० ओ 12016/:	 2.1/9.7—3ใt	एन जी-र्च	t-IVI
	740	0	11	05		·	(म० माटिन		
	<b>73</b> 9	0	09	36		Ų	(न० मा।दन	, उस्पा अ	वकारा

4920 IH	IE GAZETTE OF	INDIA	: OC	TOBER	11, 1997/ASVINA	19, 1919 {P	ART II-	SEC.	3(11)
New	Delhi, the 8th Septe	mber, 19	97		1	2	3	4	5
S.O. 2618W	Thereas it appears to	the Co	ntral	Govern-					
	aecessary in the publi roltum from Well N					Cart track	0	00	10
in Gujarat State	pipeline should be	laid by	the (	Oil and		953	0	09	10
Natural Gas Co	orporation Lid.					955	0	09	10
And whereas	it appears that for	the purp	ose of	f laving		954 205	0	04	20
such pipeline it	is necessary to acqu	nire the	right	of user		395	0	00	11
in the land desc	ribed in the schedule	annexed	heret	o :—		394	0	13	34
Now therefore	e, in exercise of the	powers	confe	rred by		399 400	0	10	14
sub-section (1) or Pinelines (Acquir	f the Section 3 of the I sition of Right of Us	Petroleun Pers in th	iand l	Minerals		400	0	02	75
1962 (50 of 196	(2), the Central Gove	rnment h	creby			401	0	04	65 30
it's intention to	acquire the right of u	ser th <b>er</b> i	n;			402	0	00	
Provided that	any person interested	in the	said la	nd may		403	0	07	18
object within 21	days from the date	of this no	otificat	ion, to		404 407	0	04 05	85 59
	e under the land to the Gas Corporation Lt					Cart track		00	13
Maintenance Div	ision, Makarpura Roa	d, Vadoo	lara-39	00009.			0 0	02	60
						409/2 408			
	rson making such an					408 380	0	08 00	45 12
state specifically or by legal Pr	whether he wished actitioner.	to oe ne	ar in	persons		382	0	08	40
, ₋						3 <b>7</b> 6	0	09	55
	SCHEDULI	Ξ				375	0	05	40
Dinalina	from Wall No. 18 t	o Dadra	FDC					00	65
Pipeime	from Well No. 18 to	o raura	EL2			Cart track	0		
State - Cuiono	t District : Vade	ndoro.				374	0	14	20
State : Gujara		Juara				Cart track	. 0	00	19
Taluka: Padr	a					355	0	05	65
T7*11	Comment NI.	Itaa	A			240	0	07	80
Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen-		241	0	08	19
		tare		tiare		Cart track	0	00	35
1	2	3	4	5		242 24 <b>4</b> /2	0 0	12 05	19 20
<u> </u>		·-					<del></del> _		
Padra	691	0	12	74		[No. O-12016/	21/97-O	NG-D	-IV]
	700	0	00	15		M. MAR	TIN, D	esk Of	fficer
	<b>7</b> 07	0	10	66			,		
	705	0	06	95	नर	ई विल्ली, 8 सितम्बर,	1997		
	706	0	08	38					^
	704	0	19	37		<ol> <li>अयतः केन्द्रीय स्</li> </ol>			
	703	0	07	54	होसा है कि लोक	हेत में यह आवश्यक	है कि व	<b>ुजरात</b>	राज्य
	727/2	0	10	30		से ओओन डीटी-6			
	Cart track	0	00	70		े पाइपलाइन ऑयर		-	
	740	0	11	05		ेड द्वारा बिछाई <b>व</b>			1 1/1
	739	0	09	36	कारपारशन लाम	ડઉ છારા ાવછાક પ	ગાળા વ્યા	ाह्य ।	
	<b>7</b> 38	0	13	39	ਰ/ੀਤ ਕਾੜਾ ਸ	ह प्रतीत होता है	fac o aa)	: Arrea	र्क्डा
	749	0	08	95					
	Cart track	0	00	65		ा के लिए एस <b>प</b> पास			
	752/1	0	04	29	भूमि में उपयोग व	ना अधिकार अजित	करना अ	विश्यक	ह ।
	751/2	0	09	42		+6		, C	- <del>-</del>
	753/1	0	05	59		ालियम और खनिज			
	753	0	05	07		र का अर्जन आर्धान			
	828	0	08	32	की धारा 3 की	उपधारा द्वारा प्रदस	ं शक्तियो	का	प्रयोग
	829	0	09	24	करते ३०७ केन्द्रीय	सरकार ने उसमें	उपयोग ।	না জৰি	धकार
	Cart track	ŏ	01	15		गपना आशय एतदका			
	832	ŏ	08	45	जाजात मार्ग मा प	प्रता कामण ४,८७४८८	v 3113()	17241	છ 1
	831	ŏ	06	11	## -				_
	933	ő	09	10	बशर्तीक उत्त	5 भूमि में <b>हिलब</b> ढ़	कोई व्यक्ति	क्त उस	भूfम
	733	U	U.J	10		eser <del>Comeir de</del> form			

के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सकम प्राध-

कारी. ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण

और देखभाल प्रभाव मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा अक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह शह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्पत ।

अनुसूची

जेअनकी अस (60) से जेअनकीटी (64) तक पाईप साईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जीला : महेस	जीला : महेसाणा		
गांव	सर्वे न ०	हेण्टर	अ(रे	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
मीडा	कार्ट द्वेष	0	00	72
	5 5/ <b>9</b> ী	0	10	92
	54/1/2	0	09	0.0
	39	0	10	32
	38	0	07	08
	33	0	0 5	64
	कार्ट द्रेक	0	00	60
	3 1/1/2	0	09	24
	30/1/2/3	0	10	44
	19	0	11	40
	18	0	08	52
	<b>7</b> 3/भी	0	02	76
	71	0	06	60

[सं॰ ओ-12016/22/97-ओ एन जी डी-IV] एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2619.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from JNDS (60) to JNDT (64) in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to aquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :---

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he sushed to be hear in persons or by legal Practitioner

2419 GI/97-9

#### **SCHEDULE**

Pipeline from JNDS (60) to JNDT (64)

State: Gujarat District & Taluka Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Con- tiar e
Mitha	Cart track	0	00	72
	55/ <b>P</b>	0	10	92
	54/1/2	0	0 <b>9</b>	00
	39	0	10	32
	38	0	07	08
	33	0	05	64
	Cart track	0	00	60
	31/1/2	0	09	24
	30/1/2/3	0	10	44
	19	0	11	40
	18	0	08	52
	73/P	0	02	76
	71	0	06	60

[No. O-12016/22/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ० 2620: --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बीएलएलओ-173 से क्लोल इनसीट प्लांट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन ऑयल एण्ड नेबुरल गैस कारभोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइकों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एसद्द्वारा घोषित किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधि-सूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फता।

# अनुपूचो

वकोल-173 से बलोल ईनसोट प्लान्ट तक पाईप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिल। और तालुका : महेसाना					
गांव	सर्वे नं ०	हेश्टर	आरे सेन्टीआर			
1	2	3	4	5		
मीडा	400/भी	0	09	48		
	399	0	03	60		

[सं० ओ-12016/23/97-ओ एन जी डी IV] एम० माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2620.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from BLLO-173 to Balol IN SITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therin:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Divisio, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from BLLO-173 to Balol Insitu Plant State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Survey No.	Hec- tare	Aie	Cen- tiare
400/P	0	09	48
399	0	03	60
	400/P	tare 400/P 0	400/P 0 09

[No. O-12016/23/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ०. 2621—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेअेन डीक्यू-63 से जेअेनडी अस-60 तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिये पाइप गाइन ऑयल एण्ड नेजुरल गैस कार-पोरेशन लिमिटेड हारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतोत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोगन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार आंगत करना आवण्यक है।

अतः अत्र पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अगित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीवे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सदान प्राधिकारी, अधिल एण्ड नेचुरन गैस कारपोरेणन लिभिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 बिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किनो विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## अनुसूची

ज अने की क्यू (63) से जे अने की और (60) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला-तालुक			
गांव	सर्वे नं ०	हेक्टर	अ।रे	सेन्टीअर
1	2	3	4	5
देवीपुरा	228 228/पी 223/पी 222/पी 221/पी	0 0 0 0	01 08 06 08	68 40 48 04 20

[सं० ओ-12016/24/97-ओ एन जौ डी-IV] एम० माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2621.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDQ-63 to JNDS-60 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from JNDO/63 to JNDS/60

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are (	Cen- tiare
Devinapura	228	0	01	68
-	228/ <b>P</b>	0	08	40
	223/P	0	06	48
	222/P	0	08	04
	221/P	0	04	20

[No. O-12016/24/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# नई षिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ०2622:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि गुजरात राज्य में जेअनडीक्यू-63 से जेअनअभेस-47 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आँयज एण्ड नेनुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड हारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार आजन करना आवण्यक है।

अतः अब पेट्रोलिनम और खनिज पाइपजाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आराय एत इद्वारा घोषित किया है। बगर्से कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधि-सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसो विधि व्यवतायो की मार्फत ।

# अनुसूची

जेशेनडीक्यू (63) से जेशेनअंशेस (47) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुज रात	जिला और तालुका : मेह ताणा					
गांव	सर्वे नं ०	हेक्टर	आरे	सेन्टोअर		
मीठा	कार्ट द्रेक	0	00	84		
	660	0	04	80		
	559	0	10	32		
	661	0	07	80		
	657/9ी	0	07	68		
	665	0	09	36		
	665	0	04	80		
	676	0	07	32		
	666	0	02	04		
	673	0	09	72		
	672	0	00	60		
	671	0	18	12		
	689	0	07	92		

[सं० ओ-12016/25/97—ओ एन जी डो-IV] एम० मादिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2622.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDQ-63 to JNAS-47 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acqui-

sition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

and the party of the property of the property

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from JNDO (63) to JNAS (47)

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Mitha	Cart track	0	00	84
	660	0	04	80
	559	0	10	32
	661	0	07	80
	657/P	0	07	68
	665	0	09	36
	665	0	04	80
	676	0	07	32
	666	0	02	04
	673	0	09	7:
	672	0	00	6
	671	0	18	10
	689	0	97	9

[No. O-12016/25/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का अराव 2623:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेअनबीजी-77 से जोअन बीएच-78 से जेऐन की अस-60 तक पेट्रोलियम के परिबहन के लिये पाइप नाइन आँयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरंशन सिमिटेड द्वारा विद्याई जिनी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबङ अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिंत करना आवश्यक है। अतः अब पेट्रोलियम और खनिन्द पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा धोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है की उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फता

अनुसूची जेओन बीजी-77 से जेओन बी ऐंच-78 से जेएन डीओस60 तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला और प्रालुका : महेसाणा					
गांव	सर्वो नं ०	हेक्टर	अरि से	आरे सेन्टीआरे		
1	2	3	4	5		
देवीमापुरा	1 4/9ी	0	10	68		
	13	0	06	96		
	12/1	ø	07	32		
	11 ব 10	0	09	96		
	9/पी	0	06	12		
	<b>1</b> 0/8	0	00	48		
	8/पी	0	10	32		
	6	0	00	96		
	7	0	03	00		
	7व 4 व 5	0	13	56		
	<i>5 </i> पी	O	02	28		
	5/पी	0	04	92		
	कार्ट द्रेक	0	00	36		
	32	0	12	12		
	515	0	01	56		
	515	0	01	20		
	514	0	06	48		
	कार्ट द्रेक	0	01	20		
	215	0	05	28		
	2 1 3/पी	0	06	60		
	211/1	0	06	00		
	210/1	0	05	40		
	207	0	03	96		

1	2	3	4	5
देवीनापुरा (जारो)	206/2	0	13	68
	203	0	0.5	64
	कार्ट द्रेक	0	00	48
	199/2	e	11	4 C
	196/2	0	0.8	40
	195	0	0.8	76
	181	0	0.6	60
	182	0	1 1	28
	183	O	0.4	68
	1 8 4/पी	0	07	68

[मं० ओ-12016/26/97—ओ एन **शी-शी-**] एम० माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2623.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary public interest that for the transport of petroleum from JNBG-77 to JNBH-78 to JNDS-60 Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipeline From JNBG/77 TO JNBH/78 TO JNDS-60.

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Devinapura	14/P	, O	10	68
	13	0	06	96
	12/1	0	07	32
	11 & 10	0	09	96
	9/P	0	06	12
	8/ <b>P</b>	O	00	48
	$8/\mathbf{P}$	0	10	32
	6	()	00	96
	7	0	03	00
	7 & 4 & 5	0	13	56
	5/ <b>P</b>	0	02	28
	5/ <b>P</b>	0	04	92
	Cart track	0	00	36
	32	0	12	12
	515	0	01	56
	515	0	01	20
	514	0	06	48
	Cart track	0	01	20
	215	0	05	28
	213/P	0	06	60
	211/1	0	06	00
	210/1	0	05	40
	207	0	03	96
	206/2	0	13	68
	203	0	05	64
	Cart track	0	00	48
	199/2	0	11	40
	196/2	0	08	40
	195	0	08	76
	181	O	06	60
	182	0	11	28
	183	Ō	04	68
	184/P	0	07	68

[No. O-12016/26/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई बिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का०भ्रा० 26 24:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में जेअेनडी क्यु-63 से जेअेना अेस-47 तक पेटोलियम के परिवहन के लिये पादपलाइन ऑयल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबदः श्रनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का श्रविकार ग्रजित करना ग्रावण्यक है।

ग्रतः श्रब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना श्रागय एतदहारा घोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हिसबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोष्ट, बड़ौदा-9 को इस श्रिधसूचना की नारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिप्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी युनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जेअनडीक्यू (63) सं जेअनअअंस (47) तक पाईव लाईन बिष्टाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : महेसाणा ----गांव सर्वे नं० हेक्टर ग्रारे सेंटीग्र

गांव	सर्वे नं ०	हेक्टर	भ्रारे	सेंटीग्र।र
1	2	3	4	5
देबिनापुरा	228/पी	0	06	84
•	229	0	10	44
	230	0	09	96
	कार्ट द्रेक	0	0.0	60
	249/पी	0	11	40
	250	0	08	28
	2 5 1/पी	0	01	56
	258	0	10	80
	कार्ट ट्रेक	0	0.0	48
	282	0	07	44
	281	0	07	44
	286	0	02	28
	287/4	0	06	12
	287/18	0	13	0.8
	287/8	0	03	60
	287/12	0	03	36
	287/11	0	05	16

[सं० ओ-12016/27/97-ओ एन जी-डी-IV] एम० मार्टिन, डैस्क श्रीधकारी New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2624.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDG-63 to JNAS-47 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipeline From JNDO/63 To JNAS/47
State: Guiarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Аге	Cen- tiare
I	2	3	4	5
Devinapura	228/P	0	06	84
	229	0	10	4.4
	230	0	09	96
	Cart track	0	00	60
	249/P	0	11	40
	250	0	08	28
	251/P	0	01	56
	258	0	10	80
	Cart track	0	00	48
	282	0	07	44
	281	U	07	44
	286	С	02	28
	287/4	O	06	12

1	2	3	4	5
Devinapara (Co	m.d.) 287/18	0	13	08
20,1111,1111,111	237/8	0	03	60
	287/12	()	03	36
	287/11	0	05	16
	·	1.6/07/07/		

[No. O-12016/27/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# नई विरुली, 25 सितम्बर, 1997

का० आ० पं० 2625.—पन: केन्द्रीय सरकार को पह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में जेएनडीयू—37 ने अन-अस० ईटीपी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लियो पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपेरेशन लिसिटेड द्वारा विछाई जानी वाहियो।

और श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबड श्रनुसूचि में बर्णित भूमि में उपयोग का श्रिधिकार श्रीमत करना श्रीवराक है।

अतः अव पेट्रोलियम ऑहर खिनज पाइपलाइन मूक्ति में उपयोग के अधिकार का शर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार द्वारा प्रदत्त शक्तियों तर प्रयोग करते हुए केन्ध्रीय सरकार ने उसने उनवीग का अधिकार श्रीजन करने का शनना आश्रय एनव्हारा घोषित किया है।

बधर्ते कि उक्त भूमि से हितबद्ध कोई व्यक्ति उन भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए प्राधिप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेजुरल गैंम कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण ऑप देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बहाँद:- 9 को इस सिध्यूचन। की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वया वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किमी विधि व्यवसार्या की मार्फत ।

श्रनुसूर्च। जो एन डी यू-37 से एन अस ई टी पी तक पाईप लाईन बिछाने के निये

राज्य : गुजरात जिला तालुका महैसानः

राज्यः गुजरात	ाजना तालुका	महस्रामः		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	श्रारे	— सेन्टो ग्रार
कसलपुरा	572	0	0.5	64
	571	0	12	48
	573	0	08	5 2
	570	0	07	08
	568	0	0 1	92
	566	0	09	0.0
	565	0	07	0.8
	563	0	0.4	8.0
	564	0	0.5	88

[सं॰ ओ॰-12016/28/97--थो एन जी-डी-IV] एम॰ मार्टिन, डैस्क प्रधिकारी New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2625.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDU|37 to N.S.E.T.P. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of Jaying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Cetnral Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE
Pipeline From JNDU/37 To N. S. ETP.

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Villag:	Survey N	10.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2		3	4	5
Kasalpura	572	·-	()	05	64
	571		0	12	4.8
	573		0	08	52
	570		0	07	08
	568		O	01	92
	566		()	09	00
	565		0	07	08
	563		0	04	08
	564		0	05	88

[No. O-12016/28/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

-			_	
नह	विल्लो.	2.5	सितस्वर.	1997

का० आ० सं० 2626.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवष्यक है कि गुजरात राज्य में जिएन बीएल — 87 से बलोज जी जी एस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पःइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी वाहिये।

और ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद ग्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रिष्ठिकार श्रुजित करता ग्रावश्यक है।

अतः श्रम पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उप-योग के श्रिधिकार का श्रर्जन श्रिधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्राजित करते का श्रपना ग्राणय एनट्टारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैंम कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुर। रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचन। की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेग!।

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिटतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनसुर्चाः

जे एन भी ओल (87) से बलोल जो जो एम 2 तक पाईप लाईन बिछाने के लिथे

राज्य: गुजरात जिल्ला और तालुका : महेसाना

गांव	मर्वे नं ०	हेक्टर	ग्र।रे	सेंटीग्रारे
गमनपुरा	511	0	02	76
_	512	0	09	12
	513	0	0.1	32
	508/पी	0	08	52
	507	0	08	16
	504	0	04	44
	505	O	0.2	56
	497 एंड	0	0.6	84
	498			
	497	0	02	04
	495	0	0.3	48
	कार्ट ट्रेक	0	0.1	20
	449/2/पी	0	09	48
	क।र्ट ट्रेक	0	0 1	56
	449/2	0	16	80
	424	0	15	6 6

1	2	3	4	5
	425	0	00	60
	417	0	12	84
	416	0	07	56
	41.5	0	11	28
	408	0	01	44
	क।र्ट ट्रेक	0	01	20
	405	0	09	24
	404/2	0	03	96
	406	0	06	24
	क।र्ट ट्रेक	0	00	60
	403	0	01	44
	402	0	06	72
	400	0	14	88
	248	0	12	24

[मं० ओ०-12016/29/97-ओ एन जी-डी -[V] एम० मार्टिन, धैस्क श्रीधकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2626.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNBL-87 to BALOL-GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From JNBL(87) To Balol GGS II. State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
I	2	3	4	5
Gamanpura	511	0	02	76
	512	0	09	12
	513	0	01	32
	508/P	0	08	52
	507	0	08	16
	504	0	04	44
	505	0	02	56
	497 &	0	06	84
	498			
	497	0	02	04
	495	0	03	48
	Cart track	0	01	20
	449/2/P	0	09	48
	Cart track	0	01	56
	449/2	0	16	80
	424	0	15	96
	425	0	00	60
	417	0	12	84
	416	0	07	56
	415	0	11	28
	408	0	01	44
	Cart track	0	01	20
	405	0	09	24
	404/2	0	03	96
	406	0	06	24
	Cart track	0	00	60
	403	0	01	44
	402	0	06	72
	400	0	14	88
	248	0	12	24

[No. O-12016/29/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का० भा० 2627.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल—173 और 177 से बलोल इन सी टूं, प्रोजेक्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेजुरल गैस कारपोरेशम लिमिटेंड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और भतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के िए एतद्पावद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना भावश्यक है। 2419 GI/97—10

अतः मब पेट्रोलियम और खनिज पः इपलाइन भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मधिकार वर्जित करने का मपना मागय एतदहार। घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैंस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की भार्फत।

#### यनुसूची

बलोल-173 और 177 से बलोल इन सी टू प्रोजेक्ट तक पाईप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य: गुजरात जिला और तालुक। : महेसाना

गोव	सर्वे नं०	हेक्टर	श्रारे	सेंटी म्रारे
बलोल	760	0	05	13
	760	0	05	16
	769/1	0	01	44
	768	0	06	12
	767	0	07	20
	762/2	0	03	00
	765	0	04	80
	763	0	10	65
	812	0	0.5	25
	830	0	0.6	15
	827	0	11	40
	780	0	03	24
	781	0	04	80

[सं॰ ओ॰=12016/30/97-ओ एन जी-डी-IV] एम॰ मार्टिन, डैस्क ग्रीधकारी

#### New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2627.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BALOL-173 & 177 to BALOL INSITU PROJECT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From Balol-173 & 177 To Balol Insitu Project.

State : Gujarat

District & Taluka: M hsana

Ville ge	Survey No.	Hec- tare	Are Cen.	
1	2	3	4	5
101	760	0	05	13
	760	0	05	16
	769/1	0	01	44
	768	0	06	12
	767	0	07	20
	762/2	0	03	00
	765	0	04	80
	763	0	10	65
	812	0	05	25
	830	0	06	15
	827	0	11	40
	780	0	03	24
	781	0	04	80

[No. O-12016/30/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. धा. 2628. -- यतः केलीय गरकार की यह प्रतीत शीता है कि लोकहित में यह धावश्यक है कि गुजरात राज्य में पश्चिम श्रीभासण -- 13 से प्रोभासण है. टी. पी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाश्य-लाइन ग्रीयल एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड हारा बिहाई जानी वाहिए।

और श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिद्याने के प्रयोजन के लिए एतदपाबढ़ श्रनुसूची में विणित इसि में उपयोग का श्रविकार श्रीजत करना श्रावश्यक है।

अतः अतः पेदोलियम और खिनज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रीक्षकार का श्रर्जन अधिनयम, 1962 का 50 मी धारा 3 की उपधारा आरा प्रवत्त एक्तिओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें अपयोग का अधिकार अजित करने का श्रपना श्रामय एतव्हारा घोषित किया है।

बशते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विद्याने के लिए साधप सक्षम प्राधिकारी, श्रांवल एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखआल प्रभाध, मकरपुरा रोड, बदौदा-9 को इस श्राधमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

वीर ऐसा आधेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि भया वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी व्ययसायी वी मापत।

धन्**मूची** 

पश्चिम सोभासण---13 से सोभासण ईटी एप तक पाइप लाइन विद्याने के लिए।

राज्य : गुजरात	f	जला और ता	लुक्षाः	महेसाणा
गांव	सर्वे रं.	हेक्टेयर	श्रारे	सेन्टीभ्रारे
1	2	3	4	5
हे बु <b>या</b>	160 159 165 165 165 165 काट ट्रेक 166	0 0 0 0 0 0 0	02 01 03 03 03 05 00	76 20 60 80 72 70 48 60 76
	117	0	00	48

1	2	3	4	5
	116	0	17	88
	115	0	<b>G</b> 1	32
	115	0	04	80
	115	0	04	9 2
	114	0	05	88
	111	0	01	0.8
	कार्ट द्रेक	0	0 0	60
	79	0	01	68
	80	0	09	3 6
	81	0	0 0	7 2
	80	0	06	2 4
	106	0	07	68
	100	0	11	7 6
	88	0	02	28
	89	0	07	8 (
	90	0	08	64
	92	0	06	72
	67	0	16	9 2
	69	0	0 0	48
	70	0	08	1 2

[सं. थी. -- 12016/31/87-- भी. एन की की. iv] एस. साहित, ब्रेस्स- सहितारी

# New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2628.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from W. SOB-13 to SOB-E.T.P. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipeline From W. SOB-13 To SOB. E.T.P.

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hec- tare	Ате	C≏n- tiar•
1	2	3	4	5
Hebuva	160	0	02	76
	159	0	01	20
	165	0	03	60
	165	0	03	60
	165	0	03	72
	165	0	03	60
	Cart track	0	00	48
	166	0	09	60
	167	0	05	76
	117	0	0.0	48
	116	0	17	88
	115	0	01	32
	115	0	04	80
	115	.0	0.4.	92
	114	0	05	88
	111.	.0.	OT.	08
	C⁻rt t.ack	0	00	60
	. <b>79</b> .	. 0	0.1	68
	80	0	09	36
	81	0	00	72
	80	0	06	24
	106	0	07	68
	100	0	11	76
	88	0	02	28
	89	0	07	68
	90	0	08	64
	92	0	06	72
	67	0	16	92
	69	0	00	48
	70	0	06	12

[No. O-12016/31/97-ONG D IV] M. MARTIN, D.sk Officer

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1887

ना. था. 2629.- - यतः बेल्डीय सरवार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि बुजरात राज्य में एस की खी एम-182 से एस की सी - - 181 तब पेट्रोलियम के परिवहन के सिक पाध्य लाइन एण्ड नेक्रल केस कारपोरेशन निमिष्ट होरा विद्यार्थ जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत शेता है कि ऐकी लागनों नो विधाने के प्रोजन के लिए एतः (पावः) अनुसूचि में विणत भूमि में उपयोग ना अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाँर वातिज पाएपलाइन ५ मि में उपयोग के अधिकार अर्जन अधितियम, 1862 (1962 का 50) की धारा अबी उपधारा क्षारा अबत मितियों का प्रयोग करते कुए केन्यीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने वा अपना आगय एनव्यारा घोषित किया है।

बणतें कि उनत भूमि में हितबद नोई व्यक्ति उम भूमि के नीचे पारप लार्न विधानें के लिए प्रक्षेप सक्षम शाधिकारी, भायल एण्ड नेचुरल गैम कारगेरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाय, मनरपुरा रोड, बड़ौदा-9 मो ४स ग्राधिमुचना नी लागीख से 21 विनों के शीतर कर सकेगा।

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधि-ण्टलः यह भी कथन करेगा कि नया वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत एप से हो या किसी विधि व्यवसारी की मार्फत ।

**ग्रन्**स्ची

एस की जी एम/182 से एस की नी /21 तक पाईप बाईन कि छाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला और तासुका: महेसाणा

	ر حبر مونده بدر کی ده معامدانده ر		
गांव	<b>सर्वे</b> नं.	हेक्टयर भारे	सेन्टीयर
		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	
1	2	3	4 5
	A		
कडवासन	101	0	01 68
	104	0	03 72
	103	0	09 84

[सं. यो.--12016/32/97--बो एन जी-बी-4] एम. मादिन, डेस्क अधिवारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2629.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBGM-182 to SCB-21 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From SBGM/182 To SCB/21

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Su•vey No.	Hec- tare	Arc	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Kadwasan	101	0	01	68
	104	0	03	72
	103	0	09	84

[No. O-12016/32/97-ONGD-TV]
M. MARTIN, Desk Officer

#### मई विल्की, 25 सितम्बर, 1997

का०आ० 2630 — यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतित होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सांधाल-119, 157, 158 से नोर्ण सांधाल इनसीट्र प्रोजेक्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और अतः वह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबक अनुसूची में बिणत सूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में जययोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रवत्त मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आग्रम एतहुद्वारा भोषित किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड. निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा गेंड, बड़ीवा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अन्सूची

सांधास-119, 157, 158 से नोर्थ सांधाल इनसीट्ट प्रोजेक्ट तक पाईप लाइन बिछाने के लिए।

राज्यः गुजरात	<b>ি</b>	ना और त	ालुका : ग	महेसाणा
गांब	सर्वे न०	हेक्टयर	आरे	सेन्टी- आरे
1	2	3	4	5
बलील	1308	0	07	68
	1317	0	01	92
	1318	0	03	36
	1423	0	06	24
	1421	0	0.0	60
	1416	0	03	24
	1415	0	0.5	16
	1414/1	0	08	76
	1412/1	9	03	1 2
	1412/1	0	03	96
	1410	0	09	0.0
	1409	0	08	85
	1405	0	06	0.0
	1405	0	15	30
	कार्टद्रेक	0	03	06
	1628	0	04	86
	1629	0	18	72
	1633	0	23	40
	1635	0	08	82
	1636	0	05	22
	1775	0	12	06
	1620	0	14	22
	1781/1	0	08	82
	1785	0	12	78
	1783	0	09	54
	1784	0	05	40

[सं० ओ०-12016/33/97-ओ०एन०जी०-डी-IV] एम० मार्किन, डेस्फ अधिकारी New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2630.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal-119, 157, 158 to N. Santhal Insitu Project in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From Santhal-119, 157, 158 To North Santhal Insitu Project

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen- tiar e
I	2	3	4	5
Balol	1308	0	07	68
	1317	0	10	92
	1318	0	03	36
	1423	0	05	24
	1421	0	00	60
	1416	0	03	24
	1415	0	05	16
	1414/1	0	08	76
	1412/1	0	03	12
	1412/1	0	03	96
	1410	0	09	00

1	2	3	4	5		3	पन् <b>ःसूर्णा</b>		
	1409 1405 1405	0 0	08 06 15	85 00 30	जेएनबीएल लाईन बिछाने	(87) से व के लिए।	बलोल जीजीए	्स-II स	क पाईप
	Cart track 1628 1629	0 0 0	03 04 18	06 86 72	राज्य :गुजरात		जिला औरत	ालुकाः ———	मेहसाणा
	1633 1635 1636 1775	0 0 0	23 08 05 12	40 82 22 06	गांब	सर्वे ० नं ०	हेक्टेयर	आरे	सेन्टी- आर
	1620 1781/1	0	14 08	22 82	1	2	3	4	5
	1785 1783 1784	0 0 0	12 09 05	78 54 40	======== देविनापुरा	397 400	0	06 00	7 2 7 2
<u></u>	[No. O-12016/33/97-ONG-D-IV]					399 411 410	0 0 0	11 07 07	28 44 56
	M. MAR		Desk O	incer		409 407 415	0 0	09 15 01	72 72 44
नई	विल्ली, 25 सितम्ब	₹, 199	97			377, 37	8 0	15	96

सिं० ओ-12016/34/97-ओएनजीडी-IV] ्एम० मार्टिन, ईंस्फ अधिकारी

48

New Delhi, the 25th September, 1997

376

S.O. 2631.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from INBL (87) to BALOL GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

1	2	3	4	5
·	1409	0	08	85
	1405	0	06	00
	1405	0	15	30
	Cart track	0	03	06
	1628	0	04	86
	1629	0	18	72
	1633	0	23	40
	1635	0	08	82
	1636	0	05	22
	1775	0	12	06
	1620	0	14	22
	1781/1	0	08	82
	1785	0	12	78
	1783	0	09	54
	1784	0	05	40
( <del></del>				<del></del>

का०आ० 2631.---यतः केन्द्रीय सरकार प्रतीत होता है कि लोकहित में यह जावश्यक है कि गुजरात राज्य में जैऐन बीएल-87 से बलोल जीजीएस-II तक पेट्रोजियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन औयल एण्ड नेखुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुभूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खलिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिवतयों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतदुहारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त ग्मि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेशन लिभिटेड, निर्माण और देखभास प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीत र कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विमिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह जाहता है कि उसकी सूनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

#### **SCHEDULE**

Pipeline From JNBl(87) to Balol GGS.II

State: Gujarat

District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No. H	Survey No. Hectare		Are Centiare	
Devinapura	397	0	06	72	
•	400	0	00	72	
	399	0	11	28	
	411	0	07	44	
	410	0	07	56	
	409	0	09	72	
	407	0	15	72	
	415	0	01	44	
	377 <b>&amp;</b> 378	0	15	96	
	376	0	03	48	

[No. O-12016/34/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का . श्री . 2632 — यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में जे श्रोन डीटी से एन एस, ईटी . पी . वाया जेश्रोटी-65 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन श्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर भतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार भजित करना आवश्यक है।

स्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रर्जन श्रिष्ठियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिष्ठकार श्रिष्ठत करने का श्रपना श्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बंशारों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ग्रॉयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण ग्रीर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस प्रिध्मूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

धौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।

#### श्रनुसूचो

जे एन डी टी से एन. एस. ई.टी.पी वाया जोटाणा 65 तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

गज्य : गुजरात	। जला	ाजला एव तालुका: महसाणा			
गांव	सर्वे नं .	हेक्टेयर	ग्रारे सेन्टी <b>त्रा</b> र		
मीठ्ठा	72	0	03	00	
	75	0	03	30	
	<b>7</b> 6/2	0	06	45	
	76/3	0	06	30	
	76/4	0	13	0 5	
	174	0	18	30	
	176/ਯ਼	0	13	20	

[सं. श्रो-12016/35/97-क्रो एन जी-डी-[V] एम० मार्टिनः क्रैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2632.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDT to N.S.E.T.P. VIA JOT. 65 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe line From JNDT to N.S.E.T.P. Via JOT. 65

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hecta	ге Аге	Centiare
Mitha	72	0	03	00
	75	0	03	30
	76/2	0	06	45
	76/3	0	06	30
	76/4	0	13	05
	174	0	18	30
	176/A	0	13	20

[No. O-12016/35/97-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Office

नई	दिल्ली,	25	सितम्बर,	1997
----	---------	----	----------	------

का. आ. 2633.----यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बीए लएलएन-172 और बीएलएलएल-174 में बलोल ईनसीट्ट एलांट नक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन झाँयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

आर अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रमोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूचि में बीणत भिम में उपयोग का अधिकार श्रीजित करना श्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रर्जन श्रीधनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजन करने का श्रपना श्राणय एनद्दारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी श्रॉयल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण श्रौर देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

श्रनुसूची बीएलएलएन-172 श्रौर बीएलएलएल-174 में बलौल इनसीट् प्लांट तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात ;	जिला भ	मेहसाणा –		
गांव	मर्वे नं.	हेक्टयर	भारे से	टीम्रारे 
1	2	3	4	5
बलोस	1210	0	03	00
,	1209	0	09	96
	1207	0	03	12
	1205	0	07	80
	1206	0	00	48
	कार्ट ट्रेल	0	05	76
	915	0	09	12
	918/1	0	02	40
	917	0	06	45
	कार्ट द्रेल	0	02	40
	899	0	21	4.5
	898	0	0.5	70
	895	0	04	95
	887	0	12	45

,	कार्टट्रेक	0	00	75
	869/1 + 2	0	06	<b>7</b> 5
;	868	0	01	95
8	370/1	0	0 5	85
	873	0	03	00
ē	हार्ट ट्रेक	0	00	90
	822/2	0	12	1 5
1	823	0	11	10
1	839	0	07	65
;	827	0	02	16

[सं. ग्रो-12016/36/97-ग्रोएनजी-डी-[V] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रीधकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2633.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLLN-172 and BLLL-174 to Balol in SITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto; rity, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From BLLN-172 & BLLI 174 to Balol Insitu Plant.

State: Gujarat	District & Taluka:Mehsana						
Village	Survey No. Hectare Are Centiare						
1	2	3	4	5			
Balol	1210	0	03	00			
	1209	0	09	96			
	1207	0	03	12			
	1205	0	07	80			
	1206	0	00	48			
	Cart track	ð	05	76			
	915	0	09	12			
	918/1	0	02	40			
	917	0	06	45			
	Cart track	0	02	40			
	899	0	21	45			
	898	0	05	70			
	895	0	04	9 ₅			

[भाग II—यंश 3 (ii)]			भारत का	राजपत्नः भक	पूचर II,1997/प्राहि	ৰেন 19,1919			4937
1	2	3	4	5	I	2	3	4	<del></del> 5
	887	0	12	45		1638	0	13	
	Cart track	0	00	75		1774	0		32
	869/1-2	0	06	75			_	11	5 <b>2</b>
	868	0	01	95		1773	0	03	42
	870/1	0	05	85		1776	0	07	92
	873	0	03	00		1778	0	05	58
	Cart track	0	00	90		1778	0	07	74
	822/2 823	0	12	15		1781/2	0	0.8	82
	839	0	11 07	10		1782	0	04	68
	827	0	02	65 16		1783	0	12	50
						1774	0	02	70
	[No. O-12016 M MA		Desk O			1322	0	04	68
			,Desk O	meel		1322	0	02	52
नई दिल्ल	ी, 25 सित∓बर, ∶	1997				1385	0	10	32
क्री गा ०००			5.			1386/2	0	08	40
को .ग्रा . 2634		स्रका		यह		1293/1			
प्रतीत होता है कि						•	0	08	40
	एस एन एफएफ-:					1393/2	0	07	44
एफ आई-159 से नोर्थ	सांथल इनसीट्	লৈহি ব	क पैट्रोकि	लयम		1422	0	07	32
के परिवहन के जिए पाइप	लाइन औयल एण	डे मेखर	ल <b>गै</b> स का	रपो-		1421	0	00	48
रेणन लिमिटेड द्वारा बिछा	र्ट जानी चाहिए	1	, ,			1420	0	06	96
_						1417	0	10	08
श्रौर अतः यह प्रतीत वैक्र						1399	0	15	24
के प्रयोजन के लिए एनद्प	ïब <b>ड</b> श्रनुसूची में व	গিন প	मिमें उप	योग		1394	0	11	10
का श्रधिकार श्राजित कर <b>न</b>	। आवश्यक है।					1295	0	02	16

अंतः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप लाइन भूमि सें उपयोग के प्रधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना श्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेच्रल गैस कारपीरेशन लिमिटेड निर्माण श्रीर देखभाल प्रभाव, सकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस श्रधिसूचना की नारीख से 2.1 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत : यह भीं कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि ब्यवसायी की मार्फत।

#### ग्रन्पूची

एस एन एफ एफ-160 और एस एन एफ आई-159 से नीर्थ सांथल इनसीट प्लांट तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्यः गुजरात	राज्यः गुजरात - जिला भ्रौर तालुकाः मेहमाणा				
गांव	मर्वे नं.	हेक्ट <i>र</i>	आरे मे	टीआर	
1	2	3	4	5	
बलोल	$\frac{1640}{1}$	0	08	82	
	1639	0	16	38	
inge werken is					

[मं. भ्रो. ~12016/37/97-भ्रो.एन.जी.डी..-[V] एम . मार्टिन, ईस्क ग्रधिकारी

01

05

02

12

14

08

58

52

42

22

New Delhi, the 25th September, 1997

कार्ट दैक

1678

कार्ट दैक

1643/1

1643/2

S.O. 2634.—Whereas it appears to the Central Government S.O. 2634.—Whereas in the public interest that for the transport of petrolcum from SNFF-160 and SNFI-159 to N Santhal Insitu Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipeline From SNFF-160 & SNFI-159 to N.Santhal INSITU Plant

State:Gujarat	District & Taluka: Mehsana					
Village	Survey No.	Hectare	Jectare are Centiare			
1	2	3	4	5		
BALOL	1640/1	0	08	82		
	1639	0	16	38		
	1638	0	13	32		
	1774	0	11	52		
	1773	0	03	42		
	1776	0	07	92		
	1778	0	05	58		
	1778	0	07	74		
	1781/2	0	80	82		
	1782	0	04	68		
	1783	0	12	50		
	1784	0	02	70		
	1322	0	04	68		
	1322	02	02	52		
	1385	0	10	32		
	1386/2	0	08	40		
	1393/1	0	08	40		
	1393/2	0	07	44		
	1422	0	07	32		
	1421	0	00	48		
	1420	0	06	96		
	1417	0	10	08		
	1399	0	15	24		
	1394	0	11	10		
	1395	0	02	16		
	Cart trac		01	08		
	1678	0	05	58		
	Cart trac		02	52		
	16431	0	12	42		
	16432	0	14	22		

[No.O-12016/37/97-ONG-D-IV] M.MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.श्रा. 2635. →यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बी एल ए सी-20 से बी एल ई पी 128 से बलोल मुख्य इनहीट् ब्लांट तक पैट्रोलियम परिवहन के लिए पाइप लाइन श्रायल एण्ड नेच्रल गैस कारपोरेणन लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

श्रौर स्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को सिछाने के लिए एतदपाबड श्रनुसूची मे वर्णित भूमि में उपयोग का स्रधिकार श्रीजत करना श्रावण्यक है।

अतः श्रब पैट्रोलियम श्रौर खनिज पाइप ला इन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रजन) श्रधिनियन, 1962 (1962) জ্য 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदान मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार करने का अपना आश्वय एनदहारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेशन लिसिटेड, निर्माण और देखभान प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस प्रधिस्चन। की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिद्धितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह पाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की सार्फ त ।

#### प्रन्मूची

बी एल ए सीं-20 से बी एल ई पी-128 बलोल मुख्य प्लांट तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

1	2	3	4	5
मदुथला	65	0	0.9	7 4
	64	0	03	48
	63	0	02	40
	60	0	13	0.5
	59	0	11	8 5
	51	0	21	75
	52	0	13	8.0
	185	0	04	20
	184	0	14	40
	<b>18</b> 6	0	10	0.5
	188	0	11	10
	182	0	16	30
	181	0	11	8 5

[सं.-O-12016/ 38/97-भ्रो.एन.जी.डी.-IV] एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2635.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLAC-20 to BLEP-128 to Balol main INSITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this no faction, to laying the pipeline under the land to the Competent Autho-

rity, Oil & Natural Gay Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from BLAC-20 to BLEP-128 to Balol Main IN-SITU plant,

State : Gujarat

District: Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are.	Cen- tiare
l	2	3	4	5
SADUTHALA	65	0	09	84
	64	0	03	48
	63	0	02	40
	60	0	13	05
	59	0	11	85
	51	0	21	75
	52	0	13	80
	185	0	04	20
	184	0	14	40
	186	0	10	05
	188	0	11	10
	182	0	16	30
	181	0	11	85

[No. O- 12016/38/97-O.N.G D.IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सिनम्बर, 1997

का.मा. 2636. चतः केन्द्रीय संश्वार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मायम्यक हैं कि गुजरात राज्य में डी भ्राई ऐंडी (5) से जे ऐन बी ऐफ (80) तक पैट्रोलियम के परिश्वहत के लिए पाइपलाइन श्रायल एवड नेचुरल गैस कारपोरेणन लिमिटेड डारा बिछाई जानी चाहिए।

और ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद भनूबूची में बॉणत भूमि में उपयोग का गधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः प्रव पैट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन श्रिधिनियम 1962 (1962का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त भिक्तियों का प्रयोग करने द्वाए केन्द्रीय यर-कार ने उसमें उपयोग का श्रिधकार श्रीजित करने का श्रपना आणय एतवहारा घोषित किया है।

बगर्से कि उक्त भूमि में हिलबढ़ कोई व्यक्ति उग भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के थिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपीरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, सकरपुरा रोड, बड़ोदा-७ को इस अधिसूचना की तारीख़ से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

#### श्रनुसूची

डी आई एडी (5) से जे एन मी एफी (80) तक पाईपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गजरात

िजला और तालुका : महेस्राणा

पाण्य र पुणरात 	ात्रला आर तालुकाः महसापा				
गांव	सर्वे नं.	हैक्टर.		सेन्टीयर	
बोदला	203	0	06	00	
	204/1	0	07	80	
	186/1	0	0.6	36	
	186/3	0	03	60	
	180/1&5	0	03	24	
	180/2, 3	0	11	88	
	115/1	O	12	48	
	कार्टटैक	0	0.0	48	
	118	0	0.8	40	
	120	0	09	12	
	121	0	06	84	
	108	O	04	20	
	109	0	20	27	
	कार्ट द्रैक	0	0.0	84	
	88	0	01	56	
	89/1	o	07	20	
	89/2	0	09	24	
	91	0	04	32	
	92	0	09	24	
	93	0	12	96	
	94/2	0	0.8	04	
	94/1	0	0.2	76	
	59/1	0	01	92	
	59/1	0	05	40	
	59/1	0	0.5	28	
	59/2	0	0.8	64	
·	58/3	0	03	12	

[सं. O-12016/39/97-ओ.एन.जी.डी-**IV**] एम. मार्टिन, डैस्क श्रीक्षकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2636.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DIAD (5) to JNBF (80) in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to

laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road. Vadodata-390 009

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from DIAD (5) to JNBF (80)

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- taire
1	2	3	4	5
Bodala	203	0	06	00
	204/1	0	07	80
	186/1	0	06	36
	186/3	0	03	60
	180/1&5	0	03	24
	18 <b>0/2&amp;</b> 3	0	11	88
	115/1	0	12	48
	Cart track	0	00	48
	118	p	08	4(
	120	0	09	12
	121	0	06	
	108	0	04	
	109	0	20	2'
	Cart track	0	00	84
	88	0	01	50
	<b>89</b> /1	0	07	20
	89/2	0	09	24
	91	0	04	
	92	0	09	24
	93	0	12	
	94/2	0	08	
	94/1	0	02	70
	<b>59/</b> 1	0	01	92
	59/1	0	05	
	59/1	0	05	23
	59/2	0	08	
	58/3	0	03	12

[No. O-12016/39/97-ONG.D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. आ. 2637.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धावभ्यक है कि गुजरात राज्य में संयाल इन सीतु से डिस्ट्रीब्युसन-I तक पैट्रोलियम के परिबहन के लिए पाइप लाइन ऑयल एण्ड नेजुरल गैम कारपोरेशन लिमिटेड हारा बिछाई जानी चाहिए।

और भतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पायक भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का मधिकार भूजित करना झावस्थक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन प्रधिनियम, 1962 (1961 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आभाय एनद-द्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप, लाइन बिछाने के लिए भ्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भ्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारयोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बहोदा-9 को इस श्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी गयन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी मुल-वाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

प्रगुसूची

संथाल इन सीटूसे डिस्ट्रीब्य्शन→1 नक पाइप लाइन बिछाने केलिए।

राज्य : गुजरास	जिलाव तालुकाः महेसाणा				
गांव	सर्वे नं०	हैक्टयर	<b>म</b> ारे	सेन्टीयर	
 संयाल	690	0	06	40	
	674	0	32	40	
	673	0	19	88	
	671	0	0.0	12	
	972	0	15	48	
	705	0	0 1	14	
	कार्टेट्रेक	0	01	30	
	704	0	15	90	
	720	0	0.0	91	
	721	0	08	83	
	703	0	00	06	
	726	0	00	84	
	725	0	12	66	
	724	U	05	30	
	कार्ट ट्रेक	0	0 1	90	
	737	0	29	80	
	738	0	0.8	0.0	
	757	0	27	5	
	756	0	03	0.0	
	1018	0	05	5	
	1032	0	04	5	
	1020	υ	04	5	
	1031	0	0.8	0	
	1030	0	24	8	
	982	0	20	6	
	979	o	26	7	
	1051	0	29	6	

[सं. ओ 0-12016_/ 40/97-ओ∴एनजी.ओ-**ÏV**) *]* एम मार्टिन, **डेस्क भ्रधिकारी**  New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2637.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Santhal IN-SITU to Distributions -1.

Starte Gujarat

District & Taluka: Mchsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Santhal	690	0	06	40
_	674	0	32	40
	673	0	19	88
	671	0	00	12
	672	0	15	48
	705	0	01	14
	Cart track	0	01	30
	704	0	15	90
	720	0	00	91
	721	0	08	83
	<b>7</b> 03	0	00	06
	726	0	00	84
	725	0	12	66
	724	0	05	30
	Cart track	0	01	90
	737	0	29	80
	738	0	08	00
	757	0	27	57
	756	0	03	00
	1018	0	05	50
	1032	0	04	50
	1020	0	04	50
	1031	0	08	04
	1030	0	24	80
	982	0	20	60
	979	0	26	78
	1051	0	29	06

[No. 0-12016|40|97-ONGD IV] M. MARTIN, Presiding Officer नई विल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. श्रा. 2638.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कृप सं. 18 में से पादरा इपीएस तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपला इन आयल एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेणन लिसिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और झतः यहप्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्पाबङ धनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिका प्रणित करना धावश्यक है;

मतः मन पैट्रोलियम और खिनज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के मधिकार का भर्जन मधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तिमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रपत्ता भाषाय एतदहारा घोषित किया है;

बगतें कि उक्त भूमि में हितव इ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे बाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षेम प्राधिकारी भायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभास प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस मिधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा भाक्षेप करने वाला हर ज्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह पाहता है कि उसकी सुनवाई ज्यक्तिगन रूप से हो या किसी विधि ज्यवसायी की मार्फत ।

धनुसूची कृप सं. 18 से पाहरा इपीएस तक पाईप ला इन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : बडोदरा	,	तालुका : प	गदरा
गांव	स्ताक सं.	₹.	मार.	सेन्टी .
1	2	3	4	5
<u></u>	983	0	02	30
	981	0	03	25
	982	0	11	28
	कार्ट ट्रैक	0	01	56
	1003	0	04	00
	1002	0	11	65
	1011	0	03	50
	1001	0	09	45
	कार्ट द्रैक	0	01	30
	1020	0	16	03
	1025	0	04	65
	1019	0	11	5 <b>4</b>
	1026	U	01	69
	कार्ट ट्रैक	0	01	13
	1029	0	05	84
	1228	0	03	25
	कार्ट ट्रैक	0	01	13
	1248	0	04	94
	1247	0	05	59
	1245	0	06	64
	कार्टेट्रक	0	01	20
	1240	0	07	44
	1241	0	11	47

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इमा्शा—जारी	1235	0	09	62		002			
	1236	O	0.8	36		982	0	11	28
	1234	0	01	0.0		Cart track	0	01	56
	कार्ट ट्रैक	0	01	17		1003	0	04	00
	1212	0	0.1	0.0		1002	0	11	65
	1213	0	07	0.8		1011	0	03	50
	1214	0	0.5	65		1001	0	09	45
	1215	0	01	0.0		Cart track	0	01	30
	1180	0	02	76		1020	0	16	03
	1279	0	02	92		1025	0	04	65
	1178	0	02	50		1019	0	11	54
	1177	0	09	65		1026	0	01	69
	1176	0	10	19		Cart track	0	01	13
	3171	0	0.4	3.5		1029	0	05	84
	1172	0	0.0	5 4		1228	0	03	25
	1407	0	04	54		Cart track	0	01	13
	1408	0	0.5	07		1248	0	04	94
	1425	0	0.8	32		1247	0	05	59
	1424	0	08	77		1245	0	06	64
	1413	0	13	47		Cart track	0	01	20
	1414	0	10	50		1240	0	07	44
	1415	0	0.9	95		1241	0	11	47
		:				1235	0	09	72
	[सं-औ~12016	s/ 41/97 <b>–</b> को	.एन.जी.डी	f-1V]		1236	0	08	36
	1	एम. मार्टिन,	डैस्क प्र	धकारी		1234	0	01	00
New Do	elhi, the 25th Sep	tember 19	207			Cart track	0	01	17
						1212	0	01	00
S.O. 2638Whe	leas it appears to	the Central	Gover	nment		1213	0	07	08
hat it is necessary ort of petroleum	from Well No.	erest that : 18 to Pac	for the ira E.P	trans- .S. in		1214	0	05	65
Sujarat State pipeli	ino should be laid	by the C	)il & N	atural		1215	0	01	00
Gas Corporation Lt	d.					1180	0	02	76
	appears that for					1279	0	02	9 <b>2</b>
uch pipeline it is no and described in th				in the		1178	0	02	50
						1177	0	09	65
Now therefore, in section (1) of Section	exercise of the position 3 of the Po	owers conf	erred by	y sub-		1176	0	10	19
Pipelines (Acquisition						1171	0	04	35
962 (50 of 1962),				clares		1172	0	00	54
t's intention to acq	•	_				1407	0	04	54
	y person interested					1408	0	05	07
bject within 21 da aying the pipeline t	under the land to	the Comp	etent A	utho-		1425	0	08	32
ity, Oil & Natural	Gas Corporation	Ltd. Con	struction	a and		1424	0	80	77
Aaintenance Divisio	on, Makarpura Ro	ad, Vado	aara-390	1009.		1413	0	13	47
	n making such a					1414	0	10	50
	other he wishes to	. ha heard	15 MOTO	A 0 T		1415	0	09	95

[No. O-12016/41/97-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Well No. 18 to Padra EPS.

State: Gujarat

District - Vadodara

Taluka : Padra

Villago	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
		3	4	5
Dabhasha	983	0	02	30
-	981	0	03	25

#### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. भा. 2639 .- यमः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप सं. 18 से पावरा इपी एस तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भागल एण्ड नेपुरल ीस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा विधाई जानी भाहिए ।

और अलः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदशाबद्ध धनुसूची में थणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिन करना प्रावश्यक है।

अंतः प्राय पेंट्रोलियम और खितिल पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रार्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रयक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय रारकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार प्रिजिय करते का अपना प्राप्तय एतद्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उसत भूमि में हिसबद्ध काई व्यक्ति उस भूमि के नीज पाइप नाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आँयन एण्ड नेषुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्धाण और देखमाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचन। की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा फ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि थ्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगर रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फरा।

ध्रनुसूची कृप सं. 18 से पादरा इमपी एस तक पाधप लाइन बिछाने के लिए।

राज्यः गुजरात	जिला: बडोदरा	सालुकाः	सालुकाः पादरा		
गां <b>व</b>	म्लाक सं.	₹.	म्रार.	मेन्टी.	
लतीप्रुरा	466	0	06	76	
	468	0	15	19	
	469	0	0.3	77	
	470	0	10	76	
	471	0	08	95	
	472	0	1.0	24	
	कार्ट ट्रैक	0	01	10	
	473	0	07	84	
	452	0	01	49	
	474	0	0.8	22	
	488	0	09	62	
	489	0	02	96	
	487	0	11	0.5	
	542	0	0.8	74	
	543	U	0.0	15	
	536	0	08	87	
	530	0	08	87	
	529	0	0.0	10	
	कार्ट ट्रैक	0	0.0	19	
	531	0	0.0	22	
	522	0	35	36	

[मं. ओ-12016/42/97-ओ.एन.जी.धी.--[V] एम. मार्टिन, श्रेस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2639.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well Mo. 18 to Padra E.P.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road. Vadodara-390 009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Well No. 18 to Padra EPS.

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
LATIPURA	466	0	06	76
_	468	0	15	19
	469	0	03	77
	470	0	10	76
	471	0	08	95
	472	0	10	24
	Cart Track	0	01	10
	473	0	07	84
	452	0	01	49
	474	0	08	22
	488	0	09	62
	489	0	02	96
	487	0	11	05
	542	0	08	74
	543	0	00	15
	536	0	08	87
	530	0	08	87
	529	0	00	10
	Cart track	0	00	91
	531	0	00	2.2
	522	0	35	36

[No. O-17016/42/97/-ONGD-IV]

M. Martine, Desk Officer

गई दिल्ली, 25 शितस्त्रर, 1997

का. शा. 2640-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोगहिन में यह श्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में उत्तर संथाल ईटीपी से सथान फेज-2 तक पेंद्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाईन शांवत एण्ड नेन्नुरण गैम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा ब्रिछाई जानी चाहिये। ग्रौर ग्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों का बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोगका अधिकार ग्राजित करना ग्रावश्यक है।

ग्रतः श्रव पैट्रोलियम ग्रौर खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजंन ग्रधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का श्रयोग करते दूए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का ग्रंपना श्राणय एतद्द्वारा धौषतं किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिये ब्राक्षेप संक्षम प्राधिकारी , ब्रॉयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण ब्रौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस ब्रधिमूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्यायह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

श्चनुसूची उत्तर मान्थाल ईटीपी से सान्थाल फेज-2 तक पाईपलाईन बिक्षाने के लिये

राज्यः गुजरात जिला, व तालुकाः महसाणा

गांव	सर्वे नं.	हैक्टेयर	श्रार	सेंटीयर
सान्थाल	455	0	08	46
	457	0	05	20
	456	0	07	05
	458	0	08	75
	462	0	09	40
	463	0	08	00
	464	0	00	50
	465	0	08	10
	467	0	08	80
	466	0	10	80
	469	0	17	60
	474	0	17	00
	478	0	18	60
	479	0	17	60
	488	0	14	60
	489	0	37	70
	490	0	06	10
	491	0	18	68
	492	0	01	0.0
	493	0	0.0	9.0
	494	0	14	32

		[ 11.0 ]		
1	ż	3	4	
	495	θ	12	20
	496	Ø	27	90
	कार्ट ट्रैक	0	16	40
	679	0	06	24
	678	0	22	73
	677	0	35	43
	676	0	19	92
	689	0	0.8	04
		حروب برسید داد د		

[सं. श्रो-12016/43/97-श्रो.एन. जी.डी-IV] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रीधकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2640.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal E.T.P. to Santhal Phase II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corpotation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipelne from North Santhal ETP to Santhal Phase II.

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Tatuka . Mensana				
	Survey No.	Hec- tar	Arc	Cen- tiare	
SANTHAL	455	0	08	46	
	457	0	05	20	
	456	0	07	0.5	
	458	0	08	75	
	462	0	09	4(	
	463	0	08	00	
	464	0	00	50	
	465	0	80	10	
	467	0	80	80	
	466	0	10	80	
	469	0	17	60	
	474	0	17	00	

के लिए। राज्य : गुजरात

गांव

सद्यला

सेन्टीयर

84

89

12

68

64

32

96

0.7

49

97

16

83

84

7.5

तालुका: बाणस्मा

ग्रारे

13

16

16

0.2

03

16

03

2.5

32

15

0.8

06

10

ब्रैकटर

O

0

0

0

0

1	2	3	4	5
Santhal	478	0	18	60
	479	0	17	60
	488	0	14	60
	489	0	37	70
	490	0	06	01
	491	0	18	68
	492	0	01	00
	493	0	00	90
	494	0	14	32
	495	0	12	20
	496	0	27	90
	Cart track	0	16	40
	679	0	06	24
	678	0	22	73
	677	0	35	43
	676	0	19	92
	689	0	08	04

[No, O-12016/43/97-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. आ. 2641 .--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा ईटीपी से बलोल इन सीतृ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन झायल एण्ड नेचुरल गैम कारपोरेणन लिमिटेड डारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्शबद्ध श्रनुसूची में बिणित भूमि में उपयोग का श्रिष्ठकार श्रीजन करना श्रावण्यक है।

अतः श्रव पैद्रोलियम श्रीर खिनज पहिपलाइन भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का श्रर्जन श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त णिकत्यों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधिकार श्रिजत करने का अपना श्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, श्रायल ए०ड नेचुरल गैस कारपीरेशन लिमिटेड निर्माण श्रीर देखभान प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस श्रिधमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

ग्रौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धित्त यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्गित रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

[सं. श्रो.-12016/44/97-श्रो एन जी डी-4] एस. मार्टिन, डैस्क श्रधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

धनुसची

जिना : महेसामा

सर्वे नं०

८४/पी

110

111

112

113

114

152

151

174/पी

162

173

82/1/2

कार्ट हैक

लनका इ.टी यी प्लांट से कलोल इन सीत तक पाइप लाइन विश्वाने

S.O. 2641.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanwa ETP to Balol IN SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that tny person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Lanwa ETP Plant to Balol In-SITU (MAIN)

State: Gujarat District: Mehsana

Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Sadutnela	84/P	0	13	84
	82/1/2	0	16	89

1	2	3	-1	5
			-	
Sadu ⁺ hala (C	Contd.) 110	0	16	12
	Cart track	0	02	68
	111	0	03	64
	112	0	16	32
	113	0	03	96
	114	0	25	07
	152	0	14	49
	151	0	32	97
	157	0	15	16
	174/P	0	08	83
	162	0	06	84
	173	0	10	75

[Ne. O-17016/4497-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नर्ष विल्ती, 25 शितम्बर, 1997

का श्या ० 26.4.2.....यतः केन्द्रीय राज्कार को यह प्रतिन्होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बलील इन सीतु से बलील जी जी एस-11 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइन साइन आंखल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन किमिटेड हारा बिछाई जानी चाहिए।

और ग्रमः यह प्रतीत होना है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपायद्व प्रनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार प्रजित करना श्रावश्यक है।

श्रदाः स्रम पेट्रोलियम और खनिज पाइपका इन भूमि में उपयोग के अधिकार का सर्जन स्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग द्वारा प्रदत्त सितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार ने उसमें उपयोग का स्रिध-कार सर्जित करने का भगना भागय एनव्हारा घोषित किया है।

बर्णे कि उनत भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उन भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आँवत एण्ड नेन्युरत गैम कारपीरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल अभाव, मकरपूरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमुखना की तारीख से 21 दिनों के धीतर कर सकेगा।

और ऐसा ग्राक्षेप करने थाला हर व्यक्ति व्यनिदिष्टत सह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किमी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

ध्रन्स्यी

बलोल इन मीतु से बलोल जी जी एस-11 तक पाइप शाहन विकास के लिए

राज्य गुअराम	जिला : महेर∴ण।	स्तान	नुका, चाष	गरगा
गांब	सर्वे न०	हेक्ट <b>र</b>	श्रारे ४	- रोन्डीप्रर
सबुथला	171	0	06	75
	1 7 ० पी	0	1.5	60
	कार्ट द्रेक	()	0.1	0.0
		_~		

[मं॰ ऑन्12016, 45/97-ओ एन जी-डी-[V]] एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी New Fielhi, the 25th September, 1997

S.O. 2642.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS II in Guiarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadedara-390009.

And every person making such an objections shall tlso state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### **SCHFDULE**

Pipeline from Balol IN-SITU to Balol GGS. II

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.		Λre	Cen-
SADUTHALA	171	0	06	75
	170/P	0	15	60
	Cart track	0	01	00

[No. 0-12016/44/97-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का . या . 2643.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में संथाल इन सीतु से डिस्ट्रीब्यूटर-II तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन श्रायल एण्ड नेचुरल गैंस कारपोरेणन लिमिटेड ढारा थिछाई जानी चाहिये।

ग्रांर अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करना आवश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन भृमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन शिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते) हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधकार श्रिजत करने का श्रपना श्रामय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणर्तो कि उक्त भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइण लाईन बिछाने के निए प्राक्षेप मजम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेजुरल गैम कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण श्रीर देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस श्रधिस्चना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा !

स्रीर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधिव्यवसारी की मार्फत।

बजोल इन मोलु से बजोल जॉजीएम-II तक पाइप लाइन बिछीने के लिए।

**अनुस्**ची

संथाल इनसीट से वितरण  $\Pi$  तक पाइप लाइन विखाने के लिए राज्य : गुजरात जिला औंड तॉल्लुक : मेहमाणा

गांव	सर्वे नं .	 हैक्टेटर	ग्रार	संटीयर 
 संथाल	689	0	09	85
	676	0	19	90
	686	0	12	60
	677	0	07	50
	684	0	24	0.5
	678	0	01	35
	679	0	18	60
	682	0	25	50
	681	0	18	80

[सं. ग्रो–12016/46/97-ग्रो एन जी धी-4] एम . मार्टिन, डैस्क श्रधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2643.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to accuire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 162 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall allow state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Santhal IN-SITU to Distribution-II

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are.	Cen- tiare
SANTHAL	689	0	09	 85
	676	0	19	90
	686	0	12	60
	677	0	07	50
	684	0	24	05
	678	0	01	35
	679	0	18	60
	682	0	25	50
	681	0	18	80

[No. O-12016/46/97-ONG.D IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का आ .सं. 2644: पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में शोभासण-107 से शोभासण सीटीएफ तक पेंट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन प्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिळाई जानी चाहिये।

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना आवश्यक है।

श्रव पैद्रोलियम श्रौर खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन श्रीधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजन करने का श्रपना श्रागय एनद्द्वारा घोषित किया है।

वसर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभान प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यहं भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत एप से हो या किसी विधि व्यक्तायी की मार्फत

#### भ्रनुसूची

शोभासण -107 मे शोभासण सी टी एफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य: गुजरात जिला-तालुका: महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हैक्टेयर ग्रारे	मेंर्ट	 ोआरे
न् <u>या</u> हेब्रुग्रा	177	0	10	20
	175	0	05	52
	177	0	08	52
	161	0	08	04
	165	0	05	88
	164	0	10	12
	167	0	07	20
	166	0	16	32
	115	0	10	32
	111	0	07	20
	110	0	09	0.0
	106	0	09	90
	99	0	01	95
	99	0	04	20
	96	0	03	60
	100	0	14	25
	96	0	04	20

[सं. भ्रो-12016/47/97-श्रोएनजीडी-4] एम. मार्टिन, डैस्क श्रधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2644.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SOB-107 to SOB-CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any porson interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipline from SOB-107 to SOB. CTF, State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
HEBUVA	177	0	10	20
	175	0	05	52
	177	0	08	52
	161	0	08	04
	165	. 0	05	88
	164	0	10	12
	167	0	07	20
	166	0	16	32
	115	0	10	32
	111	0	07	20
	110	0	09	00
	106	0	09	90
	99	0	01	95
	99	0	04	20
	96	p	03	60
	100	Ô	14	25
	96	0	04	20

[No. O-12016/47/97-ONG.D IV] M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. ग्रा. 2645: यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ध्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीतु से बलोल जीजीएस-II तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन घ्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड ढारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करना श्रावस्थक है।

श्रतः श्रब पैट्रोलियम श्रोर खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन श्रधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना श्रास्य एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ग्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेणन लिमिटेड निर्माण ग्रौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड, बड़ौदा-9 को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। सेंटीयर

हैक्टेयर प्रार

गांव

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी भधन करेगा कि क्यायह बहु चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### **अनुसृ**ची

बलोल इन सीतु से बलोल जीजीएस-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महेसाणा

सर्वे नं.

	,, <b>,</b>			
1	2	3	4	5
 देलाली	501	0	17	50
	50/2	0	00	40
	51	0	17	50
	54	0	17	88
	6 2/पी	0	06	35
	5 5	0	01	42
	61	0	22	78
	67	0	14	15
	6 <b>8</b>	0	04	95
	कार्टट्रेक	0	01	60
	152/1	0	05	20
	152/2	0	10	10
	139/1	0	09	10
	129/2	0	08	80
	138	0	09	75
	137/1	0	06	60
	131	0	14	35
	128/2	0	07	50
	127/1	0	02	40
	127/2	0	12	5 5
	120	0	00	22
	121	0	18	65
	114	0	07	05
	कार्ट ट्रेक	0	01	80
	221/1/2	0	15	15
	222/2	0	17	65
	225/1	0	11	00
	225/3	0	06	00
	<b>22</b> 5/5	0	06	30
	232/2	0	13	20
	232/4	0	15	20
	253/1	0	00	95
	कार्ट द्रैक	0	01	20
	24.7	0	23	,60
		· · · · · ·		

1	2	3	4	5
	248/1	0	11	20
	248/2	0	11	20
	कार्ट ट्रेक	0	01	80
	276/1	0	16	40
	276/2	0	16	00
	277/1	0	15	20

[सं. श्रो-12016/48/97-श्रो एनजीडी-4] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रधिकारी

#### New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2645.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Balol IN-SITU to Balol. GGS.II.

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec	Are	Cen- tiare
l	2	3	4	5
DELOLI	50/1	0	17	 5(
	50/2	0	00	40
	51	0	17	50
	54	0	17	88
	$62/\mathbf{P}$	0	06	3.
	55	0	01	42
	61	0	22	78
	67	0	14	1:
	68	0	04	9:
	Cart track	0	01	60
	152/1	0	05	20
	152/2	0	10	10
	139/1	0	09	10
	139/2	0	08	80
	138	0	09	7:

 2	3	4	5	ग्रीर	ऐसा श्राक्षेप करने	वाला हर ब्र	 र्गाक्त	 विनिर्दिष्ट
137/1	0	06	60		दन करेगा कि क्या			
131	0	14	35		क्तिगत रूप से हो			
128/2	0	07	50	मार्फत ।			, . , , ,	311 11 11
127/1	0	02	40	17.4-11.4				
127/2	0	12	55					
120	0	00	22		ध्रनुस	ाची		
121	0	18	65			<i>k</i>		
114	0	07	05	एस ही	बीबी (157) से शोभा	मण जीजीतम्	II	TT
Cart track	0	01	80					11
221/1/2	0	15	15	शामालण-1	4.4 तक पाईपलाईन	विछान की	लए।	
222/2	0	17	65	राज्य : सज्ज	ारात जिला-तालुका ः <mark>महेसा</mark> णा			
225/1	0	11	00	\(\frac{1}{2} \).				
225/3	0	06	00	<del></del>		——————————————————————————————————————		
225/5	0	06	30	गांव	सर्वे नं.	हैक्टयर	श्रार	सेंटीयर
232/2	0	13	20		ســــــــــــــــــــــــــــــــ			·
232/4	0	15	20	जगु <b>हण</b>	347	0	02	88
253/1	0	00	95	36.	348	0	14	
Cart track	0	10	20					40
247	0	23	60		कार्ट द्रैक	0	00	36
248/1	0	11	20		352	0	07	20
248/2	0	11	20		352	0	07	08
Cart tarck	0	01	80		382	0	05	88
276/1	0	16	40		383	0	21	48
276/2	0	16	00		384			
277/1	0	15	20			0	06	48
					391	0	10	56

[No. O-12016/48/97-ONG.D IV] M. MARTIN, Desk Officer

[सं. भ्रो-12016/49/97-भ्रो एन जीडी-4]

एम. मार्टिन, डैस्क श्रधिकारी

#### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.श्रा.सं०:-2646 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में एसबीबीबी--157 से णोभासण जीजीएस-2 वाया सोभासण-144 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन श्रॉयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी भाहिए।

ग्रौर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार श्रीजत करना श्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रॉलियम और खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन श्रिधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शिक्तमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रर्जित करने का श्रपना श्राशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण श्रौर देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9को इस श्रधिसुचना की नारीख से 21दिनों के भीतर करसकेगा। New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2646.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBBB-157 to SOBH GGS-II VIA SOBH-144 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corportion Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to tequire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from SBBB (157) to SOBH.

GGS II Via SOBH. 144.

State: Gujarat

District & Taluka: MEHSANA

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiarc
JAGUDAN	347	0	02	88
	348	0	14	40
	Cart track	0	00	36
	352	0	07	20
	352	0	07	08
	382	0	05	88
	383	0	21	48
	384	0	06	48
	391	0	10	50

[No. O-12016/49/97-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंद्रालय नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

#### अधिसुचना

का.श्रा. 2647. -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीत् से बलोल जीजी एस-2 तक पढ़ोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन श्रायल एण्ड तेचुरल मैंस कारपोरेशन लिसिटेड दारा बिछाई जानी चाहिये।

और श्रतः यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाईनों को बिन्नाने के प्रयोजन के लिए एतर्पाबद्ध श्रनुस्वी में बर्णित असि में उपयोगका श्रधिकार श्रीजन करना श्रावण्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन श्मि में उपयोग के अधिकार का अजुंन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) विधारा 3 की उपधारा । द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केलीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतर्वारा धीषत किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबज्ञ कोई व्यक्ति उम भूमि के तीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये श्राखेष सक्षम प्राधिकारी, श्रायल एण्ड नेचुरल गंस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बग़ीदा-9 को इस अधिय्चना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा स्राक्षण करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिः यह भी कथन करेगा कि त्यायह वह चाहता है कि इसनी सुनवाई व्यक्तिगन रूप से हो या किया विधि व्यवसापी की मार्णता।

#### श्रन्स्ची

बलोल इन सीत् में बलोल जीजीएस-2 तक पाइप लाधन बिटाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वेतं.	हैक्टे यर	ग्रार	संटीयर
जन्म जन्म जन्म डाभानपुरा	487/पी	0	10	40
Ū	485	0	07	83
	486	0	09	72
	484	0	03	90
	477	0	17	3 5
	478	0	07	60
	479	0	12	40
	457	0	04	08
	456	56	08	90
	455	0	12	60
	426	0	06	48
	430	0	11	50
	429	0	11	70
	416	0	0.8	40
	435	0	01	50
	415	0	00	06
	कार्टद्रेक	0	01	50
	436	0	12	20
	437	0	03	80
	438	0	10	90
	439	0	15	30
	441	0	00	20
	440	0	17	10
	396	0	11	0.0
	395	0	12	20
	397	0	03	42
	248	0	31	70

[सं. थो-12016/50/97-जोएनचीधी-IV] एम. माटिन, वेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2647.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 196? (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

							II WILL	TI- DEC.	2(11)]
Provided the	at any perso	n interested in th	e said	land may	1	2	3	4	5
laying the pip	eline under t	n the date of this he land to the C	ompete	nt Author		456	056	08	90
rily, Oil and I	Natural Gas (	Corporation Ltd.	Constru	ection and		455	0	12	60
Maintenance I	Division, Mak	arpura Road, Va	dodara-	390009.		426	0	06	48
And every	person mak	ing such an obj	•ation	shall alva		430	0	11	50
state specifical	lly whether l	he wishes to be	beard	in nerson		429	0	11	70
or by legal pr	actitioner.	ne wantes to be	nentu	m person		416	0	08	40
						435	0	01	50
	SC	CHEDULE				415	0	00	06
Pineline 1	Pipeline From Balol In-Situ To Balol GGS. II,					Cart track	0	01	50
						436	0	12	20
State : Guj	arat Distr	rict & Taluka	: Me	hsana		437	0	03	80
						438	0	10	90
Village	Survey	No. Hectare	Are	Centiar		439	0	15	30
			<b>-</b>			441	0	00	20
Gamanpura	487/P	0	10	40		440	0	17	10
	485	0	07	83		396	0	11	00
	486	0	09	72		395	0	12	20
	484	0	03	90		397	0	03	42
	477	0	17	35		248	0	31	70
	478	0	07	60					<b>-</b>
	479	0	12	40		[No	. O-12016/5	0/97-ONG	D IV
	457	0	04.	08			M MAD	TIN, Desk	Officer
	_						TAT: TATUTE	TITE, DCSK	Ollicei

# पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंतालय नई दिल्ली, 11 सितम्बर 1997

का.आ. 2648. - केन्द्रीय सरकार ने पैट्रोलियम श्रौर खिनज पाइयलाइन (भूमि में उपयोग के श्रीधिकार का ग्रर्जन श्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) (श्रव से इसके पश्चात उक्त श्रीधिनियम कहा गया है) की धारा 1 की उपधारा (1) के श्रधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम श्रौर प्राकृतिक गैम मंत्रालय की श्रीधसूचना संख्या का.शा. 2852 तारीख 10 श्रक्तूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पैट्रोलियम उत्पादों का परिवहन श्रांन्ध्र प्रदेण राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुम्नान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन विछाने के प्रयोजनार्थ उक्त श्रीधसूचना से संलग्न श्रनुमूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के श्रीधकारों के श्रांत की श्रपने श्राध्य की घोषणा की थी, श्रौर उक्त राजपत्र में श्रीधसूचना की प्रतियां जनना को तारीख 25 नयम्बर, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

ग्नौर सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रयोन केन्द्रीय सरकार को श्रपनी रिपोर्ट दे दी है;

श्रौर केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन किया जाए।

श्रतः ग्रुब केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस ग्रिधिमूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का ग्रिधिकार अजित करने की घोषणा करती है,

यह ग्रीर कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लंघनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

	ग्रनुसूची
राज्यः ग्रांध्य प्रदेश	जिला : विशाखापट्टनम ।

मडल : कासिमकोटा

		क्षेत्रफल					
ग्राम	सर्वे सं./मब डिवीजन		प्रार प्रार	 एक इ	म सैन्ट		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
थीडा	127.4 भाग	00	18.0	0.0	4.4		
				1 1	**		

[फा.सं. ग्रार. 31015/6/95-यो ग्रार II

के.सी. कटोच, ग्रवर सचिव

# MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th September, 1997

S.O. 2648.—Whereas by a notification the Government of India in the Ministry Petroleum and Natural Gas number S.O. 2852 dated the 10th October, 1995 issued under subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum products from Visakhapatnam to Vajayawada in the State of Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said gazette notification were made available to the public on the 25th day of November, 1995;

And whereas, the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government:

And further whereas, the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Mandal : K	asimkota State :	Andhra	District : Pradesi	Vi <b>sa</b> khar 1	ratnam
Name of Village	Survey No., Sub Division		Area	1	
Villago	Sup Division	Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
THEEDA	127/4 Part	00	18.0	00	44
		-	o. R-310 KATOCH		-

पेट्रोलियमं और प्राकृतिक गैस मंसालय नई दिल्ली; 25 सितमबर, 1997

का. धा. 2649. -- पैट्टोलियम ग्रौर खनिष पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के श्रीधकार का ग्रजेंन) ग्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के ग्रंतर्गत पैट्टोलियम ग्रौर प्राकृतिक गैंस मंत्रालय के का. भा. संख्या 848 दिनांक 7-3-96 द्वारा भारत सरकार की श्रीधसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त श्रीधसूचना के साथ सलग्न अनुसूची में विणित भूमि के उपयोग का श्रीधकार श्रीजित करने संबंधी श्रपने आग्रय की घोषणा की थी।

श्रीर सक्षम प्राधिकारो ने उक्त श्रधिनियम की धारा-6 की उप-धारा (1) के तहत भपनी रिपोर्ट सरकार को সমন্ত্ৰ कर दी থী।

श्रीर यह कि <mark>क</mark>्रीक केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना में उपायद्व श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रिधिकार श्रीजित करने का निर्णय लिया है।

श्रतः श्रवः, केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस श्रधिसूचना में उपावद्ध श्रनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उप-योग के श्रधिकार का श्रर्जन एनद्वद्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए किया है।

श्रार इसके श्रतिरिक्त उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश दतीं है कि उक्त भृमि में उपयोग का श्रधिकार इस श्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाश्रों में मुक्त गैस श्रथॉरिटी श्राफ इंडिया लिमिटैड में मिहित होगा। 2419 GI/97-⊤13

प्रनुसूची आई.एस.आर.एम. टेप आफ पोइंट से शक्ति कैमिकस्स एण्ड चोला पाइप्स गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

		जिला तालुक ग्राम	सर्वे सं.				
राज्य	जिला		सर्वसे.		<b>विवर</b> ण		
					हैक्ट . में	एकड़ सैन्ड. में	
तमिलनाडु	नगई इन्वाद ई	नान्नीलम	122 नारीमानम	17.2वी	0.09.0	0.22	
	मिलह			17.2 सी	0.08.0	0.20	
				17. डी	0.16.0	0.39	
				58.3	0.03.5	0.09	
				59.1वी	0,05.0	0.12	
				59.2	0.05.0	0.12	
				59.4	0.15.0	0.37	

[मं. एल-14016/7/96-भी.पी.] भाई.एस.एन. प्रसाद, उप सचिव

#### New Delhi, the 25th September, 1997

\$.O. 2649.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 348 dated 7-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

# ISRM TAP OFF POINT TO SAKTHI CHEMICALS AND CHOLA PIPES NARIMANAM GAS PIPE LINE PROJECT

State	District	Taluk	Village	Survey Numbers	Are	a	Remark 8
				. (42.15 \$15	In Hectare	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai	Nannilam	122 Narimanam			0.22	
	Quaid-E			17.2C	0.08 0	0.20	
	Milleth			17.2D	0.16.0	0.39	
				58.3	0.03.5	0.09	
				59.1B	0.05.0	0.12	
				59.2	0.05.0	0.12	
				59.4		0.37	

[No. L-14016/7/96-G.P.] I. S. N. PRASAD, Dy. Secy

#### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. था. 2650.—पैट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन (मूमि के उपयोग के श्रधिकार का श्रजन) ग्रीध-नियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के श्रंतर्गत पैट्रोलियम श्रीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय के का. था. संख्या 849, दिनांक 7-3-96 द्वारा भारत सरकार की भिधसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त श्रधिसूचना के साथ संलग्न श्रनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने संबंधी भ्रपने आग्रय की घोषणा की थी;

ग्रार सक्षम प्राधिकारी ने उक्ष अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के तहन श्रपनी रिपोर्ट सर्कार को प्रस्तुत कर दी थी;

श्रीर यह कि चूंकि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना में उपाद्ध - श्रम्भ में उपाद्ध - श्रम्भ में उपयोग का श्रिधकार श्रम्भिका करने का निर्णय लिया है;

श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा उक्त भ्रधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस श्रधिसूचना में उपायद्व भनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उपयोग के श्रधिकार का धर्जन एतदद्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए किया है;

श्रीर इसके मितिरिक्त उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाओं से मुक्त गैस भथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड में निहित होगा।

श्रनुसूची भुवनागिरी वैल नं. 2 से सुमंगला स्टील्स गैस पाइपलाइन प्रोजैक्ट

	राज्य जिला	जिला तालुक ग्राम	सर्वे नं.	एरि	विवरण		
राज्य जिला	तालुक	प्राम	सव न.	हैक्टे. में	एकड़ सैन्ट. में		
तमिलनाषु	<del></del> साउथ ग्ररकोट	चिदम्बरम	3 <b>7—वी</b>	153-3वी	0.03.5	0,09	
Ū	बस्सर		<b>घाधिवरंगनाथम</b>	1 5 3- 1ए	0.04.0	0.10	
				140-1	0.01.5	0.03	
				140-3	0.18.0	0.44	
				1 4 4- 1ए	0.00.5	0.01	

[सं. एल-14016/7/96-जी.पी.] भाई.एस.एन. प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2650.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 849 dated 7-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notifictation,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

# BHUVANAGIRI WELL NO. 2—SUMANGALA STEELS, BHUVANAGIRI

#### GAS PIPE LINE PROJECT

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Area		Remarks
				rumoer	In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	South Arcot	Chidambaram	37 B	153-3B	0.03.5	0.09	
	Vallalar		Adhivarana-	153-1A	0 04.0	0.10	
			Tham	140-1	0.01.5	0.03	
				140-3	0.18.0	0.44	
				144-1 A	0.00.5	0.01	

[No. L-14016/7/96-G.P.]

I. S. N. PRASAD, Dy. Secy.

#### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.मा. 2651.—पैट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइप लाइण (भूमि के उपयोग के प्रिधिकार का ग्रर्जन) ग्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा-3 की उपधारा (1) के श्रंतर्गत पैट्रोलियम ग्रीर प्राकृतिक पैस मंत्रालय के का.ग्रा. संख्या 854, दिनांक 8-3-96 द्वारा भारत सरकार की श्रिधसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त ग्रिधसूचना के साथ संलग्न ग्रनुसूची में विणित भूमि के उपयोग का ग्रिधकार ग्रिजिस करने संबंधी भ्रपने श्रामय की घोषणा की थी।

श्रीर सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के तहत अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी थी।

स्रौर यह कि चुंकि केन्द्रीयसरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में उपा**वछ** सनुसूची में वर्णिस भूमि में उपयोग का सिधकार झजित करने का निर्णय लिया है।

द्मतः भव, केन्द्रीय सरकार एतद्धारा उक्त प्रधिनियम की धारा-6 उपधारा-(1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का चेप∙ योग करते हुए घोषणा करती है कि इस प्रधिसूचना में उपाधद प्रनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन एतद्दारा पाइप लाइन बिछाने के लिए किया है?

भीर इसके श्रतिरिक्त उभत धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का श्रधिकार इस श्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख मे केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाओं से मुक्त गैस ग्रथारिटी श्राफ इंडिया लिमिटेड में निहित होगा।

**ग्रनुसूषी** 

के. एस. सी. एल. टेप ऑफ पोन्ट से मीनाक्षी सिलिकेट, पोलागम गैस पाइपलाइन परियोजना

			सर्वे नं.	क्षेत्र	£		
राज्य	राज्य जिला तालुका	ग्रीम	सवन.	हैक्ट. में में	सैन्टी , एकड्	टिप्पणी	
पंडिचेरी	पांडि <b>चै</b> री	कराइकेल	35 पौलागम	143-1	0,11.0	0,24	*********
				155-1	0.36.0	0.76	
				155-2	0.01.0	0.02	
				1 6 4- 1ए	0.09.0	0.22	
				164-1भी	0.02.5	0.06	
				166-4	0.05.5	0.13	

[सं. एल-14016/7/96-जी.पी.]

चाइ.एस.एन. प्रसाद, उप सचिष

#### New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2651.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petrol um and Natural Gas S.O. 854 dated 8-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule arrended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government, And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notifictation.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

# SCHEDULE KSCL TAP OFF POINT TO MEENAKSHI SILICATES, POLAGAM GAS PIPE LINE PROJECT

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Α	Area	
				, , ,	In Hectares	Iл Асте Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	35 Polagam	143-1	0.11.0	0 24	
Ondicherry	•		_	155-1	0.36.0	0.76	
				155-2	0.01.0	0.02	
				164-1A	0.09.0	0.22	
				164-1B	0.02.5	0.06	
				166-4	0.05.5	0.13	

[No. L-14016/7/96-G.P.] I. S. N. PRASAD, Dy. Secv.

### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.मा. 2652.——चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह भ्रावश्यक है कि नैल्लूर भ्ररली प्रोडक्सन सिस्टम से थिस्माको ट्टाई टी एन ई बी से तमिलनाडु राज्य तक पैट्रोलियम भीर प्राकृतिक मैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैम भ्रयॉरिटी श्रांफ इंडिया लिमिटेड ढारा बिछाई जानी चाहिए।

ग्रीर चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध ग्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार ग्रीजित करना भावश्यक है।

श्रतः, श्रब पैट्रोसियम श्रौर म्बनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का श्रपना श्राक्षय एतद्दारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिसबद्ध कोई स्थक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस श्रयांरिटी ग्रॉफ इंडिया लिमिटेड, नागापट्टिनम को इम ग्रधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा ब्राक्षेप करते वाला हर <u>व्य</u>क्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

धनुसूची नैंस्लूर अरुली प्रोडक्सन सिस्टम से थिरूमाकोट्टाई टी एन ई बीगैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	9	ग्राम संख्या तथा	सर्वे नं	एर् <u>र</u>	टिप्प <b>र्ण</b>	
Clad	194011		प्राम चुच्या तथा नाम	તાલ વ	हेक्टे. में	एकड़ सैन्ट में	15-1-11
1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	शिक्षाकर	मन्नारगृङ्गी	74, नैस्लूर	25.2T	0 03,0	0.08	
ŭ		,	•	25.4ए	0.10.5	0.26	
				5,6	0.04.0	0.10	
				5.7	0.14.0	0.35	
				7.1	0.06.5	0.16	
				7. 2ए	0,09.5	0.23	
				7.2वी	0.00 5	0.01	
				8.1	0.07.0	0.18	
				8.2	0.10.5	0.26	
				131.2 ^{rr} ,	0.12.5	0.31	
				131. 2यो	0.03.0	0.08	
				129,3	0.02.0	0.05	
				129.6	0.05,5	0.14	
				129.7	0.11.5	0.29	
				150.ए.1	0.00.5	0.01	
				150.Q.1	0,07.5	0.19	
				150.ए.३	0.07.5	0.19	
				150. ू. उ 150. बी. 2	0.03.0	0.06	
						0.08	
				154.एफ.5	0.07.0		
				153.1	0.02.0	0.05	
				153.2	0.02.0	0.05	
				153.3	0.02.0	0.05	
				152.1	0.18.0	0.44	
				152,2	0.01.5	0.04	
				155€.3	0.07.5	0.19	
				1538.5	0.05.5	0,14	
				153€.6	0.07.5	0.19	
				156.3	0.02.5	0.06	
				156.4্	0.04.0	0.10	
				156.4वी	0.02.5	0.06	
				156.6	0.02.0	0.05	
				156.10	0.04.5	0.11	
				155डी. 4	0.05.0	0,12	
			157, जे. 2	0.07.0	0.18		
				1571.1	0.02.5	0.06	
				1571.2	0.05.5	0.14	
				1571.3ए	0.04,5	0.11	
				15 <b>7एच</b> , 1 157 सम्	0.06.0 0.01.0	$\begin{array}{c} \textbf{0.14} \\ \textbf{0.02} \end{array}$	
				157.एम. 3 157एम. 4	0.01.0	0.02	
				157.एन. 1	0.12.0	0.30	
				157.एग. 3	0.00.5	0.01	
				95.3	0.10.0	0.25	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	विरुवारूर	मन्नारगुकी	073, म्रोरे <b>पूर</b>	203.2डी	0304.0	0.10	
				203. 🗐	0.01.5	0.04	
				203.7	0.10.5	0.26	
				203.8	0.00.5	0.01	
				205. 1ए	0.05.5	0.13	
				205. 1बी 1	0.02.0	0.04	
				205. 1नी 2	0.00.5	0.01	
				205.6	0,04.0	0.10	
				165.1	0.03.0	0.08	
				165.2	0.03.0	0.08	
				165.3	0.0675	0.18	
				170. 1ए	0.09.0	0.22	
				170.2哎	0.05.0	0.12	
				170. 2वी	0.01.0	0.02	
				171.4	0.04.5	0.11	
				171.5	0.07.5	0.19	
				171.6	0,08.0	0.20	
				171.9	0.06.0	0.14	
			171.10	0.01.5	0.04		
				116.3	0,03.0	0.08	
तमिलनाडु	.थिरूवारूर	मन्नारगुड़ी	72 कैल्वाधूर	144.1	0.12.5	0.31	
·			143	0.15.0	0.32		
				141.1页	0.09.0	0.22	
				15.1	0.01.5	0.04	
				16	0.07.5	0.18	
				17	0.15.5	0.33	
				18.3	0.05.5	0.13	
				20.2ए	0.07.5	0.18	
				20. <del>2</del> सी	0.08.0	0.20	
				21.2	0.09.0	0.22	
				40.3भी	0,07.5	0.18	
				40. उसी	0.00.5	0.02	
				41.3ए	0.09.5	0.23	
				42.3	0.07.0	0.17	
				43.2	0.06.5	0.16	
				43.4	0,13.0	0.32	
				45.	0,06.0	0.15	
तमियानाड्	विस्वाकर	मसारगुड़ी	071. यैमपराई	427. 2सी	0.17.0	0.42	
~		-		434.2	0.02.5	0.06	
				434.3	0.04.5	0.11	
				434.4	0,04.5	0.11	
				434,5	0.04.5	0.11	
				434.6	0.03.0	0.08	
				434.7	0.01.0	0,02	
				233.9K	0.04.5	0,11	
				284.5¶	0.00.5	0.01	

1	2	3	. 4	<b>5</b> .	6	7	8
				284.6 ^{cr}	0.01.0	0.02	
				284.6ৰী	0.05.0	0.12	
				284. 7सी	0,00.5	0.01	
				284. 8ए	0.06.0	0.15	
				284.8बी	0.05.5	0.14	
				284.9वी	0.04.0	0.10	
				284.10	0.07.5	0.19	
				284.11ए	0,01.0	0.02	
				284.14	0.05.0	0.12	
				284.15	0.01.0	0.02	
				268.	0.10.5	0.26	
				267.1	0.04.0	0.10	
				267.2	0.01.0	0.02	
				267.3	0.09.5	0.23	
				269.	0, 11.0	0.27	
`	थिम्बारम्	मन्नार <b>गु</b> ड़ी	071, थ <mark>ीनपराई</mark>	270.	0.12.0	0.30	
मलनाडु	14,000	Ť		251.	0.08.0	0.20	
			254.	0.09.5	0.24		
				253.	0.28.5	0.70	
				256.	0.04.0	0.10	
				209.2ए	0.09.0	0.2 <b>2</b>	
				209.2 थी	0.03.5	0.09	
				209. 2 सी	0.05.5	0.13	
				210.15	0.04.5	0.11	
				210.1 भी	0.08.0	0.20	
				210.1 सी	0.01.5	0.04	
				206.5	0.03.0	0.08	
				211.1	0.03.0	0.08	
				211.2ए	0.07.5	0.19	
				211.2 मी	0.12.0	0.30	
				211.3	0.03.5	0.09	
				211.4	0.00.5	0.01	
				212.1	0.04.0	0.10	
				212.2 U	0.01.0	0.02	
				212,2 वी	0.00.5	0.01	
			203.	0.16.0	0.40 0.08		
				196.1Q	0.03.0		
				196.3 V	0,05.5	0,14 0,01	
				196.3 बी 197.5 ए	0.0.5 0.17.0	0.42	
			٠			0.55	
	विक्रवास्टर	मन्नारगुड़ी	6 <i>6;</i> बैल्सूर	168.	0.22.0	0.55	

मन्नारगुड़ी

**चिरूवारू**र

तमिलनाडु

173.1 ए

173.13

175.1页

175.1 वी

175.1 (1 0.04.5

0.14

0,01

0.10

0.13

0.11

0.05.5

0.00.5

0.04.0

0.03.5

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	थिसवास्तर	मन्नारगृड्	ते 6 <b>6, वै</b> ल्लूर	175.1 डी	0.03,0	0.08	
				175.1-€	0.07.5	0.19	
				163. 1 ए 1	0.00.5	0.01	
				163, 1 V 2	0.01.5	0.04	
				163.1 ए 3	0.05.0	0.12	
				163.1 ር 5	0.03.5	0.09	
				163.2	0.00.5	0.01	
				163.3 T	0.05.5	0.13	
				162.2 सी 1	0.05.0	0.12	
				162. 2 सी 2	0.06.0	0.14	
				184.1	0.08.0	0.14	
				184.2	0.00.5	0.01	
				184.3	0.09.5	0.24	
				184.4	0,02.0	0.04	
				161.2 वी 9	0.02.5	0.06	
				161.2 मी 10	0.03.5	0.09	
				161.2 मी 11	0.09.0	0.22	
				187.1	0.21.0	0.52	
				187.2	0.00.5	0,01	
				155,4 U	0.07.0	0.17	
				155.4 वी	0,06.5	0.16	
				154. 尺 2	0.02.5	0.06	
				154. 艾 3	0.08.5	0.16	
				150. 又 2	0.15.5	0.39	
				150. Ų 3	0.07.0	0.17	
				1 5 0वी 1हरू	0.00.5	0.01	
				148ए. 1वी 2	0.10.0	0.25	
				148.尺 4	0.01.0	0.02	
				147,2€	0,00.5	0.01	
				151.1ए [¶]	0.13.5	0,33	
				151,1मी	0.12.0	0,30	
				151.1 सी 🖁	0.00.5	0.01	
				146.2372	0.04.0	0.10	
				146.2 श्री 3	0.03.5	0.09	
				146. 2 <del>€</del>	0.00.5	0.01	
				143,2	0.02.5	0.06	
समिलनाडु	<b>यिक्वा</b> रूर	मश्चारगुड़ी	66-1, राधा- नरसिमापुरम	516.4	0.05.5	0.13	
समिलनाष्	थिख्यास्टर	मझारगुड़ी	067, थिरुमा-	23.1	0.07.5	0.18	
7		-	कोट्टाई	23. 2 ए	0.03.0	0.08	
				23, 2वी	0.04.5	0,11	
				171.1 g	0.00.5	0.01	
				171.1वी	0.09.0	0,22	
				171,2	0.01.0	0,03	

<del></del>		1		2	3	4
तमिलनाङ्	थिस्वाहर	मन्नारगृङ्गी	0 6 7, थिरूमा-	171.3	0.00.5	0.01
			कोट्टाई	171.6	0.04.0	0.10
				171.7	0.00.5	0.01
				171.14	0,05,0	0.12
				171.5	0.02.0	0.05
				172.3	0.06.0	0.15
				174,1बी1	0.00.5	0.01
				174.1सी	0.04.5	0.11
				174.1 डी	0.04.0	0.10
				174.18	0.00.5	0.01
				174.1एफ	0.03.0	0.08
				174.1 औ	0.06.0	0.15
				173.2वी	0.01.0	0.02
				176.1 ማ	0.04.5	0.11
				176.2	0.05.5	0.13
				176.3	0.14.0	0.35
				176.4 की	0.03.0	0.08
				177.8	0.01.0	0.02
				190.5	0.06,5	0.16
				190.7	0.01.0	0.02
				191.8सी 1	0.06.0	0.15
				191,8सी2	0.02.0	0.05
				191.9ৰী	0.01.5	0.04
				191.10	0,04.0	0,10
				530.1वी	0,11,5	0.29
				530. 2ए	0,03,0	0.08
				530.2वी	0,01.0	0,02
				530, <b>2</b> सी	0.00.5	0.01
				530.2डी	0.11.0	0.27
				530. 2एफ	0.01.0	0.02
				511.4U	0.07.5	0.19
				511.4वी	0.08.0	0.20
				510,3	0.00.5	0.01
				512.1ए	0.00.5	0.01
				513.	0,08.0	0.20

[सं. एल. —14016/2/97——जी. पी.] श्रार्ट. एस. एन. श्रसाद, उप मचिव

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2652.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Nallur Early Production System to Thirumakottai TNEB in Tamil Nadu State pipeline should be laid by the Gas Auhtority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

inow, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Scetion 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Nagapattinam.

And every percontinuiting such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

## NALLUR EARLY PRODUCTION SYSTEM TO THIRUMAKOTTAI TNEB GAS PIPELINE **PROJECT**

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
			Name	Nutitoei	In Hectares	In Acre Cent	
I	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	74. Nallur	25 2 <b>A</b>	0.03.0	0.08	
		_		25.4A	0.10.5	0.26	
				5.6	0.04.0	0.10	
				5.7	0.14.0	0.35	
				7.1	0.06.5	0.16	
				7.2 A	0.09.5	0.23	
				7.2 B	0.00.5	0.23	
				8.1	0.07.0	0.18	
				8.2	0.10.5	0.26	
				131.2A	0.12.5	0.31	
				131.2B	0.03.0	0.08	
				129.3	0.02.0	0.05	
				129.6	0.05.5	0.14	
				129.7	0.11.5	0.29	
				150.A.1	0.00.5	0.01	
				150.A.2	0.07.5	0.19	
				150.A.3	0.07.5	0.19	
				150.B.2	0.03.0	0.06	
				154.F.5	0.07.0	0.18	
				153.1	0.02.0	0.05	
				153.2	0.02.0	0.05	
				153.3	0.02 0	0.05	
				152.1	0.18.0.,		
				152.2	0.01.5	0.04	
				155E.3	0.07.5	0.19	
				153E.5	0.05.5	0.14	
				153E.6	0.07.5	0.19	
				156.3	0.02.5	0.06	
				156,4A	0.04.0	0.10	
				156.4B	0.02.5	0.06	
				156.6	0.02.0	0.05	
				156.10	0.04.5	0.11	
				155D.4	0.05.0	0.12	
				157 J.2	0.07.0	0.18	
				157J.1	0.02.5	0.06	
				157I.2	0.02.5	0.00	
				1571.2 1571.3A	0.04.5	0.14	
				157H.1	0.06.0	0.14	
				157M.3	0.01.0	0.02	
				157M.4	0.07.5	0.19	
				157N.1	0.12.0	0.30	
				157N.3	0.00.5	0.01	
				95.3	0.10.0	0.25	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	073 Orathur	203.2D	0.04.0	0.10	
				203.6B	0.01.5	0.04	
				203.7	0.10.5	0.26	
				203.8	0.00.5	10.0	
				205.1A	0.05.5	0.13	
				205.1B1	0.02.0	0.04	
				205.1B2	0.00.5	0.01	
				205.6	0.04.0	0.10	
				165.1	0.03.0	80.0	
				165.2	0.03.0	0.08	
				165.3	0.07.5	0.18	
				170.1A	0.09.0	0.22	
				170.2A	0.05.0	0.12	
				170.2B	0.01.0	0.02	
				171.4	0.04.5	0.11	
				171.5	0.07.5	0.19	
				171.6	0.88.0	0.20	
				171.9	0.06.0	0.14	
				171.10	0.01.5	0.04	
				116.3	0.03.0	0.08	
4. 4		<b>.</b>					
milnadu	Thiruvarur	Mannargudi	72 Keluvathur	144.1	0.12.5	0.31	
				143.	0.13.0	0.32	
				141.1A	0.09.0	0.22	
				15.1	0.01.5	0.04	
				16	0.07.5	0.18	
				17	0.15,5	0.33	
				18.3	0.05,5	0.13	
				20.2A	0.07.5	0.18	
				20.2C	0.88.0	0.20	
				21.2	0.09.0	0.22	
				40.3B	0.07.5	0.18	
				40.3C	0.00.5	0.02	
				41.3A	0.09.5	0.23	
				42.3	0.07.0	0.17	
				43.2	0.06.5	0.16	
				43.4	0.13.0	0.32	
				45.	0.06.0	0.15	

[HIN TT	<del></del>		व : पश्तूबर 11,1997 पा।		<del></del>	<u> </u>	#: 
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	071 Thenparai	427.2C	0.17.0	0.42	_ ~
				434.2	0.02.5	0.06	
				434.3	0.04.5	0.11	
				434.4	0.04.5	0.11	
				434.5	0.04.5	0.11	
				434.6	0.03.0	0.08	
				434.7	0.01.0	0.02	
				283.9A	0.04.5	0.11	
				284.5D	0.00.5	0.01	
				284.6A	0.01.0	0.02	
				284.6B	0.05.0	0.12	
				284.7C	0.00.5	0.01	
				284.8A	0.06.0	0.15	
				284.8B	0.05.5	0.14	
				284.9B	0.04.0	0.10	
				284.10	0.07.5	0.19	
				284.11A	0.01.0	0.02	
				284.14	0.05.0	0.12	
				284.15	0.01.0	0.02	
				268.	0.10.5	0.26	
				267.1	0.04.0	0.10	
				267.2	0.0*.0	0.02	
				267.3	0.09.5	0.23	
				269.	0.11.0	0.27	
				270.	0.12.0	0.30	
				251.	0.88.0	0.20	
				254.	0.09.5	0.24	
				253.	0.28.5	0.70	
				256.	0.04.0	0.10	
				209.2A	0.09.0	0.22	
				209.2B	0.03.5	0.09	
				209.2C	0.05.5	0.13	
				210.1A	0.04.5	0.11	
				210.1B	0.88.0	0.20	
				210.1C	0.01.5	0.04	
				206.5	0.03.0	0.08	
				211,1	0.03.0	80.0	
				211.2A	0.07.5	0.19	

1	2	3	· 4	5	6	7	8
Tamilna lu	Thiruvarur	Mannargudi	071 Thenparai	211.2B	0.12.0	0.30	·
			•	211.3	0.03.5	0.09	
				211.4	0.00.5	0.01	
				212.1	0.04.0	0.10	
				212.2A	0.01.0	0.02	
				212.2B	0.00.5	0.01	
				203.	0.16.0	0.40	
				196.1A	0.03.0	0.08	
				196.3A	0.05.5	0.14	
				196.3B	0.00.5	0.01	
				197.5A	0.17.0	0.42	
amilnadu	Thiruvarut	Mannargudi	66 Vallur	168.	0.22.0	0.55	
GIMITING S	1 22-1			173.1A	0.05.5	0.14	
				173.13	0.00.5	0.01	
				175.1A	0.04.0	0.10	
				175.1B	0.05.5	0.13	
				175.1C	0.04.5	0.11	
				175.1D	0.03.0	0.08	
				175.1E	0.07.5	0.19	
				163.1Al	0.00.5	0.01	
				163.1A2	0.01.5	0.04	
				1 <b>63.1A</b> 3	0.05.0	0.x2	
				163.1A5		0.09	
				163.2	0.00.5	0.01	
				163.3A	0.05.5	0.13	
				162.2C1	0.05.0	0.12	
				162,2C2	0.06.0	0.14	
				184,1	0.06.0	0.14	
				184.2	0.00.5	0.01	
				184.3	0.09.5	0.24	
				184.4	0.02.0	0.04	
				161,2 <b>B</b> 9	0.02.5	0.06	
				161,2B10		0.09	
				161.2B11	U,U <b>Y</b> ,()	0.22	

1	)	1	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	:66 .Vallur	187.2	0.00.5	0.01	
				155.4A	0.07.0	0.17	
				155.4B	0.06.5	0.16	
				154.A.2	0.02.5	0.06	
				154.A.3	0.06.5	0.16	
				150.A.2	0.15.5	0.39	
				150.A.3	0.07.0	0.17	
				150B.1A	0.00.5	0.01	
				148A.1B2	0.10.0	0.25	
				148A.4	0.01.0	0.02	
				147.2E	0.00.5	10.0	
				151.1A	0.13.5	0.33	
				151.IB	0.12.0	0.30	
				151.1C	0.00.5	0.01	
				146.2D2	0.04.0	0.10	
				146.2D3	0.03.5	0.09	
				146.2E	0.00.5	0.01	
				143.2	0.02.5	0.06	
II I		Mannargudi	66-1	516.4	0.05.5	0.13	
Tamilnadu	Thiruvarur	Manualgudi	Radha Narasi-	310.4	0.05.5	0.15	
			mapuram				
Tamilnadu	Thiruvarur	Manaargudi	067	23.1	0.07.5	0.18	
			Thirumakkottai	23.2A	0.03.0	0.08	
				23.2B	0.04.5	0.11	
				171.1A	0.00.5	0.01	
				171.1B	0.09.0	0 22	
				171.2	0.10.0	0.03	
				171.3	0.00.5	0.01	
				171.6	0.04.0	0.10	
				171.7	0.00.5	0.01	

4968 T	HE GAZETT	E OF INDIA :	OCTOBER 11, 1997/A	SVINA 19,	1919	[Part II	.—Sec. 3(ii)]
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Ttiruvarur	Mannargudi	Thirumakkottai 067	171,14	0,05,0	0.12	
				171.5	0.02.0	0.05	
				172.3	0.06.0	0.15	
				174.1Bl	0.00.5	0.01	
				174.1C	0.04.5	0.11	
				174.1D	0.04.0	0.10	
				174.1E	0.00.5	0.01	
				174.1F	0.03.0	0.08	
				174.1G	0.06.0	0.15	
				173.2B	0.01.0	0.02	
				176.1A	0.04.5	0.11	
				176.2	0.05.5	0.13	
				176.3	0.14.0	0.35	
				176.4B	0.03.0	0.08	
				177.8	0.10.0	0.02	
				1 <b>90</b> .5	0.06.5	0.16	
				190.7	0.01.0	0.02	
				191.8C1	0.06.0	0.15	
				191.8C2	0.02.0	0.05	
				191.9B	0.01.5	0.04	
				191.10	0.04.0	0.10	
				530.1B	0.11.5	0.29	
				530.2A	0.03.0	0.08	
				530.2B	0.01.0	0.02	
				530.2C	0.00.5	0.01	
				530.2D	0.11.0	0.27	
				530.2F	0.10.0	0.02	
				511.4A	0.07.5	0.19	
				511.4B	0.8.0	0.20	
				510.3	0.00.5	0.01	
				512.1A	0.00.5	0.01	
				513.	0.08.0	0.20	

[No. L-14016/2/97-G.P.] J.S.N. PRASAD, Dy. Scey.

			(1)	(2)	(3)
				156 / 3	0.200
				157	0.070
7	नई दिल्ली, 6 अक्तूबर, 19	97		158 / 1	0,290
				191	0.020
				193	0.430
का. आ. 26!	53.— केन्द्रीय सरकार व	ो यह प्रतीत होता है		263 / 196	0.050
	आवश्यक है कि गुजरात		गुलजारपुरा	6	0,410
मध्य प्रदेश राज्य में	बीना तक पेट्रोलियम उत	गतो के परिवहन के	3 3	7/2	0.020
	रेफाईनरीज लिमिटेड द्वारा			8	0.120
गानी चाहिए ;	THE TOTAL	वाक्तरवाक्त विकास		24	0.010
1111 711471				25	0,210
				26	0.520
	सी पाइपलाइन बिछाने के !	•		27	0.060
	<b>बद्ध अनुसूची में वर्णित</b> १	र्मि में, उपयोग का		28	0,110
मधिकार अर्जित करन	ना आवस्यक है ;			30	0.060
				34 / 2	0.000
<b>313.</b> 35	ब, केन्द्रीय सरकार, पेट् <mark>रो</mark>	निसाध और स्व <del>टि</del> न		34 / 3 अ	0.253
	म, कन्द्राय संस्कार, पट्टा उपयोग के अधिकार का		कानहियाखेडी	34/3 31 2	0.100
U.,		·	<u> બાગાહવાલ</u> ફા	8	
	ा 50) की धारा 3 की				0.030
वित्त शाक्तया का	प्रयोग करते हुए, उनमें	उपयाग के अधिकार		10	0.150
गाजत करन का आः	शय घोषित करती है;			12 / 3	0.080
				13 / 1	0 060
उयत अन्	सूची में वर्णित भूमि में वि	हेतबद्ध कोई व्यक्ति.		13 / 2	0 150
पारत के राजपत्र में	, यथाप्रकाशित इस अधि	सिचना की प्रतियाँ		13 / 3	0.120
	उपलब्ध करा दिए जाने			16	0.500
	ीतर, उनमें उपयोग के आ		रतनपुरा	59	0 250
	बिछाने के सम्बन्ध में आ			60	0.010
-\	सक्षम प्राधिकारी , भारत			62	0.010
	जैन तख्त् <b>मल कॉलोनी</b> ,			69	0.030
	)01, म. प्र. को कर सकेग			70	0.280
18, 1414411-4040	ग्रा, म. त्र. भा फरलक्षा	1		71	0.080
	_			73	0.260
	अनुसूची			80	0.020
	<del>-</del> -1			84	0.016
<b>ाहसील :</b> ब्यावरा	जिला : राजगढ़ राष	न्य : मध्य प्रदेश		92	0.010
	<del></del>	<del></del>		94	0.135
ाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र		95	0.100
		हैक्टेयर/आरे		112 / 83	0.100
(1)	(2)	(3)	पॅक्ट <del>न</del>	5	0.000
बांकपुरा	24/2	0.800	भूँकनी	11/2	0.010
·· "•"	59	0,260		11 / 2	0.020
	67	0.140		13	0.020
	68/2	0.080		21	0.010
	140 / 2	0.070		22	0.030
	141	0.041		23	0.130
	142	0.080		24	0.120
	143	0.070		25	0.160
	154	0.145		26	0.150

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	28	0.010		110	0.170
	34 / 1	0.030		111	0.220
	35	0.250		112	0.260
बरखेड़ी	64	0.020		114	0.070
	66 / 1	0.035		147	0.050
	66 / 2	0.110		149	0.050
	67 / 1	0.120		150	0.100
	67/2	0.170		182 / 2	0,100
	68/2	0.040		183	0.070
	69 / 1	0.030		184	0.090
	95 / 1	0,010		185	0.120
	95 / 2	0.080		186	0.090
	96 / 1	0.110		187	0.085
	96/2	0.070		189	0.030
	97	0.020		559	0.020
	104	0.330		564 / 2	0.020
	105	0.160		602	0.020
	108 / 1	0.010		606	0.100
	108 / 2	0.010		607	
	112	0.130		608	0,360 0,120
	118	0.250		613	
	119/1	0.050		618 / 2	0.350
	119/1	0.050			0,280
	121	0.031		618/3	0.290
	122 / 1			618 / 4	0.290
	122 / 1	0.120		618 / 5	0.100
	123	0.130		622 / 2	0.470
	124	0.010		623 / 1	0,180
		0.060		624 / 2	0.020
	127	0.010		628 / 2	0.020
	142	0.040		772 / 614	0.250
	144	0.030		773 / 614	0,050
	145	0.280		774 / 614	0.020
	150	0.010		777 / 615	0.440
	151	0.110	देयरी खेड़ा	9/2	0.040
	152	0,140		9/3	0.350
	154	0,290		10	0.010
	155	0.220		11	0.010
	160	0.250		30 / 2	0.100
	163	0.050		30 / 4	0.380
	164	0.070		40 / 1	0.650
	165	0.010		41	0.280
`	210 / 153	0.015		42 / 4	0.140
ापानेस	85	0.290		82 / 1	0.190
	86	0.530		82 / 3	0.020
	87	0.070		82 / 5	0,500
	96 07	0.270		85/2/1	0,060
	97	0.150		85/2/2	0.070
	98 109	0.130 0.120		86 / 3 86 / 4	0.040 0.370

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	116/41/1	0,150	<del></del>	222	0.240
	116 / 41/2	0.120		223 / 2	0.220
	116 / 41/3	0.095		225	0.700
	116 / 41/ 4	0.175		226	0.010
	130 / 41	0.480		227	0.090
	134 / 41	0.280		228	0.020
गोलाखेडा	1/1	0.010		236	0.360
	1/2	0.330		528	0.180
	1/316	0.170	पिपतिया पेड़ात	32	0.051
	1/4/1	0.180		57	0.040
	1/4/2	0.180		58	0.070
	1/5	0.160		59	0.430
	1/6	0 050		60	0.130
	1 / 12 / 1	0.590		61 / 1	0.230
	1 / 13	0.030		62 / 1	0.140
	1 / 14	0.290		62 / 2	0.120
	1/18/1	0.425		63 / 2	0.350
	1 / 26	1,130		63 / 4	0.240
	1 / 27	0.040		64	0,090
	1 / 29	0.250		65 / 5	0.120
	1/33	0.400		68	0.590
	1/36	0.010		81	0.051
	2	0,260		89	0.170
	13 / 1	0.080		91	0.025
	182 / 2	0.220		92	0.024
रायपुरा	49	0.041		93	0.060
	50	0.230		94 / 1	0.310
	51	0.190		94 / 2	0.290
	52 / 1 / 1	0.140		276 / 11	0 320
	53 / 2	0.300	भगवानपुरा	5	0.470
	53 / 5 / 2	0.320	3	6	0.260
	62	0.170		12/2	0.100
	64 / 1			18	0.320
	64 / 2	0.520	लालपुरा उर्फ रामपुरा	4 / 4	0.110
	76	0.100	, ,	10/3	0.160
	77	0.330		15	0.330
	78	0.950		24	0.260
	<b>7</b> 9	0.400		25 / 1	0.410
	80	0.230		25 / 2	0.230
	81	0.180		25/3	0.070
	173 / J	0.310		27	0.025
	173 / 2	0.250		38	0.150
	176	0.150		45	0.140
	177	0.290		46	0.050
	173	0.140		48 / 1	0.760
	183	0.010		48 / 2	0.040
	184	0.300		50	0.010
	185	0.230		53 / 1	0.080
	186	0.090	<del></del>		
	188 189	0.420 0.060	Ī	सं. आर-31015/2 <b>7</b> /9	<b>97-</b> ओआर.II 🛚

·	(1)	(2)	(3)
		68 / 2	0.08
New Delhi, the 6th October, 1997		140 / 2	0.07
		141	0.04
S.O. 2653.— Whereas it appears to the		142	0.08
Central Government that it is necessary in the		143	0.07
public interest that for the transport of		154	0.14
petroleum products from Vadinar in the State		155	0.01
of Gujarat to Bina in the State of Madhya		156 / 3	0.20
Pradesh, pipelines should be laid by the		157	0.07
Bharat Oman Refineries Limited;		158 / 1	0.29
•		191	0.02
A lasterne that Coaterne man of		193	0.43
And whereas that for the purpose of		263 / 196	0.05
laying such pipelines, it is necessary to	Guljarpura	6	0.41
acquire the right of user in the lands described		7/2	0.02
in the Schedule annexed to this notification;		8	0.12
		24	0.01
Now, therefore, in exercise of the		25	0.21
powers conferred by sub-section (1) of the		26	0.52
section 3 of the Petroleum and Minerals		27	0.06
Pipelines (Acquisition of the Right of User in		28	0.11
Land) Act, 1962 ( 50 of 1962), the Central		30	0.06
Government hereby declares its intention to		34/2	0.14
acquire the right of user therein;		34 / 3 अ	0.25
,	Kanadiya Khedi	2	0.10
A		8	0.03
Any person interested in the lands		10	0.15
described in the said Schedule may within		12/3	80,0
twenty-one days from the date on which the		13 / 1	0.06
copies of the notification, as published in the		13 / 2	0.15
gazette of India are made available to the		13 / 3	0,12
general public, object in writing to the		16	0.50
acquisition of the right of user therein or	Ratanpura	59	0.25
laying of the pipelines under the land to Shri		60	0.01
Deepak Deshpande, competent authority,		62	0.01
Bharat Oman Refineries Limited. 31Ward,		69	0.03
Jain Takhtmal Colony, Civil Line, Main Road,		70	0.28
Vidisha 464-001, Madhya Pradesh.		71	90.08
		73	0.26
Schedule		80	0.02
		84	0.01
Tehsil: Biaora Dist: Rajgarh State: Madhya Pradesh		92	0.01
Name of Village Survey No. Area		94	0.13
Hectare/Are		95	0.10
	To 1 .	112 / 83	0.06
(1) (2) (3)	Bhunkni	5 11 / 2	0.01
		11/7	0.02
Bankpura 24 / 2 0.800 59 0.260		12	0.02

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	21	0.030		96	0.270
	22	0.160		97	0,150
	23	0.130		98	0,130
	24	0.120		109	0.120
	25	0.160		110	0.170
	26	0.150		111	0,220
	27	0.250		112	0.260
	28	0.010		114	0.070
	34 / 1	0.030		147	0.050
	35	0.250		149	0,050
Barkhedi	64	0.020		150	0.100
	66 / 1	0.035		182 / 2	0.100
	66 / 2	0.110		183	0.070
	67 / 1	0.120		184	0,090
	67 / 2	0.170		185	0.120
	68 / 2	0.040		186	0.090
	69 / 1	0.030		187	0.085
	95 / 1	0.010		189	0.020
	95/2	0.080		559	0.220
•	96 / 1	0.110		564 / 2	0.020
	96 / 2	0,070		602	0.280
	97	0.020		606	0.100
	104	0.330		607	0.360
	105	0.160		608	0.120
	108 / 1	0.010		613	0.350
	108 / 2	0.130		618/2	0.280
	112	0.280		618/3	0.290
	118	0.050		618/4	0.290
	119/1	0.050		618/5	0.100
	119/2	0.060		622 / 2	0.470
	121	0.031		623 / 1	0.180
	122 / 1	0,120		624 / 2	0,020
	122 / 2	0.130		628 / 2	0.020
	123	0.010		772 / 614	0.250
	124	0.060		773 / 614	0.050
	127	0.010		774 / 614	0.030
	142	0.040		777 / 615	0.440
	144	0.030	Devari Kheda	9/2	0,040
	145	0.280	Dovari itioda	9/3	0,350
	150	0.010		10	0.010
	151	0.110		11	0.010
	152	0.140		30/2	0.100
	154	0.290		30 / 4	0.380
	155	0.230		40 / 1	0.650
	160	0.250		41	0.030
	163	0.250		42 / 4	0.280
	163 164	0.030		82 / 1	0.140
	16 <del>4</del> 165	0.070		82 / 3	0.190
	210 / 153	0.015		82 / 5	0.500
Napanera	85	0.290		85/2/1	0.060
	86	0.530		85/2/2	0.070
	87	0.070		86/3	0.040

<del>1</del> 97 <del>1</del>	THE GAZETTE C	OF INDIA : OC	TOBER 11, 1997/ASVINA 1	.9, 1919	[Part II—Sec. 3(ii)
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	86 / 4	0.370		222	0.240
	116 / 41/ 1	0.150		223 / 2	0.220
	116 / 41/ 2	0,120		225	0.700
	116/41/3	0.095		226	0.010
	116 / 41/ 4	0.175		227	0.090
	130 / 41	0.480		228	0.020
	134 / 41	0.280		236	0.360
Gola Kheda	1/1	0.010		528	0.180
	1/2	0.330	Pipaliya pedat	32	0.051
	1/316	0.170		57	0.040
	1/4/1	0.180		58	0.070
	1/4/2	0.180		59	0,430
	1/5	0.160		60	0.130
	1/6	0.050		61/1	0.230
	1 / 12 / 1	0.590		62 / 1	0.140
	1 / 13	0.030		62 / 2	0.120
	1 / 14	0,290		63 / 2	0.350
	1/18/1	0.425		63 / 4	0.240
	1 / 26	1,130		64	0.090
	1 / 27	0.040		65/5	0.120
	1/29	0.250		68	0.590
	1/33	0.400		81	0.051
	1 / 36	0.010		89	0.170
	2	0.260		91	0.025
	13 / 1	0.080		92	0.024
	182 / 2	0.220		93	0.060
Raipura	49	0.041		94 / 1	0.310
•	50	0.230		94 / 2	0.290
	51	0.190		276 / 11	0.320
	52 / 1 / 1	0.140	Bhagwan pura	5	0.470
	53 / 2	0.300		6	0.260
	53 / 5 / 2	0.320		12/2	0.100
	62	0.170		18	0.320
	64/1		Lalpura(Rampura)	4/4	0,110
	64/2 J	0.520	<b>-</b>	10/3	0.160
	76	0.100		15	0.330
	77	0.330		24	0.260
	78	0.950		25 / 1	0.410
	79	0.400		25/2	0.230
	80	0.230		25/3	0.070
	81	0.180		27	0.025
	173 / 1	0,310		38	0.150
	173 / 2	0.250		45	0,140
	176	0.150		46	0.050
	177	0,290		48 / 1	0,760
	178	0.140		48 / 2	0.040
	183	0.010		50	0.010
	184	0.300		53 / 1	0.080
	185	0,230	<del></del>		
	186	0.090			
	188	0,420	[ No	o. <b>R-</b> 31015/	27/9 <b>%</b> OR. II ]
	189	0,060		C Katoo	h, Under Secy.
	191	0.340		s. C. Isaluci	n, Onder Becy.

[भाग II—खण्ड 3(ii)]	भारत	का राजपत्र : अक्तूबर 1	1, 1997/आश्विन 19, 1919	)	4975
-			(1)	(2)	(3)
			<u></u>	76	0.190
				77	0.506
नई 1	दिल्ली, 6 अक्तूबर, 1997			80	0.342
	· (( ( ( ) ) 0 = ( ) ( ( ) ( ) 1) / /			81	0.114
क्या भग १६६४				82	0,468
	— केन्द्रीय सरकार को य			83	0.240
	स्यक है कि गुजरात राज्य			84	0.379
	तक पेट्रोलियम उत्पादो व			86	0.025
	रीज लिभिटेड क्वारा पाइप	लाइन बिछाई जाना	देवी टोरी	145 / 2	0.354
चाहिए ;			सादिक गंज	115	0.177
4		0 ( ))		118	0.405
	य सरकार को उक्त पाइपर			119	0.228
	। अधिसूचना से उपावद्ध			151	0.013
भूाम म, उपयाग का अ	प्रधिकार अर्जित करना आव	क्यक ह ;		155	0.278
	<u> </u>	e C		156	0.240
अतः, अय	ा, केन्द्रीय सरकार, पेट्रो	लयम आर खानज		157	0.013
	उपयोग के अधिकार का			158	0.126
	⁽⁵⁰⁾ की धारा 3 की			166	0.051
	प्रयोग करते हुए, उनमें			167	0 430
का अजैन करने के अ	ाशय की घोषणा करती है	;		168	0.025
	0 x -cc - C x C	S - SE O	पीपला खेड़ा	151 )	
उषत अनुर	रूची में वर्णित भूमि में ी	हतमञ्ज कोई व्यक्ति,		152 }	
	को भारत के राजपत्र में,			153 J	0.481
	गॅं साधारण जनता को उप			157	0,607
	भीतर, भूमि के नीचे पा			158	0.038
and the second s	प्रयोग के अधिकार का	·		164	0.357
	तक्षम प्राधिकारी, श्री दीप			167	0.070
	योजना, भारत ओमून रिप			168	0.160
	रमल कॉलोनी, सिविल			172	0.025
विदिशा-464001 (	मध्य प्रदेश) को कर सकेग	π (		310	0.531
				311	0.392
	ਅਤੁਸਾ≆ੀ		पाटन	i	0,670
	अनुसूची			6	1.012
<b>तहसील</b> : सिरोंज	जिला : विविशा र	ाज्य : मध्य प्रदेश		11	0.063
	_ <del></del>			12	0.089
गोंव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र		13	0.152
		हैक्टेयर/आरे		14	0.164
(1)	(2)	(3)		15	0.126
—— <u>\^//</u> मामरोद	37	0.392		16	0.101
11114	47	0.025		20	0.291
	50	0.468		21	0.215
				22	0.025
	52	0.114		36	0.468
	53	0,266		120	0.013
	54	0.126		121	0.139
	56 57	0.139		122	0.417
	57	0.291		123	0.038
	74	0.316	ਕਗਵਾਲ	136	0.051
	75	0.063	जलालपुरा	53	0.152

THE GAZETTE OF INDIA	: OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19	), 1919

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
(-)	54	0.303		1088	1.290
	56	0.304		1090	0.140
	57	0,038		1126	0.026
	58	0.013		1129	0.063
	59	0,253		1130	0.291
	60	0.013		1131	0.026
	61	0.063		1132	0.013
	62	0.190		1133	0.215
	63	0,139		1135	0,417
	64	0.089		1136	0.013
	70	0.076		1137	0.063
	71	0.126		1141	0.745
	99 / 1	0.038	A	230	0.743
	101	0.646	पामाखेड़ी	232	0.025
	101	0.040			
				245	0.013
	104	0.101		249	0.240
	105	0,607		250	0.312
	110 / 1	0.266		251	0.114
	110 / 2	0.025		253	0.164
कल्याण <u>पु</u> र	21	0.215		254	0,126
	27	0,152		255	0.190
	29	0,063		257	0.139
	30	0.038		279	0.152
	31	0.552		280	0.506
	34	0.196		281	0.291
	34	0.196		282	0.038
	35	0.316		427	0.220
	37	0.316		428	0.379
	38	0.404		429	0.038
	39	0.202		430	0.013
	39	0.202		431	0.367
	65	0.013		432	0.089
	66	0.481		433	0.342
	67	0.481		454	0.051
	68	0.026		457	0.139
	73	0.063		680	0.089
	74	0.506		681	0,076
	75	0.443		682	0.051
	76	0,443		683	0.089
	77	0,342		684	0.126
	79	0.391		685	0.215
करना सिरोंज	43	0.114		703	0.077
	47	0.316		704	0,026
	48	0.253		705	0.038
	53	0.026		707	0,038
	57	0.405		708	0.620
	59	0,650		719	0.417
	77	0.810		720	0.038
	77	0.810		721	0.582

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	725	0.708		766	0.419
	726	0.114		769	0,316
	730	0.051		839	0 202
	737 / 840	0.013		840	0.696
	738	0.607		858	0,595
	741	0.152		859	0,013
	745	0.177		860	0.152
	746	0,594		861	0.354
	747	0.266		862	0.051
	766	0.177		1627	0.810
	767	0,407		1629	0.272
	<del>7</del> 69	0.202		1651	0.320
	770	0.038		1652 / 1	0 506
पनी रागपुर	1	0.063		1655	0,190
	3	0.190	रफसोस	20	0.114
	4	0.089	CIVINI	21	0.557
	8	0,013		22	0.228
	9	0.506		23	0,228
	10	0.430		24	0.089
	11	0.114		110	0.051
	13	0.455		118	0.152
बमुरियाउदा	451	0.253		119	0.038
131(4104)	453	0.544		120	0.038
	491	0.417		121	0.228
	493	0,532		126	0.139
	487	0.089		127	0.139
	488	0.089		127	
	503	0.405		130	0.089
	504	0.403			0.013
	505	0.443		131	0.468
	512	0,595		143	0.202
	513	0.026		144	0.013
	518	0,005		145	0.101
	566	0.329	एचन बाड़ा	226	0,076
	563	0.013		227	0.114
गगरोद	116	0.013		233	0.215
	117	0.797		235	0.240
	119	0.417		237	0.126
षाठौती	632	0.949		238	0.113
	636	0,430		239	0.076
	637	0.126		240	0.142
	638	0.190		246	0 013
	639	0.139		247 248	0.228 0.013
	643	0.190		248 282	0.013
	645	0.430		286	0 253
	647	0.126		287	0.531
	758	0,582		301	0.038
	759	0.013		302	0.253
	760	0,228		303	0.215

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	304	0,126		272	0.038
	308	0,303		273	0.026
	309	0,114		274	0.026
	311	0.164	રાजપુરા	107	0.139
	312	0.026	4434	108	1.000
	313	0,164		109	0.279
	318 / 7	0,013		111	0.190
	319/1	0.127		113	0,190
	319 / 2	0.294		114	0.253
	320	0.013			
	321	0.051		116	0.228
	322	0.114		122	0.228
	323	0.114		123	0.051
	324	0.038		124	0,051
r	328	0.164		125	0.089
	327	0.051		126	0.038
	330	0.126		127	0.013
	335	0.038		128	0.114
	336	0,114		129	0,063
	337	0.051		132	0,063
	338	0.051		133	0,063
	340	0.038		136	0,139
अधाई खेढ़ा	125	0.094		137	0.076
	128 / 1	0,531		160	0.025
	129 / 1	0.026		164	0.051
	130 / 1	0.576		165	0 087
	131	0,450		166	0,177
	132	0.013		167	0,228
	133	0.215		175	0.228
	134	0,076		176	0,202
	242	0,078		177	0.010
	243	0.215	बरेज	142	0.030
	244	0.213		143	0.040
	246			144	0.140
	249	0.126		408	0,101
		0.177		409	0.152
	250	0.038		412	0.038
	251	0.073		413	0.215
	252	0.013		414	0.215
	262	0.089		415	0.177
	263	0.443		416	0.013
	264	0.013		417	0.320
	266	0.038		417	0.177
	267	0.278		427	0.281
	270 / 1	0.140		420	0.201

270 / 1

270 / 2

0.140

0.230

428

429 / 1

0.417

0.190

111 [] Gros 3(11) ]			।६ ।।, १५५//ध्नाहिशन ।५	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	429 / 2	0.519		46	0,051
	430	0.013		47	0.139
	431	0.190		48	0.397
करनाताल	28	0.152		50	0.278
	29	0,164		51	0.177
	31	0.405		60	0.319
	56	0.063		61	0.013
	57	0,038		65	0.089
	59	0.188		67	0.038
	60	0.324		68	0.329
	63	0.324		70	0.051
	107	0.304		71	0.190
	108	0.063		91	0.354
	109	0.209		92	0.114
	113	0.021		94	0.114
	118	0.167		95	0.013
	119	0.063		102	0.405
	<b>120 /</b> 1	0.072		103	0.202
	120 / 2	0.052		104	0,202
	121	0.465	नारखे <b>ड</b> ा ताल	61	0.188
	122	0.418		64	0.157
	123	0.042		296	0.139
	126	0.470		396	0.836
	127	0.072		403	0.312
	232	0.582		404	0.031
	241	0,240		405	0.188
	242	0.076		407	0 534
	246	0.266		410	0.114
	255	0.025		425	0.450
	256	0.278		426	0.470
	262 / 789	0,316		427	0.187
	263	0.215		428	0.515
	268	0.360		429	0.013
	269	0.582		430	0.523
	270 / 1	0.051		431	0.013
	291	0.341		432	0.240
	292	0.240		458	0.038
	293	0.076		468	0.721
	294	0.013		469	0.139
तवा मगर	18	0.164		470	0.089
	23	0.240		471	0.032
	24	0.361		472	0.477
				476	0.015
	31	0.376		500	0 367
	35	0.038		,11/1	(1.50)
	42	0.013			_
	43	0.330		[ सां. आर- 31015/3।	./97-ओआर.[[]
	45	0.430		<del>- 4-</del> -	ह्योच, अवर सचिव

22

0.025

	(1)	(2)	(3)
		53	0 266
New Delhi, the 6th October, 1997		54	0 126
New Delin, the offi October, 1997		56	0.139
5.0. 2681 1111		57	0.291
S.O. 2654.— Whereas it appears to the		74	0.316
Central Government that it is necessary in the		75	0,063
public interest that for the transport of		76	0.190
petroleum products from Vadinar in the State		77	0.506
of Gujarat to Bina in the State of Madhya		80	0.342
Pradesh, pipelines should be laid by the		81	0.114
Bharat Oman Refineries Limited;		82	0.468
		83	0.400
And whereas the Central Government		84	0.379
or the purpose of laying the said pipeline, it		86	0.025
s necessary to acquire the right of user in the	Devi Tori	145 / 2	0.354
and described in the Schedule annexed to this	Siddik Ganj	115	0.177
notification;	Siddik Galij	118	0.177
		119	0.403
Now, therefore, in exercise of the		151	0,228
powers conferred by sub-section (1) of the		155	
section 3 of the Petroleum and Minerals			0.278
Pipelines (Acquisition of the Right of User in		156 157	0,240
Land) Act, 1962 ( 50 of 1962), the Central			0,013
Government hereby declares its intention to		158	0.126
acquire the right of user therein;		166	0.051
		167	0,430
Any person interested in the land		168	0,025
described in the said Schedule may, within	Pipaliya Kheda	151	
wenty-one days from the date on which the	r ipanya Kucua	152	0 481
copies of this notification, as published in the		153 157	0,607
Gazette of India are made available to the		158	0.038
general public, object in writing to the		164	0,357
acquisition of the right of user therein or		167	0.070
aying of the pipeline under the land to Shri		168	0.160
Deepak Deshpande, Competent Authority of		172	0.025
Central India Refinery Project of Bharat		310	.0.531
Oman Refineries Limited 31Ward, Jain		311	0.392
Fakhtmal Colony, Civil Line, Main Road,	Patan	1	0.670
Vidisha 464 001 ( Madhya Pradesh).	1	6	1.012
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		11	0,063
Schedule		12	0.089
Schedule		13	0.002
Tehsil: Sironj District: Vidisha State: Madhya Pradesh		14	0.164
Name of Village Survey No. Area			
Hectare/Are		15	0.126
(1) (2) (3)		16	0.101
Babrod 37 0.392		20	0.291
47 0 025		21	0.215
50 0 468		22	0.025

52

0.114

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	36	0.468	Kasba Sironj	43	0.114
	120	0.013	_	47	0,316
	121	0.139		48	0.253
	122	0,417		53	0.026
	123	0.038		57	0,405
	136	0.051		59	0,650
alalpura	53	0.152		77	0.810
	54	0,303		77	0,810
	56	0.304		1088	1,290
	57	0.038		1090	0.140
	58	0.013		1126	0.026
	59	0.253		1129	0,063
	60	0.013		1130	0.291
	61	0.063		1131	0.026
	62	0.190		1132	0.013
	63	0.139		1133	0,215
	64	0.089		1135	0.417
	70	0.076		1136	0.013
	71	0.126		1137	0,063
	99 / 1	0.038		1141	0.745
	101	0.646	Pama Khedi	230	0.329
	103	0,190		232	0,025
	104	0.101		245	0.013
	105	0.607		249	0.240
	110 / 1	0.266		250	0.312
	110/2	0.025		251	0.114
Calyanpur	21	0,215		253	0.164
•	2.7	0.152		254	0.126
	29	0.063		255	0,190
	30	0.038		257	0.139
	31	0.552		279	0,152
	3.4	0.196		280	0,506
	34	0,196		281	0.291
	35	0.316		282	0.038
	37	0.316		427	0.220
	38	0.404		428	0 379
	39	0.202		429	0.038
	39	0 202		430	0.013
	65	0.013		431	0.367
	66	0,481		432	0.089
	67	0.481		433	0.342
	68	0,026		454	0.051
	73	0.063		457	0.031
	74	0.506			
				680	0.089
	75	0 443		681	0.076
	<b>7</b> 6	0,443		682	0,051
	77	0.342		683	0.089
	79	0.391		684	0.126

982	IIIL QAZLII	E OF INDIA : O			[PART II—SEC. 3(ii
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	685	0,215		636	0.430
	703	0.077		637	0.126
	704	0.026		638	0.190
	705	0.038		639	0,139
	707	0.038		643	0 190
	708	0.620		645	0.430
	719	0.417		647	0.126
	720	0.038		758	0.582
	721	0.582		759	0.013
	725	0.708		760	0.228
	726	0.114		766	0.419
	730	0.051		769	0.316
	737 / 840	0.013		839	0.202
	738	0.607		840	0.696
	741	0.152	•	858	0.595
	745	0.177		859	0.013
	746	0.594		860	0,152
	747	0.266		861	0.354
	766	0.177		862	0.051
	767	0.407		1627	0.810
	769	0.202		1629	0.272
	770	0.038		1651	0.320
Mani Rampur	1	0.063		1652 / 1	0.506
•	3	0.190		1655	0,190
	4	0.089	Rafsol	20	0.114
	8	0.013		21	0.557
	9	0.506		22	0.228
	10	0.430		23	0.228
	11	0.114		24	0.089
	13	0.455		110	0.051
Bamuriyauda	451	0.253		118	0.152
	453	0.544		119	0,038
	491	0.417		120	0.228
	493	0.532		121	0,228
	487	0.089		126	0.139
	488	0.039		127	0.076
	503	0.405		128	0.089
	504	0.329		130	0.013
	505	0.443		131	0.468
	512	0.595		143	0.202
				144	
	513	0.026			0.013
	518	0.005	A ahan wada	145	0.101
	566	0.329	Achan vada	226	0.076
	563	0.013		227	0.114
Bagrod	116	0.013		233	0,215
	117	0.797		235	0.240
	119	0.417		237	0.126
Chathholi	632	0.949		238	0.113

ग ]]—खण्ड 3(ii)]	भारत	का राजपत्र : अक्तूब	t 11, 1997/आश्विम 19, 19	19	490
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	239	0.076		250	0.038
	240	0.142		251	0.073
	246	0.013		252	0.013
	24.7 24.8	0.228 0.013		262	0.089
	282	0.013		263	0.443
	286	0.253		264	0.013
	287	0.531		266	0,038
	301	0.038		267	0.278
	302	0.253		270 / 1	0.140
	303	0.215		270 / 2	0.230
	304	0.126		272	0.038
	308	0,303		273	0.026
	309	0,114		274	0.026
	311	0.164	Rajpura	107	0.139
	312	0.026		108	1.000
	313	0.164		109	0.279
	318/7	0.013		111	0.190
	319/1	0.127		113	0.190
	319/2	0.294		114	0.253
	320	0.013		116	0.228
	321	0.051		122	0,228
	322	0.114		123	0.051
	323	0.114		124	0.051
	324	0.038		125	0.089
	328	0.164		126	0.038
	327	0.051		127	0 013
	330	0,126		128	0.114
	335	0.038		129	0.063
	336	0.114		132	0.063
	337	0,051		133	0.063
	338	0.051		136	0.139
	340	0,038		137	0.076
Athai Kheda	125	0.094		160	0.025
	128 / 1	0,531		164	0.051
	129 / 1	0.026		165	0.087
	130 / 1	0.576		166	0.177
	131	0.450		167	0.228
	132	0.013		175	0.228
	133	0.215		176	0.202
	134	0.076		170	0.202
	242	0.038	Barej	142	0.010
	243	0.215	വണ്ടി	142	
	244	0.114			0.040
	246	0.126		144	0.140
	249	0,177		408	0.101

THE GAZETTE OF INDIA: OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19, 1919	IP۸
--------------------------------------------------------	-----

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	412	0.038	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	35	0.038
	413	0.215		42	0.013
	414	0,215		43	0.330
	415	0.177		45	0.430
	416	0.013		46	0.051
	417	0.320		47	0.139
	419 427	0,177 0,281		48	0.397
	428	0.417		50	0.278
	429 / 1	0.190		51	0.177
	429 / 2	0.519		60	0.319
	430	0.013		61	0,013
	431	0.190		65	0.089
Kasbatal	28	0.152		67	0.038
Nastai	29	0.152		68	0,329
	31			70	0.051
	56	0.405 0.063		71	0.190
	57	0.063		91	0.354
	59			92	0.114
	60	0.188 0.324		94	0.114
	63			95	0.013
		0.324		102	0,405
	107	0.304		103	0,202
	108	0.063		104	0.202
	109	0.209	Narkheda Tal	61	0.188
	113	0.021	- 14	64	0.157
	118	0.167		296	0,139
	119	0.063		396	0.836
	120 / 1	0.072		403	0.312
	120 / 2	0.052		404	0.031
	121	0.465		405	0.188
	122	0.418		407	0.534
	123	0.042		410	0.334
	126	0,470		425	0.450
	127	0.072		42.5	0.4.70
	232	0.582		427	
	241	0.240			0.187
	242	0.076		428 429	0.515
	246	0.266			0.013
	255	0.025		430	0.523
	256	0.278		431	0.013
	262 / 789	0.316		432	0.240
	263	0.215		458	0.038
	268	0,360		468	0.721
	269	0.582		469 460	0.139
	270 / 1	0.051		470	0.089
	291	0.341		471	0.493
	292	0.240		472	0.013
	293	0.076		476	0.379
	294	0.013		500	0,367
Tava Nagar	18	0.164			
	23	0.240	r Eda y	No. R-31015/3	1/07. OD 11.1
	24	0.361	f rue i	10. IX-3 10 1 3/3	1/9/*UK. II ]
	31	0.376		K. C. Katoch,	Under Secu

		<del></del>	(1)	(2)	(3).
				28	
				29	
नः	ई दिल्ली, 6 अक्तूबर, 199	<del>)</del> 7		30	0,449
	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,			32	0.011
				33	
	5.— केन्द्रीय सरकार को			34	
नोक्तहित में यह आ	न्न वस्यक है कि गुजरात राज्	य में वाडीनार से मध्य		35	0.815
	।। तक पेट्रोलियम उत्पाबी			46/2	0.324
				_	0.52,4
	त्नरीज लिमिटेड द्वारा पा	इपलाइन । बछाइ जाना		48 / 2	
बाहिए ;				50 / 4 }	0.420
				65	0.439
और केन	द्रीय सरकार को उक्त पा <b>इ</b>	पलाइन विछाई जानेके		50 / 1	0.366
	इस अधिसूचना से उपा			51 / 1 52 / 1	0.439
				52 / 1 52 / 2	0.063
गून म जपयाग का	अधिकार अर्जित करना अ	ापरपक्ष र ;		52 / 2 52 / 3	0,324 0,178
		<b>.</b>		52 / 3 52 / 4	0,178
अतः, अ	मब, केन्द्रीय सरकार, पेर्	ट्रोलियम और खनिज		87	0.230
	में उपयोग के अधिकार क			88 7	
	का <b>50) की धारा</b> 3 वर्ष			90 / 2	
२७८८ ( ४७८८) स्टब्स् क्राक्रिकारी सन	। प्रयोग करते हुए, उनम	. जनमात (४) <b>४</b> ।य		91/3	
				92/3	0.094
हा अजन करन क	आशय की घोषणा करती	₹;		93	
				91/4	
उक्त अ	नुसूची में वर्णित भूमि में	हितबद्ध कोई व्यक्ति,		92 / 1	0.167
	सको मारत के राजपत्र ^ह			91/2	
	तेयाँ साधारण जनता को			92/2	
				124/5	0.188
	भीतर, भूमि के नीचे ।				0.376
	उपयोग के अधिकार क			124 / 1	
लेखित में आक्षेप,	सक्षम प्राधिकारी , श्री र	दीपक देशपाण्डे, मध्य		124 / 4	0.470
	रियोजना, भारत ओमन रि			127	
	<b>प्</b> त्मल कॉलोनी, सिवि			128 / 1	0.585
			नेहपिपरिया	14	0.021
414411-404UU1	(मध्य प्रदेश) को कर सर्व	n.u 1		15	110,0
	_			20 / 2	
	अनुसूची			21 }	
				26/1 j	0.669
त <b>हसील</b> : कुरवाई	<b>जिता</b> : विदिशा	<b>राज्य</b> : मध्य प्रदेश		27	
ाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र		28	0.387
तन यम पाय	राम आगाभा			31	0.230
<del></del>		हैक्टेयर/आरे		32	0.178
(1)	(2)	(3)		33 / 1	0.063
मंदी जागीर	203	0.523		33 / 2	0.324
	211	0.011		34 / 1	0.115
	212 215	0.408		114	0.575
en <del>C</del> on	215 19 / 1	0.742		118/1	
इमलिया	_	0.606		119/1 }	0.190
	20	Λ <i>Δ</i> ΩΦ		118/2	
	44 / 4	0.408		119/2	0.115
	21/4			120	_
	44/1	0.143		121	
	21/3			122	0.251
	44.15	0.324			W.451
	44 / 3				
	21/1			123	/s 2 € 1
		0.481		124	0.251
	21/1	0.481 0.345 0.378	बारी मौरांसा		0.251 0.387

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	254/2			436/2	
	255	0.261		450	
	257	0.188		480	
	259/3	0,366		481/1	
	261/1	0.491		482	0,836
	299	0,387		451	
	302 / 1			452	
	303	0.314		444 / 2	0.449
	307 / 1	0.042		445	0.281
	309	0.042		483 / 1 / 2	
	309	0.105		484/2/2	0.052
	310	0.261		485	
	311	0.105		507 / 3 J	0.031
	312	0.178		486	
	319 / 1 फ	0.042		887/2 J	0.700
	320	0.209		33/1 ]	
<b>रवरा</b>	170 / 2	0.105	सिकन्डरपुर	34	
	170/3 )			30	0.470
	186	0.596		32	
	183 / 8				
	184/1 }			35/1	
	184/2	0.240		36 }	0,115
	184/3	0.575		37/2	0.11.0
	184 / 4	0,167		35/2	
	185/1/2	0.281		35/3	
	185/2	0.401		66/1	
	185/3	0.544		67	0.000
	196	0.577		68	0.272
				69	
	197/1/2			70/1	
	198	0,335		37 / 1	0.251
	199/2/3	0,333		38	0.011
	200/2 J			39 / 1	0.235
	199 / 1	0.440		39/3	0.105
	204/2	0.449		56	
	199/1			57	0,063
	204/2	0.084		62	0.084
	200 / 1 / 2	0.366		82 / 1	-
	204 / 5			81/1	
	212/5	0.042		81/3	0,126
	204 / 7			85/1	0.376
	212/6			_	0.570
	210/2	0.514		86	0.335
	211			87	0,333
	212/7	0.514		89 / 2	0.043
	422			90	0.042
195	487/1	0.094		33	0.000
·ધ્ય	~	0.054	नाऊक्ंड	34 / 1	0.303
	427			35/2	0.314
	428	0.470		43/2	
430 / 1		0.670		46/2	
	430 / 2			42/6	
	431 / 432	0,523		43/3	0.638
	436/ 1			46/1	
	446/ 1-2	0.545		43/4	
	447/ 1-2	0.342		45	0.031
	448/ 1-2			47	0.071

	(0)	(2)	(1)	(2)	(4)
<u> </u>	(2) 47	<u>(3)</u> 0.071	(1)	142 / 2	0.167
	48	0.199		143	0.303
	49 / 1	0.031		147	0.314
	50	0.272		148	0.011
	50	0.052		170	0.251
	53	0.157		171	0.209
	54	0.105			0.203
	54	0.015			0.303
	55	0.523		- •	
	70 / 4	0.418		175	0.251
	71	0.209		180	0.084
	77	0,324		181 } 182 }	0.209
	79 79	0.366			
	80	0.126		183	0.648
	94	0.053		184	0.078
				186	0.188
	95	0.042	बोयीघाट	232	0.042
	96			232	0.753
	97 }	0.062		242	0.324
	97	0.063		243	0.021
	98			244	0.031
	99			245	0.030
	102 / 2 J	0.606		247	0.240
	103	0.272		263	0.142
	109/2	0.178		264	0.523
	109 / 1	0.575		267	0.042
	110/1	0.157		268	0.180
	111	0.031		275	0.220
	112	0.460		308	0.031
	113	0.031		313	0.209
	114/1/1	0.021		318	
मूडरी	1	0.031		319	0.418
	2	0.240		320 / 1	
	2 5 6	0,063 0,021		320 / 2	0.240
डांगी कुम्हारिया	259 / 2	0.544		321	
ાના <b>યુ</b> ન્દ્રાત્વા	260	0.178		321	0.031
	261 / I	0.115		324	0.314
	261 / 2	0.115		325	0.011
	261/3	0.115		327	0,011
	261/4	0.115			0.387
	279	0.052		328 J 329	0.031
	280	0.142	कचेआ	19	0.051
	28)	0.699	क्ष पुजा	20	0.021
	282	0.021		21	0.139
	283 / 1 प्स )			27/1	0.707
	283 / 1 प	0.460		27/2	0.251
	283 / 1 布 )			52/1	
	_	0.178		52/2	0.629
	283 / 1 ग			53	0.011
लचायरा	30	0.084		53 54	0.011
	31/1/1	0.167		57	0.052
	31/1/2	0.167		58/1	0,002
	31/2/1	0.063		58/2	0.523
	31/2/2	0.052		5872 J 6J	0,052
	31/2/3	0.011	<del> </del>	<u>v</u> ,	0,032
	33	0.361		\	
				. I pro- programme a company of the	
	35 139	0.439 0.251		[ फा. सां. आर-31015/30	/9 <b>7</b> -आआर.11 ]

0.251

124

988		TTE OF INDIA : OCTO			[Part II—Sec. 3(ii)]
			(1)	(2)	(3)
New D	elhi, the 6th Octol	her 1997		21/5	0.345
- Town of the out of the output, 1997			27	0.378	
S O 26	55 <u>–</u> 399			28	
Control Govern	whereas	it appears to the		29 } 30 }	0.449
viblia interes	nment mat it is	necessary in the etransport of		•	
vetroleum prov	t tilat 101 til	linar in the State		32	0.011
		tate of Madhya		33	
		be laid by the		34	0.016
3harat Oman F	Refineries Limit	eq.		35	0.815
		•		46 / 2	0.324
		r the Central		48 / 2	
		of laying said		50 / 4	
ipcline, it is n	ecessary to acq	juire the right of		65	0.439
		in the Schedule		50 / 1	0.366
nnexed to this	nouncation,			51 / 1 52 / 1	0.439
Now	therefore in	exercise of the		52 / 1 52 / 2	0.063 0.324
		on (1) of section		52/3	0.178
		inerals Pipelines		52 / 4	0.178
		User in Land)		87	0.230
Act, 1962 (	50 of 1962	), the Central		88 7	
Sovernment h	ereby declares	its intention to		90 / 2	
	nt of user therei			91/3	
		.d. in all that		92/3	0.094
Any po	erson intereste	ed in the land		93 ]	
escribed in t	ne said Sched	ule may within		91/4	
twenty-one days from the date on which the copies of the notification, as published in the				92 / 1	0.167
Pazette of Inc	dia are made :	available to the		91/2	
eneral public	c object in	writing to the		92/2 }	
		user therein or		124/5 丿	0.188
iving of the r	pipeline under 1	the land to Shri		124 /1	0.376
Deepak Deshp	ande, Compete	ent Authority of		124 / 4	0,470
Central India	Refinery Pro	ject of Bharat		127	0.595
Oman Refine	ries Limited.	31Ward, Jain	Malaninasia	128/1	0.585
		e, Main Road,	Nehpipariya	14 15	0.021 0.011
/idisha 464-00	)1 ( Madhya Pra	adesh).		20/2	0.011
				21 }	
	Schedule			26/1	0.669
		ı		27	0.003
		te: Madhya Pradesh		28	0.387
lame of Village	Survey No.	Area		31	0.230
(1)	(2)	Hectare / Are (3)		32	0.178
Madhi Jagir	203	0,523		33 / 1	0.063
Madni Jagir	211	0.011		33 / 2	0.324
	212	0.408		34 / 1	0.115
an di	215	0.742		114	0.575
Emaliya	19/1	0,606		118/1	0.190
	20	0.40		119/1	0.130
	44/4	0.408		118/2	0.115
	21/4	0.142		119/2	0.115
	44/1 J	0.143		120	
	21/3	0.224		121 }	0.251
	44/3	0.324		122 ) 123 )	U. £J 1
	21 / 1	0.481		123	0.251
	4412 1	(1 / 1 % )		1 / CL )	U Z. 11

44/5

0.481

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	37 / 1-2			436/2	
Barri Bhoransa	38 / 1-2	0,387		450	
	254 / 2	0.061		480	
	255	0.261		481/1	0.836
	257 259 / 3	0.188 0.366		482	0.0.50
	261 / 1	0.300		451	
	299	0.387		452	0.440
	302 / 1 )			444 / 2 445	0,449 0.281
	303 J	0.314		483/1/2	0,201
	307 / 1	0.042		484/2/2	0.052
	309	0.042		485	0,002
	309 310	0,105 0,261		507 / 3	0.031
	311	0.105			0.0.71
	312	0.178		486	0.700
	319 / 1 A	0.042		887/2	0.700
D	320	0.209	Cilcandorma	33/1	
Ravara	170 / 2	0.105	Sikandarpur	34	0.470
	170/3	0.596		30	0.470
	186	0.550		32	
	183 / 8			35 / 1.	
	184/1 }	0.240		36	0.117
	184/2	0.575		37/2	0.115
	184 / 3 184 / 4	0,373 0,167		35/2	
	185/1/2	0.281		35/3	
	185/2	V.201		66/1	
	185/3	0.544		67	
	196 ]			68	0,272
	197/1/2			69	
	198			70/1 J	
	199/2/3	0.335		37 / 1	0.251
	200/2	-1,555		38	0.011
				39/1	0.235
	199 / 1			39/3	0.105
	204 / 2	0.449		56	
	199/1 ]			57 J	0.063
	204/2	0.084		62	0.084
	200 / 1 / 2	0.366		82 / 1	
	204 / 5			81/1 }	
	212/5	0.042		81/3 J	0.126
	204 / 7			85 / 1	0.376
	212/6 }			<b>8</b> 6	
	210/2	0.514		87 J	0.335
	211			89 / 2	
	212/7	0.514		90 J	0.042
	422			33	
Tenku	487/1 J	0.094	Naukund	34/I j	0.303
	427			35/2	0.314
	428			43/2	
	430 / 1	0.670		46/2	
	430 / 2			42/6	
	431 / 432	0.523		43/3	0.638
	436/1			46/1	
	446/1-2			43/4	
	447/1-2	0.342		45/4 J 45	0.031
	AA7/ 1=7 1	V.J44			

(I)	(2)	(3)	(I)	(2)	(3)
·	47	0.071		143	0.303
	48	0,199		147	0.314
	49 / 1	0.031		148	0,011
	50	0.272		170	0.251
	50	0.052		171	0.209
	53	0.157		173	0.303
	54	0,105		174 J	
	54	0.015		175	0.251
	55	0.523		180	0.084
	70 / 4	0,418		181	0.000
	71	0.209		182 J	0.209
	77	0,324		183	0.648
	79	0,366		184	0.078
	80	0.126	Dr. afet elema	186	0.188
	94	0.053	Bothighat	232	0.042
	95	0.042		232 242	0.753 0.324
	96			242 243	0.324
	97			243 244	0.031
	97	0.063		245	0.031
		0.005		243 247	0.240
	98			263	0.142
	99 }	0.707		264	0,523
	102 / 2	0.606		267	0,042
	103	0.272		268	0.180
	109 / 2	0.178		275	0.220
	109 / 1	0.575		308	0.031
	110 / 1 111	0.157		313	0,209
	111	0.031		318	
	_	0,460		319 j	0.418
	113	0.001		320 / 1	·
N. F	114/1/1)	0.021		320 / 2	0,240
Mundri	1	0.031			7,247
	2 5	0.240		321	0.031
	6	0.063 0.021		321	
Dangi Kumariya	259 / 2	0.544		324	0.314
Dank Ramariya	260	0.178		325	0.011
	261 / 1	0.176		327	
	261 / 2	0.115		32 <b>8</b>	0.387
	261/3	0,115		329	0.031
	261 / 4	0.115	Kachhauwa	19	0.011
	279	0.052	<del></del>	20	0.021
	280	0.142		21	0.139
	281	0,699			0.133
	282	0,021		27/1	0.051
	283 / 1 B )			27/2	0.251
	283 / 1 D J	0,460		52 / 1	
	283 / 1 A	·		52 / 2	0,629
		0.178		53	0,011
Lachavaea	283 / 1 C ) 30			54	0.351
Lachayara		0.084		57	0.052
	31/1/1	0.167			0.000
	31/1/2	0.167		58 / 1	0.523
	31/2/1	0.063		58 / 2 J	
	31/2/2	0.052	<del></del>	61	0.052
	31/2/3	0.011			
	33	0.361	f.	Ella No. D 21016/	20/0 <b>5</b> OD 11.1
	35	0.439	L	File No. R-31015/	OWYT-UK. II J
	139	0.251		K C Kataal	n, Under Secy.
		0.167		n v maini	1

## धम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सिनम्बर, 1997

का. था. 2656.--प्रौद्योगिश विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय मरकार शडियन जीवरणीत धैंक के प्रवस्थतंत्र के संबद्ध निर्धानकों धौर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्धारण आंद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार धौद्योगिक अजिन्द्रीय सरकार धौद्योगिक अजिन्द्रीय सरकार के पंचपट को प्रकाणिक करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-97 की प्राप्त सुग्नाया।

[संच्या एल-12012/524/87-डी-आई. आई. ए/ धाई श्रार (बी-II)] सनातन, डैस्क श्रधकारः

# MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th September, 1997

S.O. 2656.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal. Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank and their workman, which was received by the Central Government on 10-9-1997.

[No. L-12012|524|87-DIIA|IR (B-II)] SANATAN, Desk Officer

# **ANNEXURE**

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT BANGALORE

Dated this Friday the 29th day of August, 1997 PRESENT

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L., A.L. Presiding Officer

Central Reference No. 18 88

I Party

II Party

Sri K. Nagaiah Vs. M|s. Indian Overseas Bank

# **AWARD**

In the Central Government Reference No. L-12012|524|87-D.II (A) dated 28-4-1988 2419 GI/97--19

the point for adjudication has been fixed as follows:—

"Whether the action of the management of Indian Overseas Bank in dismissing from service Sri K. Nagaiah, Clerk with effect from 27-12-86 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The (brief) averments of the 1st Party made in his claim statement are as follows:—

The 1st party joined the services of 2nd party as messenger during June, 1973 and he was regularised on 1-4-1974. Subsequently the 1st party was promoted as Shorff Godown Keeper during January, 1985. The 1st party was issued with a show-cause notice dated 30-11-1985 for alleging misconduct. He submitted his explanation for the same, but an enquiry was conducted against him. Sri N. Parthasarathy who framed the charges against the 1st party himself became Enquiry Officer and the entire proceedings in domestic enquiry were not conducted in accordance with law and principles of natural justice. Enquiry Officer cannot act as a prosecutor. But based on his own findings he had dismissed the 1st party from service. Further, though the alleged incident occured 13-7-1985, the 1st party was issued with an additional chargeshect on 1-3-1986. The order of dismissal also not a legal one as the Enquiry Officer himself is a Disciplinary Authority. Hence, the order is an unfair labour practice. Therefore, the domestic enquiry and the order of dismissal against the 1st party has to be set aside and the 2nd party be directed to reinstate the 1st party with all benefits.

3. The (concised) averments of the 2nd Party in counter of objection are as follows:--

The 1st party was issued with charge-sheets dated 30-11-1985 and 1-3-1986. After careful perusal of the explanation given by the Party a domestic enquiry was ordered and it was conducted in accordance with law and principles of natural justice. The domestic enquiry was conducted in Kannada the language known to the 1st party and the proceedings were recorded in English. During the enquiry the 1st party was given full opportunity. Enquiry Officer prepared the findings, based on the records and evidence placed before him proving 1st party guilty of charge and two show-cause notices dt. 20-9-86 & 22-11-86 were issued to the 1st Party in this regard. The 1st Party was given sufficient time to submit his reply and

he was also given personal hearing on 10-11-86 and 17-12-86. After considering all the records and materials he was dismissed from service as his misconduct was a grave one. Hence, the order of the Disciplinary Authority is final and binding. Therefore, the reference has to be rejected.

- 4. My predecessor had framed the following preliminary issue:—
  - "Whether the 2nd party proves that it had held the domestic enquiry in accordance with law".
- 5. And after conducting the enquiry on preliminary issue my predecessor had passed on order on 1-2-1989 by setting aside both the enquiries conducted against the 1st party by the management. Subsequently the case was posted for examination of management witnesses with a view to prove their action against the 1st party.
- 6. While the case is pending in that stage, on 6-8-96 both the parties were present along with their respective counsel and filed a joint compromise memo. Both the parties had also agreed and accepted the terms of the joint compromise memo and also agreed to act accordingly. Hence, the joint compromise memo is recorded.

## **AWARD**

- 7. Award is passed, rejecting the Central Reference No. 18|88 but without cost in terms of joint compromise memo filed by both the parties on 6-8-1996. The said joint compromise memo dated 6-8-1996 will be part and parcel of this award. Submitted to the Government.
- 8. (Dictated to PA. transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday the 29th day of August, 1997).
  - K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ती 18 सित्मधर, 1997

का. था. 2657. -- श्रीद्योगिक विवाद स्रिधित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रीर उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में श्रीद्योगिक स्रिधकरण, इरनाकुलम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को प्राप्त हुन्ना।

[पंखरा एल-12012/103/94-माई.न्नार (बी-II)] पी.जे. माईकल, डैस्क मधिकारा New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2657.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Ernakulam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-12012|103|94-IR(B-II)] P. J. MICHAEL, Desk Officer

# **ANNEXURE**

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT, ERNAKULAM

(Labour Court Ernakulam)

(Monday, the 2nd day of June, 1997)

## PRESENT:

Shri Varghese T. Abraham, B.A., LL.M., Presiding Officer

Industrial Dispute No. 9 of 1994 (C)

# **BETWEEN**

The General Manager, Vijaya Bank, H.O., 41|2 M.G. Road, Bangalore-560 001.

# AND

The Joint Secretary, V. B. Employees Association, Clo. Kerala Pradesh Bank Workers Organisation, T.D. Road, Ernakulam, Cochin-682 035.

# REPRESENTATION:

Sri P. A. Aziz, Manager, Regional Office, Thiruvananthapuram.

For Management

#### AWARD

The Government of India as per Order No. L-12012|103|94-IR (B-II), dated 26-9-94 referred the following industrial dispute for adjudication:—

"Whether the action of the management of Vijaya Bank, Bangalore in recovering the amount of city compensatory allowance paid to Smt. P. T. Kanakavally, clerk from 1981 to 1990 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. No representation from the union, workman and management. From this it follows that the union and the workman are not interested in pursuing the dispute.

In the result, reference is answered holding that no industrial dispute is pending to be adjudicated.

Pronounced in open court on this the 2nd day of June, 1997.

Ernakulam:

VARGHESE T. ABRAHAM, Prsiding Officer

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1997

का.श्रा. 2658.—श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रौर उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबन्ध में निर्विष्ट श्रौद्योगिक यिवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक श्रिकरण, बैंगलीर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 17-9-97 को प्राप्त हुमा था।

[संख्या एल-12012/208/93/प्राई.प्रार (वी-II)] पी.जे. माईकल, डैस्क ग्रधिक री

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2658.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-12012|208|93-IR(B II)] P. J. MICHAEL, Desk Officer

## **ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Friday the 12th day of September, 1997

# PRESENT:

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L., A.L., Presiding Officer

Central Reference No. 26|94 I Party

Sri Clarence P. D'Souza, Clo Elizabeth D'mello, Teacher Nelinapeth, KOPPA, Karnataka,

Vs.

II Party

M|s. Canara Bank,

Staff Section (W),

Circle Office,

Lighthouse Hill Road,

Mangalore-575001.

## AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its Order No. L-12012|208|93-IR (B.II) dated 24-2-94, the point for adjudication has been framed as follows:—

"Whether the action of the management of Canara Bank, Circle Office, Mangalore in dismissing Sri Clarence D'Souza, Peon from service with effect from 28-11-90 is justified? If not, what relief, is the workman entitled to?"

- 2. As per the reference the 1st party is Sri Clarence D'Souza, Co Elizabeth D'Mello, Teacher, Nelinapeth, Koppa, Karnataka. After the case was registered as C. R. No. 26 94, usual notices were sent to both the parties for the hearing date 31-3-94 and on that day Sri P.S. Rajagopal, Advocate, Bangalore filed vakalat for the 1st Party. Subsequently Sri TRK. Prasad. Advocate, Bangalore filed vakalat for the 2nd Party on 26-4-94. From that day on wards the 1st Party was directed to file claim statement. But inspite of the repeated opportunities given to the 1st party till 6 6-96 for filing his claim statement the 1st party not appeared nor filed any claim statement.
- 3. The counsel for the 2nd party was present on 6-6-96, had vehemently argued that in spite of repeated opportunities given to the 1st Party and even after giving three final last chan-

ces, the 1st party had not filed his claim statement which would reveal that the 1st party had no claim against the 2nd party. It was further argued that in such circumstances the 2nd party was unable to file any written statement to place their case before this Tribunal. I find some force in the said argument of the learned counsel for the 2nd party.

4. As pointed out by the learned counsel for the 2nd party, this Tribunal without any claim statement of the 1st party but only on the reference sent by the Ministry of Labour. Government of India, cannot pass any award either in favour or against the 1st party, in other words on merits. Therefore, the case was posted for passing of award on available materials. But even till this date the 1st party had not taken any steps under the Industrial Dispute Act.

# AWARD

- 5. As discussed above the Central Reference No. 26|94 is rejected. Submit to Government.
- 6. Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday 12th day of September, 1997).

# K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

बर्ष दिल्ली, 13 शितम्बर, 1997

2652 -- प्रीयोगिक विवाद श्राविभिद्यम्, का, शा. 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के जनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियो-जर्की प्रीर उनके कर्मकारों के बीच, प्रनुबन्ध में निविद्य वियाद में श्रीचोशिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केल्द्रोब सरकार को 17-9-97 की प्राप्त हुआ था।

> [संख्या एत-12012/230/94-आई.बार. (बी-II)] पी. पी. माईकल, डैस्क ग्रधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2659.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

> [No. L-12012/230/94-IR (B-II)] P. J. MICHAEL, Desk Officer

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

Present:

Sri V. V. Raghavan, B.A., L.L.B., Industrial Tribunal-I. Dated: 8th day of August, 1997 INDUSTRIAL DISPUTE NO. 90 OF 1994

#### BETWEEN

The Assit, Secretary, C. B. Staff Union (Regd.) Room No. 2, Unity House, Abide, ... Petitioner Hyderabad

#### AND

The Dy. General Manager, Canara Bank, C. O., 3-5-879, Ruby House Opp. : Old MLA Quarters, Himayatnagar, Hydernbad 29. .. Respondent

#### APPEARANCES:

S/Sri S. Siva Prasad and D. Siva Rama Goud Advocates for the Petitioner.

Sri. A. Gopal Reddy, Advocate for the Respondent.

## **AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi referred the following dispute by its Order No. L-12012/230/94-IR (B-II) dated 15-11-94 under Section 10(1)(d) and 2-A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication:

Whether the action of the management of Canara Bank, Hyderabad in imposing the punishment of stoppage of three increments on Shri K. Banerji, Clerk is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

Both parties appeared and filed their respective pleadings.

- 2. Sri K. Banerjee, workman in this dispute, hereinafter called as 'Petitioner' filed a claim statement contending as follows: He was served with two charge sheets dt. 31-10-89 and 5-7-1990. The first charge is that the petitioner did not issue a Demand Draft to the customer Sri P. Ramachandra Rao and thus caused loss to him. Sri P. Ramachandra Rao intended to send the D.D. with the tender. The tenders were cancelled even before the scheduled time and so the question of loss does not arise. The complaint was given 37 days after the alleged incident at the instance of Branch Manager, who bribed the customer by giving loan. The second charge is that the petitioner walked out of the enquiry on 28-2-90 is not correct. The petitioner expressed his inability to attend the enquiry without defence representative. The first charge in 2nd charge sheet is that the petitioner abused the customer. The customer presented the cheque without submitting any stock statement, which is contrary to the rules. The Bank Manager insisted upon payment of the cheque amount contrary to rules. The Management should not find fault with the petitioner for the irregularities committed by the Management should not should be a supported by the Management should not should be supported by the support ger. So far as the second charge in the 2nd charge sheet is concerned, the registers were not maintained properly as prescribed by the manual of instructions of the Bank. The petitioner brought it to the notice of the Manager and requested the Manager to get the clarification from the Circle Office. The petitioner never refused to acknowledge the inward tappal as alleged by the authorities. The Enquiry Offiward tappal as alleged by the authorities. The Enquiry Contract conducted the enquiry contrary to the rules and regulations. Hence the enquiry is not proper and valid. The Disciplinary Authority accepted the findings of the enquiry officer without going into the merits of the case. The Petitloner was punished with stoppage of increments which is illegal and arbitrary. The order of the respondent in deferring the increments of the retirements which is referred to the respondent of the retirements. crement of the petitioner may be set aside.
- 3. The respondent filed a lengthy counter to support the charges framed against the petitioner and the domestic en-quiry. The details need not be extracted again. The second quiry. The details need not be extracted again. The second charge in the first charge sheet is that the petitioner alleged in the Staff meeting on 28-9-89 in connection with the Divl. Manager's visit to the Branch, that the management was showing favouritism to a particular caste in the Branch and when the Branch Manager asked the petitioner, the petitioner failed to substantiate the same and also could not substantiate the same in the domestic enquiry. The domestic enquiry is valid and the punishment imposed upon the petitioner is adequate. The petitioner is not entitled to any rolief.

4. The respondent-Management having filed a counter on 20-11-95, did not file the record of domestic enquiry into this Tribunal. The normal procedure that should be followed is that the Management should file the record of domestic enquiry into this Tribunal and requests the Tribunal to decide its validity as a preliminary point and also to give permission to the Management to adduce evidence in proof of misconduct in the event of this Tribunal coming to the conclusion that the domestic enquiry is not valid. But it was not done, inspite of this Tribunal adjourning the dispute from 4-12-95 to 22-4-96 on four occasions. So the petitioner examined himself as WW-1 on 22-4-96 in part and sought time. He did not appear thereafter and so the I.D. was closed on 7-8-96, but again restored to file as per the orders in IA No. 134/96 dt. 19-10-1996. The petitioner was examined on 6-11-96. On 6-11-96, 23-11-96 and on 23-6-97 the respondent did not appear and cross-examine the petitioner. So the matter was reserved for Award on 26-6-97 None appeared for the respondent and sought for permission to cross-examine the petitioner though this Tribunal waited for I-1/2 months. Hence an Award is passed on the material available on record.

par N - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M - 1 M

- 5. The petitioner did not dispute to validity of the domestic enquiry and on the other hand he himself filed the enquiry record into this Tribunal to mark as Exs. W1 to W51. Hence this is an Award passed on the ma erial available on record.
- 6. The point for consideration is whether the Management of Canara Bank, Hyderabad in imposing the punishment of stoppage of three increments on Shri K. Banerji Clerk is justified?
- 7 POINT:—The petitioner worked as Clerk in Gandhinagar Branch of Vijaywada before 1991. He was kept incharge of receipts and payments on 8-8-89. Sri P. Ramachandra Rao proprietor of M/s. Srilaxmi Biscuits company who has his business in the same building in which the Bank is situated, is a customer of the Bank since about 6 years. His complaint Ex. P 4, his evidence and the evidence of Mr. Sharma, the Branch Manager before the Enquiry Officer disclose that at about 12-30 P.M., Mr. Ramachandra Rao sent a messenger to obtain two Demand Drafts, one for Rs. 3,500/- and the other for Rs. 30,000/-. The petitioner issued a D.D. for Rs. 3,500. The petitioner questioned the messenger to replace the cut soiled note in the bundle of currency notes of Rs. 30,000/- and he did not issue demand draft. So P. Ramachandra Rao himself came to the Branch to enquire as to why there was delay and took the challan for Rs. 30,000/- from the messenger and stood in the queue. The petitioner took the amount of Rs. 1,47,000 from another customer and started counting the sald amount for issuing a D. P. Ramachandra Rao waited till 1.30 P.M. on that day and asked the petitioner to take his money and issue a Demand Draft. The petitioner refused to receive the same. So Ramachandra Rao approached the Branch Manager Mr. Sharma in this connection. Mr. Sharma came to the seat of the petitioner and offered his assistance in counting the money and issue the Demand Drafts. But the petitioner refused to accept the assistance of Mr. Sharma Immediately Mr. Sharma endorsed on the application of Mr. Ramachandra Rao to issue a D.D. Nonetheless the petitioner did not care for the orders of Mr. Sharma, Manager.
- 8. The version of the petitioner is simply a denial. The petitioner argues that he has enemity with Mr. Sharma and so Mr. Sharma instigated Mr. Ramachandra Rao to give a report against him belatedly in the succeeding month after sanctioning a loan to P. Ramachandra Rao. It is true that Mr. Sharma sanctioned the loan to P. Ramachandra Rao in September, 1989. But Ramachandra Rao sent a complaint in August, 1989 itself, to the Dtvisional Manager. There was a delay in the Divl. Manager receiving the complaint as it was addressed to Arundelpet of Vijavawada from which the Divl. Office was shifted sometime before the Complaint. The enemity with the petitioner by Mr. Sharma is not established. On the other hand Ex W-3 shows that the petitioner complained against an Officer by name P. Nageswara Rao and never against Sri Sharma. There is no doubt that the petitioner refused to issue a D.D. at 1-30 P.M. itself though he has to work upto 2 P.M. No doubt he was busy in counting Rs. 1,47,000/- offered by another customer, but when Mr. Sharma offered to give assistance to issue a D.D. to

- Mr. Ramchandra Rao the petitioner refused to take the essistance and issue D.D. He did not care the orders passed by the Branch Manager though he is a Clerk. In this case there is a derillection of thity as well as insubordination.
- 9. The second charge is that when the Divl. Manager held staff meeting on 28-9-89, the petitioner remarked that the Management is showing favouristism to a particular caste in the Branch. The evidence disclosed that when the Divl. Manager questioned him to give any such instance, he said that whenever the staff are deputed to the extension counter, they are paid conveyance allowance and that the Manager paid the same to the staff who belong to his caste, but did not pay to Mr. C. H. Bhasker Rao who belong to Schedule Caste. Mr Bhaskara Rao is also present in the said meeting and openly stated that nothing is due to him. Thus the petitioner made false accusation against the Branch Manager to blancmail him. The petitioner now deposed that he is the Secretary of the Employees Union of the Gandhinagar Branch and he is entitled to make representation in the staff meeting. But he cannot make a false accusation against the Branch Manager. There is no doubt that the petitioner wanted to blackmail the then Branch Manager by referring the caste. This charge is also proved.
- 10. The first charge in the second charge sheet is against the behaviour of the pelitioner. It is alleged that when Mr. P. Ramachandra Rao came to the Branch on 13-2-90 to present a cheque to retire a ISC Bill, the petitioner refused to pass the cheque, on the ground that Ramachandra Rao had not submitted the stock statement in connection with the loan taken by him. Immediately Mr. Ramachandra Rao asserted that he sent a statement. When the petitioner sent 10. The first charge in the second charge sheet is against asserted that he sent p statement. When the petitioner sent the OCC ledger to the Manager the latter passed the same When the attender who is called sub-staff got back the Ledger to the petitioner, the petitioner observed that the fellows who do not know the work, send reports against others. Mr. Ramachandra Rao gave a complaint that these words are used against him. He also stated that the petitioner came and apologised to him alongwith other employees. The reading of the words which were said to have been used by the petitioner and written in Telugu in all the documents, suggest that they were uttered by him against the Branch Manager and not against Ramachandra Rao. The reason is a reference to knowledge of work. He is connected to the knowledge of the work of the Branch Manager while discharging his functions as such and no concern with the knowledge of work of Ramachandra Rao who is a businessman. Therefore this charge is not proved. The second chance in the second charge sheet is that the petitioner refused to give acknowledgement to the registered tappal relating to his branch of which he was placed as supervisor temporarily in the concern tappal Book. The petitioner admits to have refused to sign the same but justified his action by stating that the Tappal Book was not maintained in the form prescribed by manual instructions. His excuse is not justified at all.
  - 11. The netitioner was punished with postponing of one increment for Charge No. I in the first charge sheet and warning for the second charge in the first charge sheet. Similarly he was punished with stoppage of one increment for the first charge and stoppage of another increment for the second charge to the second charge the first charge in second charge sheet. I have held that the first charge in second charge sheet is not proved So the said punishment for the said charge is set uside. So far as the other punishments are concerned they are liable to be confirmed in lieu of continuous conduct of the petitioner. He acted as Branch Secretary of the employees union and he is suffering with too much ego. He complains against each and every men though he does not do his duty. He goes to the extent of making unsubstantiated allegations against Mr. Moses who conducted the first enquiry, simply because Mr. Moses refused to recall the witness for cross-examination on the ground that the petitioner inspite of his request, walked out of the Meeting when the witness is being examined. The petitioner is in habit of making allegations against every man who crosses his path.
- 12. In the result an Award is passed confirming the punishments awarded for the two charges in the first charge sheet and the second charge in the second charge sheet. The punishment awarded for the first charge in the second charge sheet is set aside.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand the seal of this Tribunal this the 8th day of, August, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I. Appendix of evidence

Witness examined for

Petitioner

WW-1 : K. Bancrice

Witness examined for

Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

- Ex. W1: Memo dt. 5-5-89 issued to the petitioner.
- Ex. W2: Explanation dt. 6-5-89 given by the petitioner to Ex. W1.
- Ex. W3: Complaint dt. 6-5-89 submitted by the petitioner to the Management.
- Ex. W4: Complaint dt. 10-8-89 given by P. Ramachandra Rao.
- Ex. W5: Letter dt 28-9-89 issued to the petitioner enclosing Ex. W-4 complaint.
- Ex. W6: Reply dt. 25-10-89 submitted by petitioner to Ex. W5.
- Ex. W7: Xerox copy of Departmental enquiry Report submitted by the Divl. Manager on 29-9-89.
- Ex W8: Tender Notification.
- Ex. W9: Tender cancellation Publication order dated 8-8-89.
- Ex. W10: Tender cancellation Publication Order dt. 9-11-89.
- Ex. W11: Xerox copy of the addressee on the cover-
- Ex. W12: Letter dt. 23-4-90 enclosing Ex. W11.
- Ex. W13: Letter dt. 12-6-90 addressed to the petitioner.
- Ex. W14: Letter dt. 30-10-89 issued to the petitioner regarding non-submission of reply to the letter dt. 28-9-89.
- Ex. W15 : Charge Sheet dt. 31-10-89.
- Ex. W16: Memo dt 9-10-90 instructing the petitioner to participate in the Staff Meeting.
- Ex. W17: Letter dt. 28-2-90 by the petitioner requesting for adjournment.
- Ex. W18: Complaint of the petitioner against the Enquiry Officer.
- Ex. W19: Depositions of Management witnesses in the to W23 Enquiry.
  - Ex W24: Deposition of W.W.1.
  - Ex. W25: Enquiry Officer sent a letter dt. 20-11-90 to WW1 enclosing the finding of report of Enquiry.
  - Ex. W-26: Letter dated 4-3-91 against Ex. W-25.
  - Ex. W27: Order dt 16-2-91 regarding the punishment imposed on WW-1.
  - Ex. W28: Appeal dated 15-6-91 filed by WW-1.
  - Ex. W29: Appellate Order dt. 9-9-91.
  - Ex. W30: Proceedings of the Dv. G. M., dt. 23-9-91 confirming the Appellate Order.
  - Ex. W31: Complaint dt. 14-2-90/given by P. Ramachandra Rao against WW1.
  - Ex. W32: Withdrawing the complaint by P. Ramachandra Rao by letter dt. 17-2-90.

- Ex. W-33: Letter dt, 26-2-90 given by P. Ramachandra Rao that he is withdrawing the complaint against WW1.
- Ex. W-34: Letter dt. 27-2-90 of P. Ramachandra Rao that WW1 abused on 13-2-90 and not on 14-2-90.
- Ex. W-35 : Letter dated 1-3-90 of Sri C. S. Pai.
- Ex. W-36: Charge sheet dated 5-7-90]
- Ex. W-37: Proceedings of the Enquiry Officer to the to W42 charge sheet dated 5-7-90.
- Ex. W43: Deposition of WW1 in connection with charge sheet dt. 5-7-90.
- Ex. W-44: Deposition of I. W. Prabhakara Rao.
- Ex. W45: Extract of manual of instructions with regard to receiving the Inward Post.
- Ex. W-46: Copy of Inward register (Extract) maintained on 19-12-89 20-12-89 and 21-12-89.
- Ex. W47: Proceedings of the Enquiry Officer dt. 29-8-91.
- Ex. W48: Proceedings of the Dy. General Manager dt. 8-10-1991.
- Ex. W49: Appeal of the petitioner dt. 28-11-91.
- Ex. W-50: Order dt 6-4-92 dismissing the appeal.
- Ex. W-51: Letter dt. 30 4-92 communicating the punishment.

# Documents marked for the Respondent NIL

# नदीवित्ती, 18 निष्मार, 1997

का. आ. 2660.— प्रौद्योगिक जिनाद प्रिविनिनम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के प्रमुद्धर में, केन्द्रीय संकार जिन्ना बैंक के प्रवस्त्रतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्नचारों के बांब, प्रमुद्धय में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक जिनाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्यांगिक श्रीद्यकरण, दैंगलीर, के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सङ्गा एत-12012/253/93-बाई प्रार (को-II)] पो.जे. माईकान, डैस्क स्रधिकारी

## New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2660.—In passuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workmen which was received by the Central Government on 17-9-97.

[No. L-12012|253|92-IR (B-II)] P. J. MICHAEL, Desk Officer

# **ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT BANGALORE

Dated this Friday the 12th day of September, 1997 Present: Sri K. Mohanchandran, B.Ss., B.L, D.L. A.L. Presiding Officer.

Central Reference No. 27|94

I Party

General Secretary, Vijaya Bank Employees Association, No. 67 2nd floor, KH Road Shanthinagar, Bangalore-560027.

Vs.

II Party

M/s. Vijaya Bank, Head Office, M G, Road, Bangalore-560001.

#### AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its order No. L-120121253193-IR (B-II), dated 2-3-94, the point for adjudication has been framed as follows:

- "Whether the action of the management of Vijaya Bank Hubli in imposing the punishment of stoppage of three annual increments with cumulative effect on Sri P. Manjunath Shetty, Clerk vide order dated 27-11-90 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?"
- (2) As per the reference the 1st party is General Secretary, Vijaya Bank Employees Assocation, No. 67, 2nd floor, KH Road, Shanthinagar, Bangalore-560027. After registering the said reference as Central Reference No. 27|94 notice were sent to both the parties as usual for the 1st hearing dated 30-3-94. On that day Sri P. S. Rajagopal, Advocate filed vakalat for the 1st party and Sri B. C. Prabhakar, Advocate had filed vakalat for the 2nd party on 25-9-94. On 30-3-94 the 1st party was directed to file claim statement. But inspite of repeated and prolonged opportunities given to the 1st party, they had not filed any claim statement. In particular when the case called on 14-3-96, time was extended for filing claim statement as last chance and case was adjourned to 2-4-96, since there was no representation for the 1st party. Again on that day time was extended till 23-4-96 for claim statement as final last chance and case was adjourned accordingly. When the case was called on 23-4-96 again there was no representation for the 1st party, but even further time extension was granted to file the claim statement with condonation petition and the

- case was adjourned to 17-6-96. But even on 17-6-96 the 1st party neither appeared nor filed any claim statement. In such circumstances, the learned counsel for the 2nd party had argued that, since because the 1st party had not filed any claim statement inspite of the repeated opportunities given from the date of filing of their vakalat (i.e.) on 30-3-94 till 17-6-96 that too one counsel had filed vakalat for the 1st party. Hence, the 2nd party was unable to know what could be the claim of the 1st party, so as to file suitable counter written statement by the 2nd party. I find some force in such argument.
- (3) Hence, as I discussed above, if we persue, the records would clearly reveal that, inspite of repeated opportunities given to the 1st pary, they are unable to file any claim statement to detail their dispute which had been raised by them. Again except the reference sent by the Ministry of Labour, Government of India, this Tribunal do not have any records to reveal the case of the 1st party. Therefore, it is clear that this Tribunal cannot pass any award on merits without proper and sufficient materials. In such circumstances the case was posted for passing of award. Even till this date the 1st party had not cared to take any steps under the Industrial Dispute Act.

## AWARD

- (4) As discussed above, the reference in Central Reference No. 27|94 is rejected. Submit to the Government,
- (5) (Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday the 12th day of September, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नर्ड दिल्ली, 18 सितम्बर, 1997

का. थ्रा. 2661.— श्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धसंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रौर उनके कर्मकारों के दीच, श्रनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक, श्रीधनरण, बैंगलोर के पंचपट को प्रकाणित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को श्रान्त हुआ था।

[संड्या एल-12012/287/93 -माई.फ्रार.(बी.H)] पी.जे. नाईकत, डैस्क संधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2661.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 17-9-97.

[No. L-12012]287[93-IR(B-II)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### **ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT BANGALORE

Dated this Thursday the 11th day of September, 1997 PRESENT:

Sri K. Mohanachandran, B.Sc. B.L., D L., A L. Presiding Officer.

Central Reference No. 25|94

I Party

The Asstt. Secretary Canara Bank Staff Union Near Capitanio High School Mangalore-575002.

Vs.

II Party

The Deputy General Manager Canara Bank, Circle Office Bulmatt Road Mangalore-575001.

#### AWARD

In this reference made by Honourable Central Government under its Order No. L-12012|287|93-IR (B-II) dated 24-2-94 the point for adjudication has been fixed as follows:—

- "Whether the action of the management of Canara Bank, Mangalore in dismissing Sri. K. V. Balachandra, Sub-staff from service with effect from 22-1-91 is justified? If not, what relief, is the workman entitled to?"
- (2) As per the reference the 1st party is Assistant-Secretary, Canara Bank Start Union, Triveni Compound, Near Capitanio High School, Mangajore-5/5002. After the reference was registered by this Tribunal both the parties were issued nonce on 2-3-94. Then Sri. V. Gopal Gowda, Advocate Bangalore filed the vakalat on 31-3-94 for the 1st party. Thereafter the case was adjourned to 26-4-94 for filing claim statement by the 1st party. Sri T. R. K. Prasad, Advocate Bangalore filed vakalat on 26-4-94 for the 2nd party. But from 26-4-94 to 16-4-96 number of adjournments were given to the 1st party to file claim statement. But no claim statement was filed. Then two final and last changes also were given on 7-5-96 and 17-5-96. But even then neither the 1st party nor his counsel had taken any steps to file the statement.
- (3) Again, inspite of specific order dated 7-5-96 for filing of claim statement with delay condonation petition no claim statement was filed even on 17-5-96 even though the case was kept bass order till 4.30 p.m. In such circumstances it is presumed that the 1st party could not file claim petition. The learned counsel for the 2nd party had argued that 2nd party could not state their defence since the 1st party was not able to file any claim petition to substantiate his dispute under

reference. There is some force in the above said argument placed by the learned counsel for the 2nd party. When I perused the records it is seen clearly, that the 1st party was directed to file his claim statement on 26-4-94 for the first time. But till 17-5-96 many opportunities were given for the 1st party to file claim statement. In particular, on 16-4-96 time was granted as last chance and then on 17-5-96 again time was given to file claim statement with petition as final and last chance. Even, then, that too after keeping the case upto 4.30 p.m. neither the 1st party nor his counsel on record present to file proper claim statement as per order. Hence, in such circumstances the case was posted for award. But even till this date no steps is being taken by the 1st party under Industrial Dispute Act.

(4) In such circumstances, this Tribunal cannot persue any records except the reference received from the Ministry of Labour, Government of India. But the said reference is in no way give any particulars about the case of the 1st party. Therefore, I am of the opinion that this Tribunal cannot pass any award on merits.

#### **AWARD**

- (5) Hence, this Central Reference No. 25/94 in the above said peculiar circumstances is rejected. Submit to Government.
- (6) Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Thursday the 11th day of September, 1997.
  - K. MOHANACHANDRAN, Pilesiding Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1997

का.श्रा. 2662.-- श्रौद्योगिक विवाद प्रशिनिपप. 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में टी.बी. डेंम, बैलरी योई, केन्द्रीय सरकार तंगभद्रा के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों धीर उनके **डिस्टिक्ट** ग्रनुबन्ध ों निर्दिष्ट प्रोद्योगिक कर्मकारों के वीच, विवाद में केन्द्रीत सरकार श्रीद्योगिक श्रीधेकरण, वैंगलार को प्रकाशित करनी है, जो नेन्द्री। सरकार के पंचाट को 16-9-97 को पाप्त ह्याथा।

> [सं. एय -42011/36/90-प्राई साट (डी स् )] के.बी.बी. उण्णी, डैस्क स्रश्यिकारी

New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2662.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tungabhadra Board, T.B. Dam Bellary district and their workman, which was received by the Central Government on 16-9-97.

[No. L-42011|36|90-IR(DU)] K. V. B. UNNY, Desk Officer

_ ==

. -/- / .=

#### **ANNEXURE**

_ .. *=* 

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT BANGALORE

Dated, this Friday, the 21st November, 1996 PRESENT:

Sri. K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L., A.L. Presiding Officer.

Central Reference No. 63|90 I Party

The Secretary
Tungabhadra Fishnet & Ice.
Factory Employees Union,
Tungabhadra Dam, Hospet
Taluk, Bellary District.

 $V_{s}$ 

**U** Party

The Secretary,
 Tungabhadra Board,
 Tungabhadra Dam,
 Hospet Taluk, Bellary,

(2) The Manager, Fishnet Making Plant, Tungabhadra Dam, Hospet, Bellary.

#### AWARD

In this Central Government Reference No. L-42011 36|90-IR(DU) dated 9-11-90 the points for adjudication is fixed by the Honourable Government as follows:—

"Whether the action of the Tungabhadra Board, T.B. Dam Bellary District in not conceding the demands (As per Annexure I) of the Union is proper and justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

The (brief) averments of the I party in the claim Statement are as follows:

The I party is the Registered Trade Union. The II Party engaged in manufacturing Fish nets and twines and it is an industrial concern. The I party submitted a charter of demands to II party on 15-2-1990. The II Party is having three type of employees (viz), Emplovees of Andhra Pradesh Government, Employees of Karnataka Government, (Services are taken limted period only and their service condition regulated by parent department), and the third type of employees are not Government employees but their salaries and other benefits are being adopted according to the Karnotaka Government. The II Party had agreed to extend the benefits of Karnataka Government as per the percement dated 24-7-1986. Hence the II party be directed to fix the scales of the I party on par with Karnataka Government employees.

The (concised) averments of the II party in counter objection statement are as follows:

The Il Party do not have separate legal jurisdiction and is a part of Tungabhadra Board. The Tungabhadra Board is not an independent body. It functions under Government of India and the Secretary of Tungabhadra Board is appointed by the Govt. of India. The casual labourers are recruited based on the existence of work. The Π Party is not an Industry and the employees are not workmen under the Industrial Dispute Act and as such the Industrial Disputes Act is not applicable to the II Party. The demands of the I Party are being kept under consideration. So if the concerned Government agrees to regularise the services of the employees as Karnataka Government, the same facility will be extended to the I Party. Hence the relief sought by the I Party has to rejected.

As per the order of my predecessor, this case is posted for evidence and accordingly the case is adjourned on various dates for evidence. But on 21-9-96, the I party alongwith his counsel were present. The II Party also present. Since the then the Secretary of the I Parties Union who filed the Claim Petition had expired, the present Secretary for the I Party union filed a fresh vakalat for the I Party. Both the parties filed a joint compromise memo. Both the parties had accepted the terms of the compromise and also agreed to act in accordance with terms of the compromise. Hence the compromise is recorded.

#### AWARD

The C.K. No. 63;90 is rejected as settled out of court in terms of joint compromise memo. The parties are directed to bear their own cost. The joint compromise memo dated 21-11-1096 will be part and parcel of this Award. Submit to the Government.

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1997

का.श्रा. 2663.— प्रोद्योधिक विवाद श्रिधितयम, 1947 (1937 का 14) की धारा 17 के अव्यारण में. केन्द्रीय सरकार त्रंभक्षा बोर्ड टीबी. डैग, बैंतरी डिस्ट्रिक्ट के प्रबन्धतंत्र के भंग स निर्धानतीं और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुष्टम्ध में निर्धित श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीत सरकार श्रीद्योगिक श्रीवार्थ के प्रवार को प्रकाशित करनी है, यो केन्द्रीत सरकार को 16-9-97 को प्राप्त हुया था।

[मं. एल- 42011/70/89-प्राफ्ट आरः (चिंत्युः)] के.बी.बी. उण्णी, डैस्क अधिकारी)

New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2663.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the

2419 GI/97 -20.

management of Tungabhadra Board, T. B. Dam, Ballary District and their workman, which was received by the Central Government on 16-9-1997.

[No. L-42011/70/89-IR(DU)] K.V.B. UNNY, Desk Officer.

## **ANNEXURE**

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Thursday the 21st day of November, 1996 PRESENT:

Shri K. Mohanachandran, B.Sc. B.L., D.L., A.L. Presiding Officer.

C. R. No. 47/90.

## 1 Party:

S/Shri M. Govindarajan and others C/o. President, Tungabhadra Board Factory Workers and Civil Employees Union, Tungabhadra Dam Hospet taluk, Bellary District.

Vs.

# 11 Party:

The Secretary Tungabhadra Board Tungabhadra Dam Hospet taluk Bellary District.

# **AWARD**

In this Central Government reference No. L-42011| 70|89-IR(DU), dated 23-8-1990, the points for adjudication is fixed as follows:—

"Whether the action on the part of the management of Tungabhadra Board, T. B. Dam in cancelling the promotion order in respect of S/Shri M. Govindarajan, K. Dharmoji, V. Ramamurthy, SVN. Somayajulu, I. Venkatesulu, Kum. K. Rajalakshmi, Smt. V. Palaniammal, and Shri MA. Khader from Grade I to Selection Grade is justified? If not, what relief the workmen are entitled to and from what date?"

(2) The (brief) averments of the 1st party in their claim statement are as follows:—

The 1st party is a registered union of Tungabhadra Dam and they are governed by the rules applicable to Government employees of Andhra Pradesh and Karnataka. The 1st party and the 2nd party had bilateral settlement on 24-7-1986. Subsequently the 1st party requested the 2nd party to reduce the service for Selection Grade from 20 years to 18 years and 1st Grade from 12 years to 11 years. The 2nd party accepted to it and had sent an order (vide) memorandum No. 5521/E-1/72, dated 29-8-1986. Accordingly the 2nd party sanctioned the Selection Grade to the 1st party. But the sanctioned order was cancelled without any reason which

is-illegal. The 2nd party cannot say that it is not an industry etc. Such stand is untenable and unfait labour practice. Therefore, the 2nd party be directed to sanction promotions to 1st Party with all the benefits.

(3) The (concised) averments of the 2nd party in the counter objection statement are as under :—

The dispute of the 1st party is not a valid one and also not applicable to Tungabhadra Board. It is also not an independent body. The Tungabhadra Board is functioning under Government and have been listed in para 4(i) and (ii) of Government of India No. DW. VI 4(a) dated 10-3-1955. The Industrial Dispute Act is not applicable to Tungabhadra Board hence the Hon'ble Court has no jurisdiction to entertain the case therefore the 1st party cannot raiseadispute under Industrial Dispute Act moreover promotions cannot be claimed as a matter of right by the 1st party. The latest assessment shows only 28 workers are required as against 48. The surplus are deployed and are allowed to continue on humanitarian grounds though not justified. Therefore, the 1st party has no right to claim any relief. Hence, the prayer of the 1st party has to be rejected.

(4) As per the order of my predecessor, this case is posted for evidence, and accordingly the case is adjourned on various dates for evidence. But on 21-9-1996 the 1st party along with his counsel present. The 2nd party also present. Since the then Union Secretary who filed the claim petition had expired the present secretary for the 1st party filed a fresh vakalath for 1st party. Both the parties filed a joint compromise memo. Both the parties had accepted the terms of the compromise and they also agreed to act in accordance with terms of the compromise. Hence, the compromise is recorded.

#### AWARD

(5) The C. R. No. 47/90 is rejected as settled out of court in terms of joint compromise memo. The parties are directed to bear their own cost. The joint compromise memo dated 21-9-1996 will be part and parcel of this award. Submit to the Government.

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

# **नई दिल्ली,** 16 सितम्बर, 1997

का. थ्रा. 2664 .—आंद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्केलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, बेंगलूर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुगन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक श्रिधिकरण, वंगलोर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-97 को प्राप्त हुस। था।

[सं. एल--42012/21/90--प्रार्डआर(डी.यू.)' के.वी.बी. उण्णी, डैस्क प्रधिष्ट New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2664.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Archaeological Survey of India, Bangalore and their workman, which was received by the Central Government on the 16-9-1997.

INo. L-42012/24/90-IR (DU)1
K.V.B. UNNY, Desk Officer.

## **ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT

## **BANGALORE**

Dated this Monday the 17th June, 1996

#### PRESENT:

Shri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L., A.L. Presiding Officer.
Central Reference No. 65/90.

## I Party:

Sri Honeur Sab,

Vs.

# II Party:

- (A) The Superintending Archeologist Archaeological Survey of India, Banagalore.
- (B) The Dy. Superintending Archaeologist, Archeological Survey of India, Bangalore.

# AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its Order No. 42012/24/90-IR (DU), dated 9-11-1990, the point for adjudication as per schedule is:

- "Whether the action of the Management of Archaeological Survey of India, Hampi National Project, Kamalapur under Archaeological Survey of India, Bangalore Circle, Bangalore in terminating the services of Sri Honour Sab Ex-Chowkidar without conducting Departmental Enquiry is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"
- (2) As per the reference the I Party is Sri Honour Sab S/o. Shri Dawal Sab, 7th Ward Annebhavi Kamalapur P.O. Bellary District and there are two persons in the II party namely 'A' Person, the Superintending Archaeologist and 'B' Person, The Deputy Superintending Archaeologist.

(3) After the reference was listed by this Tribunal, notice was issued to both the parties. Accordingly Shrí L. M. Chidanandayya filed power for the I Party and Shri J. M. Riazuddin filed power for the II Party. But though a long time was granted for I Party for filing Claim Statement (i.e.,) from 17-12-1991 till 30-3-1994, (nearly about 2 years and 3 months). I Party neither appeared nor filed any Claim Statement till 30-3-1994.

But on 30-3-1994 it was reported that the I Party was died on 20-12-1992. Again, even though time was granted to bring legal representatives for the I Party (since deceased), from 30-3-1992 to 30-4-1996 (nearly about three years) no steps had been taken to bring LR's of the deceased I Party to proceed with the case further. But the Counsel for the II Party had represented on 30-4-1996 that even after 2 years no steps had been taken to bring the legal representative of the I Party and he also pressed for rejection of reference.

- (4) Anyhow to give one more final opportunity, this Tribunal had granted time for filing LR Petition for I Party till 17-6-1996 as final last chance But even then no steps had been taken to bring LR's of the deceased/I Party. As I pointed out above, even till the death of the I Party no Claim Statement was filed by the I Party. In such circumstances, if it is seen from the records it is clear that, even though the I Party had represented by Advocate neither the I Party or his Advocate till the death of the I Party filed any sort of Claim Statement Nor any legal representative of the I Party cared enough to take any steps to proceed with the case further. Even, nobody was present on behalf of the deceased/I Party, though many adjournments were granted within a period of 2 years.
- (5) As correctly pointed out by the learned counsel of the II Party, since no claim statement was filed by the I Party, the II Party was unable to file any Counter Written Statement. This Tribunal Cannot grant any relief without any material placed by the I Party on whose petition the Central Reference was made. Hence in such circumstances, I am of opinion that this Tribunal cannot pass any Award in a Vaccum and therefore the reference has to be necessarily rejected.

# AWARD

Award is passed rejecting the reference No. 65/90. Submit to the Government of India.

(Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this the 17th day of June 1996).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1997

का.चा. 2665 .--औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार तुंगभड़ा बोई, टी.बी. डैम, बेलरी डिस्ट्रिक्ट के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके

2419 GI/97--21

कर्मकारों के बीच, श्रनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक श्रिधकरण, वेंगलोर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-9-97 को प्राप्त हम्रा था ।

> [सं ० एल-42012/198/90-प्राई प्रार (डीयू)] के.वी. बी. उण्णी, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 19th September, 1997

S.O. 2665.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tungabhadra Board, T. B. Dam, Bellary District and their workman, which was received by the Central Government on the 19-9-1997.

[No. L-4201/2/198/90-IR (DU)] K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Monday the 8th day of September, 1997 PRESENT:

Shri K. Mohanachandran, B.Sc., BL, DL, AL., Presiding Officer.
CENTRAL REFERENCE NO. 33/91.

#### I Party:

Shri Seenu, S/o. Venkatcsh, P.L.C. 15/4, Netaji Nagar, T. B. Dam-583 225.

Vs.

#### II Party:

The Secretary, Tungabhadra Board, Tungabhadra Dam Bellary District-583 225.

#### **AWARD**

In this reference made by Honourable Central Government under its order No. L-42012/198/90-IR (DU), dated 13-6-1991 the point for adjudication has been framed as follows:—

- "Whether the action of the Tungabhadra Board, T. B. Dam, Bellary District, in terminating the services of Shri Scenu, S/o. Shri Venkatesh is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?"
- (2) As per the reference, the Ist Party is Shri Seenu, S/o. Venkatesh residing at P.L.C. 15/4, Netaji Nagar, Tungabhadra Dam-583 225. After the reference was registered by this Tribunal, both the parties had been issued notice as usual. Shri

Vasudev, Advocate Bellary filed vakalth for the 1st party (whereas Shri A. K. Bhatt, Advocate filed vakalath for the 2nd party. Subsequently the claim statement has been filed on behalf of the 1st party. The (brief) averments of the claim statement are as follows:—

- (3) The 1st party has joined the services of 2nd party as Daily wage worker and he has been transferred from one department to another frequently. The 1st party was terminated from work on 1-10-85 and his name also did not appear in the seniority list instead the workers who joined during 1983, 1984 and 1985 were shown in the seniority list. The principles of 1st come and last go is not followed by the 2nd party and thus violated the Industrial Dispute Act. The 1st party was also not given any service benefits during termination. The 2nd party is an industrial establishment functioning on behalf of the State. The 1st party was not made permanent on par with other workers as he had worked for 34 years (i.e.) from 1982 to 1985. Therefore, the 1st party be reinstated with all the benefits.
- (4) While the case was pending at the stage of filing written statement by the 2nd party, the case was taken up on 28-2-1997 at Bellary camp Court. Counsel for both the parties present. The counsel for the 1st party represented to this Tribunal that, inspite of the repeated letters, the 1st party was not present to give further instructions to the counsel and that since the 1st party was reinstated by the 2nd party, the 1st party had lost interest in proceeding with the case further. The learned counsel also requested this Tribunal to reject the reference as relief prayed was already granted by the 2nd party. He also filed memo to that effect along with one copy of the proceeding of the 2nd party in their order No-2790/E-2/95, dated 18-9-1995. Accordingly the memo was recorded.

#### AWARD

- (5) The C. R. No. 33/91 is rejected in terms of the memo dated 28-2-1997 filed by the counsel for the 1st party and also as the prayer of the 1st party was already granted by the 2nd party out of Court. The said memo dated 28-2-1997 together with the order of the 2nd party in 2790/E-2/95, dated 18-9-1995 will be part and parcel of the award. Submit to the Government.
- (6) (Dictated to P.A., transcribed by him, corrected by me and signed on this Monday the 8th day of September, 1997.)

## K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

# नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

का. भ्रा. 2666.— औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रन्सरण में केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान साफ्ट लि. के प्रवन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक श्रिधकरण,

जयपुर के पंचपट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को प्राप्त हुध। था।

> [सं. एल-43012/17/86-डी III (बी)] बी.एम. डैविड, डैस्क ग्रधिकारी

New Delhi, the 17th September, 1997

S.O. 2666.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindusthan Copper Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

INo. L-43012/10/86-D. JII (B) JB. M. DAVID, Desk Officer.

# श्रनुबन्ध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 55/1987 रैफरेंन्स : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का स्रादेश क्रमांक एल-43012/10/86.डी-III बी दिमांक 31 जुलाई, 1987

सी.पी. गर्मा पुत्र श्री वेदराम, कृष्णा भवन, वार्ड नं. 6 खेतड़ी, जिला भुझनूं —--प्रार्थी

#### बनाम

मैसर्स हिन्दुस्तान कापर लि., द्वारा श्रधिशासी श्रधिकारी खेतड़ी कॉपर काम्ब्लेक्स, खेतड़ी नगर, जिला झझनूं

—-ग्रप्रार्थी

## उपस्थित

पीठासीन प्रधिकारी: श्री एस. के. बंसल, श्रार. एच. जे. एस.

प्रार्थी की ओर से : श्रीबी.एम. बागड़ा प्रप्रार्थी की ओर से : श्रीमनोज कुमार गर्मा

दिनांक श्रवार्ष : 3-6-97

#### ग्रवार्ड

इस प्रकरण में निम्नलिखित अधिसूचना केन्द्रीय सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा श्रिधिनिर्णय हेतु प्रेपित की गई है :--

Whether the action of the management of Mines Suptt. Khetri copper Complex, Khetrinagar, in dismissing from service of Shri C. P. Sharma w.e.f. 2-5-81 is justified? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. इसके पश्चात इस प्रकरण में निम्नलिखित ''शुद्धि पन्न'' भी प्राप्त हमा है: 'Whether the action of the management of Mines Suptt. Khetri Copper Complex, Khetrinagar, dismissing from service Shri C. P. Sharma w.e.f. 7-3-81 is justified? If not to what relief is the workman entitled and from what date?'

3. प्रार्थी सी श्री० शर्मा ने स्टेटमेंट ऑप क्लेम पेश किया और उसका कथन है कि वह विपक्षी के यहां रिकार्ड कीपर के पद पर कार्य कर रहाका और उसे अचानक दिनांक 31-3-80 को स्नारोप पत्न दिया गया आर उस स्नारोप पस में जो तथ्य वर्णित किये थे वे बिल्कुल झठे बगलत थे और उसने उन ग्रारोपों का जवाब भी पेश किया था परन्तु विपक्षी के जनरल मैनेजर जो कि श्राजकल श्रधिशासी अधिकारी कहलाते हैं, ने उसके जवाब पर विचार नहीं किया परन्त यांतिक तरीके से जांच का स्रादेश देदिया। प्रार्थी का यह भी कथन है कि जनरल मैनेजर प्रार्थी के खिलाप, थे इमलिए उसने प्रार्थी को करने के लिए यह एक योजना बनाई हुई थी और उस योजना के अनुसार नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों की पालना नहीं की गई परन्तु विपक्षी के प्रतिनिधि को भी साक्ष्य में पेश होने का मौका दिया गया, असल रिकार्ड भी जांच में पेश नहीं किया गया १सलिए जांच नैसिंगिक त्याय के सिद्धान्तों के अनुरूप नहीं थी। प्रार्थी का यह भी कथन है कि इस प्रकरण के लिए प्रावश्यक रिकार्ड वरीएजिल डाटा, जो कि कम्प्यटर में डाला जाता है, और श्रमिक बारा बनाया गया था। इसके ग्रलावा दूसरा रिकार्ड III फार्स, जो कि श्रमिक द्वारा बनाया गया था, और 15-9-78 से था। प्रार्थी का यह भी कथन है कि 31-1-80 नक उस समय ई-पाम रजिस्टर, मेगीकल लीव रजिस्टर, सीवएलव म्रार०एल० रजिस्टर, ई०एल० रजिस्टर,ओवरटाईम रिक्ली-जीशन पामं चैक लिस्ट वेरीएबिल डाटा, मैकेनीकल बिल नं 84/662 जो कि श्रीमक द्वारा तंयार किया गया था और बिल गं $\circ$  55/6652 श्रम्ट्बर, नवम्बर, 1983का जो कि सलवाई सिंह द्वारा तैयार किया गया था, प्राव-प्रयक्त रिकार्व था, परन्तु उसको पेश नहीं किया गया और श्रमिक के खिलाप, साक्ष्य नहीं थी इसलिए उसे गलत दोषी दहराया गया है। प्रार्थी का यह भो कथन है कि विपक्षी ने केवल एक नाथु सिंह साक्षी को पेश किया है कि विश्वास योग्य नहीं क्योंकि अधिक राशि उसको मिली थी, जो कि नाथू सिंह को ही जमाकरानी थी, अन्य किसी माक्षी को पेश नहीं किया गया इसलिए कोई ग्रारोप सिद् नहीं होता। प्रार्थी का यह भी कथन है कि प्राची के खिलाफ जो ब्रारोप लगाये गये हैं कि वह नायु सिंह से रुपये वापस लेने उसके घर गया उस समय नन्दलाल उपस्थित था, परन्तू नन्दलाल को भी साक्ष्य में पेण नहीं किया गया इसलिए नाथ, लाल के कथन को नहीं माना जासकता। पार्थी का यह भी कथन है कि ओवरटाईम की स्लिप जांच में पेश की गई है जिसमें श्री शी०वी० बता श्रधीक्षक श्रीभयन्ता

(यांत्रिक) के हस्ताक्षर हैं, जिस पर नाथृ सिंह ने ही हस्ताक्षर करवाये और जब नाथु सिंह के ही ग्रधिकारी ने उस पर हस्ताक्षर कर दिये थे तो प्रार्थी को इस भन्ने की प्रदायकी के लिए उत्तरवायी नहीं ठहराया जासकता। प्रार्थी का यह भी कथन है कि नाथू सिंह शराब शीता है १सिनए उसके कश्रन पर विश्वास नहीं किया जासकता। यह भी कथन है कि उसने चंक लिस्ट और वंरीएविल डाटा भें आने वाली भिन्नताओं वो रिकार्व पर रखा है जिससे भी न्पण्ट है कि जांच सही नहीं है। प्राथीं का यह भी कथन है कि जांच श्राधिकारी के विनिश्चय केवल ग्रनुमानों पर श्राधारित हैं और वेरीएविल डाटा में बदलाव प्रार्थी द्वारा करना एक कल्पना है। यह भी कथन है कि उसने खेलड़ी नांपर प्रोजेक्ट में 13 वर्ष सवा की है और उसका रिकार्च बिना धड़वे के है और कोई भी व्यक्ति इस बात का विश्वास नहीं करेगा कि प्रार्थी ऐसी घोटी बालों में श्रन्तर्गत होगा । प्रार्थी का यह भी कथन है कि बहस के दौरान प्रार्थी पर लगाये गरे ग्रारोप मान भी लिये जायें तो भी येनेकनियति से वी गई गलतियां हैं जिनपर सेवा मुक्तिका दण्ड नहीं दिया जा सकता इसलिए 7-3-8,1 को सेवा मुक्ति का जो दण्ड दिया गया है वह अपास्त किया जाये और प्रार्थी को पूरे नेतन सहित सेवा में बहाल किया जाये।

- 4. विपक्षी ने जवाब पेश किया और उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है कि बी० पी० शर्मा उनके यहां रिकार्ष कीपर का काम करता था परन्तु घरेलू जांच में वह बेईमान पाया गया था। यह भी कथन है कि आरोप पत्र प्रार्थी को विया गया था और जो आरोप लगाये गये थे, वे सही थे और नंसिंगक न्याय के सिद्धांत के अनुसार जांच की गई व जो दण्डादेश पारित किया गया वह भी सही है इसिलए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाये। विपक्षी का यह भी कथन है कि अगर न्यायालय हारा जांच आप व उचित नहीं पाई जाये तो उन्हें न्यायालय के सनक्ष आरोप साजित करने का मौका दिया जाये।
- 5. दिनांक 9-5-89 को पक्षकारान् को सुनवाई का मौका दिये जाने के पश्चात् जांच को अर्वेख घोषित किया गया इस पर विपक्षी ने अपनी साक्ष्य पेश की। विपक्षी ने साक्ष्य में श्री नाथृ सिंह, बन्नी प्रसाद भट्टाचार्या, ए०के० रायजादा व एस० आर० सोनी के कथन करवाये हैं। इसके खण्डन में प्रार्थी श्री सी पी० शर्मा ने अपने व श्री जागीर सिंह के वयान करवाये हैं। विपक्षी ने मौखिक साक्ष्य के साथ-साथ प्रदर्श एम-1 से प्रदर्श एम-12 व 13 दस्तावेज पेश किये हैं। प्रार्थी ने मौखिक साक्ष्य के उल्लय्-1 से अदल्य्-17 दस्तावेज पेश किये हैं।
- पक्षकारान् के प्रतिनिधिगण की बहस मुनी गई, पद्मा-बली का अवलोकन किया गया ।
- 6. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार गर्मा का तर्क है कि ग्रारोप जो प्रार्थी पर लगाया गया है उसको तीन भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम भाग यह है कि

प्रार्थी ने वैरीएबिल डाटा जो कि कम्प्युटर के लिए गया था बनाते समय नाथू मिह से रूपये 29.12 पैसे, जो पिछले वसूल किये जाने थे, को दिसम्बर, 1978 के वैरोएबिल डाटा में नहीं दिखाया जिससे नाथ सिंह श्रमिक कोड नं० 23340 से उसकी वसूली नहीं हो सकी और जिससे कम्पनी को नुक-सान हुआ । विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस भ्रारोप को सिद्ध करने के लिए विपक्षी की श्रोर से III फार्स प्रदर्श एम-७ व कम्प्युटर वैशोएबिल डाटा, चैक लिस्ट प्रदर्ग एम-5 गेश की गई हैं। इन दिनों दस्तावेजों से यह साबित होता है कि दिसम्बर 1978 के वैरीएबिल डाटा में रू० 29.12 पैसे नाथ सिंह से जो कि पहले के वसूल किये जाने थे, नहीं दिखाये व इसलिए नाथु सिंह को श्रिधिक श्रदायगी की गई श्रीर नाथु सिंह को श्रवैद्य लाध पहुंचाकर कम्पनी को नुकसान पहुंचाया । यह भी तर्क है कि श्रसल वेरीएबिल डाटा या उसकी कार्बन प्रतिलिपियां जो कि जांच में पेश की गई थी, किन्तु उसके पश्चात् वह फिर गुम हो गई श्रीर न्यायालय के समक्ष पेण नहीं की जा सकी धौर जो प्रदर्ग एम-5 चैक लिस्ट पेश की गई है वह भी वैरीएबिल डाटा के ग्राधार पर बनाई जाती हैं, जैसे कि सी०पी० **शर्मा ने एम-i**I कथनों में कहा है। इसलिए श्रसल रिकार्ड पेश नहीं होने का कोई प्रभाव नहीं है श्रीर इससे कोई प्रार्थी के खिलाफ अवधारणा नहीं ली जानी चाहिए विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि ने इस तर्क के समर्थन में 1 एल ० एल ० जे ० (एस० सी० ) 269, महाराष्ट्र राज्य बनाम मध्कर नरायनन को पेश किया है।

7. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि प्रथम ब्रारोप का दूसरा भाग यह है कि प्रार्थी ने नाथू सिंह हैल्पर कोड नं. 23340 को बिना किसी स्लिप व उसका प्रतिकाल (भोवरटाईम) ई-फार्म में दर्ज हुए बिना ही 49 घंटे का अतिकालिक भत्ता दिलाया जो कि उसने बेरीएबिल डाटा में इन्द्राज किया जो कि एक धोखा है। विपक्षी के विद्वान प्रति-निधि का यह तर्क है कि इस ब्रारोप का तीसरा भाग यह है कि प्रार्थी ने नाथू सिंह को 31 दिन का वेतन दिलवाया जबिक वह उस महीने में केवल 26 विन का वेतन पाने का श्रधिकारी है इसलिए उसने श्रमिक नाथ सिंह से मिलकर ऐसा किया इसलिए प्रार्थी के खिलाफ बेईमानी सं अधिक वेतन दिलवाना साबित होता है । बिपक्षी के विद्वान प्रति-निधि का यह भी तर्क है कि इस प्रकरण में नाथू सिंह ने श्रपने शपथ पत्न के पैरा 2 व 3 में यह कथन किया है कि उसको प्रधिक भ्रदायगी दिलवाई जो बाद में सी०पी० शर्मा उससे वापस ले गया श्रौर इसका कहीं भी प्रति परीक्षण में कोई कटाव नहीं श्राया बबी प्रसाद भट्टाचार्य के कथनों से यह साबित होता है कि मी० पी० शर्मा ने नाथू सिंह को श्रिधिक भुगतान किया ग्रौर जो अदायगी प्राप्त करनी थी यह भी नहीं काटी ग्रीर इस बयान को कहीं भी जुनौती नहीं दी गई है। श्री रायजादा के गपथ पत्र से भी यह साबित होता है कि प्रार्थी ने अधिक ग्रदायगी नाथू सिंह को की इसलिए प्रार्थी के खिलाफ बना श्रोवरटाईम स्लिप के भगतान करने 26 दिन के बजाय 31 दिन का भुगतान नाथू सिंह का दिलवाने व रूपये 29.12 पैसे वसूल नहीं करने व गलत वैरीएबिल् डाटा भोजना साबित होता है।

8. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि इस प्रकर्ण में दिसम्बर, 1978 से जनवरी, 1979 की जो श्रोवरटाईम की स्लिपे पेश की गई है वे साबित नहीं होता क्योंकि ई-फार्म रॉजस्टर, जिसमें श्रमिकों की हाजिरी लगाई गई है, श्रमिक नाथ सिंह का कोई ग्रोवरटाईम नहीं दिखाया गया श्रीर न ही प्रार्थी द्वारा जो दो श्रोवरटाईम की स्लिपें प्रदर्श एम-12 व एम-13 जिनके ग्राधार पर भुगतान किया गया है, पर किसी समय पालक के हस्ताक्षर नहीं है श्रौर ना ही पाली आधिकारी के हस्ताक्षर हैं श्रीर नाथू सिंह ने भी श्रपने हस्ताक्षरों से इन्कार किया है इसलिए ये श्रोवर-टाईम की स्लिपें प्रदर्श एम-12 व एम-13-डब्ल्यू-5 व डब्ल्यु-6 फर्जी है भ्रोर इनके आधार पर जो अदायगी की गई है वह कम्पनी को गलत नुकसान पहुंचाने के लिए घोखा देकर की गई है ग्रौर वह अदायगी स्वयं प्रार्थी ने नाथु सिंह से प्राप्त कर ली है इसलिए उसकी बदनियति साबित होती है। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि प्रोवरटाईम की स्लिपें प्रवर्श एम-12 व एम-13 प्रार्थी के कब्जे से पेश हुई हैं जिससे भी यह साबित होता है कि ये शोवरटाईम की स्लिपें फर्जी हैं। इसलिए इनके स्राधार पर जो भी स्रदायगी की गई है उसको फर्जी माना जाना चाहिये । विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह सर्क है कि चार्ज नं० 3 मार्च, 1979 के वेतन के बारे में है जिसमें प्रार्थी ने नाथू सिंह श्रमिक को 31 दिन का वेतन दिलवाया है जबकि फार्म III रजिस्टर में नाथ सिंह की अनुपस्थित लगाई गई है और नाथ सिंह ने स्वयं ने इस बात को स्वीकार किया है कि उसने मार्च, 1979 में कोई काम नहीं किया । इस प्रकार नाथू सिंह के बयानों से चैक लिस्ट से, III फार्म रजिस्टर से बढ़ी प्रसाद भट्टाचार्या के बयानों से यह साबित होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने नाथू सिंह का मार्च, 1979 का वेतन बिल गलत बनाया श्रीर उसमें 31 दिन का बेतन दिखाया गया है जब कि कोई वेतन नहीं था। इस प्रकार उसने कम्पनी को नुक-सान पहुंचाया । यह भी तर्क है कि जांच के दौरान श्रमिक सी.पी. शर्मा का प्रदर्श एम-II बयान हुआ है जिसमें भी उसने विपक्षी द्वारा लगाये गये कथनों को स्वीकार किया है इस लिए प्रार्थी के खिलाफ लगाये गये आरोप सिद्ध होते हैं श्रीर जो दण्डादेश पारित किया गया है वह उचित है इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिये। विपक्षी के बिद्वान प्रतिनिधि ने इस तर्क के समर्थन में एल०एल०जे० (1972) (बॉल्युम-I) (एस०सी०) यूनियन श्रॉफ इण्डिया अनाम सरदार बहादुर व जे०टी० 1996 (2) (एस०सी०) 140, हरीचन्द वर्गेरह बनाम राज्य सरकार को पेश किया है।

9. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि श्री बी० एम० बागड़ा का जवाब में कहना है कि नाथू सिंह श्रीमक का बयान विश्वासनीय नहीं है क्योंकि ये गराब पीका है, और उसको चोरी के आरोप में हटाया कता है और उसका आवरण

सही नहीं है और उसने आधक अदायगी प्राप्त की थी जिसकी जिम्मेदारी उसकी थी उसमे बचने के लिए बयान दिया है, इसलिए उसके कथनों पर विश्वपाल नहीं किया जाये। यह भी तर्क है नाथ निहान अपने कथनों में माना है कि उसने तीन महीने सरफील पर व अन्धरश्राजन्द्र में। काम किया था परन्तु अन्डरक्षाक्रस्य ने कार्य कार्य कोई रिकाड पेश नहीं किया इसलिए वह भाना जाना चाहिए कि अगर वह रिकार्ड पेश होता तो प्रार्थी के कथन का समर्थन करना और जो ओवर-टाईम दिलबाया गया है वह सही है । यह भी तर्क है कि माईन्स रुल्स, 1955 के नियम 59 के अनुसार नियोजक द्वारा I फार्भ में ओवरटाईंग का र्राजस्टर जाता है जिसको नाथ सिंह व बद्री प्रमाद ने माना है परन्त् कोई I फार्न रजिस्टर पेश नहीं किया गया इसलिए इनके अभाव में यह माना जाये कि नाथु सिंह ने ओवरटाईम काम किया जिसको स्लिप एम-12 व एम-13 के आधार पर अदायगी की गई, वह सही है। प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि नियम 59 के अनुसार ओवरट।ईम करने दाले श्रीमकों का ओवर-टाईम का इन्द्राज फार्म I में होता है, जिसका प्रोफार्मा भी दिया गया है परन्तु नियोजक ने माह/दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 का न तो आई फार्म राजस्टर पेश किया है और न ही अप्रवल स्लिप पेश की है तथा सी फार्म भी पैश नहीं किया और 17-12-78 से 15-1-79 तक की अवधि का ईफार्म रजिस्टर भी पेश नहीं किया हें इसलिए यह साबित होता है कि प्रदर्श एम 12 व एम 13 ओवरटाईम की सिलिये सही है प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तक है कि इस प्रकरण में रिकार्ड रखने का काम गणपत करता था, जिसको भी साक्ष्य में पेश नहीं किया गया और नही श्री बन्ना कन्द्रोलिंग अधिकारी को पेश किया गया है तथा शिक्ट इंचार्ज श्री राजसिंह को भी पेश नहीं किया गया और इसी कारण यह उपधारणा ली जानी साहिये कि अगर ये व्यक्ति साक्ष्य में पेश होते तो प्रार्थी के कथन कि प्रदर्श एम 12 व एम 13 सही बनाई गई है, का समर्थन करते विपक्षी के कथनों का समर्थन नहीं करते । तथा इन स्लिपों के आधार पर जो अदायगी की गई है वह सही है।

10. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि प्रार्थी के पास वैरीएबिल डाटा तैयार करने से पहले ओवर टाईम फार्म एम-12 व एम-13 नायू िनह के हस्ताक्षर य कन्द्रीलिंग अधिकारी के हस्ताक्षर होने के बाद आया जिसके आधार पर प्रार्थी ने वैरीएबिल डाटा के साथ ओवर टाईम फार्म के अनुसार ओवरटाईम के विवरण के माथ सूची बनाकर भेजी थी और नाथू सिह ने प्रदर्श एम 12 व 13 के अनुसार ओवरटाईम की राशि का भुगतान प्राप्त किया है इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता। प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता। प्रार्थी के विदान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि नाथू सिह ने प्रदर्श एम 1 प्रार्थी के विकट शिकायत पेश की है उसमें न तो प्रार्थी का नाम दिया है और न ही ओवरटाईम न करने के बारे में कोई उल्लेख किया गया है तथा प्रवर्श

एम 1 जो दो दिन बाद पेण करना बताया गया है में ओवर टाईम में गड़बड़ी बताई गई है और प्रदर्ण एम 2 खुद ने अपनी इच्छा में नहीं लिखी बिल्क टाईम ऑफिस में सवाई सिंह, महावीर प्रमाद माथुर टाईम कीपर में सलाह करके उनके हारा सी०पी० शर्मा का नाम बताने पर उनके हारा शिकायत लिखकर देने के बाद खुद ने उनको नकल करके पेश की है तथा एम 2 पर किसी भी नियोजक अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं है जबिक एम 1 पर पी० ओ० के लघु हस्ताक्षर नहीं है जबिक एम 1 पर पी० ओ० के लघु हस्ताक्षर है। इस प्रकार ओवरटाईम माह दिसम्बर 1978 जिमका भुगतान जनवरी में किया गया व माह जनबरी 1979 का भुगतान फरबरी 1979 में नाथू सिंह ने प्राप्त किया और नाथू सिंह के अनुसार फरवरी, 79 में जो उसको अदायगी मिली उसका पेमेन्ट की०पी० शर्मा ने प्राप्त नहीं किया जबिक वह तीनों महीनों का पैमेंट वापस लेना चाहना है। इस प्रकार नाथू सिंह के बरानों की नहीं माना जाना चाहिये।

11. प्रार्थी के विद्वान प्री नििध का यह भी तर्क है कि माह मार्च 79 में III फार्म के अनुसार वैरोएबिल डाटा में 000 लिखा था जिसकी पृष्टि प्रदर्भ -8 में होती है, तथा विभागीय जांच के रिकार्ड की माना भी जाये तो विभागीय जांच में जो वैरोएबिल डाटा मार्च, 79 का पेण हुआ है उसमें 000 लिखा हुआ है जोिक कोर्ट में नियोजक ने पेश नहीं किया । इसालए यह माना जाना चाहिये कि असल वैरोएबिल डाटा व कार्बन प्रतियों जो कि प्रार्थी के हाथ की लिखी हुई हैं, वह प्रार्थी के कथनों का समर्थन करती थी । इसालए विपक्षी की साक्ष्य में यह सावित नहीं होता कि प्रार्थी ने कोई गलत इन्दराज किया जिसके आधार। पर नाथू मिह की अधिक अवायगी हुई हो ।

12. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि प्रदर्श डब्ल्यू---1 व डब्ल्यू---2 को देखने से स्पट्ट है कि दिसम्बर में नाथू सिंह ने 49 घंटे काम किया ग्रीर श्रोवर टाईम वेतन श्रधिक मिला है जबकि जनवरी 79-में 56 घंटे श्रोवर टाईम कान किया श्रीर वेतन कम मिला ग्रीर यह वेतन नाथु सिंह ने लेना स्वीकार किया है ग्रौर नाथू सिंह से इसकी कोई वसूली नहीं की गई है इसलिए नायू सिंह ने बचने के लिए ऐसा किया है इस-लिए उसके कथनों पर विश्वास नहीं किया जाये। प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का तर्क है कि विभागीय जांच की कार्बन कॉपी जो पेश की गई है उसमें नाथ सिंह से माह दिसम्बर 78 में 29.12 पैसे तथा माह जनवरी 79 में 42.28 पैसे का इन्दराज किया गया है े भौर मल वेरीयेबिल डाटा पेश नहीं किया गया है जिससे यह उप धारणा ली जानी चाहिये कि ये रिकाई जान-बुझकर इसलिए पेश नहीं किया गया है कि अगर यह पेश होता तो प्रार्थी के कथनों का समर्थन करता श्रौर विपक्षी के प्रकरण का समर्थन नहीं करता इसलिए प्रार्थी के खलाफ कोई साक्ष्य नहीं है श्रीर कोई ग्रारोप सिद्ध नहीं होता। इसलिए प्रार्थी को इन आरोपों से दोष मुक्त किया जाये।

13 प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है जो ग्रारोप पत्न प्रार्थी को दिया गया है उसमें ऐसा कहीं नहीं है कि प्रार्थी तो सी.पी. शर्मा ने नायु सिंह से भोवरटाईम के ग्रधिक दिये गये पैसे वापस लिये इसलिए ग्रगर कोई श्रारोप माना भी जाये तो ज्यादा से ज्यादा लापरवाही से वैरीयेबिल डाटा बनाने का साबित होगा श्रौर उसके खिलाफ कोई दोष सिद्ध नहीं होता इसलिए कम्पनी के स्थाई ब्रादेशों के नियम 40 के ब्रनुसार प्रार्थी को जो सेवा मुक्ति का दण्ड दिया गया है वह प्रधिक है क्योंकि नियम 40 के अनुसार कम्पनी की कोई प्रार्थी की लापरवाही से न्कसान हुन्ना है तो वह उससे वसूल किया जा सकता है। इसलिए इस प्रकरण में भी कोई लापरवाही है तो प्रार्थों से उस राशि को वसूल किया जाना चाहिये श्रीर जो दण्डादेश सेवामक्तिका पारित किया गया है वह प्रधिक है व उसे प्रपास्त किया जाना चाहिये।

14. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस न्यायालय द्वारा 13-9-95 को भादेश पारित किया गया है कि विभागीय जांच की कार्यवाही को इसमें शामिल नहीं किया आयेगा। इसलिए विभागीय आंच के दौरान हुई कार्यवाही को इस प्रकरण में नहीं पढ़ा जा सकता श्रीर श्रारोपों के प्रदर्श एम-II बयान को भी उस हद तक ही पढ़ा जा सकता है जिस हद तक उसके बयान से विरोधाभास न्यायालय में करवाया गया है भौर पूरे बयान नहीं पढ़े जा सकते इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई श्रारोप साबित नहीं होता । यह भी तर्क है कि प्रदर्श डब्ल्यू--14 ग्रजमेर विश्वविद्यालय द्वारा कम्प्युटर की गलती का समाचार पत्निका में प्रकाशित हुआ, उसकी प्रति है, जिससे भी साबित होता है कि कम्प्यटर में गलती से भी गलतियां हो सकती हैं श्रीर इस गलती के लिए प्रार्थी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता इसलिए प्रार्थी के खिलाफ ग्रारोप सिद्ध नहीं होता। इस तर्क के समर्थन में प्रार्थी के विभिन्न प्रतिनिधि ने निम्नलिखित न्याय निर्णय पेश किये हैं:

- 1. 1996 लैंब. श्राई. सी. 2595 (मान. उड़ीसा उच्च न्या.) श्रानन्द चन्द्र प्रस्टी बनाम उड़ीसा मईनिंग कापोरिशन लि.
- 1995 लैंब. प्राई. सी. 1496 (मान. बाम्बे उच्च न्या.) चन्द्रकुमार मधुकर देशमुख बनाम बोर्ड ग्रॉफ ट्रस्टीज ग्रॉफ पोर्ट ग्रॉफ बॉम्बे।
- 3. डब्ल्यू, एल. एन. [य. सी. (1981 पेज 457) मान० राज. उच्च न्यायालय] अमृत लाल बनाम राजस्थान राज्य
- 4. 1991 एल. एल. एन. 228 (मान. मनाहा-बाद उच्च न्याय.) जगदीश प्रमाद सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

. -- __- -

- 5. 1996 लैंब. श्राई. सी. 2326 (मान. पंजाक्ष व हरियाणा उच्च न्या.) पंजाक स्टेट कोग्रापरेटिव सप्लाई एंड मार्केटिंग फैंडरेशन लि. चंडीगढ़ बनाम पीठासीन श्रधिकारी, श्रम न्यायालय, जालंधर,
- 6. 1995 लैब. श्राई. सी. 1971 (मान. इलाहाबाद उच्च न्या.) यू. पी. राज्य पथ परिबह्न निगम बनाम सरफराज हुसैन
- 7. सिबिल ग्रंपील नं. 376/76 निर्णय दिनांक भार्च 18, 1977 कांक्स एंड किंगस (एजेण्टस) लि. बनाम उनके श्रमिकाण
- 15. मेरे विचार में इन तकों को विवेचन करने के लिए प्रथम तो श्रारोप पत्र को प्रस्तुत किया जाना श्राव- इयक है जो निम्नलिखित है:
  - (i) While feeding computer variable Data for monthly wage bills for workmen of Kolihan Mine for the month of December, 1978, as amount of Rs. 29-12 was to be recovered from the wage bill of Shri Nathu Singh, Code No. 23340, Helper towards excess payment. But this recovery has not been effected till date. On the other hand Shri Nathu Singh was shown to have worked 49 hours overtime though there is neither any over time requisition slip nor any entry in the Form 'E' Register regarding his having been engaged on over time work. Further he was allowed wages for 31 days as against 36 days attendance in the month of December 1978.
  - (ii) During the month of January, 1979 while feeding computerr variable data, an amount of Rs. 42.28 was to be recovered from the wage bill of the above mentioned workman namely Shri Nathu Singh towards excess payment which was not recovered. On the other hand data was also fed from 56 hours of overtime for which there was neither any overtime requisition slip nor any such entry was available in Form 'E' Register.
  - (iii) That for the month of March 1979 Shri Nathu Singh was allowed full month's wages on the basis of variable data fed by you to the Computer whereas Shri Nathu Singh was not shown as present during the entire month as per the entries in Form III Register. Thus Shri Nathu Singh has been paid excess amount than what he was actually entiled to."

The above acts alleged to have been committed by you amounts item 39(2) (iii).....Fraud or dishonesty in connection with the Company's business....(iv) taking or giving bes or any illegal gratification whatsoever (v).....any act subversive of discipline.

Since the charges levelled against you are of very grave and serious nature, you are hereby suspended pending enquiry and final orders in the matter with immediate effect. During the period of suspension pending enquiry you will be paid subsistence allowance as admissible under the Standing Orders as applicable to you, You are also required to sign daily in the register of suspended workman kept at the Security Barrier Gate as a token of your having not left the Head quarters without permission.

Should you fail to record your presence as aforesaid it will be deemed that you have left the Headquarters without permission and you will not be paid subsistance allowance for such period.

You are hereby required to explain within 3 days of the receipt thereof as to why you will not be appropriately dealt with for the charges of misconduct levelled against you as above. Should you fail to explain, as advised, the matter will be disposed of without any further reference to you."

16 इस प्रकरण में म्ख्य मौिखक साक्ष्य (गवाह) विपक्षी की श्रोर से श्री नाथ सिंह को पेश किया गया है। मेरे विचार में नाथ सिंह का बयान विश्वसनीय नहीं है। नाथ सिंह का मुख्य परीक्षण में कथन है कि:---

- (1) यह कि मैं हिन्पुस्तान कांपर लि. की कोलिहान माइन्स में बैतोर हैल्पर यांत्रिक (मैकेनिकल) विभाग में दिनांक 10-12-876 से कार्य कर रहा हुं।
- (2) यह कि वर्ष 1978 के बारहवें महीने श्रौर वर्ष 1979 के जनवरी श्रौर मार्च महीने का बेतन जब मैं लेकर श्रपने घर पहुंचा ही था जब श्रीती. पी. शर्मा जो उस समय मेरी तनख्वाह बनाने थे, ग्रा जाते थे श्रौर मुझे कहने कि तन्खवाह दूसरे श्रादमी के हिसाब से गलती से उसका बिल मेरी तन्ख्वाह में चढ़ गया है तो तू मुझे ज्यादा रुपया श्रा गया है वह देदे। श्रौर नेरी हाजिरी के दिसों का रुपया तुझे दे देता हूं।

(3) यह कि मैं चंकि कई दिन गैरहाजिर रहता थः तों मुझे लगा कि ज्यादा रुपया गलती से ही ही मुझे मिल गया है।तो मैं श्रीमी,पी,णर्मा की बात का विश्वाम करता रहा श्रीर श्री णर्मा ने मुझे दिलम्बर 1978, जनवरी, 1979 एवं मार्च; 1979 के वेतन के पेटे रुपये 200 व 250 ही मिला श्रीर जो बेतन मझे तीनों महीनों की लिफाफे में और पे-स्लिय में चढकर मिलता था उन 200, 250 रुपयों को छोडकर बाकी राब रुपया श्री भर्मा मुझसे ले लेते थे ग्रौर कहते थे कि यह रूपया फाईनेंस में जमा करके रसीद दे दुंगा । मैंने जब ऐसी तीसरी बार हमातो श्री शर्मा से पूछा था कि मेरे वेतन में ही बार बार गड़बड़ क्यों हो जाती है मुझे तब श्री शर्माने कहा कि हजारों का बिल बनाता है विमाग खराब हो जाता है। मैं बोला ठीक है पर शर्मा जी रमीद तो दो, इन्होने कहा कि एक साथ धुंगा।

- (4) यह कि कई बार अबैल, 1979 से दिसम्बर, 1979 के बौरान मैंने इनसे रसीद देने की पूछा। वह मुझे रसीद देने को टालते रहे और कभी कहते कि घर पर रह गई कभी कहते कि ला दुंगा तू घबराता क्यों है।
- (5) यह कि माह जनवरी की 29 तारीख 1980 के दिन मेरी इनसे रसीद वापस जो क्या ये फाइनेंस में जमा कराकर मुझे देने का नादा कर गये थे, नहीं देने के बारे में कहासुनी हो गई। श्री शर्मा ने कहा कि नेरे से जो बने कर लेना मेरेपास तो रसीद वसीद नहीं हैं। तू जो चाहे कर ले। मैंने इस बात को कुछ श्रन्य श्रीमकों को बताया, उन्होंने कहा कि पी. श्रो. साहब को शिकायत लिख दे। मैंने उन श्रीमकों में से एक से शिकायत लिख वाई श्रौर मैंने अपने हाथ से लिख कर पी. श्रो. माहब को देदी। यह शिकायत प्रदर्श ए1-1 है। इस पर मेरे श्र से अ हस्ताक्षर हैं।
- (6) यह कि शिकायत प्रदर्श एम--1 करने के बाद मेरे हारा श्रोबर टाईम नहीं करने की बात की शिकायत दो दिन बाद की है यह शिकायत एम-2 है।
- (7) यह कि मेरी शिकायतों के बाद श्री शर्मा का श्रारोप पत्न कम्पती ने दिया श्रीर उन्हें काम पर से ससर्पंड कर दिया। यह कि श्री शर्मा के ऊपर श्रारोपों की जांच कम्पनी ने की थी। उस जांच में मेरे बयान हुए थे। जाच भें मुझसे जो पूछा उसके जवाब मैंने लिखवाये

- थे। मेरा कम्पनी की जांच का अयान रिकाई पर है।
- (8) यह कि श्री शर्मा ने भुझे इस कोर्ट में क्यान नहीं देने को कहा श्रीर कहा कि बयान देना है तो क्यान बदल देना । मैं नौकरी में श्रा जाऊंगा मुझे दो तीन लाखं रुपया मिल जायेगा तुझे 50,000 रुपया मिल जायेगा, मैंने लहा कि मुझे 50 पैसे भी नहीं चाहिये, मैं तों अपने बयान नहीं बदलूंगा।
- (9) यह कि ये बात आज से सवा महीने पहले मेरे घर आकर श्री भर्मा ने कही थी मैंने यह बात अपने अपने आस पास रहने वाले मित्रों को बताई। उन्होंने कहा बयान बदल दे तुझे तो पड़े ही रुपये सिल जायेंगे। मैं बोला कि मैं तो दाबरों को पालूंगा में ऐसा गलत काम नहीं करंगा।
- (10) यह कि मुझे कल विनाक 10-8-89 की भी श्री गर्ना के ब्राइमी ने बातें बनाकर गराव पिलाई भौरपहुल चांदपाल में श्री शर्मा का बकील के गहां ले गये, बकील ने कहा कि मैं नहाकर आता हं,बैठों कहा। वहां श्री सी. पी. शर्माभी थे। श्री शर्मा ने कहा कि कोर्ट में सत जाना। 100/- रुपये देने लगा कि गांव चला जो मैंने नहीं लिये । उसने फिर वह रुपये अप्तवारी को दिये फिर हमा नीचे हेनुमान मंदिर के पास चाय पीने ब्रा भये। तब मुझे बंतवारी बाजार में गये श्रीर शराब पिलाई। मैं बनशारी को गांव जाने की कहंकर रिक्शा में बैठा श्रीर फिर रिक्शा वाले से हाई कोर्ट छोंड़ने को कहा क्योंकि भैंने सोचा कि वहां साहब श्रौर वकील साहब मिल जायेंगे। तब मुझे बकीन साहब के साथ काम करने वाले वकी ल श्री शिवसिंह जी हाई कोर्ट में मिले उन्होंने कहा कि तुम यहां क्या कर रहे हों, तेरी तो ढुंढ मचरही है, फिर मैंने स्नाकर कोर्ट को सबक्छ बताया था।

17. प्रथम तो ये कि नायू सिंह ने 29-1-90 को प्रदर्श एस-1 प्रार्थना पत्र गिष्ठात के रूप में रेश किया है जो निम्नलिखित हैं:---

"उपरोक्त विषय में नम्न निवेदन कर यह लेख है कि मुझे माह दिसम्बर 1978 व जनवरी 1979 के गुरु से तीन चार महीने में पेरी तनख्वाह में कुछ गड़बड़ी मिली मैंने तन्छवाह के बिल संबंबी बाब् को इस के बारे में बताया तो उन्होंने प्रत्येक माह में तन्छवाह से ज्यादा रकन जो थी वह वापस ले ली तथा कहा कि यह गलती में कियी दूसरे का पैसा तुझों मिला है। यह पैसे में फाइनैन्स में जभा करा यूंगा। इसके बाद मैंने कई दफा बिल संबंधी बाब् से पैसों की रसीद मांगी परन्तु ग्राज तक न हां मुझे रसीद दी तथा न ही कोई स्पर्टीकरण दिया है। श्रानः श्रव में श्रापमे प्रार्थना करता है कि मेरे इन तनक्वाह की गड़ड़बड़ी के बारे में उचित जांच तर मझे गरीब प्रार्थी को सन्तुष्ट जनक उत्तर देने की ग्रामा करें।

उपरोक्त प्रायंना पत्न में नाथू सिह ने यह कथन किया हैं कि उसे तीन चार महीने की तनखाह में गड़बड़ी मिली तो उन्होंने प्रत्येक माह मे तनखाह से ज्यादा रकम थी वह वापस ले ली। इस प्रकार नाथू सिंह ने दिनांक 29-1-80 को लिखित में यह कथन किया है कि उसे ज्यादा तनखाह मिली जिसके बारे में उसने बिल बाब को बताया था जिससे उसने प्रत्येक माह की श्रधिक रकम वापस ले ली थी। श्रव वह श्रपने गपथ पत्र के पैरा नं, 2 में यह बताता है कि वर्ष दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 य मार्च 1979 का जब घेतन लेकर धह घर पर पहुंचता था तो सी पी. शर्मा ग्रा जाता ग्रौर कहता कि दूसरे आदमी के हिसाब से गलती से जो ज्यादा रुपया श्रा गया है वह ले जाता। इस प्रकार नाथु सिंह ने अपनी शिकायत प्रदर्श एम-1 में दिये गये कथन को अपने शपय पत्र में बदला है। प्रधिक भ्रदायगी जो नाथु सिंह को की गई उसकी श्रभी तक वसूली नहीं की गई ग्रीर श्रधिक वसूली के लिए नाथु सिंह जिम्मेदार है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नाथु सिंह का प्रार्थना पत्र प्रदर्श एम-1 व शपय पत्र के पैरा 2 में अधन को बदलना यह दर्शाता है कि वह गलत कथन कर रहा है मन्यया उसके कथनों में इतना बदलाय न श्रीता।

18. दूसरे यह तथ्य इस झोर भी इंगित करता है कि नाथू सिंह का कथन प्राकृतिक नहीं हैं इसलिए भी उसके कथन को नहीं माना जा सकता।

19. तीसरे नायू सिंह का प्रति प्ररीक्षण में कथन है कि जनवरी 1979 में उसे कितनी तनवाह मिली थी यह याद नहीं मगर उसका बंद लिफाफा या जिसमें ये स्लिप थी भीर वेतन केवल उस में 250/- रुपये सी.पी. शर्मा ने छोड़ा था बाकी पैसे खदले गया था। आज खुद कहा कि दूसरे आदमी का गलती से चढ़ गया है, पैसे वापस कर दोगे तो फाइनेंस में वापस जमा करा दूंगा। मार्च में भी ऐसा हुआ था, उसका 200-250 रुपये ही छोड़े बाकी पैसे ले जाकर फाईनेंस में जमा कराने को कहाथा। इस प्रकार नाथु सिंह के भ्रनुसार उसने केवल 200-250 रुपये ही छोड़े थे बाकी कपये सी.पी. गर्मा ले गया था। यह बात मानव व्यवहार में भी जीवत प्रतीत नहीं होती कि कोई श्रमिक अधिक भुगतान वापस देने से पहले ये नहीं पूछे कि उसका ग्रसल पॅमैन्ट कितना है और वह केवल 200-250 रुपये में बिना किसी हिसाब किताब के संतोष कर ले । यह परिस्थिति ये दर्शाती है कि नाथू सिंह सत्य कथन नहीं कर रहा है इस-लिए उसका बयान विश्वसनीय नहीं महा जा सकता।

20. वौथे नायू, सिंह का परीक्षण में कथन है कि "आप जब जनवरी में उसके पास माये हो नहीं तो आपको पैसे कहां से देता" इस प्रकार नायू सिंह ने मुख्य परीक्षण में तो तीनों महीनों का पैसा देना कहा है और श्रंब यह जनवरी का कोई पैमेंट देना नहीं कहता। इस प्रकार उसके कथनों में काफी विरोधाभाम है जो यह दर्णाता है कि उसने असत्य कथन किया है।

21 पांचवें, विपक्षी यह ब्रकरण लेकर ब्रावा है कि मार्च 1979 में नाथु सिंह ने कोई काम नहीं किया ग्रीर उसकी III फार्म रजिस्टर में 000 उपस्थिति थी। नाथु सिंह का प्रति परीक्षण में कथन है कि यह सही है कि मार्च 1979 की तनखाह 5-4-79 को ली है, 5-4-79 की जसकी फर्स्ट डयूटी थी ये ठीक है कि मार्च, 1979 के वैतन का बंद लिफाफा मिला था। मार्च का वेतन भी उसे 9.30 बजे से 10.00 के बीच मिला था। मार्च का वैतन लेकर वह घर गया, ग्राप उसके पीछे पीछे घर भाये, लिफाफा सी.पी. शर्मा ने खोला तथा मार्च में भी 200-250 रुपये छोड़कर यह कहकर ले गया कि उस पैसे को बापस फसइनैन्स में जमा करा देगा, भ्रन्दाज से उसने 200-250 रुपये बताया था। यह बात मानव व्यवहार में उचित प्रतीत नहीं होती कि नाथू सिंह श्रमिक ने अक्ष मार्च, 1979 में कोई काम ही नहीं किया या तो वह धपना वैतन लेने भैसे पहुंचा श्रीर फिर उसने 200-250 रुपये मपने पास क्यों रखें। ये परिस्थितियां यही दर्शाती हैं कि वह मसत्य कथन कर रहा है और इसमें किसी मन्य भ्यक्ति का हाथ प्रतीत होता है। इसलिए नाथु सिंह के कथनों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

22. छठे, यह बात मानव ध्यवहार में उचित प्रतीत नहीं होती कि लगातार दिसम्बर, 1979, जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 में किसी का बिल गलत बन जाये घोर वह प्रत्येक माह में बिना किसी हिसाब किताब किये बिल बाबू की चुपचाप भवायगी करता रहे घोर न ही रसीद मांगे घोर न ही फैक्ट्री में जाकर किसी से शिकायत करे घोर चुपचाप रहे। यह तथ्य भी ये दर्णाता है कि श्री सी.पी. मर्मों को नाबू सिंह ने कोई भवायगी नहीं की मन्यया वह एक दो माह बाद अन्य श्रीकों से भी कहता। उसका चुप रहना यह दर्णाता है कि ऐसी कोई भ्रदा-यगी उसने सी.पी. मर्मा को नहीं की। इसलिए उसके कथन पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

23. सातवें, नायू सिंह का प्रति परीक्षण में कथन हैं कि नन्द लाल पांच तारीख को मौजूद या पर महीना याद नहीं। जब मन्द लाल बैठा था उस समय करीब 11.00 बजे का समय था उस रोज फर्स्ट उयूटी थी, नन्द लाल की ड्यूटी का उसे पता नहीं। वैसे नन्द लाल उसके समे मामा का लड़का है जो उससे मिलने प्राया था। इस प्रकार नायू सिंह के प्रनुसार जब सी.पी. शर्मा उसके पास पैसे लेने ग्राया तब नन्दलाल भी मौजूद था। इस प्रकार नन्द

सास एक स्वतंत्र गवाह था उसे पेश नहीं किया गया। उसको पेश नहीं करने से यह उप धारणा ली जा सकती है कि अगर उसे पेश किया जाता तो वह प्राधीं के प्रकरण का समर्थन करता और विपक्षी के कथन का समर्थन नहीं करता। इसलिए भी नाथू सिंह के बयानों को नहीं माना जा सकता।

24. श्राठवें, ऐसी कोई साक्ष्य पद्मावली पर नहीं है कि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 का बेतन जब नाथू सिंह ने प्राप्त किया तो उस खिड़की पर प्रार्थी सी०पी० णर्मा मौजूद था श्रीर उसके समक्ष नाथू सिंह ने वेतन लिया। यह परिस्थिति भी यह दर्शाती है कि श्रगर उसके समक्ष पेमैन्ट लिया होता तो इस बात को कहा जा सकता था कि उसे तब पता होता कि नाथू सिंह को श्रधिक श्रदायगी की गई है। परन्तु ऐसी कोई साक्ष्य नहीं श्राई इसलिए मानव व्यवहार में नाथू सिंह का यह कथन कि प्रार्थी उसके तन्ख्याह नेते ही उसके पीछे-पीछे श्रा जाता था, माने जाने योग्य नहीं है। यह कथन भी कि उसने तीनों महीनों की तन्ख्वाह वापस ले ली थी माने जाने योग्य नहीं है।

25. श्री सी०पी० शर्मा ने श्रपने शपथ पत्न के पैरा मं. 14 में यह कथन किया है कि नाथ् सिंह श्रादतन णराबी है तथा उसने मिथ्या शिकायत की है श्रीर उससे जरह में पूछा था कि उसके विरुद्ध ए.सी जे.एस. कोर्ट खेतड़ी में चोरी का मुकदमा चल रहा है तो उसने इन्कार किया है जबकि कोर्ट की प्रतिलिपि पेश की है जो प्रदर्श डब्ल्यू-8 है। श्री सी.पी. णर्माका श्रपने शपथ पत्न दिनांक 5-8-93 के पैरा नं. 6 में कथन है कि नाथ सिंह ने दूसरी युनियन के पदाधिकारियों व प्रधिकारियों के बहुकावे में प्राकर उसके विरुद्ध जो बयान किया है वह व्यक्ति हिन्द्स्तान कॉपर लि. खेतड़ी नगर में तांबा की चोरी करते हुए पकड़ा गया जिसको एफ. आई आर. पुलिस याना खेतड़ी नगर में इन्द्राज कराई गई जिसका नम्बर 93/91 है तथा न्याया-लय प्रपर मुख्य न्यायिक मंजिम्ट्रेट खेतड़ी में मुकदमा न 267,91 हैं जो विचाराधीन हैं और प्रदर्श उब्लय-16 है। श्री नाथू सिंह कोड नं. 23340 को नियोजक ने सेवा से भलग कर दिया, का आदेश प्रदर्श उब्ल्यू-17 है। इस प्रकार सी.पी. शर्मा प्रार्थी के ग्राप्य पत्र से साबित होता है कि नाथ सिंह के खिलाफ चोरी का मुकदमा चल रहा है ग्रोर उसे इसी कारण से सेवा से श्रगल किया गया है। इस प्रकार नाथू सिंह के इस ग्राचरण को देखते हुए भी उसके बयानों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। जब नाथ सिंह का बयान विश्वासनीय नहीं है तो उसका यह कथन कि प्रार्थी उससे दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 के वेतन में से श्रधिक पैसे वापस ल गया था, माने जाने योग्य नहीं इसलिए नायू सिंह विपक्षी की कोई मदद नहीं करता।

26. प्रार्थी के एम-11 बयान जांच के दौरात हुए हैं। एम-11 क्यनों के दौरान पंज तं० 56 पर ही ग्रसल यैरीये-बिल ढाटा व कार्यन प्रतिलिपियां वैरीयेबिल डाटा को जो पेश हुई थी श्रीर इन गंबंधित महीनों का जो विवरण जिला हुआ था व फार्म III पर जो विवरण लिखा हुआ है, अनका नोंड अंकित किया हुआ जो, भी इस प्रकरण का निर्णय करमें के लिए मुसंगत है और निम्नलिखित है:

Following records of time office are seized by the Enquiry Officer, and the present condition of individual entries regarding Mr. Nathu Singh is as under:

(Ex-6) 1-Form III a register of mechanical wing (from 16-11-78 to 15-2-79)

Condition: In horizental total of attendance Dec. '78 for Mr. Nathu Singh—26|16 is there.

In excess column the recovery of Rs. 29.12 and Rs. 21- as P.F. is shown.

In January '79—recovery of Rs. 42.28 and Rs. 3.00 as P.F.

2-Form III a register of mechanical wing (16-2-79 to 15-5-79).

In March '79Total attendance of Mr. Nathu Singh is shown 000 and written as supp. bill.

3-Form E register of Mechanical Wing (from 29-10-78 to 16-10-78)

4-Form E register of Mechanical wing (4-2-79 to 24-3-79).

5-A fite containing O.T. slips of mechanical wing of Dec. 1978 (16-11-78 to 15-12-78) and its compiled statement and duplicated variable data sheets of December 1978 of mechanical wing.

Against Mr. Nathu Singh's name in attendance column the figure is defaced badly and it appears to be made as 31. (as there was a dispute about identifying the figure and Mr. Lohani, who only was available a neutral man was called and asked what it appears to, he said it appears to be 31.).

In the total of attendance column the last digit is defaced and, however it is appearing as 6. Toal figure is 7036. In the horizental total of recovery columns Rs. 29.12 and Rs. 2 where original written and struck off-by carbon

In Jan. 79: In pay bill sheet against the Nathu Singh on the original figure of 31 zero zero zero zero (0000) were written by carbon.

In the columns of recovery a carbon print of Rs. 42.28 and Rs. 2.00 is written.

In the vertical total columns of attendance the total is 7203.

The vertical total of recoveries column is 3017.08 and 126.00.

In March 79: In attendance column, 000 is over written on 31 by carbon.

Same file containing O.T. slips from 16-12-79 to 15-3-80 (three months) and its compiled statements—

Ex. M.11 6-A filed containing the computer data (printed) sheets from the month of December-1978, January, 1979, February, 1979 and March 1979.

Six Items only

The enquiry is adjourned to 4th June, 1980 at 9.30 A.M. at the same place.

27. इस प्रकरण में विषक्षी की घोर से असल या डुप्लीकेट वैरीयेत्रिल डाँटा जो प्रार्थी द्वारा बनाया गया था, पेण नहीं किया गया। केवल चैक लिस्ट, जो कि कम्प्यूटर द्वारा प्रार्थी द्वारा बनाये गये वैरीयेबिल डाटा के आधार पर बनाई गई है, को पेण किया गया है जो कि प्रदर्श एम-5 है।

28. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि श्री बी एम बागड़ा का तर्क है कि इस प्रकरण में ऐसी कोई साध्य नहीं कि इसतावेज गुम हो गये श्रीर द्वितीय साध्य धारा 65 साध्य श्रिधिनयम के अन्तर्गत पेण की जा सकती है लेकिन वह तभी पेण की जा सकती है जब धारा 65(सी) साध्य श्रिधिनयम के अन्तर्गत वर्णित परिस्थितियां साबित हो जायें। परन्तु इस प्रकरण में ऐसी कोई परिस्थिति साबित नहीं हुई इसिलए असल व कार्वन बैरीयेबिल डाटा जो कि जांच के दौरान पेण हुआ था, वह जानवृझकर पेण नहीं किया गया इसिलए प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता और प्रदर्श एम-5 चैक लिस्ट जिसमें गलतियां होने की संभावना रहती है, से कोई निष्कर्ण नहीं निकाला जाना चाहिये श्रीर यह साक्ष्य नहीं पढ़ी जानी चाहिये और प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता।

29. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि थी मनीज कुषार शर्मा का जवाब में कहना है कि विपक्षी की श्रोर से थी ए. श्रार. सोनी व ए. के. रायजादा के शपथ पत्न पेण किये गये हैं जिसमें यह श्रीकत किया गया है कि में रिकाई उपलब्ध नहीं है श्रीर थी रायजादा ने शपथ पत्न में यह रिकाई नहीं मिलना बताया श्रीर यह साबित होना है कि यह रिकाई गृम हो गया। इन परिस्थितियों में जो द्वितीय साक्ष्य पेण की गई है वह सही है श्रीर प्राधी ने भी यह माना है कि चंक लिस्ट श्रसल वैरीयेविल डाटा के श्रीधार पर बनती है इसलिए चैक लिस्ट, जो कि श्रसल वैरीयेविल डाटा के श्रीधार पर बनती है इसलिए चैक लिस्ट, जो कि श्रसल वैरीयेविल डाटा के श्रीधार पर बनती है इसलिए चैक लिस्ट, जो कि श्रसल वैरीयेविल डाटा के श्रीधार पर बनाई गई है, साक्ष्य में श्राह्म है श्रीर धारा 65 साक्ष्य श्रीमियम के श्रवधान इसमें लागू नहीं होते श्रीर इससे प्राधी के खिलाफ लगाये गये श्रारोप सिद्ध होते हैं।

30. मेरे विचार में प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि के तर्क में काफी सार प्रतीत होता है। श्री एस प्रार. सोनी ने अर्थने गपय पत्र में निस्तिलिखत कथन किया है:--

"घरेल जांच में प्रबन्धक के श्रिक्षकारी द्वारा कुछ श्रसल वैरीयेबिल डाटा प्राप्त करने का निवेदन किया या यह वैरीयेबिल डाटा उभी कमय ढुढ़ने गया था परन्तु तुरन्त उपलब्ध नहीं थे श्रतल वैरीयेबिल डाटा को आवश्यकता की पूर्ति किस प्रकार से हो सकती है उस वाबन और वैरीयेबिल डाटा नुरन्त नहीं भिल्तों के बाबन मैंने एक श्रांफिस नोट सीनियर पर्सनल ऑफिसर कोलोहान कॉपर माइन्स को लिखा था जा इस न्यायालय की पत्रावती पर प्रलेख पृष्ट सं. 237 पर है इसे मैं सही प्रसाणित करता हूं।"

31. श्री एम. श्रार. सोनी ने पेज न. 237 पर रिपोर्ट 12-3-80 को बी है जिसके अनुसार श्रमज बैरोवेबिल डाटा उनके पास उपलब्ध नहीं है, के बारे में अबन किया है। प्रदर्ण एम- [] बनानों में जो पेज 56 पर नीट दर्ज किया पवा है वह दिनांक 30-5-80 का है। इस प्रकार जब 30-5-80 को असल व डुब्लांकेन्ट वैरीवेबिज डाटा प्राप्त हो गया था ता पेज नं. 237 पर रिपोर्ट का कोई महत्व नहीं रह जाता श्रीर में ही श्री एस. श्रार. सोनी के बवानों का कोई महत्व रह जाता है। इसलिए यह गवाह विपक्षी को कोई महत्व रह जाता है। इसलिए यह गवाह विपक्षी को कोई महत्व नहीं करता। श्री ए.के. रायबादा का अपथ पत्र पेण किया गया है जिसमें उसने अन्य वत्र के पैरा नं. 2 पं निहानि के बयन किया है:

"2. यह कि असल जांच रिकार्ड में आज उन प्रलेखों के साथ न्यायालय में लाया हूं जो मुने इस न्यायालय में आने के पूर्व उपलब्ध हुए हैं और दिवाये गये हैं। यह रिकार्ड मैंने कम्पनी के अधिवनना श्रीमनीज कुमार शर्मा के कार्यालय में देखे। यह कि घरेलू जांच में माह दिसम्बर 1978; जनवरी, 1979 के जो वेरीयेबिल डाटा के अलेब एवं बांबरटाईन हिन्म जो कि घरेलू जांच में पेश की गई थी, कम्पनी के अधियनना हारा इस न्यायालय में इनको जो रिकार्ड कम्पने में प्राप्त है उसमें नहीं मिनना बनाया। यह कि माह दिसम्बर 1978 और माह जनररी 1979 एवं माह पार्च 1979 के उनत रिकार्ड को साथ कराने में पूर्व दिनांक 31-5-79 को इंडा गया सोर वह रिकार्ड उपनान नहीं हुना।"

32. यह णान यह जिनांक 1-6-93 को नेग किया गथ है श्रीर इतके मैरा 2 के प्राप्तार 31-5-79 को रिकार्ड ढूंढा गया तथा रिकार्ड उपनन्त्र नहीं हुमा। श्री रायबांदा का यह कवत माने जाने योग्य नहीं है। प्रयम मो में कि माओ ने यह श्रीका किया है कि शाम करा न पूर्व 31-5-79 को रिकार्ड डूंडा गया। जीव के दौरान तो काई गाम नहीं होती है इतिया यह रिकार्ड 31-5-79 को डूंडा का कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता इसनिए इस क्यान की प्रश्ने माना जा सकता। दूसरे अगर यह मान नो निया जान कि साओ यह लिखना आहता या कि 31-5-93 को रिकार्ड बूंबा गया तो भी यह कथन मस्पष्ट हो जाता है क्योंकि कहां और किसने बूंबा, यह स्पष्ट नहीं किया गया। इसलिए उसके इस कथन पर कि रिकार्ड उपलब्ध नहीं हुआ, विश्वसनीय नहीं कहा जा सकता।

33. प्रदर्श एम-II धारोपी के बयानों के दौरान जो पेज नं. 56 पर फार्म III व ड्रप्लीकेट एवं ग्रसल वैरीयेखिल बाटा के हालात दर्ज किये गये हैं वह रिकार्ड 30-5-80 का है। इसलिए जब ये दस्तावेषात 30-5-80 को उपलब्ध थे सो 31-5-79 को ढूंढने का कोई महत्व नहीं रह जाता। 30-5-80 को ग्रसल वस्तावेज उपलब्ध थे तो 31-5-79 को दंढने का कोई मर्थ नहीं रह जाता। 30-5-80 को जांच के दौरान श्रसल वैरीयेबिल डाटा व दो महीने की बुप्लीकेट कॉपी, जिसको दोनों पक्षकारान् मानते हैं, उपलब्ध थी श्रीर 30-5-80 के बाद श्री ए.के. रायजादा का कोई कथन नहीं है कि वे दस्तावेज कहां गये। इस प्रकार पत्रावली पर कोई साक्ष्य नहीं कि संबंधित असल वैरीयेजिल डाटा व डप्लीकेट वैरीयेजिल डाटा ओ कि जांच के दौरान पेश हुए थे, वह न्यायालय के समक्ष पेम क्यों नहीं हुए। इस प्रकार विना किसो कारण के ग्रसल बैरीयेबिल डाटा व बुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा जी कि प्रार्थी द्वार। मरा गया था, बिना किसी कारण विपक्षी बारा न्यायालय में पेश नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों में जो चैक लिस्ट प्रदर्श एम-5 पेश को गई है उसकी द्वितीयक साध्य में प्राह्म नहीं कहा जा सकता क्योंकि प्रसल दस्तावेज वेश करने का कोई कारण नहीं है। यह भी साबित नहीं होता कि ये दस्तावेजात मध्ट हो गये ये या उपलब्ध नहीं हुए हैं। इस प्रकार धारा 65(सी) साक्ष्य प्रजिनियम में नष्ट होने या गम होने या अन्य कोई कारण विषक्षी द्वारा नहीं दर्शाया गया इसलिए यही कहा जायेगा कि भसल व अप्लीकेट वैरी-मेक्सिल काटा जो कि प्रार्थी द्वारा बनाया गया था, जानबू आकर बिना किसी कारण पेश नहीं किया गया इसलिए यह उप-धारणा ली जायेगी कि अगर उक्त वैरीयेबिल डाटा असल या इप्लीकेट पेश होता तो प्रार्थी के ही प्रकरण का समर्थन करता और विपक्षी के प्रकरण का खण्डन करता। इन पारस्थितियों में प्रदर्श एम-5 चैंक लिस्ट का कोई महत्व नहीं रह जाता क्यों कि इस प्रकरण में मुख्य प्रश्न यह है कि क्या प्रार्थी ने वैरीयेबिस शाटा फार्म III के अनुसार नहीं भरकर ग्रपने हाथ से गलत भरा? एस.एस.जे. (एस.सी.) 269 स्टेट थ्रॉफ महाराष्ट्रा बनाम मधुकर नारायनन में माननीय न्यायाधिपतियों ने यह विनिश्चय किया कि श्रसल दस्तावेज गुम हो गये श्रीर उन दस्तावेजों को ट्रान्सिकिप्ट जो कि पहले तैयार की गई बी, ब्रारोपी को दी गई है इसलिए असल दस्तावेज नहीं देने का कोई प्रभाव नहीं है और इससे जांच दूषित नहीं होती। परन्तु इस प्रकरण में ऐसे तथ्य नहीं है। इस प्रकरण में तो जानबुझकर प्रसल वैरीयेबिल बाटा पेश नहीं किया गया इसलिए यह निर्णय तथ्यों के श्राधार पर विपक्षी को कोई मदद नहीं करता।

34. प्रदर्श एम-5 चैरीटेबिल डाटा की जो कि चैक तिस्ट पेज की गई है उसने भी प्रार्थी के खिलाफ कोई भारोप सिद्ध नहीं होता क्योंकि ग्रमन व हुप्सिकेट वैरीएबिल डाटा संबंधित महोनों को विपक्षी द्वारा जान-बूसकर पेस नहीं किया गत है। दूसरे ग्रमन प्रण्न इससे यह है कि क्या श्रमिक ने वैरीएजिल डाटा में फार्म-III रजिस्टर से विषरीत नाथु सिंह को लाभ पहुंचाने व भ्रापने को लाभ पहुंचाने के लिये इन्द्राज किया। इस प्रश्न का उत्तर धन्नल या बुप्लीहट वैरीएविल डाटा जो कि विपक्षी के पास जांच के दौरान उपलब्ध था, ग्रीर इसकी कोई साक्ष्य नहीं कि वह वैरीएबिल डाटा गुम हो गया, प्रार्थी ने बनाया था, से ही पता चल सकता था नगीति इसमें इन्द्राजात प्रार्थी के हाथ के थे। इस प्रकार प्रार्थी के हाथ के इन्द्राजात चैक लिस्ट में नहीं हैं। इन परिस्थितियो में जब प्रदर्श एम- 5 चैक लिम्ट में इन्द्राजात प्राणी के हाथ के नहीं हैं तो इससे विपक्षी को कोई मदद नही मिलती भीर इससे यह नहीं कहा जासकता कि प्रार्थी ने गलत इन्द्राजात किये।

35. क्रप्रार्थी के साक्ष्य श्री बद्धिका प्रसाद भट्टाचार्य का प्रति परीक्षण में कथन है कि ई-फार्म से III फार्म में जो हाजिरी दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 में चढ़ाई यह सही है लेकिन जो तन्छवाह उसको वी गई उसमें ऋार हाजिया में अन्तर है जो टैली नही हो रहा है। इस प्रकार विपक्षी का साक्षी भी इस बात को स्वीकार करता है कि III फार्मजो कि प्रार्थी अमिक ने बनाया 🕏 उसमें कोई विवाद नहीं और उसमें इन्द्राजात सही किये गये हैं। प्रदर्शएम-7 व एम-8 III फार्म के बार में है ब प्रदर्श एम∽9 एवं एम∽10 ई~रजिस्टर जो 🛊 उपस्थिति के बार में है। प्रदर्श एम-6 में नाथू सिह की दिसम्बर 1978 में 26/16 हार्जारया दिखाई गई है भीर उसमें 29.12 पैसे वस्ली को भी लिखा गया है। इसी प्रकार मार्च 1979 में नाथू सिंह की हाजिरी 00 बताई हुई हैं। प्रदर्श एम-II प्रार्थी के बयानों के दौरान जो III फार्म व अप्लिकेट असल वैरीएबिल डाटा की जो स्थिति पेज नं. 56 पर बताई गई है उसमें भी III फार्म में दिसम्बर 1978 में नाथू सिंह की 26/16 उपस्थिति बताई गई हैव रुपने 29.12 पैसे बसूल किये जाने बताये गये हैं । इसी प्रकार जनवरी 1979 में रुपये 42.28 पैसे वसूल किये जाने बताये गये हैं भ्रौर मार्च 1979 में उसकी उपस्थिति 00 बताई गई है। इस प्रकार प्रार्थी श्रमिक द्वारा जो III फार्म भरा गया है उसके प्रनुसार व विपक्षी केसाक्षी श्री भट्टाचार्य केकथनों के प्रनुसार व एम-7 सएम-10 वस्तावजों से यह सावित होता है कि प्रार्थी श्रमिक न III फार्म में नायू सिंह को दिसम्बर, 1978 में 26/16 उपस्थितियां व वजुली (रीकवरी) के खाने में रुपये 29.12 पैसे बताये गये ये व जनवरी, 1979 में बसूजी के खाने में रुपये 42.28 पैस बताय थे प मार्च 1979 में मार्च की उपस्थित 00 वताई भी : उज

पक्षकारान के प्रतिनिधिगण का कोई विवाद नहीं करते है। इस प्रकरण में अम् भावति मुद्दा वैरीएबिल डाटा से धारें में होता है जो कि धनल विपक्षी द्वारा पेश नहीं किया गया और भ्रमल व उप्पक्षिट पेश नहीं किया गया । श्री भट्टाचार्य का प्रति परीक्षण में कथत है कि सी.पी. बर्माके बारे में उसे व्यक्तियत जानकारी है। खेतही कापर प्रोजक्टमें वह अप्रैल 1981से काम कर रहा है व कोलीयान माईन्स में जून 1986 से कार्य कर रहा है । दिसम्बर 1978 में हिन्दूस्तान कापर में बह नहीं था, जनवरी व मार्च, 1979 में भी खेतड़ी कापर काम्प्लेक्स में नहीं थाव रिकाई देख कर यह बता सकता है कि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979व मार्च 1979में टाईम कीवर कौन था। इस प्रकार ये साक्षी, जबकी यह घटना है, विवक्षी के यहां नियोत्रित नही था इसन्तिये इसका कथन केवल रिकार्ड पर ग्राधारित है ग्रीर उसे कोई व्यक्तिगत ज्ञान इस संबंध में नहीं है। इसलिए इन परिस्थितियों में जब कि असल व ध्ष्लीकट वैरीयेबिल डाट। जो कि जांच में पेश हुन। न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया गया तो श्री भट्टाचार्य के बयानी से विपक्षी को कोई मदद नहीं मिलती । दूसरे श्री ए.के. रायजादा जांच ग्रधिकारी थे भीर उनको भी इन तक्यों के वारे में व्यक्तिगत कोई ज्ञान नहीं है इमलिये भी उन के वयान विपक्षी को कोई मदद नहीं करते श्रीर प्रार्थी के कथन का खण्डन नहीं करते।

36. श्री सी. पी. प्रामां का प्रपथ पत्न दिनांक 15-4-91 के पैरा नं. 9 में निम्नलिखित कथन है: "यह कि दिसम्बर 1978 में मैंने नत्थू सिंह की इन्ट्री के श्रागे 26 दिन की हाजिरी फीड की थी जो ई-फामें के श्रनुसार सही थी तथा 29.12 रुपये एक्सेज पेटेन्ट में काटे थे जिसका इन्द्राज थर्छ फार्म में किया गया है जो सही है श्रीर वेरीएबिल डाटा में भी मैंने यही फीड किया था जो माथुर के द्वारा चैक किया गया था। वह मूल माननीय न्यायालय में नियोजक ने बार बार निर्देश देने के बावजूद भी पेश नहीं किया है।"

37. श्री सी. पी. गर्मा का शपथ पत्न दिनांक 15-4-91 के पैरा 10 व 11 में कथन है कि: 10-यह कि माह जनवरी 1979 में श्री नत्यू सिंह श्रोवर टाईम का फार्म पार्टटाईम श्राफिस में भर के पेश किये थे जिस पर कन्द्रोलिंग श्रीधकारी श्री बता के हस्ताक्षर थे श्रोर उसके श्राधार पर ही उसकी श्रोवर टाईम का काम किया था ; का वेतन का इन्द्राज वेरीएबिल डाटा में लिखा था जो श्री माथुर द्वारा चैक किया गया श्रीर इस कारण से मैंने जो बेरीएबिल डाटा तैयार करके बिन विभाग में भेजा वह सही था। लेकिन नियोजक ने माननीय न्यायालय में पेश नहीं किये हैं। माह जनवरी में उसके येतन से 42.28 रुपये जो एक्सेज थे जो काहना था, का

इन्द्राज मैंने 3 फार्म में कर रखा है, उसके प्रनुसार ही मैंने जो वैरीएबिल इाटा तैयार किया जिसकी माथुर ने चैंक किया, में भी काटा या ग्रीर मैंने कोई गलती श्रवनी श्रोर से नहीं की । लेकिन नियोजक ने मूल वैरीएबिल डाटा माननीय न्यायालय में पेण नहीं किया है।

11. यह कि माह मार्न, 1979 में श्री नत्यू सिंह का 3 फार्म रिजस्टर में इन्द्राज ई-फार्म के श्रनुसार किया था जो ई-फार्म श्री महावोर गर्मा ने तैयार किया था श्रीर ई-फार्म के श्रनुसार ही मैंने 3 फार्म में 00 श्रीकित किया था तथा यैरीए विल डाटा में भी 00 ही श्रीकित किया था जो मूल नियोजक ने पेण नहीं किया है। माह मार्च 1979 का 3 फार्म भी मैंने 00 श्रीकित किया। इसके बाद टाईम झाफिस में श्री माथुर ने चैक किया श्रीर उसके बाद वित्त विभाग में भेजा गया था। इसमें मेरी श्रीर में न तो कोई लापरवाही की गई है और नहीं कोई गलती ही की गई थी।

38. मेरे विचार में प्रार्थी के इस कथन को नहीं माने जाने का कोई कारण नहीं है। दूसरे इसका समर्थन 3 फामं से भी होता है जिसमें भी उसने उपस्थिति व रिकवरी के बारे में जो गपथ पत्र में कथन किये हैं, वही लिखे हैं। तीसरे, नियाजक द्वारा श्रमल व जुप्लीकेट वैरीएबिल डाटा जो जांच में पेश हुए थे, को जानबक्षकर पेश नहीं किया गया । श्रगर वे पेश होते तो वह विपक्षी के प्रकरण काखण्डन करते श्रीर प्रार्थी केकथन का समर्थन करते इसलिये यह तथ्य भी प्रार्थी का समर्थन करता है। चीये, घ्रसल वैरीएविल डाटा व कुष्लीकेट डाटा में जो दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 व मार्च 1979 में संबंधित विवाद के बारे में जो श्रंकित किया गया था वह भी विपक्षी के कथन का समर्थन नहीं करते। दिसम्बर 1978 के बारे में प्रकित किया गया है कि नत्यु मिह की उपस्थिति के भ्रंकों को बुरी तरह डी-फेस किया गया श्रीर उसमें 31 बताये गये हैं। परन्त यष्ट नहीं बताया गया कि ये 31 कि त ने बनाये। इस प्रकार ऐसा प्रतीन होता है कि प्रार्थी द्वारा लिखे गये 26 ग्रंक को बाद में 31 किया गया है। यह तो उस समय भी साबित नहीं हो सका कि यह प्रार्थी के हाथों से किया गया है। इससे भी प्रार्थी के कथनों का ही कि 21 की जगह 31 लिखे गये, का ममर्थन होता है। रिकवरी के खाने में 29.12 रुपये लिखे गये थे जिसको बाद म कार्बन द्वारा मिटाया गया है। उसके बाबत भी विपक्षी का कही यह कथन नहीं है कि 29 रुपये 12 पैसे को प्रार्थी श्रमिक ने बाद में काटा । इस प्रकार उपस्थिति के बारे मे व दिसम्बर, 1978 में 29.12 रुपये की रिकवरी भासल बैरीएबिल डाटा में दिखाई गई थी जो कि बाद 🗓 डी-फेस करके या काटके अलग शंक बनाये गये हैं और

यह साबित नहीं होता कियह काटाफांसी प्रार्थी द्वारा की गई। इसलिये असल वैरीएविल डाटा में काटा फीनी होना व प्रार्थी द्वारा ऐसा नहीं करने से भी प्रार्थी के कथन का समर्थन होता है फ्रीर विपक्षी के कथन व उसके दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्श एम-5 र्जंक लिस्ट का वाण्डन होता है इसलिये विपक्षी के साक्ष्य को नहीं माना जा सकता । पांचवें जनवरी, 1979 में कार्वन प्रिष्ट में 42.28 पैसे बताये गये हैं। इस प्रकार जनवरी 1979 की 42.28 पैसे की रीकवरी बताई गई है जो भी प्रार्थी के प्रकरण का समर्थन करती है। मार्च, 1979 में उपस्थिति में "00" के ऊपर 31 लिखा गया है, यह कहीं साबित नहीं किया गया कि यह 31 अंक श्रीमक द्वारा लिखा गया । श्री भट्टाचार्य के शपथ पन्न में कथन कि यह कम्प्यूटर में कम्प्यूटर की जो शीट सूचनायें फीड करमें हेतु भरी जाती हैं वह फार्म 3 रजिस्टर में जो इन्द्राजात होते हैं उनके अनुसार ही घरी जाता है। यह मीट फाइनेन्स विभाग (वित्त विभाग) में जाती हैं श्रौर **क्ति विभाग द्वारा रिकार्ड कीपर /टाईम कीपर द्वारा** बनाई गई शीट की कम्प्यूटर में फीड कर दिया जाता है। इस प्रकार टाईम कीपर व रिकार्ड कीपर द्वारा बनाये गमें वैरीएबिल डाटा वित्त विभाग में जाते हैं श्रीर उसके पश्चात् वैरीएबिल डाटा कम्प्यूटर में फीड कर चैक लिस्ट बनाई जाती है।

39. श्री जागीर सिंह का भाषथ पञ्च के पैरा 4.व 5|में कदन है कि:⊶च

4. यह कि माह दिसम्बर, 78, जनवरी 79, व मार्च 79 में श्री सी०पी० शर्मा श्री भृपालरामध्यी की देख-रेख में केमिकल विभाग के बिल बनाते थे जो भी काम मेरे को तथा श्री सी०पी० शर्मा को अ्पृटी चार्ट प्रदर्श उदस्य-7 के स्रनुसार दिया गया वह काम करते थे।

5. यह कि माह दिसम्बर, 78, जनवरी, 79, य भार्च 79 में प्रत्डर ग्राउन्ड में जहां पर भी श्री नत्य सिंह काम करता था की हाजरी श्री लालचंद सैनी, सयाई सिंह, ग्रार०सी० यादव व चुन्नीलाल मीणा ने की है तथा इस ग्रवधि में श्री नत्थू सिंह की हाजरी श्री सी०पी० शर्मा ने नहीं की है।

40. इस प्रवार जागीर सिंह के व श्री महाचार्य के कथनों से यह साबित होता है कि रिकार्य की पर व टाईम वीपर जारा बनाये गये वैरीयेबिल डाटा वित्त विभाग में जाते हैं और उसके पश्चात वह कम्प्यूटर में पीड होते हैं। इस प्रकार रिकार्ड कीपर के पश्चात टाईम ऑपीस व पिट वित्त विभाग में प्रार्थी द्वारा बनाये गये डाटा जाते हैं। इन परिस्थितियों में जबकि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 के मसल व कार्बन प्रतियों यो बांच के वौरान उपलब्ध हुई थी और जिनमें संबंधित विवास के बार में वया लिखा है, के तथ्य पेज नं 56 व 57 पर

तिखं गये हैं, जिससे स्पष्ट है कि न्वंधित विवाद के बारे में अंतों मो या तो बी-पैस किया गया है या किस्पूल काटा नम है बया उनके उपन जीजर महिंग की गई है। यह सादित नहीं होता है कि यह काटापांसी श्रीक हारा की गई है जोर श्रीक हारा बैरीयेंबिल डाटा बताने के बाद कई हाणों से वैरीयेंबिल टाटा गुउरता है और उसके बाद कई हाणों से वैरीयेंबिल टाटा गुउरता है और उसके बाद कई हाणों से वैरीयेंबिल टाटा गुउरता है और उसके बाद यह कम्प्यूटर में फीज होता है इसलिए जब श्रीक आरा वे रहाबदल किया जाना साबित नहीं होता तो श्रीक के पश्चात अन्य व्यक्तियों जिनके हाशों में भी वैरीयेंबिल डाटा कम्प्यूटर में पीड करने से पहले आया, उनके हारा मा कियो अन्य व्यक्तियों एस वैरीयेंबिल डाटा कम्प्यूटर में पीड करने से पहले आया, उनके हारा मा कियो अन्य व्यक्तियार इस वैरीयेंबिल डाटा में रद्दो-नदन करने को संभावना को पूर नहीं किया जा सकता, इसलिए भी इस तथ्य से विपक्षी से सक्ष्य वा खण्डन होता है और प्रार्थ के सक्ष्य का कि उसने येथेंबिल डाटा में बही लिखा था जो IIIपाम में था, का समर्बन होता है।

4.1 श्री सीटपी० शर्मी का शपथ पत दिनांक 15-4-91 के पैरा गंट 1.4 में काइन है कि :→→

14. यह कि मैं खेंतड़ो नगर में रहता था तथा नत्यू सिह्
गंतड़ों में रहता है जिसकी दूरी करोब 11 किलोनीटर
हूं और नत्यू सिह ने जो अपने बयान में कहा है कि
में उसके घर जाता तथा तोनों माह में उससे रुपये
लेकर आता था यह आरोप गलत है तथा
व्यक्तिगत यूण्मनी के कारण ही सवाई सिह य महाबीर
शर्मा तथा नत्यू सिह ने लगाये हैं क्यों कि नत्यू सिह आदतन
शराबी है तथा मिथ्या शिकायत की है और उसको
जिरह में पूछा था कि उसके विश्व ए॰सी॰जे॰एम॰
कोट खेतड़ी में बोरी का मुकदमा चल रहा है तो उसने
बोरी के मुकदमें के लिए इन्कार किया है जबकि बोर्ट
की अनिलिप पंश्व है जो अदल डब्ल्यू-8 है।"

12. नत्थूसिंह का प्रति परीक्षण में कथन है कि उसने
महावीर व सवाई सिंह ने राय लेकर शिकायत अपने
हाथ से लिखी है। उसे मालुम नहीं कि सी •पी • णमिका
महावीर व मवाई सिंह से कोई अगग़ है या नहीं। इस
प्रकार नत्यूसिंह के बयानों से यह साबित होता है कि उसने
यह रिपोर्ट प्रदर्श-एम • 1 व एम-2 महावीर प्रसाद व सवाई
सिंह से राय लेकर लिखी थी।

4.3 श्री जाशीर सिंह का गपथपद के पैरा सं. 11 में कथन है कि:

11. नियोजन संस्थान में तीन यूनियन थीं। श्री सी.पी. शर्मा के.टी.एस.एस. यूनियन के सित्रय सदस्य थे तथा दूसरी यूनियन के.सी.एस.एस. थी जिसके सदस्य श्री एम.पी. माथुर, नत्थु सिह, सवाई सिह व एम. पी. शर्मा थे, इन लोगों ने मिलकर के श्री सी.पी. शर्मा ने परेशान करने के उबेश्य से यह मिथ्या जिकायस नियोजन को भी हैं" "न्यों कि श्री नत्थु सिह का पाल चलन टीन नहीं था और वह शराबी है तथा श्री सी.पी. शर्मा के विरव्र यो शृगतान करने

के बाय उससे बापस रुपया लेने की शिकायस की है वह गलड़ भी जब से बी सी,पी, शर्मा की जिलकियम किया है। तब ये मैं की गैंकेनिकल जिल बना रहा हूं।"

44. १स प्रकार जागीर सिंह के शपथ पत से यह सायित होता है कि नत्यू सिंह, महायोग प्रसाद, सवाई सिंह के की गया. एस. जुनियन के सदस्य थे और जी, बी, शक्षीके ही एस एस. यनियन का सदस्य था। इस पकार बोनों प्रक्रग-प्रलग वनियन के मदस्य थे। प्रार्थी के शपभ पत संयह सावित होता है कि उस री महाबीर प्रसाद व सवाई सिंह से दूश्म है। धर । धर । सह के बयानों से यह साबित होता है कि उसने अर्गाः प्रसाद व सवाई सिह के कहने से रिपोर्ट लिखी थी । ग्रतः प्रार्थी व महाकीर प्रसाद, शबाई सिंह व नत्यु सिंह का ध्यलग-श्रलग युनियन का सदस्य होता, नत्यु सिंह का सवाई सिंह त महाबीर प्रसाद की राग से रिकोर्ड लिखना, सवाई सिंह, महाबीर धसाद व सी.पी. मर्कामें दुश्मती होना, अंतिम भूगतान अप्रैल 1979 में होना और उसके पश्चात रिपोर्ट जनवरी 1980 में पटना के भाठ-को माह बाद कराचा, नत्थ सिंह वा दक्षके महीचे तक चुपचाप रहनाऔर किसी को ४स घटना का जिल्ल नहीं करता इस सब सध्यों से एव ही निष्यर्थ निकलता है कि गांधीं सी.पी. असी व महावीर प्रसाद, नत्थु सिंह व सवाई सिंह अलग अलग ३लियन के नदश्य ये और इनकी आपस में दुश्मनी थी क्सलिए दृश्मनी के कारण थी. पी. मर्भाके किलाप यन रियोर्टकी गई है। युमलिए भी दार्गी **की साक्ष्य और** प्रार्थीका कथ्य स्रधिक बलवरो है और प्रिपक्षी के साध्यको नहीं माना जा सकता।

45. श्री जागीर सिंह का प्रापथ पह के पैरानं, 7 में कथन है कि '--

7. यह कि श्रीमंग नत्यू सिंह का ओवरटाइम का रिकार्ड मैंकैनिकल विभाग में रहता था। ए जीविट डब्ल्यू-6 व माह दिसम्बर 1978 व ए जिजीविट डब्ल्यू-5 माह जनवरी 1979 का जोवर टाईम काम किया का पाम है जो नत्यू सिंह ने भर कर के दिखे हैं और जिन पर ए से बी हर्जा कर के हिंथे हैं और जिन पर ए से बी हर्जा कर कर है को है लिया भी से डी हस्ताकर श्री थी. बी. ब्रांग के हैं जो उस समय मैंबेनीकल इंचार्ज के पद पर काम अस्ता में हैं जो उस समय मैंबेनीकल इंचार्ज के पद पर काम अस्ता में बीनों ए जिनिविट डब्ल्य-6 व डब्ल्य-5 नत्यू सिंह ने जोघर टाईम के भूगतान के लिए श्री भी. बी. ब्रांग में श्रमाण्यान कराकर के अगतान हेतु पेश किए, थे। श्री ब्रांग मैंकैनीकल विकार में श्रमीकल के पद पर निवोचित था।

46. श्रीसी.पी. समिति। जपश्यपः के ँपानं, 8 में भश्यन है कि

्यहं कि ओवर टाईम जो श्रासिक काम करता है के लिए यह आवश्यक शाकि वह ओवर टाइम पाम सैयार करता और उस पर अपने कर्िोलिंग श्रांशकारी के हस्तावर करावर टाईम श्राप्ति में वे विल लिपिक को देशा था। नत्य सिंह ने माह विसम्बर 78 में ओवर टाईम काम किया था तथा उसने पाम थरके उस ५१ कन्द्रोलिंग श्रांथकारी श्रो थी. थी. बझा के इस्तावर कराके टाईम श्राप्ति में पेश किया था। उक्त पाम प्रदर्श डाइम श्राप्ति में पेश किया था। उक्त पाम प्रदर्श डाइम श्राप्ति पर विशामीय जांच में

अी बता ने अपने हस्ताक्षर स्थीबार और इस प्रकार से नत्य सिंह को ओवर टाईम का विस बनाकर भूगतान किया गया था औ सही था। इसमें मैंने वोई लापरबाही नहीं की तथा उबन बिल को श्री माधुर टाईम-कीपर ने चैक किया जिसने चैक अपने के आराद ही द्यपने हस्ताक्षर किये हैं। इस प्रकार से मेरे विष्य जो श्रागीप लगाया गया है वह भिश्या है। कोबर टाईम पान को प्रतियों में वैदार किये जाते थे एक तो टाईम कार्यालय में रहता था दूसरा वैशिएबिल बादा के साम संलग्न करके विक्त विभाग में भेजा गया चा। क्यी प्रकार में माह जनवरी 79 में भी श्री नत्ल सिंह ने बोबर टाईम वा पार्व धे प्रतियों में अर्फर पैण किया तथा उसके यनसार ही ओवर टाईम का सत्यापन थी बदा ने विया ओ कन्दोत्तिक श्रापिसर था। माह जनवरी 1979 वा ओवर टाईम का पाम की प्रतिलिधि रेग है जो एकीबिट-6 है जिस पर नत्थु सिंह के हस्ताक्षर हैं तथा श्री बता के हस्ताक्षर हैं ।"

47. विषक्षी के विधान प्रतिनिधि ने ओवर टाईम स्लिप्स को जो कि प्रदर्भ हम-12 व हम-13 हैं, इस बाधार पर पर्जी बनाया है कि नत्यु सिंह के हस्ताक्षर नहीं हैं और प्रार्थी ने स्वयं पेण की हैं अोर पुन पर पाली श्रधिकारी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं। श्री जागीय भिष्ठ के काजनों से यह साबित होता है कि प्रवर्ध उन्त्य-5 व जटन्यू 6-एम-12-एम-13 पर कन्दोलिंग ग्राधिकारी थी थी.बी. बंदा केव नत्युसिह के हस्ताक्षर हैं। श्री इ.से. रायपाया का प्रति परीक्षण में कथन है कि "न्यायाधिकरण के समझ प्रवर्णित किए गये दस्तावेज प्रदर्श एम-12 व एम-13 वरेल जांच में उसके समक्ष पेण किये थे जो श्रमणः सब्बयु-3 व अब्बयू-4 है, उन पर श्री बबा ने अपने हस्ताक्षर शना माना था। इस प्रकार जाशीर सिंह व ए. के. रायजादा के बधानों से यह साबित शोता है कि प्रदर्भ एम/12 व/एम 13 ओवर टाईस की स्लिपों पर भी थी बला के हम्ताकर है और नत्थु सिंह के भी हस्ताक्षर है। चुकि कर्थु सिंह वा बयान विश्वसनीय नहीं है इसलिए जारीर सिंह के बयानों से कि इन पर नत्र्सिह के हस्ताक्षर हैं, वा खण्डन नहीं शेला। मेर विचार में प्रार्थी अरा के ओवरटाईम की स्लिए देंग करना या समय पालक के हुस्ताकर एन पर नहीं होने से एनको पर्ली नहीं कहाजा सकता क्योंकि इन पर कन्ट्रोलिंग अधिकारी श्री बन्नाय नत्यु सिह के हुस्ताक्षर साधित होते हैं टाईम कीपर को तो उसकी प्राप्त की यह जीयरटाईम की स्लिपों के ब्राधार पर बिल बनाना होता है जो कि उसने बनाया है। प्रदेश एम-12 न एम-13 जब दोनों श्रमिय नत्थूसिंह व ग्रंधियारियों के हस्ताइ र साबित होते हैं सो इन परिस्थितियों भें इन पर समय पालक के हस्ताक्षर नहीं होने से इसका कोई प्रभाव नहीं । दूसरी इस बात का स्पर्धाकरण कि के लिए धर्विर बना एवं मुख्य साकी जिनको भी पैश नधीं विध्य गया। १ सिल्धु यही माना जाउँका कि ये दस्तावेज मही हे अभिक्रनके आंधार पर जो वरीवेजिल डाटा बनावें गर्दे हैं व भी सही हैं। श्रो शीती. अर्मा व श्री ज़रीर सिंह के बयानों, तथा श्री ए.नं. रायजाया के नशानों से यह साबित होता है कि कन्दोलिंग ग्रापीसर श्रीन ''सिह वे हस्ताधर प्रवर्ष

12 व एम-13 पर हैं व उन्हों के श्राधार पर वर्शवेबिल डाटा में ओवरटाईम दर्शावा गया को सही है इसलिए क्सेमें प्रार्थी अभिक की कोई गलरी नहीं कही जा सकती।

4.8. ग्रतः विपक्षी द्वारा पेश की गई साक्ष्य से प्रार्थी की साक्ष्य का खण्डन नहीं होता। दूसरे जांच के दौरान विपक्षी द्वारा पेश किया गप्रा ग्रसल व ड्प्लीकेट डाटा जो विवाद से संबंधित था, को न्यायालय में पेश नहीं किया गया। इसलिए उसमे विपक्षी की साक्ष्य का खण्डन होता है ग्रीर प्रार्थी की साक्ष्य का समर्थन होता है इसलिए विपक्षी की साक्ष्य विपक्षी को कोई मदद नहीं करती । 1972 (बाल्यू-1) एल०एल०जे० पेज 1 यूनियन भ्रॉफ इण्डिया बनाम सरदार बहादुर व 1996(2)पार्ट 4 जे०टी० पेज 140 हरीचन्द बनाम स्टेट श्रॉफ दिल्ली में माननीय न्यायाधि-पतियों ने जो मिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं उनमें कोई विवाद नहीं परन्तु ये निर्णय इस प्रकरण के तथ्यों पर लाग् नहीं होंते और विपक्षी को कोई मदद नहीं करते। ग्रतः सी०पी० णर्मा के कथनों का समर्थन जागीर सिंह के बयानों से व प्रदर्श एम-11 में पेज नं 56 व 57 पर भ्रसल व कार्बन वैरीयेविल डाटा जो कि जांच के दौरान उपलब्ध या, स्रौर इसमें जो दस्तावेजों की स्थिति बताई गई है, प्रदर्श एम-12 व एम-13 पर नत्यूसिंह व कन्ट्रोलिंग ग्रधिकारी श्री बत्ना के हस्ताक्षर होने में दस्तावेज मही होने, सवाई सिंह, महावीर प्रसाद व प्रार्थी सींज्पील णर्मा की भापस में दूण्मनी होने के कारण नत्थूमिह से रिपोर्ट करवाना, ग्रमल व डुप्लोकेट बैरीयेबिल डाटा जो कि अभिक के हाय का था, जांच के दौरान पेण होना व न्यायालय के समक्ष पेण नहीं होना, प्रदर्श एम-7 से एम-10 IIIफार्म व हाजिरी रजिस्टर में इन्द्राजात से होता है छीक यह साबित होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने दिसम्बर, 1978 जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 के वैरीयेयित डाटा में वही तथ्य ग्रंकित किये थे जो कि उसने Шफार्म में किये थे और Ш फार्म में इन्द्राजात गलन करने का कोई वियाद नहीं है। दूसरे गब्दों में श्रमिक ने दिसम्बर, 1978 के वैरीयेबिल डाटा में 26 जून, की हाजिरी इन्द्राज की थीं ग्रोर 31 जून, को नहीं की ग्रीर उसने रुपये 19.12 पैसे नत्यूसिंह में वसूल किया जाना बताया था भीर उसने 49 घंटे नत्यूसिंह के भोवरटाईम के बताये थे। इसी प्रकार उसने नत्यूसिंह से जनवरी 1979 में रुपये 42.28 पैंसे वसूत किया जाना बताया था व 56 घंटे आंबर टाईम के बताय थे। इसी प्रकार मार्च, 1979 में नत्थमिह को 00 उपस्थिति बनाई थी। इस प्रकार प्रायी पर विपक्षी ढारा लगाये गये तीनों ही ग्रारोप विपक्षी सावित करने मे ग्रसफल रहे है ग्रीर जब तीनों ही ग्रारोप प्रार्थी के के खिलाफ साबित करने में विपक्षी ग्रसफल रहा है तो प्रार्थी के खिलाफ जो दिनांक 7-3-81 को सेवा मुक्ति का

आदेश पारित किया गया है वह बिना किसी फांधार के हैं भीर मनुचित व भवैध है। श्रनः प्रार्थी पुनः सेवा में लिये जाने योग्य है।

49. प्रार्थी श्री श्री सी०पी० शर्मा का शपथ पन के पैरा नं 18 व 19 में कथन है कि:

18. यह कि मेरे को मेवा से ग्रलग किया तब से मैं बैंकार बैठा हूं, कहीं पर काम नहीं करता हूं तथा मेरे परिवार में मेरी मां मेरी पत्नी व बड़ी लड़की हैं है जो एम०ए० हैं बी० एप्ट० हैं लेकिन कहीं काम नहीं मिला है। ग्राधिक तंगी की वजह से मेरी लड़की की गादी भी नहीं हो सकी है तथा मेरा लड़का राजुकुमार मेरे से काफी समय मे ग्रलग रहता है तथा तीन लड़के छोटे हैं जो अध्ययन करते हैं, कर्जा लेकर के परिवार का पेट पालन करता हं।

19. यह कि मेरे को पूरे वेतन सहित नौकरी पर बहाल किया जाये तथा सेवा मे अलग करने से वापिस रखने तक की अविध का वेतन व अन्य सभी लाभ मेरे को दिलवाये जायें तथा हर्जा खर्चा भी दिलाया जाव।

50. मेरे विचार में प्रार्थी के इस शपथ पक्ष का खण्डन विपक्षी की किसी साक्ष्य में नहीं होता और ना ही प्रति परीक्षण में इसको खण्डित किया गया है। प्रतः यह साबित होता है कि प्रार्थी सेवा मृक्ति से अब तक बरोजगार है और पिछला पूरा वेतन व अत्य सभी लाभ पाने का अधिकारी है।

51. उपरोक्त विजेचन के आधार पर प्रकरण में निम्न-लिखित अवार्ड पारित किया जाता है:---

"माईन्स सुप्रिन्टैन्डैन्ट, खेतड़ी कांगर काम्पलैक्स, खेतड़ी नगर द्वारा प्रार्थी श्रमिक श्री सोंग्पी० शर्मा की सेवाएं दिनांक 7-3-81 में समाप्त करना उचिन एवं वैध नहीं है। ग्रतः श्री सींग्पी० शर्मा पिछने समस्त वेतन य लाभ सहित पुनः सेवा में बहाल किय जाने का ग्राधिकारी है ग्रीर उसे विषशं सस्यान द्वारा तहाल किया जाये।"

52. श्रवार्ध श्राज दिनांक 3-697 का खुने न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गरा जो केन्द्र सरकार की प्रकाणनार्थ नियमानुसार भेजा जाये ।

एस.के. वंसल, न्यायार्धाण